कैरियर

मार्गदर्शिका

(छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा, शासकीय नौकरी आदि के लिये आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं एवं शासन की छात्रोपयोगी योजनाओं का संकलन)

सौजन्य :— विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर

कैरियर मार्गदर्शिका

•

मार्गदर्शन

ओ.पी. चौधरी (आई.ए.एस.)

कलेक्टर, रायपुर

•

संकलन

केदार नाथ पटेल

रोजगार अधिकारी, रायपुर

•

सहयोग

चिन्मय चौधरी

सहायक संचालक, रोजगार रायपुर

सौजन्य :– विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर

कैरियर मार्गदर्शिका

INDEX

क्र.	विवरण	वेब साईट	पेज क्र.
1(A)	राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE)	www.scert.cg.gov .in	01
1(B)	पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना	www.cgbse.gov. in	02
2	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE)	www.scert.cg.gov .in	03
3	किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY)	www.kvpy.org.in	06
4	उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति	http://www.inspir e-dst.gov.in	09
5	छत्तीसगढ़ में आईटीआई एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया	www.cgemploym ent.gov.in	11
6	छत्तीसगढ़ में पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया	www.cgvyapam. choice.gov.in	13
7(A)	छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया	www.cgvyapam. choice.gov.in	16
7(B)	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) रायपुर	www.cipet.gov.in	18
8	आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. हेतु प्रवेश परीक्षा	www.cgdteraipur. com	19
9	भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान तिरूवनंतपुरम में बी.टेक की परीक्षा हेतु	admission.iist.ac. in	23
10	नेशनल एप्टिट्यूट टेस्ट इन आर्किटेक्चर–नाटा (NATA)	www.nata.in	25
11	चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें	www.neet.nic.in	27
12	नर्सिंग क्षेत्र में कैरियर के अवसर	www.indiannursi ngcouncil.org	33
13	कृषि के क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें	www.icar.org.in	35
14	कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) हेतु परीक्षा	www.bbc.hindi.in	40
15	होटल प्रबंधन में कैरियर के अवसर	www.nchmct.org	43
16	स्पेशल क्लास रेल्वे एप्रेन्टीस परीक्षा	www.upsconline. nic.in	47
17	राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में प्रवेश परीक्षा	www.nift.ac.in	49
18	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एण्ड रिसर्च में प्रवेश परीक्षा	www.iiser.ac.in	51
19	सी.ए. (C.A.) हेतु प्रवेश परीक्षा	www.icai.in	54
20	कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में कैरियर	www.icsi.in	57
21	छत्तीसगढ़ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रवेश परीक्षा	www.cgvyapam.g ov.in	61
22	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov. in	64
23	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov. in	68

24	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ग्रंथपाल भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**71**
25	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**74**
26	छ.ग. लोक सेवा आयोग (मुख्य नगरपालिका अधिकारी भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**77**
27	छ.ग. लोक सेवा आयोग (सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**80**
28	छ.ग. लोक सेवा आयोग (सहायक संचालक जनसंपर्क परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**83**
29	छ.ग. लोक सेवा आयोग (माईनिंग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**87**
30	छ.ग. लोक सेवा आयोग (माईनिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**91**
31	छ.ग. लोक सेवा आयोग (सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**94**
32	छत्तीसगढ़ सिविल जज (एण्ट्री लेवल) भर्ती परीक्षा	www.psc.cg.gov.in	**97**
33	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (छत्तीसगढ़ वन सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**100**
34	छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (छत्तीसगढ़ राज्य अभियांत्रिकीय सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**103**
35	संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (I.A.S.) परीक्षा	www.upsc.gov.in	**106**
36	भारतीय वन सेवा (IFS) परीक्षा	www.upsc.gov.in	**110**
37	भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा	www.upsc.gov.in	**114**
38	भारतीय आर्थिक सेवा (IES) एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा (ISS) परीक्षा	www.upsc.gov.in	**117**
39	सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा	www.upsc.gov.in	**120**
40	राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा	www.upsc.gov.in	**124**
41	केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमाण्डेंट संयुक्त भर्ती परीक्षा	www.upsc.gov.in	**128**
42	एस.बी.आई. के सहयोगी बैंकों में संयुक्त लिपिकीय संवर्ग परीक्षा	www.sbi.co.in	**131**
43	एस.बी.आई. में पी.ओ. भर्ती परीक्षा	www.sbi.co.in	**135**
44	आई.बी.पी.एस. संयुक्त क्लर्क ग्रेड परीक्षा	www.ibps.in	**139**
45	आई.बी.पी.एस. संयुक्त पी.ओ. परीक्षा	www.ibps.in	**143**
46	आई.बी.पी.एस. संयुक्त विशिष्ट अधिकारी चयन परीक्षा	www.ibps.in	**147**
47	आई.बी.पी.एस., क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में अधिकारी (स्केल I, II, III) तथा कार्यालय सहायकों (बहुद्देशीय) के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा	www.ibps.in	**151**
48	भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी ग्रेड–बी भर्ती परीक्षा	www.rbi.org.in	**156**
49	भारतीय रिजर्व बैंक में सहायक भर्ती परीक्षा	www.rbi.org.in	**159**
50	साधारण बीमा निगम में सहायक प्रबंधक संयुक्त भर्ती परीक्षा	www.gicofindia.in	**162**
51	केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.टी.ई.टी.)	www.cbsc.nic.in	**165**
52	छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.जी.टी.ई.टी.)	www.cgvyapam.choice.in	**168**
53	जवाहर नवोदय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा	www.nvshq.org	**171**

54	केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा	www.kvsangathan.nic.in	**176**
55	छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (CG SET) परीक्षा	www.ugcnetonline.in	**182**
56	यू.जी.सी. नेट (U.G.C. NET) परीक्षा	www.ugcnetonline.in	**185**
57	ग्रेज्युएट एप्टेट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग–गेट (GATE)	www.gate.iitg.ac.in	**189**
58	भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश हेतु कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT)	www.iimcat.ac.in	**194**
59	कर्मचारी चयन आयोग (मैट्रिक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)	www.ssc.mpr.org	**197**
60	कर्मचारी चयन आयोग (स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)	http://ssconline.nic.in	**200**
61	केन्द्रीय कार्यालयों में जूनियर इंजीनियर संयुक्त भर्ती परीक्षा	http://ssconline.nic.in	**204**
62	केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कॉंस्टेबिल संयुक्त भर्ती परीक्षा	http://ssconline.nic.in	**208**
63	केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा	http://ssconline.nic.in	**211**
64	छत्तीसगढ़ पुलिस सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा	www.cg.police.gov.in	**215**
65	छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा	www.cg.police.gov.in	**218**
66	छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल स्थानीय/भारत रक्षित वाहिनियों के लिए आरक्षक भर्ती परीक्षा	www.cg.police.gov.in	**221**
67	भारतीय थलसेना में सैनिक भर्ती परीक्षा	www.joinindianarmy.nic.in	**224**
68	भारतीय वायुसेना में ग्रुप X एवं ग्रुप Y की भर्ती परीक्षा	www.indianairforce.nic.in	**228**
69	भारतीय नौसेना में अल्प सेवा कमीशन आयोग की तकनीकी शाखाओं के अंतर्गत यूनिर्वसिटी स्कीम में भर्ती	www.nausena-bharti.nic.in	**232**
70	एल.आई.सी. सहायक विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा	http://www.licindia.in/careers.htm	**235**
71	एल.आई.सी. सहायक प्रशासनिक अधिकारी भर्ती परीक्षा	www.licindia.in/careers	**238**
72	छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (सहायक/कनिष्ठ इंजीनियर (प्रक्षिशु) भर्ती परीक्षा)	www.psc.cg.gov.in	**241**
73	रेल्वे भर्ती बोर्ड (सहायक लोको पायलट भर्ती परीक्षा)	www.rrcbilaspur.gov.in	**244**
74	रेल्वे भर्ती बोर्ड (ग्रुप–डी भर्ती परीक्षा)	www.rrcbilaspur.gov.in	**247**
75	छ.ग. में MBA पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली CMAT परीक्षा	www.aicte-cmat.in	**250**
76	छत्तीसगढ़ में पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन परीक्षा	cgvyapam.choice.	**253**

		gov.in	
77	छत्तीसगढ़ राजस्व निरीक्षक भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**256**
78	छत्तीसगढ़ खाद्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**258**
79	छत्तीसगढ़ सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक संयुक्त भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**260**
80	छत्तीसगढ़ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**262**
81	छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षक भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**263**
82(A)	छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्रलेखक, डाटा एन्ट्री आपरेटर, स्टेनो टायपिस्ट एवं सहायक ग्रेड–3 परीक्षा हेतु आवश्यक आर्हता	cgvyapam.choice.gov.in	**265**
82 (B)	छत्तीसगढ़ में शीघ्रलेखक हिन्दी/अंग्रेजी, स्टेनो टायपिस्ट, डाटा एन्ट्री आपरेटर एवं सहायक ग्रेड–3 संयुक्त भर्ती परीक्षा	cgvyapam.choice.gov.in	**267**
83	उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण		**270**
84	छ.ग. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण	www.cgdteraipur.ac.in	**272**
85	छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम, 2013	www.cssda.in	**274**
86	अब घर बैठे करा सकते है रोजगार पंजीयन	www.cg.employment.gov.in	**277**
87	निःशक्तजनों के लिए छत्तीसगढ़ शासन की योजनाएं एवं शासकीय नियुक्तियों में आरक्षण प्रावधान	www.sw.cg.gov.in	**278**
88	आपकी सफलता आपके हाथ (सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के सूत्र)	O. P. Choudhary	**282**
89	भारतीय लोकतंत्र : क्या–खोया ? क्या–पाया ?	O. P. Choudhary	**295**
90	वैश्वीकरण का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव	O. P. Choudhary	**304**

टीप :– यह मार्गदर्शिका संबंधित आयोग/संस्थान/विभाग के वेबसाईट में उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें किसी भी प्रकार के तथ्यात्मक भिन्नता या मुद्रण त्रुटि के लिए संकलनकर्ता जवाब देह नहीं होगा। किसी भी परीक्षा के संबंध में अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित वेबसाईट का अवलोकन अवश्य कर लेवें।

निःशुल्क वितरण हेतु

01. (A) राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSE)

मानव संसाधन विकास मंत्रलाय, भारत सरकार द्वारा प्रतिभाशाली एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु NCERT द्वारा SCERT के माध्यम से सन् 2008 से राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को नवमी से बारहवीं तक की पढ़ाई हेतु 6000.00 रू. वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस परीक्षा के लिए विज्ञापन सामान्यतः जुलाई माह में जारी किया जाता है तथा परीक्षा अक्टूबर/नवंबर माह में आयोजित किया जाता है। **वर्ष 2017 में यह परीक्षा 5 नवंबर 2017 को आयोजित की गयी थी।**

आवश्यक अर्हता :– 1. इस परीक्षा में **कक्षा आठवीं** में शासकीय विद्यालयों/नगर निगम/नगर पालिका के विद्यालयों/अशासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं। केन्द्र शासन द्वारा संचालित विद्यालय/अशासकीय गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों एवं आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी इस परीक्षा हेतु पात्र नही होते है।

2. विद्यार्थी के पिता/पालक की वार्षिक आय 1.5 लाख रूपयें से अधिक नही होनी चाहिए। उसे इस आशय का तहसीलदार द्वारा जारी किया गया आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होता है।

3. कक्षा सातवीं की परीक्षा विद्यार्थी न्यूनतम 55 प्रतिशत (अ.ज.जा/अ.जा. के लिए 50 प्रतिशत) अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आवेदन प्रक्रिया :– कक्षा आठवी में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपना आवेदन पत्र विद्यालय के प्राचार्य के पास जमा करना होता है। छात्र, आवेदन पत्र अपने विद्यालय से या SCERT छ.ग. की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र भी अपने विद्यालय के माध्यम से ही प्राप्त होता है। आवेदन पत्र निःशुल्क होता है।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा राज्य स्तर पर आयोजित की जाती है।

इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैः–

प्रश्न पत्र क्र.	विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	भाग–I बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	90	90	90 मिनट
2	गणित भाग–II विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	20 35 35	20 35 35	90 मिनट
	कुल	**180**	**180**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।
3. छात्र को इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए NCERT द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा परिणाम :– परीक्षा के परीक्षा परिणाम संबंधित राज्य के SCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक राज्य का एक निश्चित संख्या निर्धारित है। छ.ग. राज्य के लिए यह संख्या शिक्षा वर्ष 2016–17 में 2246 था। अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में अजजा/अजा/निःशक्त वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शासन के नियमानुसार आरक्षण होता है।

छात्रवृत्ति की राशि :– राष्ट्रीय साधन–सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में अंतिम रूप से अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/NCERT द्वारा निम्नानुसार प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है :–

1. नवमीं से बारहवीं कक्षा तक – 500/– प्रतिमाह (वार्षिक 6000.00 रू.)

विस्तृत जानकारी :– SCERT रायपुर की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in तथा NCERT की वेबसाईट www.ncert.nic.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

1. (B) पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2017 से पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना प्रारंभ किया है। इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं में मेरिट में प्रथम दस स्थान तक आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के साथ–साथ निम्नानुसार प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है :–

1. दसवीं के छात्रों के लिए – 2 वर्ष तक प्रतिमाह 5000.00 रू. (प्रतिवर्ष 10 माह हेतु)
2. बारहवीं के छात्रों के लिए – 2 वर्ष तक प्रतिमाह 10000.00 रू. (प्रतिवर्ष 10 माह हेतु)

विस्तृत जानकारी :– CGBSE रायपुर की वेबसाईट www.cgbse.gov.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

02. राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE)

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के खोज एवं उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु NCERT द्वारा सन् 1963 से राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को पीएचडी की पढ़ाई तक (व्यवसायिक कोर्स में पढ़ाई करने पर पोस्ट ग्रेज्यूट तक) मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस परीक्षा के लिए विज्ञापन सामान्यतः जुलाई माह में जारी किया जाता है तथा राज्य स्तर पर परीक्षा अक्टूबर/नवंबर माह तथा इसमें सफल होने पर राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा मई माह में आयोजित की जाती है।

आवश्यक अर्हता :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में राज्य शासन/केन्द्र शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् छात्र ही शामिल हो सकते है।

आवेदन प्रक्रिया :– कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपना आवेदन पत्र विद्यालय के प्राचार्य के पास जमा करना होता है। छात्र, आवेदन पत्र अपने विद्यालय से या SCERT छ.ग. की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते है। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र भी अपने विद्यालय के माध्यम से ही प्राप्त होता है। आवेदन पत्र निःशुल्क होता है।

परीक्षा योजना :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा दो स्तरों में आयोजित की जाती है। प्रथम राज्य स्तर एवं द्वितीय राष्ट्रीय स्तर।

प्रथम स्तर (राज्य स्तरीय) :– यह परीक्षा संबंधित राज्य के SCERT द्वारा सामान्यतः अक्टूबर/नवंबर माह में आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र क्र.	विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	भाग–I बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	50	50	45 मिनट
	भाग–II भाषा योग्यता परीक्षण (LAT) हिन्दी या अंग्रेजी भाषा	50	50	45 मिनट
2	शैक्षणिक योग्यता परीक्षण (SAT) गणित विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	100	100	100 मिनट
	कुल	**200**	**200**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।

3. प्रथम प्रश्न पत्र के भाषा बोध परीक्षण में विद्यार्थी को हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में किसी एक भाषा का चयन करना होता है।

परीक्षा परिणाम :– प्रथम स्तर के परीक्षा के परीक्षा परिणाम संबंधित राज्य के SCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को परीक्षा के तीनों भाग अर्थात् MAT, LAT एवं SAT में अलग–अलग 50–50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रत्येक राज्य का एक निश्चित संख्या निर्धारित है, छ.ग. राज्य के लिए वरीयता सूची के आधार पर तैयार की जानी वाली यह निश्चित संख्या लगभग 100 है। प्रथम चरण में अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में 15 प्रतिशत अजा वर्ग के लिए, 7.50 प्रतिशत, अजजा वर्ग के लिए तथा 03 प्रतिशत निःशक्त श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहता है।

द्वितीय स्तर (राष्ट्रीय स्तरीय) :– प्रथम स्तर में अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा NCERT द्वारा सामान्यतः मई माह में आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र क्र.	विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	बौद्धिक योग्यता परीक्षण (MAT)	100	100	90 मिनट
2	शैक्षणिक योग्यता परीक्षण (SAT) गणित विज्ञान (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान) सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र)	100	100	90 मिनट
	कुल	**200**	**200**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हे। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है। सही उत्तर पर काला/नीला डाट पेन से OMR Sheet पर प्रविष्टि करनी होती है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होता है।

परीक्षा परिणाम :– द्वितीय स्तर के परीक्षा के परीक्षा परिणाम NCERT द्वारा जारी किया जाता है। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक राज्य का अलग–अलग निश्चित संख्या निर्धारित नहीं है। वरीयता सूची राष्ट्रीय स्तर पर संवर्गवार तैयार की जाती है। इस चरण में भी अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों में 15 प्रतिशत अजा वर्ग के लिए, 7.50 प्रतिशत, अजजा वर्ग के लिए तथा 03 प्रतिशत निःशक्त श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहता है।

साक्षात्कार :– जो विद्यार्थी द्वितीय स्तर के परीक्षा में अर्ह घोषित किये जाते हैं उनका साक्षात्कार NCERT द्वारा लिया जाता है।

अंतिम चयन सूची :– द्वितीय चरण की परीक्षा के प्राप्तांक एवं साक्षात्कार के आधार पर NCERT द्वारा कुल 1000 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में छात्रवृत्ति के लिए पात्र घोषित किया जाता है। इस प्रकार से पात्र घोषित किये गये विद्यार्थियों में 15 प्रतिशत अजा वर्ग के लिए, 7.50 प्रतिशत, अजजा वर्ग के लिए तथा 03 प्रतिशत निःशक्त श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहता है।

छात्रवृत्ति की राशि :– राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में अंतिम रूप से अर्ह घोषित किये गये विद्यार्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/NCERT द्वारा निम्नानुसार प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है :–

1. ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा में – 1250/– प्रतिमाह
2. ग्रेच्युट एवं पोस्ट ग्रेच्युट में – 2000/– प्रतिमाह
3. पीएचडी में – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। बौद्धिक योग्यता परीक्षण के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। प्रथम स्तर के लिए SCERT रायपुर की कक्षा आठवीं से दसवीं तक की तथा द्वितीय स्तर के लिए NCERT की कक्षा आठवीं से दसवी तक की पुस्तके बहुपयोगी है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए विद्यार्थी जिला रोजगार अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क कर सकते है। SCERT रायपुर की वेबसाईट www.scert.cg.gov.in तथा NCERT की वेबसाईट www.ncert.nic.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

उठो, जागो और तब तक नहीं रूको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाए।
Arise, Awake and Stop not till the goal is reached
- स्वामी विवेकानंद

03. किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY)

विद्यार्थियों को मूलभूत एवं प्राकृतिक विज्ञान के अध्ययन के लिए प्रेरित करके अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना भारत सरकार के विज्ञान एवं टेक्नालॉजी विभाग द्वारा 1999 में प्रारंभ किया गया है। यह एक छात्रवृत्ति योजना है।

इस हेतु योग्यतम विद्यार्थियों को एक परीक्षा के माध्यम से चयनित किया जाकर पी.एच.डी. से पूर्व तक अर्थात स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक प्रोत्साहन स्वरुप छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाया जाता है। यह योजना मूलतः भारतीय विज्ञान संस्थान (Indian Institute of Science) Bangalore द्वारा संचालित किया जाता है। आवेदन केवल ऑन लाईन किया जाता है।

KVPY हेतु विज्ञापन एवं अन्य महत्वपूर्ण तिथि :–

इस योजना हेतु प्रतिवर्ष विज्ञापन टेक्नॉलोजी (Technology) दिवस 11 मई को तथा जुलाई माह के द्वितीय रविवार को राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं । आवेदक किसी भी वर्ष की तिथि की वास्तविक जानकारी KVPY के वेबसाइट www.kvpy.org.in पर प्राप्त कर सकते हैं।

KVPY हेतु पात्रता :–

KVPY के अंतर्गत चयनित होकर छात्रवृत्ति की पात्रता पाने के लिए विद्यार्थी को तीन विभिन्न प्रकार से अवसर प्राप्त होते हैं जो क्रमशः स्ट्रीम SA, स्ट्रीम SB, स्ट्रीम SX कहलाते हैं।

स्ट्रीम SA :– इस स्ट्रीम के तहत किसी विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं में विज्ञान समूह (गणित, भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान इत्यादि) में दर्ज विद्यार्थी इस योजना के एप्टीट्यूड, परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक होता है कि उसने दसवी बोर्ड की परीक्षा गणित एवं विज्ञान विषय में न्यूनतम 75% अंक (अजा/अजजा हेतु 65% अंक) उत्तीर्ण किया हो। स्ट्रीम SA के तहत् इस योजना में उत्तीर्ण विद्यार्थी को छात्रवृत्ति एवं अनुदान की राशि 12वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात् मूलभूत विज्ञान के विषयों में Bsc/B.S./B.Stat/B.Maths/Integrated Msc/M.S. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना अनिवार्य होता है, साथ ही बारहवीं की परीक्षा न्यूनतम 60% अंकों से उत्तीर्ण करनी होती है।

स्ट्रीम SX :– यदि किसी विद्यार्थी ने ग्यारहवीं में SA स्ट्रीम के तहत् सफलता न पायी हो तो उसे एक और मौका बारहवीं में अध्ययन करते हुए स्ट्रीम SX के तहत् इस परीक्षा को देने हेतु पुनः प्राप्त होता है। इस हेतु यह आवश्यक होगा कि आवेदक दसवीं में न्यूनतम 75% अंक (अजा/अजजा हेतु 65% अंक) गणित एवं विज्ञान विषय में पाया हो तथा बारहवीं के आगामी बोर्ड परीक्षा में से 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) पाना अनिवार्य होगा। SX स्ट्रीम के तहत् चयनित आवेदक यदि बारहवीं पश्चात् मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन करते हैं तो उन्हें स्नातक प्रथम वर्ष से छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।

स्ट्रीम SB :– स्ट्रीम SA एवं स्ट्रीम SX का उपयोग करने में विफल रहने वाले विद्यार्थियों को एक अन्य मौका स्ट्रीम SB के तहत् पुनः प्राप्त होता है। यदि विद्यार्थी Bsc/B.S./Integrated Msc इत्यादि मूलभूत विज्ञान विषयों के पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है और उसने बारहवीं परीक्षा विज्ञान विषय के साथ न्यूनतम 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) अर्जित किया है तथा स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा जिसमें वह अध्ययनरत है, की आगामी परीक्षा में 60% अंक (अजा/अजजा हेतु 50%) प्राप्त होता है तो वह एप्टीट्यूड़ परीक्षा में चयनित होकर छात्रवृत्ति हेतु पात्र हो सकता हैं।

KVPY में चयन विधि :– उपर्युक्त वर्णित स्ट्रीम SA, SX, SB हेतु पात्र आवेदकों की एक एप्टीट्यूड परीक्षा प्रतिवर्ष नवम्बर के प्रथम रविवार को देश के विभिन्न सेंटरों में ली जाती है। इस परीक्षा का आयोजन भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian Institute of saince Bangalore) द्वारा किया जाता है।

इस परीक्षा हेतु स्ट्रीम के न्यूनतम निर्धारित योग्यता अनुसार पाठ्यक्रम का स्तर होता है। आवेदक को इस परीक्षा के माध्यम से विज्ञान के विभिन्न विषयों/नवीनतम खोज इत्यादि विषयों से संबधित प्रश्न पुछे जाते है। Aptitude परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार हेतु बुलाया जाता है जो इस परीक्षा योजना का अंतिम चरण होता है। संपूर्ण चयन में Aptitude Test के अंकों का 75% अधिभार एवं Interview के अंको का 25% अधिभार प्रदान किया जाता है।

परीक्षा के सेंटर :– KVPY परीक्षा के सेंटर ऑनलाइन Computer Test हेतु रायपुर सहित देश भर में 54 केन्द्र है।

परीक्षा पद्धति :– परीक्षा सिर्फ कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) प्रकार से होता है। यह परीक्षा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होता है। परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटा होती है। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रकार का सिर्फ 1 प्रश्न पत्र होता है जिसके दो भाग होते है। प्रथम भाग के प्रश्न 1 अंक के एवं द्वितीय भाग के प्रश्न 2 अंक के होते है। परीक्षा में कुल पूर्णांक 100 अंक होता है तथा प्रत्येक गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।

KVPY में छात्रवृत्ति एवं अनुदान राशि :–

1.	SA, SX, SB स्ट्रीम के तहत् चयनित विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष तक के लिए	छात्रवृत्ति राशि रुपये 5000 प्रतिमाह	वर्षिक अनुदान राशि रुपये 20000 वार्षिक
2.	SA, SX, SB स्ट्रीम के तहत् चयनित विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात चतुर्थ एवं पंचम वर्ष के लिए	रुपये 7000 प्रतिमाह	रुपये 28000 वार्षिक अनुदान

KVPY छात्रवृत्ति हेतु विशेष जानकारी :–

(1) जो विद्यार्थी इस योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति एवं अनुदान हेतु चयनित होते हैं उनके लिए आवश्यक है कि वे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की अवधि में उच्च शैक्षणिक स्तर सतत् कायम रखें।

प्रत्येक वर्ष उन्हें परीक्षा 60% न्यूनतम अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य हैं।

(2) आवेदक किसी भी समय मूलभूत विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम को त्याग कर प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश नहीं ले सकता अन्यथा यह छात्रवृत्ति समाप्ति कर दी जाती है।

(3) KVPY परीक्षा (Aptitude Test) का माध्यम अंग्रेजी के साथ–साथ हिन्दी भी होता है।

(4) KVPY में चयनित विद्यार्थी IISER में काऊंसलिंग के माध्यम से प्रवेश हेतु पात्र होते है।

संपर्क :– किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना की अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाईट www.kvpy.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

The woods are lovely, dark and deep
But I have promises to keep.
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep.

- Robert Frost

गहन सघन मनमोहक वन तरू मुझको आज बुलाते है,
किन्तु किये जो वादे मैंने, याद मुझे वो आते है।
अभी कहा आराम वदा, यह मूक निमंत्रण छलना है,
अरे अभी तो मीलों मुझको, मीलों मुझको चलना है।।

– हरिवंशराय बच्चन

04. उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति
Scholarship for Higher Education (SHE)

उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति Scholarship for Higher Education (SHE) योजना भारत सरकार के विज्ञान एव टेक्नॉलोजी मंत्रालय की उल्लेखनीय योजना INSPIRE (Innovation in Science Pursuit for Inspired Research) का एक भाग है। इस योजना का मूल उददेश्य देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मौलिक विज्ञान में अध्ययन एवं शोध हेतु आकर्षित करना है। विद्यार्थी को इस प्रयोजन हेतु स्नातक प्रथम वर्ष से स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत् प्रतिवर्ष देशभर में 10000 विद्यार्थियों को 80000 प्रतिवर्ष की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

छात्रवृत्ति की राशि एवं समयावधि :–

इस योजना अंतर्गत स्नातक प्रथम वर्ष से स्नातकोत्तर अंतिम वर्श तक कुल 5 वर्षो हेतु पात्र विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यह छात्रवृत्ति रु 5000 मासिक की दर से कुल रूपये 60000 प्रतिवर्ष रहती है जो विद्यार्थी को उसके द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (SBI) में खोले गये खाते के माध्यम से प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त रु 20000 की राशि ग्रीष्मकालीन रिसर्च प्रोजेक्ट आवश्यक शुल्क के फीस के रुप में विद्यार्थियों को दी जाती है। यह ग्रीष्मकालीन रिसर्च प्रोजेक्ट देश के सुस्थापित रिसर्च प्रयोगशालाओं में प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन समयावधि में आयोजित किये जाते हैं।

पात्रता :–

इस छात्रवृत्ति हेतु निम्न योग्यताधारी पात्र होते हैं :–

- कक्षा बारहवीं में अपने राज्य के बोर्ड अथवा केन्द्रीय बोर्ड की परीक्षा में प्रावीण्यतानुसार प्रथम 1% में स्थान पाये विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। वर्ष 2016 में इस पात्रता हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के लिए 84.8**%** अंक निर्धारित हुआ है जबकि CBSE में यही अंक 95**%** निर्धारित है। यह अंक प्रतिवर्ष परिवर्तित होता है।
- राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा जैसे IIT, JEE, AIPMT में प्रथम 10000 में स्थान बनाने वाले विद्यार्थी जो मौलिक विज्ञान विषयों के साथ अध्ययन का चुनाव करते है, इस छात्रवृति हेतु पात्र है।
- IISER(Indian institute of science education & research) तथा NISER (National institute of science education & research) में अध्ययनरत विद्यार्थी जो पूर्व में NTSE अथवा KVPY छात्रवृत्ति हेतु पात्रता पा चुके है इस योजनान्तर्गत भी पात्र हैं।

विषय जिनमें यह छात्रवृत्ति दी जाती है :—

निम्न 18 मौलिक विज्ञान विषयो में B.Sc./BS पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु यह छात्रवृत्ति देय है।

(1) Physics,	(2) Chemistry,	(3) Mathematics,	(4) Biology,
(5) Statistics,	(6) Geology,	(7) Astrophysics,	(8) Astronomy,
(9) Electronics,	(10) Botany,	(11) Zoology,	(12) Bio-chemistry,
(13) Anthropology,	(14) Microbiology,	(15) Geophysics,	(16) Geochemistry,
(17) Atmospheric Sciences	(18) Oceanic Sciences.		

जो विद्यार्थी प्रोफेशनल कोर्स यथा इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, होम साईंस, बीएड. आदि में पढाई करते हैं उन्हें यह छात्रवृत्ति नहीं दी जाती है।

कब और कैसे आवेदन करें

जो छात्र उपर्युक्त वर्णित विषयों के स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेते है उन्हें वेबसाइट http://www.inspire-dst.gov.in पर प्रतिवर्ष अक्टूबर/नवम्बर माह में ऑनलाइन आवेदन करना होता है। यह छात्रवृत्ति प्रारंभ में एक वर्ष के लिए स्वीकृत होती है। बीएससी द्वितीय/तृतीय वर्ष छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी अपने संस्थान के प्राचार्य से उक्त आशय का प्रमाण पत्र एवं परफारमेंन्स रिपोर्ट एवं मार्कशीट की प्रति प्रतिवर्ष संलग्न करना होता है।

संपर्क :— छात्रवृत्ति के संबध में अधिक जानकारी के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते है एवं वेबसाइट http://www.inspire-dst.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

05. छत्तीसगढ़ में आईटीआई एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं को घरेलु उद्योगों के लिए विभिन्न व्यवसायों में शिक्षित/प्रशिक्षित करने हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गयी है। राज्य में स्थित आईटीआई में शिल्पकार प्रशिक्षण योजनांतर्गत राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद् (NCVT) तथा राज्य व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद् (SCVT) द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन सामान्यतः जून/जुलाई माह में संस्थानों द्वारा ऑफलाईन आमंत्रित किया जाता है। दसवीं कक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर शासन के आरक्षण नियमों के अनुरूप प्रवेश दिया जाता है। राज्य में इंजीनियरिंग व्यवसाय एवं नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय दोनों प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित है जिनकी अवधि सामान्यतः एक वर्ष एवं दो वर्ष है। यह पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली से संचालित की जाती है जिसमें प्रत्येक 6 माह में परीक्षा ली जाती है।

शैक्षणिक अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रियाः–

दसवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। दसवीं के प्राप्तांकों के आधार पर ही प्रवेश होता है, अलग से कोई प्रवेश परीक्षा नहीं होती है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा – 14 वर्ष से अधिक

शिल्पकार प्रशिक्षण योजनांतर्गत राज्य की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में संचालित व्यवसाय :

इंजीनियरिंग व्यवसाय		नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय
द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	**एकवर्षीय पाठ्यक्रम**	**द्विवर्षीय पाठ्यक्रम**
1. फिटर 2. टर्नर 3. मशीनिष्ट 4. मशीनिष्ट ग्राइंडर 5. उपकरण यांत्रिकी 6. मैकेनिक रेफ्रिजरेशन एण्ड एअर कंडीशनिंग 7. ड्राफट्समैन सिविल 8. मोटर मैकेनिक 9. मैकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर 10. विद्युतकार 11. वायरमेन 12. इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक	1. वेल्डर(गैस एण्ड इलेक्ट्रिक) 2. वेल्डर(पाईप) 3. वेल्डर (वेल्डिंग एंड इंस्पेक्शन) 4. वेल्डर (जीएमएडब्ल्यू एण्ड जीटीएडब्ल्यू) 5. कारपेंटर 6. शीटमेटल 7. डीजल मैकेनिक 8. ट्रेक्टर मैकेनिक 9. प्लंबर 10. मेसन 11. मैकेनिक आटो इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स 12. राईस मिल ऑपरेटर	1. इन्फॉरमेशन कम्यूनिकशेन टेक्नोलॉजी सिस्टम मेंटेनेन्स 2. इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी **एक वर्षीय पाठ्यक्रम** 1. स्यूइंग टेक्नोलॉजी 2. ड्रेस मेकिंग 3. सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस 4. स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट हिन्दी 5. स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट अंग्रेजी 6. कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा) 7. निटिंग एण्ड हैण्ड विविंग

13. ड्राफट्समैन मैकेनिक 14. पेंटर जनरल	13. सर्वेयर 14. ब्लैक स्मिथि 15. वेल्डर फेब्रीकेशन एण्ड फिटिंग 16. फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी मैनेजमेंट 17. फिजियोथेरेपी टेक्निशियन 18. डेन्टल लैब टेक्निशियन 19. हेल्थ सेफ्टी इन्वायरमेंट 20. हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर	8. हॉस्पीटल हाउस कीपिंग 9. फैशन टेक्नोलॉजी 10. डाटाबेस सिस्टम असिस्टेंट 11. मल्टी मीडिया एनिमेशन एण्ड स्पेशल इफेक्ट 12. कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क मेंटेनेन्स 13. डेस्कटॉप पब्लिकशे ान आपरेटर (डी.टी.पी.ओ.) **छःमाही पाठ्यक्रम** 1. ड्रायवर–कम–मैकेनिक

राज्य में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (01 जनवरी 2017) की स्थिति :

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थायें		**निजी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र**	
जिले	27	जिले	21
संस्थायें	172	संस्थायें	101
अनुसूचित जनजाति विशेष संस्थायें	09	संचालित व्यवसाय	21
महिलाओं के लिये विशेष	09	इंजीनियरिंग व्यवसाय	16
संचालित व्यवसाय	47	नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय	05
इंजीनियरिंग व्यवसाय	32	**कुल प्रशिक्षण क्षमता (सीट्स)**	**11608**
नॉन–इंजीनियरिंग व्यवसाय	15		
कुल प्रशिक्षण क्षमता (सीट्स)	**19360**		

टीपः– शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (NCVT) के साथ–साथ राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (SCVT) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम संचालित है। जबकि निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सिर्फ राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (NCVT) से संबद्ध पाठ्यक्रम ही संचालित है।

विस्तृत जानकारी :–

आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु संबंधित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं विभागीय वेबसाईट www.cgemployment.gov.in के Training Wing सेक्शन से प्राप्त कर सकते है।

06. छत्तीसगढ़ में पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित शासकीय एवं निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में संचालित डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्री–पॉलीटेक्निक टेस्ट (PPT) का आयोजन प्रतिवर्ष मई/जून माह में किया जाता है। इसके लिये आवेदन सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में आमंत्रित किया जाता है। यद्यपि पी0पी0टी0 परीक्षा के आधार पर राज्य में स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश दिये जाते हैं, तथापि अनुसूचित जिलों बस्तर, कोरिया, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, रामानुजगंज एवं जशपुर में स्थित पॉलीटेक्निक संस्थानों में पी0पी0टी0 के माध्यम से सीट नहीं भरने पर संबंधित जिलों के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को दसवीं के प्राप्तांकों के मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :– इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिये आवेदक को दसवीं या समकक्ष परीक्षा (गणित एवं विज्ञान विषय के साथ) कम से कम 35 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों के केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।

आयु सीमा – परीक्षा आयोजित होन वाले वर्ष के 1 जुलाई को आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिये। छत्तीसगढ़ के अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त एवं महिला आवेदकों को अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट दी जाती है।

टीप :– शासकीय एवं निजी पॉलीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु चयन के लिये छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना अनिवार्य है।

आवेदन प्रक्रिया :– छ0ग0 व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choice.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं। आवेदक का वैध ईमेल एड्रेस होना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :–

पी0पी0टी0 परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार का एक ही पेपर होता है। इसमें 150 प्रश्न होते है तथा यह 300 अंक का होता है। परीक्षा की अवधि 2.15 घंटा होती है। प्रश्न पत्र में दसवीं स्तर के गणित एवं विज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है।

चयन प्रक्रिया – पी.पी.टी. परीक्षा में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर संवर्गवार काउंसलिंग द्वारा प्रवेश दिया जाता है। सामान अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों की प्रावीण्यता निम्न क्रम में निर्धारित की जाती है :–

प्रथम – पी.पी.टी. परीक्षा में गणित के अंक

द्वितीय – आवेदक की आयु (अधिक उम्र वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है)

तृतीय – उपरोक्त दोनों समान होने पर दसवीं के प्राप्तांक।

पाठ्यक्रम :–

भाग–1 विज्ञान – इसके अंतर्गत पदार्थ के सामान्य गुणधर्म एवं ध्वनि, द्रव्य संरचना एवं व्यवहार, प्रकाश, विद्युत एवं चुम्बकत्व, तत्वों का वर्गीकरण, रासायनिक बंध, रासायनिक अभिक्रियायें एवं महत्वपूर्ण रासायनिक यौगिक, प्राकृतिक संसाधन तथा हमारा पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–2 गणित – इसके अंतर्गत बीजगणित, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, निर्देशांक ज्यामिति, क्षेत्रमिति, सांख्यिकी तथा कम्प्यूटर से संबंधित प्रश्न होते हैं।

राज्य में शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक में विषयवार प्रवेश क्षमता

संस्था का नाम कन्या पॉलीटेकनिक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिके	इन्फार्मेशन टेक्नालाजी	कम्प्यूटर साइंस	माडर्न आफिस मेनेजमेंट	आर्किटेक्चर	इंटीरियर डेकोरेशन एण्ड डिजाईन	कास्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मेकिंग	योग
(1) रायपुर	45	30	45	40	30	30	30	**250**
(2) राजनांदगॉव	40			30			30	**100**
(3) जगदलपुर	45	30		30			30	**135**
(4) बिलासपुर	45	45	45					**135**
योग	**175**	**105**	**90**	**100**	**30**	**30**	**90**	**620**

राज्य के शासकीय सह–शिक्षा पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विषयवार प्रवेश क्षमता

सं. क्रं.	संस्था का नाम सहशिक्षा पॉलीटेक्निक	सिविल	केमिकल	कम्प्यूटर साइंस	इलेक्ट्रिकल	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन	इन्स्ट्रूमेंटेशन	इन्फारमेशन टेक्नालाजी	मेकेनिकल	माइनिंग	मेटलर्जी	माडर्न आफिस मेनेजमेंट	योग
1	अम्बिकापुर	40		40	40	40			40	40			**240**
2	बीजापुर	30			30				30				**90**
3	धमतरी	40		60	60	60			60				**280**
4	दुर्ग	40		40	60	60		30	60		60	40	**390**
5	गरियाबंद	30							30	30			**90**
6	जांजगीर–चांपा	30	30		30	30							**120**
7	जशपुर			30		30			30				**90**
8	कबीर–धाम			30	30	30							**90**
9	कांकेर	30				30			30				**90**
10	खैरागढ़			40	60	40			40		60		**240**
11	कोरबा				60	30	30		60				**180**
12	कोरिया	30			30				30				**90**

13	महासमुंद	30		30	30				30				**120**
14	नारायणपुर			30		30		30					**90**
15	रायगढ़	40		40	80	40			80		40		**320**
16	तखतपुर					40			40				**80**
17	मुंगेली								60				**60**
18	रामानुजगंज	60											**60**
19	सुकमा				60								**60**
20	बलौदाबाजार				30				30				**60**
21	भाटापारा	60											**60**
22	रायपुर	40			40				40				**120**
23	बिलासपुर				60								**60**
24	जगदलपुर				60								**60**
25	सूरजपुर	60			60					60			**180**
26	कोण्डागॉव	30			30				30				**90**
27	बेरला (बेमेतरा)	30			30				30				**90**
योग		620	30	340	880	460	30	60	750	130	160	40	**3500**
राज्य में स्थित 20 निजी पॉलीटेक्निक कॉलेज में सीटों की संख्या													**4264**
महायोग													**7764**
टी.एफ.डब्ल्यू.सीट योग													**453**
टी.एफ.डब्ल्यू.सीट सहित महायोग													**8507**

ट्यूशन फी व्हेवर स्कीम (टी.एफ.डब्लू.)

यह योजना सत्र 2007–08 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत ब्रांचवार प्रवेश क्षमता की 5 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें ट्यूशन फी व्हेवर सीटें होती हैं। 60 सीटों की प्रवेश क्षमता पर 03 सीटें फी व्हेवर के अंतर्गत होंगी। मेरिट के आधार पर इन सीटों पर प्रवेशित छात्र–छात्राओं को प्रवेशित संस्था की निर्धारित शिक्षण शुल्क देय नहीं होगा। छात्र–छात्राओं के पालक/अभिभावक की समस्त स्त्रोतों से सम्मिलित वार्षिक आय 4.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। मेरिट का आधार प्रवेश परीक्षा का रेंक होता है।

छात्राओं (Girls) के लिए शिक्षण शुल्क माफ

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थाओं में संचालित स्नातक एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्राओं की शिक्षण शुल्क माफ किया गया है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा विभाग रायपुर के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाईट www.cgvyapam.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

07. (A) छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग कॉलेज एवं उनमें प्रवेश प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में संचालित डिग्री इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्री–इंजीनियरिंग टेस्ट (PET) का आयोजन प्रतिवर्ष मई/जून माह में किया जाता है। इसके लिये आवेदन सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में आमंत्रित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

इंजीनियरिंग कॉलेजों पाठ्यक्रमों के लिये आवेदक को बारहवीं या समकक्ष परीक्षा (गणित विषय के साथ) कम से कम 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों को 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है।

आयु सीमा –

परीक्षा आयोजित होन वाले वर्ष के 1 जुलाई को आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिये। छत्तीसगढ़ के अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त एवं महिला आवेदकों को अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट www.cgvyapam.choice.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं। आवेदक का वैध ईमेल एड्रेस होना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :–

पी0ई0टी0 परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार का एक ही पेपर होता है। इसमें 150 प्रश्न होते है तथा यह 150 अंक का होता है। परीक्षा की अवधि 3.00 घंटा होता है। प्रश्न पत्र में बारहवीं स्तर के गणित, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है। इसमें से तीनों विषयों के 50–50 प्रश्न पुछे जाते है। गलत उत्तर देने पर ऋणात्मक मूल्यांकन **नही** किया जाता है। अनारक्षित वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 10 प्रतिशत तथा अजा/अजजा/ अपिव/निःशक्त आवेदकों को न्यूनतम 5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य हैं।

चयन प्रक्रिया – पी.ई.टी. परीक्षा में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर संवर्गवार काउंसलिंग द्वारा प्रवेश दिया जाता है।

राज्य में जिलेवार स्थित इंजीनियरिंग महाविद्यालय

इंजीनियरिंग महाविद्यालय	जिला	जिला का नाम	प्रवेश क्षमता
शासकीय–04	बिलासपुर	1. इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर	260
	जगदलपुर	2. इंजीनियरिंग महाविद्यालय,जगदलपुर	270
	रायपुर	3. इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रायपुर	280
	रायपुर	4. सीपेट	60
		योग	**870**
स्वशासी स्ववित्तीय–03	रायगढ़	1. किरोड़ीमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, रायगढ़	360
	कोरबा	2. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोरबा	240
	अम्बिकापुर	3. विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, लखनपुर (सरगुजा युनिवर्सिटी, अंबिकापुर)	240
		योग	**840**
राज्य में स्थित 43 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में सीटों की संख्या लगभग			**15000**

ट्यूशन फी व्हेवर स्कीम (टी.एफ.डब्लू.)

यह योजना सत्र 2007–08 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत ब्रांचवार प्रवेश क्षमता की 5 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें ट्यूशन फी व्हेवर सीटें होती हैं। 60 सीटों की प्रवेश क्षमता पर 03 सीटें फी व्हेवर के अंतर्गत होंगी। मेरिट के आधार पर इन सीटों पर प्रवेशित छात्र–छात्राओं को प्रवेशित संस्था की निर्धारित शिक्षण शुल्क देय नहीं होगा। छात्र–छात्राओं के पालक/अभिभावक की समस्त स्त्रोतों से सम्मिलित वार्षिक आय 4.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। मेरिट का आधार प्रवेश परीक्षा का रेंक होता है।

छात्राओं (Girls) के लिए शिक्षण शुल्क माफ

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग संस्थाओं में संचालित स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित छात्राओं की शिक्षण शुल्क माफ किया गया है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा विभाग रायपुर के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाईट www.cgvyapam.org.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

07. (B) सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट) रायपुर

प्लॉस्टिक के क्षेत्र में अनुसंधान एवं उच्च गुणवत्ता की शिक्षण तथा प्रशिक्षण के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीपेट), रायपुर की स्थापना सितम्बर 2015 में की गई। रायपुर सहित देश भर में कुल 24 सीपेट संस्थान है तथा सीपेट का राष्ट्रीय मुख्यालय चेन्नई में है। सीपेट केन्द्र, स्टेट ऑफ आर्टस् सुविधाओं से सुसज्जित है जिनमें डिजाईन, टूलिंग और मोल्ड मैनुफेकचरिंग, प्लॉस्टिक प्रसंस्करण, पॉलिमर प्रौद्योगिकी आदि की विश्वस्तरीय सुविधाएं है।

सीपेट रायपुर द्वारा बी.ई., डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एवं स्किल डेवहल्पमेंट के पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संस्थान द्वारा संचालित चार वर्षीय बी.ई. इन प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग में प्रवेश छत्तीगसढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित प्री इंजीनियरिंग टेस्ट (PET) के माध्यम से होता है। PET परीक्षा का आवेदन मार्च/अप्रैल में एवं परीक्षा मई में होता है, इस परीक्षा में शामिल होने के लिए गणित संकाय से 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 12वीं कक्षा में अध्ययनरत् विद्यार्थी भी PET दिला सकता है। सीपेट रायपुर में संचालित बी.ई. इन प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग, छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई से सम्बद्ध है। इसके प्रथम वर्ष में 60 सीटें है।

सीपेट रायपुर में संचालित तीन वर्षीय डिप्लोमा इन प्लॉस्टिक इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इन प्लॉस्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित CIPET JEE के माध्यम से होता है। इस परीक्षा के आवेदन मई में एवं परीक्षा जुलाई में होता है। CIPET JEE में शामिल होने के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीपेट रायपुर द्वारा संचालित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लॉस्टिक प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित CIPET JEE के माध्यम से होता है। इस परीक्षा के आवेदन मई में एवं परीक्षा जुलाई में होता है। इस पाठ्यक्रम के लिए आयोजित CIPET JEE में शामिल होने के लिए रसायन विज्ञान विषय के साथ स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीपेट रायपुर द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् अल्प अवधि के स्किल डेवहल्पमेंट कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है जिसमें MES पाठ्यक्रम अनुसार 8वीं या 10वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदक निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है।

संपर्क :–

सीपेट एवं इसके द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी www.cipet.gov.in एवं सीपेट रायपुर के संबंध में अधिक जानकारी www.cipet.gov.in/centres/olc-cipet-raipur से प्राप्त कर सकते है।

08. आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. हेतु प्रवेश परीक्षा

कैरियर की दृष्टि से इंजीनियरिंग की पढ़ाई आज के विद्यार्थियों की पहली पसंद है। रोजगार के असीम संभावना से युक्त इंजीनियरिंग कोर्सेस निःसंदेह युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। वर्तमान में भारत में इंजीनियरिंग के स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु दस लाख से भी अधिक सीटें उपलब्ध है जिसमें देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रतिष्ठान जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित विभिन्न राज्यों के शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल है। देश के इंजीनियरिंग प्रतिष्ठानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से भारत सरकार ने एकल परीक्षा प्रणाली को लागू किया है जिसके अन्तर्गत पूर्व के वर्षो में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित किये जाने वाले संयुक्त प्रवेश परीक्षा **(IIT JEE)** एवं अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा **(AIEEE)** को समेकित कर एकल परीक्षा जिसका नाम **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मेन एवं एडवांस)** आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं अन्य केन्द्रीय संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।

इंजीनियरिंग में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए वर्ष 2013 से एक नयी प्रवेश परीक्षा प्रणाली प्रारंभ की गई है। यह परीक्षा दो खण्डों में होती है :–

1. **Joint entrance exam (main)** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (NITs) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।
2. **Joint entrance exam (advance)** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा।

<u>Joint entrance exam (main)</u>

यह प्रवेश परीक्षा पूर्व में प्रचलित अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (AIEEE) के स्थान पर होती है। इस परीक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानो (IIITs), अन्य केन्द्रीय संस्थानों (centrally funded institutions) तथा कई राज्यों के शासकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिलता है। साथ ही यह परीक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) के लिए आयोजित **Joint entrance**

exam (advanced) परीक्षा के लिए प्रथम अर्हताकारी परीक्षा होता है। इस परीक्षा संबंधी कतिपय महत्वपूर्ण जानकारी निम्नानुसार है :–

1. **अर्हता, आयु सीमा एवं अवसरों की संख्या :**

इस परीक्षा हेतु आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से गणित,भौतिकी अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त रसायन, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस अथवा जीवविज्ञान में से किसी एक विषय के साथ हायर सेकण्डरी (12वी या समकक्ष) परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। वे आवेदक ही इस परीक्षा के लिए पात्र होंगें जिन्होने अर्हताकारी परीक्षा उसी वर्ष अथवा अधिकतम दो वर्षो पूर्व उत्तीर्ण की है। उदाहरणार्थ 2018 में प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए वही आवेदक पात्र होंगे जिन्होने 2018, 2017 अथवा 2016 में हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण की हो। 2015 अथवा पूर्व वर्षो के उत्तीर्ण आवेदक इस परीक्षा हेतु पात्र नहीं होंगे। इस परीक्षा हेतु अवसरों की अधिकतम संख्या 3 है। परीक्षा हेतु आवेदक की आयु उक्त वर्ष के प्रथम अक्टूबर को 25 वर्ष की अधिकतम सीमा से कम होनी चाहिए।

- विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नम्बर का उल्लेख करना होता है।
- विद्यार्थी को 12वीं कक्षा में कम से कम 75 प्रतिशत अंक (अनु.जाति एवं अनु.जनजाति के लिए 65 प्रतिशत अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है।

2. **परीक्षा की योजना :**

यह परीक्षा दो प्रश्न पत्रों पर आधारित एक बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की होती है। प्रथम प्रश्न पत्र गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है जो 3 घंटों की होती है। परीक्षा में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिये जाते है। यह परीक्षा दो तरीको, पेन द्वारा पेपर पर उत्तर अंकित करने के परंपरागत तरीके (ऑफलाईन पद्धति) तथा कम्प्यूटर पर सीधे परीक्षा देने के विकल्पों के साथ (ऑनलाईन) आयोजित होती है, जिसमें आवेदक अपना विकल्प फॉर्म भरते समय दे सकता है। प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा के आधार पर इंजीनियरिंग कॉलेजों के बी.ई एवं बी.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है। द्वितीय प्रश्न पत्र के आधार पर आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया जाता है इस प्रश्न पत्र में गणित ,एप्टीट्यूड एवं ड्राइंग के प्रश्न सम्मिलित होते है। वस्तुनिष्ठ प्रकृति का यह प्रश्न पत्र केवल परंपरागत तरीके के पेपर मोड पर ही लिये जाते है। एक आवेदक अपनी इच्छानुसार दोनो प्रश्न पत्रों में अथवा किसी एक प्रश्न पत्र में प्रविष्ट होकर निर्धारित कोर्स हेतु अर्हता अर्जित कर सकता है।

Joint entrance exam (advance)

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IITs) एवं इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद में प्रवेश हेतु वर्ष 2013 से नई पद्धति की संयुक्त प्रवेश परीक्षा लागू की गई है। यह परीक्षा Joint entrance Exam (Main) परीक्षा का द्वितीय स्तर होगा। इस परीक्षा के माध्यम से दिल्ली, खडगपुर, पवईबाम्बे, मद्रास, कानपुर, गोवाहाटी, रूडकी, रोपड,

भुवनेश्वर, इंदौर, पटना, गांधीनगर, मंड़ी, जोधपुर, हैदराबाद वाणारसी, जम्मू, भिलाई(रायपुर), पणजी, धारवाड़, तिरूपति एवं पालघाट स्थित 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) एवं धनबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स की लगभग 12 हजार सीटें प्रवेश प्रक्रिया में शामिल है। इस परीक्षा संबंधी जानकारियां निम्नानुसार है :–

1. पात्रता एवं अवसरों की संख्या :

इस परीक्षा हेतु Joint entrance exam (main) के संवर्गानुसार प्रथम 224000 आवेदक पात्र होते हैं। जिनमें अनारक्षित वर्ग से (50.5प्रतिशत), अन्य पिछडा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) से (27 प्रतिशत), अजा वर्ग से (7.5 प्रतिशत) तथा अजजा वर्ग के 15 प्रतिशत आवेदक शामिल है। इस शर्त के साथ इस परीक्षा में प्रविष्टि हेतु यह भी आवश्यक होगा कि आवेदक संबंधित अर्हताकारी परीक्षा में अपने बोर्ड में प्रथम 20 परसेन्टाइल में भी स्थान रखें। आवेदक को अधिकतम दो अवसर इस परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु प्राप्त होते। वर्ष 2018 की परीक्षा में वे ही आवेदक पात्र होंगें जिन्होने 12वी की परीक्षा 2017 अथवा 2018 में उत्तीर्ण की हो इसके पूर्व के आवेदक इस परीक्षा में प्रवेश हेतु अपात्र होंगें।

2. परीक्षा की योजना :

यह परीक्षा दो प्रश्न पत्रों पर आधारित एक बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की होती है। जो गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के प्रश्नों पर आधारित होती है। प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घंटों के होते है। परीक्षा में गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक का प्रावधान होता है।

टीपः– वर्ष 2018 से यह परीक्षा सिर्फ कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) के रूप में होगा।

3. मेरिट एवं रैकिंग का निर्धारण :

इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित वर्ग के आवेदक को प्रत्येक विषय में न्यूनतम 10 प्रतिशत अंकों के साथ समस्त विषयों में न्युनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। पिछडा वर्ग के आवेदक हेतु पात्रता प्रति विषय 9 प्रतिशत एवं कुल 31.5 प्रतिशत अंक है जबकि अजा एवं अजजा वर्ग हेतु प्रति विषय 5 प्रतिशत एवं कुल 17.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। माइनिंग कोर्स हेतु लड़किया पात्र नहीं होती है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा हेतु वार्षिक कैलेण्डर

क्र.	विषय	संभावित तिथियां	रिमार्क
1	परीक्षा अधिसूचना	नवम्बर प्रथम सप्ताह	संयुक्त प्रवेश परीक्षा संबंधी तिथियां संभावित तिथियां है। वास्तविक तिथि की जानकारी संबंधित वर्ष के विज्ञापन से प्राप्त की जा सकती है। छत्तीसगढ़ में संयुक्त
2	परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि	अधिसूचना तिथि से लगभग डेढ़ माह (नवम्बर प्रथम सप्ताह से दिसम्बर द्वितीय सप्ताह)	
3	संयुक्त प्रवेश परीक्षा मेन की तिथि	अप्रैल माह का प्रथम रविवार	
4	संयुक्त प्रवेश परीक्षा मेन का परिणाम	मई माह के प्रथम सप्ताह (परीक्षा आयोजन के 1 माह पश्चात)	
5	संयुक्त प्रवेश परीक्षा एडवांस हेतु	मेन के परीक्षा परिणाम घोषणा के आगामी	

	फॉर्म भरा जाना	तिथि से एक सप्ताह तक	प्रवेश परीक्षा के मेन हेतु परीक्षा केन्द्र रायपुर में जबकि एडवांस परीक्षा हेतु परीक्षा केन्द्र भिलाई एवं रायपुर में उपलब्ध है। **इन परीक्षाओं हेतु आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन ही भरे जा सकते है।**
6	संयुक्त प्रवेश परीक्षा एडवांस की प्रवेश परीक्षा की तिथि	मई माह के अंतिम रविवार	
7	संयुक्त प्रवेश परीक्षा एडवांस की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषणा	जून माह के अंतिम सप्ताह	
8	संयुक्त प्रवेश परीक्षा मेन का अखिल भारतीय रैकिग की घोषणा	जुलाई माह के प्रथम सप्ताह	

इंजीनियरिंग के अन्य प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी –

भारत सरकार द्वारा इंजीनियरिंग की एकल प्रवेश परीक्षा की ओर प्रयास के बावजूद इंजीनियरिंग की कई अन्य परीक्षाएं भी अस्तित्व में हैं, जिसमें कई राज्य सरकारों द्वारा अपने राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षायें, कई प्रतिष्ठित निजी संस्थानों जैसे बिड़ला इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी पिलानी की प्रवेश परीक्षा (BITSAT), वेलोर इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी वेलोर तमिलनाडू की प्रवेश परीक्षा (VITEE), कलिंगा इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नालॉजी भुवनेश्वर की प्रवेश परीक्षा (KIITEE) इत्यादि उल्लेखनीय है। इनमें से अधिकतर प्रवेश परीक्षाएं प्रतिवर्ष माह अप्रैल/मई में आयोजित की जाती है जिसके विज्ञापन राष्ट्रीय समाचार माध्यमों में माह जनवरी से मार्च तक प्रकाशित होते है।

परीक्षा की तैयारी – NCERT की कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं की गणित, भौतिक एवं रसायन की पुस्तकें इसके लिए बहुउपयोगी है। गणित के लिए एम.एल.खन्ना (जयप्रकाश नाथ पब्लिकेशन) **एवं** डॉ एस.के.गोयल अरिहन्त प्रकाशन, एवं टाटा मैकग्रेथ हिल की पुस्तके उपयोगी है। भौतिक के लिए बी.एम.शर्मा तथा अरिहन्त प्रकाशन की पब्लिकेशन की पुस्तकें उपयोगी है। यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर भी इस परीक्षा के लिए लाभदायक है। पूर्व वर्षों के परीक्षा के प्रश्न पत्र एवं व्याख्यात्मक हल, विद्यार्थी वेबसाईट www.examrace.com पर देख सकते है।

संपर्क – इंजीनियरिंग परीक्षाओं के संबंध में अधिक जानकारी http://jeevadv.iitd.ac.in से www.cgdteraipur.com से प्राप्त कर सकते हैं।

जब तक आप किनारे को छोड़ कर नहीं जायेंगे तब तक आप समुद्र पार नहीं कर सकते।

You can never cross the ocean until you have courage to lose sight of the shore.

- Christopher Columbuls

09. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान तिरूवनंतपुरम में बी.टेक. हेतु प्रवेश परीक्षा

भारत सरकार अंतरिक्ष विभाग द्वारा स्थापित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (IIST) तिरूवनंतपुरम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, जो अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उसके अनुप्रयोगों के विस्तृत क्षेत्रों में स्नातक/स्नातकोत्तर, डॉक्टरल एवं पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्थान छात्रों को विविध राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवीनतम सुविधाओं की प्राप्ति के लिये अवसर उपलब्ध कराता है। IIST ने छात्रों एवं संकाय सदस्यों के आदान–प्रदान करने के लिये संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के USRA (यूनिवर्सिटीस स्पेस रिसर्च एशोसियेशन) और कैलिफोर्निया इंस्ट्टियूट ऑफ टेक्नालॉजी के साथ समझौता किया है, जिसके तहत चयनित छात्र अपना परियोजना कार्य/प्रशिक्षुता अमेरिका में कर सकता है।

IIST में बीटेक कार्यक्रम – IIST प्रौद्योगिकी के तीन शाखाओं में बीटेक की उपाधि प्रदान करता है। ये शाखायें तथा इनमें वर्ष 2016–17 के लिये उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नानुसार है :–

क्र.	शाखा	सीट	अवधि
1.	अंतरिक्ष इंजीनियरी (Aerospace)	60	4 वर्ष
2.	वैमानिकी (Avionics)	60	4 वर्ष
3.	Dual Degree (B.Tech in Engineering Phycies + M.S./M.Tech)	20	5 वर्ष

बीटेक में प्रवेश हेतु आवश्यक अर्हता :–

1. **नागरिकता** – केवल भारतीय नागरिक ही IIST में प्रवेश पाने के लिये आवेदन दे सकता है।

2. **आयु** – प्रवेश वाले वर्ष के 1 अक्टूबर को सामान्य/अपिव आवेदकों की आयु 25 वर्ष से अधिक न हो। अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है।

3. **शैक्षणिक अर्हता** – सामान्य एवं अपिव के आवेदकों को बारहवीं या समकक्ष परीक्षा भौतिक, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय सहित कम से कम 70 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों को कम से कम 60 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

4. **संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा (प्रगत) संबंधी अर्हता** – IIST में बीटेक कार्यक्रम में प्रवेश के लिये IIT संस्थानों द्वारा आयोजित JEE (Main) तथा JEE (Advance) परीक्षा देना अनिवार्य होता है। JEE (Advance) परीक्षा में आवेदकों को निम्नानुसार न्यूनतम श्रेणीगत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क. सामान्य आवेदक – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 5 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 20 प्रतिशत अंक

ख. अन्य पिछड़ा वर्ग – तीनो विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 4.5 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 18 प्रतिशत अंक

ग. अजा/अजजा/निःशक्त – तीनों विषयों में प्रत्येक (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में कम से कम 2.5 प्रतिशत अंक और कुल में से कम से कम 10 प्रतिशत अंक

टीपः– आवेदक द्वारा JEE (Advance) परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रयोग केवल IIST में प्रवेश हेतु उसके पात्रता तय करने के लिये ही किया जाता है। इसके आधार पर प्रवेश हेतु वरीयता सूची तैयार नहीं की जाती है।

IIST आवेदन प्रक्रिया एवं प्रवेश रैंक सूची – IIST में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदकों का ऑनलाईन आवेदन पोर्टल admission.iist.ac.in पर करना होता है। केवल ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा JEE (Main) परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार कर प्रकाशित अखिल भारतीय रैंक सूची में (श्रेणी रैंक सहित) आवेदक के स्थान के आधार पर IIST प्रवेश रैंक सूची तैयार की जाती है।

IIST में वित्तीय सहायता – जो छात्र बीटेक कार्यक्रमों में प्रवेश पाते हैं, उन्हें IIST द्वारा भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग से प्राप्त निधि में से प्रत्येक सत्रक में एक बार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे शिक्षा के विभिन्न खर्चों की पूर्ति कर सके। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रत्येक सत्रक रूपये 3 हजार का पुस्तक भत्ता भी प्रदान किया जाता है। IIST में पढ़ाई के दौरान यदि कोई छात्र किसी भी सत्रक में 10 पॉइंट स्केल में से न्यूनतम 7.5 कोटि अंक माध्य प्राप्त करने में असफल रहता है तो अगले सत्रक में उसे वित्तीय सहायता का पूरा धन प्रदान नहीं किया जाता है।

IIST में कैरियर के अवसर – IIST से बीटेक करने वाले छात्रों को रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) या भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक/इंजीनियर 'एस सी' के रूप में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। यदि किसी छात्र को नौकरी उपलब्ध कराया जाता है तो उसे वह सेवा कम से कम 3 वर्ष तक करना अनिवार्य होता है। यदि कोई छात्र नौकरी के प्रस्ताव को अस्वीकार करता है तो उसे IIST/अंतरिक्ष विभाग को रू. 10 लाख का भुगतान अनिवार्य रूप से करना होता है, जिसके समय में उपबंध प्रवेश के समय कराया जाता है।

संपर्क – इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये अध्यक्ष, बीटेक प्रवेश, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, वलियमला, तिरूवनंतपुरम से संपर्क कर सकते हैं या इसके वेबसाईट admission.iist.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल लोग दूसरों की मदद के लिये हमेशा अवसर तलाशते रहता है और वहीं असफल लोग कहते हैं ''इससे भला मेरा क्या फायदा?''

Successful people are always looking for opportunities to help others. Unsuccessful people are always asking, 'Whats in it for me?'

- Brian

10. नेशनल एप्टिट्यूट टेस्ट इन आर्किटेक्चर–नाटा (NATA)

भारत सरकार के कौंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा देशभर के सभी कॉलेजों एवं संस्थानों में वास्तुविद् की पांच वर्षीय स्नातक डिग्री (बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर) (B. Arch) में प्रवेश के लिए एक्जॉय ऑनलाईन NATA का आयोजन देश भर में सामान्यतः अप्रैल माह में विभिन्न निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाता है। बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश सिर्फ इसी परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को ही मिलता है। इस परीक्षा के लिए विज्ञापन सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में जारी किया जाता है। छत्तीसगढ़ में NATA का परीक्षा केन्द्र Dignity College of Architecture अंजोरा दुर्ग में है।

आवश्यक अर्हता :–

जिन्होने 12वीं की परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण किया हो तथा 12वीं कक्षा में एक विषय के रूप में गणित विषय की पढ़ाई की हो। **अथवा** गणित विषय के साथ किसी भी ट्रेड/व्यवसाय में तीन वर्षीय डिप्लोमा उत्तीर्ण हो।

आवेदन प्रक्रिया एवं परीक्षा शुल्क :–

इस परीक्षा के लिए आवेदक को NATA की वेबसाईट www.nata.in में ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा योजना :– NATA के परीक्षा में एक ही प्रश्न पत्र होता है। जिसके निम्नानुसार दो भाग होते है :–

विवरण	कुल प्रश्न	कुल अंक	कुल समय
भाग–1 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) अ. गणित ब. सामान्य अभिरूचि	20 40	40 80	90 मिनट
भाग–2 ड्राईंग (दो) ए–4 साईज पेपर में	02	80	90 मिनट
कुल	**62**	**200**	**180 मिनट**

टीप :–

1. सभी प्रश्न एवं निर्देश सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. भाग एक के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।
3. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आवेदक को कुल 80 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

गणित का पाठ्यक्रम 12वीं स्तर का होता हैं। सामान्य अभिरूचि में आवेदक की वस्तुकला में अभिरूचि, विभिन्न प्रसिद्ध इमारतों के संबंध में जानकारी, तर्कशक्ति आदि से प्रश्न होते है। ड्राईंग में विभिन्न आकृतियों के 2डी एवं 3डी में ड्राईंग बनाना होता है।

बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश :–

बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B. Arch) में प्रवेश के लिए प्रत्येक संस्थान द्वारा अपने स्तर पर पृथक–पृथक विज्ञापन जारी किया जाता है तथा प्रवेश NATA के अंक एवं 12वीं कक्षा के अंको को सामान्यतः 50–50 प्रतिशत अधिभार प्रदान करके भारत सरकार या संबंधित राज्य सरकार के आरक्षण नियमों के तहत् किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य के सभी इंजीनियरिंग संस्थानों में बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch) में प्रवेश भी इसी परीक्षा के माध्यम से होता है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी NATA के वेबसाईट www.nata.in या संचालक, तकनीकी शिक्षा, रायपुर छ.ग. से प्राप्त कर सकते है।

दिन में एक बार स्वयं से बात अवश्य करें, अन्यथा आप विश्व के सर्वोत्तम इंसान से मिलने का अवसर खो देंगे।

11. चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें

चिकित्सक के रुप में कैरियर का चयन निःसंदेह अनेक युवाओं का प्रथम सपना है। समाज में विशेषकर भारतीय समाज में चिकित्सक की हैसियत अत्यंत प्रतिष्ठित एवं सम्मानपूर्ण है। चिकित्सा का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है एवं इसकी अनेकों मान्य विधाएं/परंपराएं है जिसके अंतर्गत चिकित्सा शास्त्र का अध्यापन एवं प्रैक्टिस निर्भर करता है, जैसे आधुनिक एल्योपैथी (allopath), भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद, होम्योपैथी, युनानी पद्धति इत्यादि। इनमें एल्योपैथी पद्धति की चिकित्सा प्रणाली में युवाओं का रुझान अधिक है फलतः इस कोर्स के लिए प्रवेश की प्रक्रिया अधिक कठिन होती है। एल्योपैथी में स्नातक पाठ्यक्रम जिसे एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम कहा जाता है, के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती है जिनका विवरण निम्न है :—

1. **एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यकमों प्रवेश के लिए नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)**
2. **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) नई दिल्ली एवं 6 अन्य नये स्थापित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के लिए प्रवेश परीक्षा।**

नेशनल एजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET)

भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों एवं डेन्टल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यकमों प्रवेश के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा प्रतिवर्ष ऑल इण्डिया प्री–मेडिकल/प्री–डेन्टल टेस्ट (NEET) आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष नवम्बर/दिसम्बर में जारी होता है तथा परीक्षा अप्रैल/मई में आयोजित किया जाता है।

इस परीक्षा में एम.सी.आई. (Medical Council of India) एवं डेन्टल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग सभी संस्थान भाग लेते हैं जिसमें लगभग 400 संस्थानों के 66 हजार से अधिक सीटें मेडिकल प्रवेश परीक्षा हेतु तथा डेन्टल कोर्स हेतु 300 संस्थानों की लगभग 30 हजार सीटें उपलब्ध होती हैं। एक आवेदक इनमें से अखिल भारतीय स्तर पर 15 प्रतिशत एवं अपने राज्य के 85 प्रतिशत सीट पर प्रवेश हेतु पात्र होता है, जिनमें नियमानुसार आरक्षण लागू होता है।

प्रतिष्ठित आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज पुणे में प्रवेश इसी परीक्षा के अंकों के आधार पर ही तैयार किये जाते हैं। कोई आवेदक यदि एएफएमसी में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो उसे आवेदन पत्र में इसकी वरीयता अवश्य इंगित करनी चाहिए। एएफएमसी में प्रवेश हेतु पृथक काउन्सिलिंग आयोजित की जाती है।

एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस पाठ्यकमों प्रवेश के लिए पात्रता :—

1. भारत के किसी राज्य में एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता हेतु आवश्यक होगा कि आवेदक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता परीक्षा जो कि 12वी अथवा समकक्ष परीक्षा निर्धारित है। उक्त परीक्षा में आवेदक ने अनिवार्य विषयों के रुप में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान/बायोटेक्नॉलोजी का

अध्ययन किया हो तथा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (उस वर्ष अर्हताकारी परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक भी निर्धारित अवधि तक अर्हता संबंधी शर्तों को पूर्ण करने की शर्तों के अध्ययीन प्राविधिक रुप से परीक्षा हेतु पात्र होंगें)। आरक्षित वर्गो हेतु अंकों में 10 प्रतिशत की छूट तथा सामान्य निःशक्त वर्ग हेतु 5 प्रतिशत की छूट मान्य है।

2. वह प्रवेश के समय 17 वर्ष आयु पूरी कर चुका/चुकी हो अथवा प्रथम वर्ष एमबीबीएस/बीडीएस कोर्स में उसके प्रवेश के वर्ष के 31 दिसम्बर को या उससे पहले आयु पूरी कर लेगा/लेगी। ऊपरी आयु सीमा प्रवेश परीक्षा के वर्ष के 31 दिसम्बर को 25 वर्ष है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए इस ऊपरी आयु सीमा में 5 (पांच) वर्ष की छूट दी जाएगी।
3. विद्यार्थी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है। ऑन लाईन आवेदन करते समय उसमें अपना आधार नंबर का उल्लेख करना होता है।

आवेदन प्रक्रिया –

इस परीक्षा के लिये आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। ऑनलाईन आवेदन बोर्ड के वेबसाईट www.neet.nic.in में करना होता है।

परीक्षा प्रणाली एवं भाषा –

प्रवेश परीक्षा में सिर्फ एक पेपर होता है, जिसमें भौतिकी, रसायन–विज्ञान और जीव–विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) से 180 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न अंतर्निहित होते है (एक सही उत्तर के साथ चार विकल्प प्रकार के) जिनका उत्तर केवल बॉल–प्वाइंट पेन का प्रयोग करते हुए विशेष रूप से तैयार की गई मशीन–ग्रेडेबल शीट पर देना होता है। 180 प्रश्नों में 90 प्रश्न जीव विज्ञान के (वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान के 45–45 प्रश्न) तथा 45–45 प्रश्न भौतिक और रसायन के होते हैं। पेपर की अवधि 03 घंटे की होती है। परीक्षा में गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। उम्मीदवार प्रश्न–पत्र के लिए अंग्रेजी में अथवा हिंदी भाषा अथवा कतिपय स्थानीय भाषा में से एक का चुनाव कर सकते हैं। स्थानीय प्रादेशिक भाषा वाले राज्यों के अतिरिक्त यदि कोई आवेदक अखिल भारतीय स्तर की सीटो (15 प्रतिशत केन्द्रीय कोटा के सीटो) के तथा एएफएमसी पुणे की सीटों में प्रवेश हेतु इच्छुक हो तो ऐसे उम्मीदवारों को परीक्षा केवल अंग्रेजी अथवा हिंदी माध्यम में ही देना अनिवार्य होता है। प्रवेश परीक्षा में प्रश्नों के अनुवाद संबंधी किसी विवाद अथवा किसी मुद्रण अस्पष्टता की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण के प्रश्न पत्र के प्रकाशन को ही अंतिम माना जाता है।

न्यूनतक अर्हक अंक – NEET परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक, सामान्य वर्ग (निःशक्त) को 45 प्रतिशत अंक तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के लिये न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

मेरिट सूची का निर्धारण एवं प्रवेश की प्रकिया

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड NEET परीक्षा का आयोजन करता है तथा उत्तर–पत्रों का मूल्यांकन करके वरीयता सूची जारी करता हैं। यह मेरिट सूची NEET में प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर अखिल भारतीय स्तर तथा प्रत्येक राज्य हेतु भी पृथक से सूची तैयार की जाती है। उम्मीदवार को एमबीबीएस/बीडीएस कोर्सो में प्रवेश केवल उक्त सूचियों से ही दिया जाता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए अलग से परिणाम सूची नहीं होता है। इस सूची में प्राप्त मेरिट अंकों के आधार पर आवेदक अखिल भारतीय सीटों के 15 प्रतिशत सीटों हेतु किसी भी राज्य के एम.बी.बी.एस/बी.डी.एस पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते हैं, साथ ही वे अपने राज्य के 85 प्रतिशत

मेडिकल सीटों के लिए भी पात्र होते है। अखिल भारतीय सीटों के लिए केन्द्र सरकार के आरक्षण नियम तथा किसी राज्य की मेडिकल सीट के लिए संबंधित राज्य का आरक्षण नियम लागू होता है। यदि दो अथवा अधिक उम्मीदवार NEET में समान अंक प्राप्त करते हैं, तो ऐसे उम्मीदवारों की पारस्परिक मेरिट निम्न अधिमान क्रम के अनुसार अवधारित की जाएगीः (क) NEET में जीव–विज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ख) NEET में रसायन–विज्ञान में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार। (ग) NEET में सभी विषयों में कम संख्या में गलत उत्तर देने वाले उम्मीदवार। (घ) अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

NEET परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी वेबसाईट www.neet.nic.in से प्राप्त कर सकते हैं।

- **माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, वर्ष 2017 से देश के सभी शासकीय एवं निजी मेडिकल कालेजों में प्रवेश NEET परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर ही हो रहा है।**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) नई दिल्ली एवं नये स्थापित 8 अन्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के लिए प्रवेश परीक्षा :–

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली की स्थापना भारतीय संसद के विशेष अधिनियम के अन्तर्गत 1956 को एक पूर्ण रुपेण स्वायत्त संस्थान के रुप में हुई, जो स्वयं अपना पाठ्यक्रम तैयार करता है एवं डिग्री प्रदान करता है। मेडिकल अध्ययन शाला के रुप में यह संस्थान सम्पूर्ण भारत का सर्वश्रेष्ठ संस्थान है जहां स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु मात्र 107 (भारतीयों के लिए 100 एवं एन.आर.आई के लिए 7) सीटें उपलब्ध है। शिक्षण की निरंतर उच्च गुणवत्ता स्तर एवं विद्यार्थी एवं प्राध्यापक के सर्वश्रेष्ठ अनुपात, उच्च स्तरीय विद्वान प्राध्यापकों की उपलब्धता इस संस्थान की प्रमुख विशेषता है। अत्यंत कम संख्या में सीटों हेतु आयोजित की जाने वाली यह प्रवेश परीक्षा भारत की सबसे कठिन परीक्षा है। वर्ष 2012–13 एवं वर्ष 2017–18 से प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 8 नये (AIIMS) क्रमशः भोपाल, पटना, जोधपुर, ऋषिकेश, रायपुर, भुवनेश्वर, गूंटूर एवं नागपुर में खोले

गये। प्रत्येक संस्थान में प्रवेश हेतु 100 (गुंटूर एवं नागपुर में 50–50) सीटे उपलब्ध है। NEET की एकल मेडिकल प्रवेश परीक्षा से पृथक (AIIMS) संस्थानों में प्रवेश संबंधित जानकारी निम्न प्रस्तुत हैं :–

प्रवेश के लिए पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा संबधी जानकारी :–

1. **(AIIMS)** संस्थानों में प्रवेश की पात्रता हेतु आवश्यक होता है कि आवेदक 12वीं अथवा समकक्ष परीक्षा अनिवार्य विषयों के रुप में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो अन्य समस्त आरक्षित वर्गो हेतु निर्धारित अंक सीमा 50 प्रतिशत होता है। (उस वर्ष अर्हताकारी परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक भी निर्धारित अवधि तक अर्हता संबंधी शर्तों को पूर्ण करने की शर्तों के अध्ययीन प्रावधिक रुप से परीक्षा हेतु पात्र होते हैं)।
2. आवेदक को रायपुर सहित भारत वर्ष में उपलब्ध 18 केन्द्रों में से एक केन्द्र में प्राथमिकता दर्शाते हुए प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना होता है। परीक्षा सिर्फ ऑनलाइन मोड (CBT, ComputerBased Test) मे ली जाती है।
3. परीक्षा साढ़े तीन घंटे की अवधि की होती है, जिसमें भौतिकी, रसायन एवं जीवविज्ञान प्रत्येक के 60 प्रश्न एवं सामान्य ज्ञान के 20 प्रश्नों सहित कुल 200 प्रश्न होते हैं। प्रश्नो की प्रकृति वस्तुनिष्ठ होते हैं, गलत उत्तर में नकारात्मक अंक प्रदान किये जाते है। प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होते है एवं आवेदक द्वारा चयनित भाषा में उत्तर दिये जाना होता है।
4. इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन के लिए आवेदकों को प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम कट ऑफ अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। यह अंक सामान्य वर्ग आवेदक (निःशक्त आवेदकों सहित) हेतु 50 प्रतिशत, अन्य पिछडा वर्ग हेतु 45 प्रतिशत एवं अजा/अजजा हेतु 40 प्रतिशत न्यून अंक अनिवार्य है। न्यूनतम कटऑफ उपरांत आवेदकों का चयन मेरिट आधार पर होता है। किसी संबंधित संवर्ग में न्यूनतम कटआफ में आवेदक न मिलने की दशा में सामान्य संवर्ग में सीटों को लिया जाकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।
5. प्रवेश परीक्षा में आवेदकों के अंकों के समान होने की दशा में प्रवेश परीक्षा में क्रमशः जीवविज्ञान, रसायन, भौतिकी में प्राप्त अंकों क्रमानुसार मेरिट के निर्धारण में लिया जाता है। उक्त तीनों के समान होने पर अधिक आयु का आवेदक मेरिट में उच्च स्थान पर लिया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी –

(AIIMS) परीक्षा की विज्ञप्ति प्रतिवर्ष जनवरी/फरवरी माह में जारी किये जाते है। ऑन लाइन आवेदन करने हेतु एक माह की समयावधि दी जाती है। जून माह के प्रथम रविवार को प्रवेश परीक्षा अयोजित की जाती है जिसका परिणाम जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में घोषित कर दिया जाता है। काउंसलिंग उपरांत

(AIIMS) संस्थानों में शिक्षण सत्र प्रतिवर्ष 1 अगस्त से प्रारंभ हो जाता है। परीक्षा संबंधी अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.aiimsexams.org में लॉग इन किया जा सकता है।

अन्य संस्थानों की मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं –

भारत सरकार एवं एमसीआई के एकल प्रवेश परीक्षा के निर्देश उपरांत भी कई संस्थानों द्वारा एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। इनमें अधिकांश निजी क्षेत्र के संस्थान विशेषकर अल्पसंख्यक संस्थान शामिल है। जिसमें वेलोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा, मनिपाल स्थित कस्तुरबा मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा महत्वपूर्ण हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य में चिकित्सा पाठ्यकम की उपलब्धता संबंधी जानकारी –

क्रमांक	कॉलेज का नाम	कोर्स का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश परीक्षा का नाम
1	शासकीय जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर	एमबीबीएस	150	NEET
2	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर	एमबीबीएस	150	NEET
3	शासकीय मेडिकल कॉलेज जगदलपुर	एमबीबीएस	100	NEET
4	शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़	एमबीबीएस	50	NEET
5	सी0एम0 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज, दुर्ग	एमबीबीएस	150	NEET
6	शासकीय मेडिकल कालेज अम्बिकापुर	एमबीबीएस	100	NEET
7	शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव	एमबीबीएस	100	NEET
8	रिम्स मेडिकल कालेज रायपुर (निजी)	एमबीबीएस	150	NEET
9	शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई (निजी)	एमबीबीएस	100	NEET
10	शासकीय डेंटल कॉलेज आयुर्वेद कॉलेज परिसर रायपुर	बीडीएस	100	NEET
11	मैत्री कॉलेज ऑफ डेंटेस्ट्री अंजोरा दुर्ग	बीडीएस	100	NEET
12	रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस कोहका भिलाई	बीडीएस	100	NEET
13	न्यू होरिजन डेंटल कॉलेज एण्ड रिसर्च सकरी बिलासपुर	बीडीएस	100	NEET
14	त्रिवेणी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस बोदरी बिलासपुर	बीडीएस	100	NEET
15	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस सुन्दरा राजनांदगांव	बीडीएस	100	NEET
16	AIIMS रायपुर	एमबीबीएस	100	AIIMS की प्रवेश परीक्षा

17	शासकीय नारायण प्रसाद अवस्थी आयुर्वेद कालेज रायपुर	बीएएमएस	55	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
18	राजीव लोचन आयुर्वेद कालेज खेदामारा दुर्ग	बीएएमएस	60	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
19	छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज राजनांदगांव	बीएएमएस	75	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
20	शासकीय आयुर्वेद कालेज बिलासपुर	बीएएमएस	60	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
21	आयुर्वेद कालेज दुर्ग (निजी)	बीएएमएस	100	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
22	महाराणा प्रताप होम्योपैथी कॉलेज न्यू राजेन्द्रनगर रायपुर	बीएचएमएस	50	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
23	सी एल चौकसे होम्योपैथी कॉलेज मस्तुरी रोड बिलासपुर	बीएचएमएस	100	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
24	रायपुर होम्योपैथी कॉलेज शीतला मंदिर के पास रामकुंड रायपुर	बीएचएमएस	50	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
25	मोहसिन ए मिल्लत युनानी मेडिकल कॉलेज रायपुर	बीयुएमएस	40	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा
26	श्री महावीर प्राकृतिक एवं योग विज्ञान महाविद्यालय नगपुरा दुर्ग	बीएनवायएस	50	छत्तीसगढ़ व्यापम की पृथक प्रवेश परीक्षा

इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ में बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी के पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु 6 महाविद्यालय संचालित है जहां 360 सीटें प्रवेश हेतु उपलब्ध है। ये महाविद्यालय रायपुर में चार तथा दुर्ग एवं धमतरी में एक–एक संचालित है। छत्तीसगढ़ में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग एवं अन्य) के संचालन हेतु लगभग 95 संस्थान संचालित है जिसमें प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी के लिए NCERT की ग्यारहवीं और बारहवीं की भौतिक रसायन एवं जीवविज्ञान की पुस्तकें बहुउपयोगी है। जीवविज्ञान के लिए श्री मोहन लाल एवं एम.के.त्यागी तथा के.एन.भाटिया और प्रदीप प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। भौतिक के लिए अरिहन्त प्रकाशन के बी.सी.पाण्डेय एवं एच.सी.वर्मा की पुस्तके लाभदायक है। रसायन के लिए ओ.पी.टण्डन एवं ABC Chemistry उपयोगी पुस्तकें है। यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर भी इस परीक्षा के लिए लाभदायक है।

सफलता के मार्ग में कठिनाईयां स्वाभाविक है। जब आप शहद की खोज में जाते है तो आपको मधुमक्खियों द्वारा कांटे जाने की संभावना को स्वीकार कर लेना चाहिए।

– जोसेफ जोबर्ट

12. नर्सिंग क्षेत्र में कैरियर के अवसर

पीड़ित एवं रूग्ण मानव के सेवाधर्म को मूल उद्देश्य के रुप में आत्मसात करने वाला, यह केरियर उच्च आदर्श एवं संतोष की अनुभूति के साथ रोजगार के असीम आयाम भी उपलब्ध करता हैं। विगत कई वर्षो से नर्सिंग के विभिन्न पाठ्यक्रम शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के वृहद अवसर प्रदान कर रहे हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने नर्सों के 2000 से अधिक रिक्तियां विज्ञापित की है ऐसी संभावना छत्तीसगढ में भी भविष्य में बनी हुई है, अतः रोजगार की उपलब्धता की दृष्टि से नर्सिंग वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ केरियर के रुप में स्थापित हो रहा है।

भारतीय नर्सिंग काउन्सिल नईदिल्ली देश भर में नर्सिंग व्यवसाय की नियंत्रक संस्था है जो विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं नर्सिंग कॉलेजो के संचालन संबधी दिशा–निर्देश जारी करता है। किसी राज्य में नर्सिंग पाठ्यक्रम एवं पंजीयन संबंधी कार्य राज्य नर्सिंग काउन्सिल द्वारा किया जाता है। नर्सिंग काउन्सिल ऑफ इंडिया के द्वारा मान्यता प्राप्त नर्सिंग पाठ्यक्रमों संबंधी जानकारी निम्नानुसार है :–

नर्सिंग के विभिन्न पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	न्यूनतम अर्हता
1	Auxiliary Nurse & Midwife (ANM) ए.एन.एम पाठ्यक्रम	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 से 35 वर्ष के मध्य हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण हो।
2	General Nursing & Midwifery (GNM) जी.एन.एम. पाठ्यक्रम	3.5 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 से 35 वर्ष के मध्य हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा भौतिक रयायन एवं जीवविज्ञान के साथ न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। अथवा ए.एन.एम प्रशिक्षण उपरांत राज्य नर्सिग काउन्सिल में पंजीकृत हो।
3	बी.एससी नर्सिंग (बेसिक)	4 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 से 35 वर्ष के मध्य हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा भौतिक रयायन एवं जीवविज्ञान के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।
4	बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	नियमित 2 वर्ष दूरस्थ अध्ययन 3 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को को 17 वर्ष हो तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा उतीर्ण हो तथा जी.एन.एम नर्सिग प्रशिक्षण प्राप्त कर राज्य नर्सिंग काउन्सिल में पंजीकृत हो।
5	एम.एससी नर्सिंग	2 वर्ष	शारीरिक रुप से स्वस्थ आवेदक जिन्होने बी.एससी नर्सिंग/पोस्ट बी.एससी. नर्सिंग/बी.एससी नर्सिंग ऑनर्स उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो तथा न्यूनतम 1 वर्ष का कार्यानुभव हो।
6	पी.एच.डी नर्सिंग	3–5 वर्ष	एम. एससी नर्सिंग

चयन प्रक्रिया :–

उपर्युक्त उल्लेखित पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों के चयन हेतु प्रत्येक राज्य में पृथक चयन प्रक्रिया निर्धारित है। छत्तीसगढ़ में ए.एन.एम एवं जी.एन.एम पाठ्यक्रमों हेतु चयन हायर सेकेण्डरी के अंकों के आधार पर नर्सिंग संस्थानों द्वारा मेरिट के आधार पर की जाती है। जबकि छत्तीसगढ़ में बी.एससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश छ.ग. व्यापम द्वारा प्री नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्री नर्सिंग प्रवेश परीक्षा प्रति वर्ष माह मई/जून में आयोजित किया जाता है जिसमें बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते है। कुल समयावधि 2 घंटे 15 मिनट की इस प्रवेश परीक्षा में कुल 100 प्रश्न होते है, जो कक्षा बारहवीं के पाठ्यक्रम पर आधारित एवं भौतिक रसायन एवं जीवविज्ञान विषयों से संबधित होते है।

- **छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 94 नर्सिंग कॉलेजों में बी.एस.सी. नर्सिंग के लगभग 4000 सीटें है।**
- **राज्य के कुल 72 नर्सिंग कॉलेजों में जी.एन.एम. के लगभग 3000 सीटें है।**
- **शिक्षा सत्र 2016–17 से निजी संस्थानों में ANM पाठ्यक्रम में प्रवेश बंद कर दिया गया है, ANM पाठ्यक्रम सिर्फ शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में संचालित है।**

संपर्क :– अधिक जानकारी के लिये इंडियन नर्सिंग कॉउंसिल के वेबसाईट www.indiannursingcouncil.org एवं www.cgdme.co.in से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रस्सी आवत जात के, सील पर परत निशान ।।
– सुदर्शन

13. कृषि के क्षेत्र में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षायें

सदियों से कृषि भारत के जीवन का मूलाधार रही है। भारत की विशाल जनसंख्या की भोजन संबंधी मूलभूत आवश्यकता उपलब्ध कराने में कृषि क्षेत्र में हुए विकास और अनुसंधान के विशेष भूमिका है। स्वाधीनता उपरान्त देश में हरित क्रांति, श्वेत क्रांति एवं पीली क्रांतियो के कारण भारतीय जनमानस को खाद्यान्न, दुग्ध एवं दलहन के कभी कमी नही हो पायी है। यह सब सम्भव हो पाया देश भर में फैले हुए कृषि अनुसन्धान शालाओं विश्वविद्यालयों में कार्यरत कृषि वैज्ञानिकों के सतत् प्रयास के द्वारा।

वर्तमान परिस्थितियों में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन एवं अनुसन्धान देश के आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सुदृढ़ता के लिए अपरिहार्य है। फलस्वरुप केन्द्र एवं राज्य सरकारें कृषि क्षेत्र में निरंतर नवीन अध्ययन शालाऐं खोल रही है जहां आधुनिक कृषि विज्ञान का ज्ञान प्राप्त कर देश का युवा आसानी से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है। हायर सेकण्डरी उपरांत विद्यार्थियों के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि विज्ञान, उद्यानिकी, मत्स्य विज्ञान, सामाजिक वानिकी, रेशम उत्पादन विज्ञान, बायो टेक्नोलॉजी, डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि इंजीनियरिंग इत्यादि क्षेत्रों में अध्ययन के अवसर उपलब्ध है। कृषि के इन क्षेत्रों में अध्ययन हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी निम्नानुसार है –

भारत में कृषि के क्षेत्र में अध्ययन संबंधी सर्वोच्च नियामक एवं नियंत्रक संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली (ICAR) है। जिसके मार्गदर्शन में देश भर के 67 कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि सम्बधित पाठ्यक्रम संचालित है। इन कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दो प्रकार की प्रवेश परीक्षाएं प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। जो निम्न हैः–

1. **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा।**
2. राज्य स्तर पर प्रत्येक राज्य की पृथक प्रवेश परीक्षा जैसे छत्तीसगढ़ राज्य हेतु प्री. एग्रीकल्चर प्रवेश परीक्षा (PAT)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (AIEEA)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली विगत 20 वर्षो से देश भर के 67 कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों की एक अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस परीक्षा के माध्यम से स्नातक स्तर पर विश्वविद्यालयों में उपलब्ध लगभग 15 हजार सीटों के 15 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति की जाती है साथ ही राष्ट्रीय डेयरी अनुसन्धान संस्थान करनाल के 100 प्रतिशत स्थानों की पूर्ति भी इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह प्रवेश परीक्षा सामान्यतः प्रति वर्ष अप्रेल माह के द्वितीय या तृतीय सप्ताह में आयोजित होता है।

परीक्षा हेतु योग्यता :—

(क) आयुसीमा :— किसी वर्ष प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ठ होने वाली आवेदक की आयु उस वर्ष के 31 अगस्त को 17 वर्ष से 23 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। (आरक्षित वर्गों के आवेदकों को शासन द्वारा निर्धारित नियमानुसार आयु सीमा में छूट प्राप्त है)

(ख) शैक्षणिक योग्यता :— आवेदक 10+2 पद्धति की 12वीं परीक्षा भौतिकी रसायन अनिवार्य विषय के साथ गणित/जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान में से न्यूनतम एक विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। हायर सेकेण्डरी में सामान्य एवं अ.पि.वर्ग के आवेदकों हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक तथा अ.जा तथा अ.ज.जा. एवं निःशक्त वर्ग के आवेदकों के लिए 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा की योजना :—यह प्रवेश परीक्षा एकल प्रश्न पत्र पर आधारित है। जो निम्नानुसार है —

(क) परीक्षा की प्रकृति वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय है। परीक्षा में 180 प्रश्न पूछे जाते है, जिनके उत्तर हेतु 2.30 घंटे की अवधि निर्धारित हैं। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंकों का प्रावधान है।

(ख) कृषि पाठ्यक्रमों की प्रकृति के आधार पर प्रवेश परीक्षा दो वर्गों में विभक्त है — **स्ट्रीम (अ) एवं स्ट्रीम (ब)।**

स्ट्रीम (अ) के प्रश्न पत्र में भौतिकी रसायन, जीवविज्ञान अथवा कृषि विज्ञान से सम्बधित प्रश्न सम्मिलित किये जाते है। इस वर्ग के अन्तर्गत परीक्षा देने वाले आवेदक कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, वानिकीविज्ञान, गृहविज्ञान, रेशम उत्पादन विज्ञान तथा बायोटेक्नोलॉजी के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते है।

(ग) स्ट्रीम (ब) जो गणित संकाय के विद्यार्थियों से संबंधित है, के अन्तर्गत भौतिकी रसायन एवं गणित से सम्बधित प्रश्न पूछे जाते है, इस वर्ग के आवेदक कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नोलॉजी फूड टेक्नोलॉजी अथवा कृषि मार्केटिंग के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र होते है।

क्र.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**कुल सीट**	**कुल में से**			
			सामान्य	**अ.जा**	**अ.ज.जा.**	**निःशक्त**
1	कृषि विज्ञान	1131	863	170	85	34
2	उद्यानिकी विज्ञान	245	188	37	18	07
3	वानिकी विज्ञान	97	74	15	07	03
4	गृह विज्ञान	148	114	22	11	05
5	रेशम विज्ञान	14	11	02	01	01
6	कृषि इंजीनियरिंग	231	177	34	18	07
7	डेयरी टेक्नोलॉजी	104	72	16	08	03
8	फूड टेक्नोलॉजी	88	67	13	07	03
9	कृषि मार्केटिंग	38	31	05	02	01
10	बायोटेक्नोलॉजी	57	44	09	04	02

सीटों की संख्या– इस प्रवेश परीक्षा में उपलब्ध सीटों का विवरण निम्न है :–

राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति :– इस प्रवेश परीक्षा की एक विशिष्टता है कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा कृषि के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले उन समस्त विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिन्होने इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अपने राज्य के अतिरिक्त किसी अन्य राज्य के कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए प्रवेश लिया है। यह छात्रवृत्ति सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए रु. 1000 प्रतिमाह की दर से दी जाती है। इस हेतु आवश्यक है कि पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी का अध्ययन स्तर उच्च बना रहे।

प्रवेश परीक्षा संबंधी कतिपय महत्वपूर्ण तिथि (सामान्यतः) :–

परीक्षा संबंधी आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि :– 15 दिसम्बर से 15 फरवरी तक

आवेदन शुल्कः– रु 500 सामान्य एवं पिछडा वर्ग हेतु एवं रु 250 अजा,अजजा वर्ग हेतु

परीक्षा हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि :– 15 फरवरी

परीक्षा की तिथि :– अप्रैल माह का तृतीय शनिवार प्रातः 10 से 12.30 बजे।

परीक्षा परिणाम :– मई माह के तृतीय सप्ताह

अधिक जानकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वेबसाइट www.icar.org.in पर प्राप्त की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा

प्री एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT) :–

छ.ग राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छ.ग. व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष माह मई जून में एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके द्वारा राज्य के कृषि महाविद्यालयों में संचालित कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान, मत्स्य विज्ञान इत्यादि पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। छ.ग. राज्य के समस्त कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत है, जिससे सम्बधित जानकारी निम्नानुसार है :–

क्र.	संस्थान / महाविद्यालय का नाम (अ) कृषि विश्वविद्यालय के संलग्न महाविद्यालय	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1	कृषि महाविद्यालय रायपुर	कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान,
2	TCB कृषि महाविद्यालय बिलासपुर	कृषि विज्ञान
3	RMD कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर	कृषि विज्ञान
4	SG कृषि महाविद्यालय जगदलपुर	कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान,
5	कृषि महाविद्यालय जांजगीर चांपा	कृषि विज्ञान
6	SK कृषि महाविद्यालय कवर्धा	कृषि विज्ञान
7	DKS कृषि महाविद्यालय भाटापारा	कृषि विज्ञान
8	पं. एस.के.एस. कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालय राजनांदगांव	कृषि विज्ञान, उद्यानिकी विज्ञान,
9	कृषि महाविद्यालय बेमेतरा	कृषि विज्ञान

10	कृषि महाविद्यालय रायगढ़	कृषि विज्ञान
11	कृषि महाविद्यालय कोरिया	कृषि विज्ञान
12	कृषि महाविद्यालय कांकेर	कृषि विज्ञान
13	बी आर एस एम कृषि अभियांत्रिकी एवं टेक्नॉलोजी महाविद्यालय मुंगेली	कृषि इंजीनियरिंग
टीप :– शासकीय कॉलेजों में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर की 890 एवं बी.एस.सी उद्यानिकी की 118 सीटें उपलब्ध है।		

क्र.	(ब) विश्वविद्यालय से संबद्ध निजी महाविद्यालय	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1	भारतीय कृषि महाविद्यालय दुर्ग	कृषि विज्ञान,,
2	भोरमदेव कृषि महाविद्यालय कवर्धा	कृषि विज्ञान
3	छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय भिलाई,	कृषि विज्ञान
4	कृषि महाविद्यालय अम्बागढ़ चौकी	कृषि विज्ञान
5	कृषि महाविद्यालय दन्तेवाड़ा	कृषि विज्ञान
6	कृषि महाविद्यालय, धनागर, रायगढ़	कृषि विज्ञान
7	महामाया कृषि महाविद्यालय धमतरी	कृषि विज्ञान
8	मार्गदर्शन कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर	कृषि विज्ञान
9	श्री राम कृषि महाविद्यालय राजनांदगांव	कृषि विज्ञान
10	उद्यानिकी महाविद्यालय रायपुर	उद्यानिकी विज्ञान
11	उद्यानिकी महाविद्यालय धमतरी	उद्यानिकी विज्ञान
12	KL उद्यानिकी महाविद्यालय धमतरी	उद्यानिकी विज्ञान
13	रानी दुर्गावती उद्यानिकी पेण्ड्रारोड, बिलासपुर	उद्यानिकी विज्ञान
14	भारती कालेज ऑफ कृषि इंजिनियरिंग दुर्ग	कृषि इंजिनियरिंग
15	छत्तीसगढ़ कालेज ऑफ कृषि इंजीनियरिंग भिलाई, दुर्ग	कृषि इंजिनियरिंग
टीपः– निजी कॉलेजों में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर की 468 एवं बी.एस.सी उद्यानिकी की 208 सीटें उपलब्ध है।		

इसके अतिरिक्त 11 अप्रैल 2012 को नवगठित कामधेनु विश्वविद्यालय के अधीन मत्स्यकी महाविद्यालय कवर्धा एवं वेटेनरी महाविद्यालय अंजोरा दुर्ग एवं डेयरी एवं फूड टेक्नॉलोजी कॉलेज रायपुर संचालित है। जहां छत्तीसगढ़ राज्य के छात्रों के लिए क्रमशः 30 एवं 36–36 सीटें अध्ययन हेतु उपलब्ध है।

परीक्षा हेतु योग्यताः–

(क) **आयुसीमा :–** इस प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ठ होने वाले आवेदक की आयु उस वर्ष 31 अगस्त को 17 वर्ष से 23 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। (आरक्षित वर्ग को नियमानुसार आयु सीमा में छूट प्राप्त है)

(ख) **शैक्षणिक योग्यताः–** कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक हायर सेकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। हायर सेकण्डरी में आवेदक द्वारा भौतिक, रसायन के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की प्रकृति अनुसार गणित अथवा जीवविज्ञान अथवा एग्रीकल्चर विषय की योग्यता होनी चाहिए। बीएससी एग्रीकल्चर, हॉटीकल्चर (उद्यानिकी) के

पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जहां गणित जीवविज्ञान अथवा कृषि संकाय में से किसी भी संकाय का हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण छात्र पात्र होगा, जबकि कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलोजी के बी.ई बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु केवल गणित संकाय के विद्यार्थी ही पात्र होंगें। पशुचिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु जीवविज्ञान विषय के साथ हायर सेकेण्डरी उत्तीर्ण छात्र ही पात्र होंगें।

परीक्षा योजना :– छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा कृषि क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तीन पृथक परीक्षाऐं आयोजित करता है।

1. बीएससी एग्रीकल्चर, हॉटीकल्चर (उद्यानिकी) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्री एग्रीकल्चर परीक्षा (PAT)।
2. कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नॉलोजी के बी.ई बी.टेक पाठ्यक्रमों हेतु प्री इंजीनियरिंग परीक्षा (PET)।
3. पशुचिकित्सा एवं मत्स्य विज्ञान के स्नातक पाठ्यक्रम हेतु प्री व्हेटनरी प्रवेश परीक्षा (PVT)।

उक्त समस्त परीक्षायें प्रतिवर्ष माह मई–जून में आयोजित किये जाते है जिनके लिए आवेदकों को प्रवेश फार्म माह मार्च–अप्रैल से उपलब्ध करवाया जाता हैं।

कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर :–

रोजगार की असीम संभावनाओं से युक्त कृषि क्षेत्र के स्नातक व्यक्तियों को रोजगार के वृहद आयाम उपलब्ध है वर्तमान में इस क्षेत्र का योग्यताधारी आसानी से निम्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर रहा हैः–

1 केन्द्र एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग के अन्तर्गत विभिन्न राजपत्रित एवं गैर राजपत्रित पद ।

2 विभिन्न सरकारी एवं निजी बैंको तथा बीमा कम्पनियों में प्रबंधक एवं सुपरवाइजर के पद।

3 सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनो द्वारा संचालित क्षेत्र विकास कार्यक्रमों तथा वाटर सेड मिशन में विभिन्न पद।

4 बीज उत्पादक, कीटनाशक उत्पादक, तथा खाद उत्पादन कम्पनियों में विभिन्न पद।

5 कृषि इंजीनियरिंग उत्पाद जैसे ट्रेक्टर हारवेस्टर थ्रेसर बनाने वाली कम्पनियों में विभिन्न पद।

6 खाद्य प्रसंकरण संबंधी उद्योगों में विभिन्न पद।

संपर्क –

अधिक जानकारी के लिये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के बेवसाईट www.igau.edu.in से संपर्क किया जा सकता है।

उत्साह ही बलवान होता है। उत्साह से बढ़कर दूसरा कोई बल नहीं है। उत्साही पुरूष के लिये संसार में कोई वस्तु दुर्लभ नहीं है।

–महर्षि वाल्मीकि

14. कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) हेतु परीक्षा

कानून का विषय भारतीय जनमानस में सदैव आकर्षण का विषय रहा है। कानून के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से बार काउंसिल ऑफ इण्डिया ने ऐसी शिक्षण संस्थानों की स्थापना प्रतिपादित की, जो सामान्य विश्वविद्यालय के विपरीत मूलतः कानून की पढ़ाई को समर्पित हो और पूर्णकालिक विश्वविद्यालय/डीम्ड विश्वविद्यालय के समान पूर्णरुपेण स्वायत्त हो, जहां प्रवेश की प्रक्रिया मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं जैसी अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के स्वरुप का हो। इस लक्ष्य को लेकर देश भर में नेशनल लॉ कॉलेज यूनिवर्सिटियों की स्थापना प्रारंभ हुई। इस कड़ी का प्रथम लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी की स्थापना 1987 में बैंगलुरु में हुई। तत्पश्चात विभिन्न राज्यों में लॉ कॉलेज युनिवर्सिटियां स्थापित होते रहे। वर्तमान में देश में 20 लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी कार्यरत हैं, इन संस्थानों में प्रवेश हेतु एकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली का प्रारंभ 2008 से किया गया, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) के रुप में जाना जाता है। दिल्ली स्थित लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी को छोड़कर देश की 19 अन्य नेशनल लॉ युनिवर्सिटियां इसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का प्रवेश प्रदान कर रही है।

परीक्षा का स्वरुप

देश के नेशनल लॉ युनिवर्सिटियों में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली यह प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकृति की परीक्षा है। परीक्षा में ऋणात्मक अंक का प्रावधान है, जो प्रति गलत उत्तर 0.25 हैं। इस परीक्षा में शामिल विषय निम्न है :—

क्र.	परीक्षा के विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	सामान्य पाठ्यकम
1	अंग्रेजी भाषा एवं समझ	40	40	व्याकरण, गद्यांश की समझ, शब्दों का अर्थ एवं प्रयोग समानार्थी विरुद्धार्थी वाक्य का सुधार इत्यादि
2	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनाएं	50	50	गत एक वर्ष (सामान्यतः गत मार्च से वर्तमान वर्ष तक) की समसामयिक घटनायें एवं सामान्य ज्ञान
3	सामान्य गणित एवं आंकिक योग्यता	20	20	कक्षा दसवीं स्तर तक का सामान्य गणित
4	कानून संबंधी एप्टीट्यूड/ज्ञान	50	50	कानूनी समझ की जांच होगी जिसमें दिये गये परिघटनाओं के आधार पर कानूनी सत्यता की परख की जायेगी। इस खंड हेतु यद्यपि पूर्व कानूनी ज्ञान वांछित नहीं है। दिये गये गद्यांश में ही उत्तर हेतु समुचित तथ्य विद्यमान होंगें जिसका सही परिपेक्ष्य में विश्लेषण की जांच होगी।

5	तर्क शक्ति	40	40	शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक प्रकृति के प्रश्न
कुल प्रश्न 200 कुल अंक 200 कुल समय 2 घंटा				

प्रवेश परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाती है, जिसके आधार पर आवेदकों को उनके प्राथमिकता के आधार पर संस्थान आबंटित किये जाते हैं। प्रवेश परीक्षा के अंकों में टाई होने पर कानूनी ज्ञान/एप्टीट्युड के अधिक अंक को प्रथम वरीयता तत्पश्चात् अधिक उम्र को प्रथम प्राथमिकता देते हुए मेरिट सूची तैयार की जाती है।

प्रवेश परीक्षा हेतु पात्रताः–

1. इस प्रवेश परीक्षा में प्रविष्ट होने वाले आवेदक हायर सेकेण्डरी (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। आरक्षित वर्ग **(अजा/अजजा/पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तजनों के लिए)** हेतु 5 प्रतिशत अंकों की छूट है। 12वीं प्रविष्ट विद्यार्थी भी प्रावधिक रुप से प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

2. आवेदक की आयु प्रवेश परीक्षा के वर्ष के 1 जुलाई को 20 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अजा/अजजा/पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्त जनों के लिए आयु सीमा में 2 वर्षों की छूट है।

भाग लेने वाले संस्थानों के नाम एवं सीटों की संख्या :–

1. NLSUI, Bangalore	2. NALSAR, Hyderabad	3. NLIU, Bhopal	4. WBNUJS, Kolkata
5. NLU, Jodhpur	6. HNLU, Raipur	7. GNLU, Gandhi Nagar	8. RMLNLU, Lucknow
9. RGNUL, Patiala	10. CNLU, Patana	11. NUALS, Kochi	12. NLUO, Orissa
13. NUSRL, Ranchi	14. NLUJA, Assam	15.DSNLU, Visakhapatnam	16.TNNLS, Tiruchirapalli
17. MNLU, Mumbai	18. MNLU, Nagpur	19. MNLU, Aurangabad	

उपरोक्त 19 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रथम वर्ष में लगभग 2300 सीटें हैं।

परीक्षा हेतु आवेदन कैसे करे :–

क्लैट परीक्षा हेतु आवेदन प्राप्त करने हेतु आवेदक को निर्धारित किये गये स्टेट बैंकों अथवा निर्धारित नेशनल लॉ कॉलेजों के काउन्टर से परीक्षा फार्म एवं परीक्षा शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। आवेदन डाक के माध्यम से परीक्षा आयोजक नेशनल लॉ कॉलेज भेजना होता है। आवेदक चाहे तो फार्म ऑनलाइन डाउन लोड कर सकता है एवं फीस का भुगतान नेट बैकिंग/डेबिट कार्ड के माध्यम से किया जा सकता है।

परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण तिथियाँ :– (प्रतिवर्ष)

क्र.	विवरण	तिथियाॅ
1.	परीक्षा का विज्ञापन	प्रतिवर्ष जनवरी प्रथम सप्ताह
2.	फार्म वितरण प्रारंभ	प्रतिवर्ष जनवरी द्वितीय सप्ताह

3.	फार्म वितरण की अंतिम तिथि तथा जमा करने की अंतिम तिथि	प्रतिवर्ष मार्च माह का अंतिम सप्ताह
4.	परीक्षा की तिथि	प्रतिवर्ष मई माह का द्वितीय रविवार
5.	परिणाम की घोषणा	प्रतिवर्ष मई माह का अंतिम सप्ताह

क्लैट परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सलाहः–

छत्तीसगढ़ के निवासियों को इस परीक्षा में अवश्य ही भाग लेने की सलाह दी जाती है क्योंकि

1. भारत वर्ष में स्थापित 18 नेशनल लॉ कॉलेजों में से एक हिदायतुल्ला नेशनल लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी रायपुर में स्थित है, जिसकी कुल 175 सीटों में से 80 सीटे छत्तीसगढ़ राज्य के आवेदकों के लिए आरक्षित है, जो यहीं के मूल निवासियों के माध्यम से भरी जावेगी।
2. नेशनल लॉ कॉलेजों से स्नातक विद्यार्थियों के रोजगार की असीम संभावनायें उपलब्ध हो रही है। केवल इंजीनियरिंग एवं मेडिकल को ही रोजगार संबधी उपयुक्त समझने वाले विद्यार्थी जान लेवें कि लॉ कॉलेजों से स्नातकों को वर्तमान में कारपोरेट सेक्टर से नियोजन के अत्यंत आकर्षक ऑफर प्राप्त कैम्पस प्लेसमेंट के रुप में ही प्राप्त हो रहे है।
3. अन्य परिस्थिति में कानून की डिग्री प्राप्त करने में 6 वर्ष का समय लगता है जबकि यही डिग्री नेशनल लॉ कॉलेजों से मात्र 5 वर्ष के अध्ययन से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही नेशनल लॉ कॉलेजों की डिग्री अत्यंत प्रतिष्ठित मानी जाती है।

परीक्षा की तैयारी – परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। काननू संबंधी ज्ञान के लिए सुविधा लॉ पब्लिकेशन एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन की पुस्तकें लाभदायक है। समसामयिक घटनाक्रम के सक्सेस मिरर एवं वेबसाईट www.bbc.hindi.in उपयोगी है।

संपर्क –

इस परीक्षा के संबंध में और अधिक जानकारी CLAT की वेबसाईट www.clat.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपको सूर्य की तरह चमकना है,
तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखें ।

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

16. होटल प्रबंधन में कैरियर के अवसर

जिन युवाओं को सेवा के क्षेत्र में ग्लैमर युक्त परन्तु चुनौती पूर्ण कैरियर की आकंक्षा है उनके लिए होटल प्रबंधन के क्षेत्र में कैरियर एक उत्तम विकल्प हैं।

होटल प्रबंधन के क्षेत्र में बहुप्रतिष्ठित पाठय्क्रम [B.Sc. Hospitality & Hotel administration] का संचालन भारत वर्ष में एक नियामक संस्था के अधीन संचालित होता है, जिसे नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एण्ड केटरिंग टेक्नालॉजी [Nation Council for Hotel Management and Cantering Technology] संक्षेप में [NCHMCT] के रूप में जाना जाता हैं।

NCHMCT भारत सरकार के पर्यटन विभाग के अधीन स्थापित एक पूर्ण स्वायत निकाय हैं, जो हॉटल मैनेजमेंट के अन्तर्गत संचालित समस्त प्रकार के पाठ्यक्रमों को अधिनियमित एवम् नियंत्रित करता है। वर्तमान में NCHMCT B.Sc हॉस्पिटालिटी एवम् होटल प्रबंधन के अतिरिक्त 9 अन्य प्रकार के पाठ्यक्रमों हेतु सिलेबस तथा पाठ्यक्रम का स्तर तय करता है। NCHMCT के अन्तर्गत वर्तमान में 21 केन्द्रीय संस्थान, 20 राज्य सरकारो के संस्थान तथा 15 निजी क्षेत्र के संस्थान संचालित है।

NCHMCT B.Sc हॉस्पिटालिटी एवम् होटल प्रबंधन :–

पाठ्यक्रम [B.Sc. In Hospitality & Hotel administration]

यह पाठय्क्रम NCHMCT और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से संचालित त्रिवर्षीय (छः सेमेस्टर) पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम हैं। जिसके माध्यम से छात्र सेवा के में दक्षता हेतु आवश्यक समस्त अन्तर्निहित सूक्ष्म तत्वों का वृहद ज्ञान प्राप्त करता हैं। जिसमें भोजन निर्माण भोजन एवम् पेय के परोसने का ज्ञान, हाउस किपिंग (रखरखाव) काउन्टर प्रबंधन इत्यादि का अध्ययन शामिल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम में लेखा (होटल संबंधी) वित्तीय प्रबंधन, पर्यटन एवम् मार्केटिंग प्रबंधन के गुर भी सिखायें जाते है। इस कोर्स के उपरांत स्नातक व्यक्ति सेवा के क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण दायित्वों के निर्वहन हेतु सक्षम हो जाता है फलतः उन्हें निम्न क्षेत्रों में कैरियर के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं :–

1. होटल एवम् संबंधित क्षेत्र में प्रबंधन प्रशिक्षु [Management Trainer] के रूप में नियोजन।
2. हवाई सेवा में फ्लाइट किचन के प्रभारी के रूप में नियोजन।
3. भारतीय नौसेना सहित मर्चेन्ट नेवी के सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर।
4. शासकीय एवं निजी गेस्ट हाउस में कस्टमर केयर सर्विस में अधिकारी के रूप में नियोजन।
5. राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय फूड चेन संस्थान जैसे मैकडोन्मड K.F.C, डोमिनो इत्यादि में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में नियोजन।
6. विभिन्न हॉटल मैनेजमेंट संस्थानों में अध्यापन कार्य हेतु नियोजन।

7. पर्यटन बोर्ड/निगम इत्यादि में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में नियोजन।

स्पष्ट है यह कोर्स रोजगार की असीम संभावनाओं से युक्त हैं। एक अध्ययन के अनुसार B.Sc. Hospitality Course उत्तीर्ण 80% युवाओं को तुरंत ही नियोजन के अवसर प्राप्त हो जाते हैं।

कोर्स हेतु पात्रता :– इस पाठय्क्रम हेतु आवेदक को कक्षा बारहवीं (किसी भी विषय के साथ) उत्तीर्ण होना चाहिए। साथ ही बारहवीं कक्षा में अंग्रेजी एक वि ाय के रूप में अवश्य शामिल होना चाहिए। बारहवीं में प्रविष्ट विद्यार्थी भी इस कोर्स हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते है परन्तु उन्हें उस वर्ष के 30 सितम्बर तक अपनी 12वीं उत्तीर्ण अंकसूची प्रस्तुत करनी होगी।

आयुसीमा :– सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के आवेदक जिस वर्ष परीक्षा में प्रविष्ठ हो रहे है उस वर्ष की प्रथम जुलाई को उनकी आयु अधिकतम 22 वर्ष होनी चाहिए। SC/ST आवेदक के लिए यह आयु सीमा 25 वर्ष निर्धारित है। इसके अतिरिक्त आवेदक को निर्धारित शारीरिक मापदंड को पूर्ण करना भी अनिवार्य है।

प्रवेश की प्रकिया :– B.Sc. Hospitality & Hotel administration में प्रवेश हेतु एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है जिसे संयक्त प्रवेश परीक्षा [Joint entrance Exam] JEE कहा जाता है। इस प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय उत्तर वाले वस्तु निष्ठ प्रश्न पूछे जाते है। परीक्षा में शामिल विषयों का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्रमांक	विषय	प्रश्नों की संख्या	समयावधि
1.	संख्यात्मक योग्यता एवं वैज्ञानिक समझ	30	कुल 3 घंटे
2.	तर्कशक्ति एवं तार्किक समझ	30	
3.	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक घटनायें	30	
4.	अंग्रेजी भाषा	60	
5.	सेवा क्षेत्र की समझ संबंधी प्रश्न	50	
कुल प्रश्न		**200**	

इस परीक्षा में अंग्रेजी भाषा को छोड़कर अन्य समस्त प्रश्न द्विभाषी अर्थात हिन्दी एवं अंग्रेजी में होते हैं। परीक्षा में सही उत्तर हेतु 1 अंक दिया जाता है जबकि सेवा क्षेत्र की समझ वाले 5 वें प्रश्न पत्र में एक से अधिक सही उत्तर हो सकते हैं। वहाँ सर्वाधिक सही उत्तर पर 1 अंक तत्पश्चात् 0.75, 0.50, 0.25 के क्रम से अंक दिये जाते है।

मेरिट सूची :– इस प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर अखिल भारतीय मेरिट सूची बनाई जाती है। समान अंक प्राप्त करने की दशा में अंग्रेजी में अधिक अंक पाने वाले, तत्पश्चात् सेवा क्षेत्र में अधिक अंक पाने वाले को मेरिट में उच्च क्रम दिया जाता हैं।

परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण तिथियाँ :– आवेदक संस्थान के वेबसाइट www.nchmct.org अथवा www.nchm.nic.in अथवा www.nchm.gov.in में प्रदर्शित विज्ञापन से वास्तविक तिथि ज्ञात कर सकते है।

परीक्षा केन्द्र :– रायपुर सहित देश भर के 33 शहर परीक्षा केन्द्र है जिसकी सूची ब्रोशर में उपलब्ध रहती है।

मेरिट के आधार पर सीधा प्रवेश :– हॉटल मैनेजमेंट के इन संस्थाओं के प्रत्येक संस्थान में तीन सीट बोर्ड के टॉपर हेतु सीधे प्रवेश के लिए सुरक्षित होती है। जिनमें एक सीट कला समूह, एक सीट वाणिज्य समूह एवं एक सीट विज्ञान समूह के टॉपर हेतु बिना प्रवेश परीक्षा के सुरक्षित होती है। इसके लिए आवश्यक होगा कि आवेदक अपने बोर्ड में अपने समूह की प्रावीण्यता सूची (कला समूह, वाणिज्य समूह, विज्ञान समूह में अलग– अलग) में प्रथम 200 स्थान पर आये (ऐसा उन बोर्ड के लिए है जहाँ 2 लाख तक विद्यार्थी परीक्षा में बैठे है।) यदि बोर्ड में 2 लाख से 5 लाख तक विद्यार्थी प्रविष्ट हुए है तो आवेदक अपने बोर्ड के 500 रैंक तक आने पर भी सीधे प्रवेश के लिए पात्र होता है।

होटल मैनेजमेंट संस्थानों की सूचि एवं सीटो की संख्या :– (01 जुलाई 2017 की स्थिति में)

NCHMCT के अंतर्गत B.Sc. हॉस्पेटालिटी कोर्स उपलब्ध करवाने वाले संस्थानों के नाम एवं सीटों की संख्या निम्नानुसार है :–

उपलब्ध सीटों का विवरण			
S.No.	**INSTITUTE**	**CITY**	**Actual Intake**
1	Institute of Hotel Management	BENGALURU	230
2	Institute of Hotel Management	BHOPAL	276
3	Institute of Hotel Management	BHUBANESWAR	230
4	Institute of Hotel Management	CHENNAI	253
5	Institute of Hotel Management	DELHI	246
6	Dr. Ambedkar Institute of Hotel Management	CHANDIGARH	230
7	Institute of Hotel Management	GANDHINAGAR	230
8	Institute of Hotel Management	GOA	340
9	Institute of Hotel Management	GURDASPUR	184
10	Institute of Hotel Management	GUWAHATI	180
11	Institute of Hotel Management	GWALIOR	240
12	Institute of Hotel Management	HAJIPUR	230
13	Institute of Hotel Management	HYDERABAD	230
14	Institute of Hotel Management	JAIPUR	184
15	Institute of Hotel Management	KOLKATA	307
16	Institute of Hotel Management	LUCHNOW	276
17	Institute of Hotel Management	MUMBAI	368
18	Institute of Hotel Management	SHILLONG	120
19	Institute of Hotel Management	SHIMLA	307
20	Institute of Hotel Management	SHRINAGAR	153
21	Institute of Hotel Management	THIRUVANANTHAPURAM	240
STATE GOVERNMENT INSTITUTE OF HOEL MANAGEMENT			
22	Chandigarh Institute of Hotel Management	CHANDIGARH	60
23	Delhi Institute of Hotel Management	LAJPAT NAGAR, NEW DELHI	120
24	Institute of Hotel Management	DEHRADUN	120

25	State Institute of Hotel Management	FARIDABAD	120
26	State Institute of Hotel Management	GANGTOK	80
27	State Institute of Hotel Management	JODHPUR	100
28	State Institute of Hotel Management	KOZHIKODE	60
29	Institute of Hotel Management	KURUKSHETRA	130
30	Institute of Hotel Management	BATHUNDA	120
31	State Institute of Hotel Management	HAMIRPUR	120
32	Institute of Hotel Management	SILVASSA	100
33	State Institute of Hotel Management	TIRUCHIRAPALLI	90
34	State Institute of Hotel Management	ROHTAK	120
35	State Institute of Hotel Management	PUDUCHERY	60
36	State Institute of Hotel Management	PANIPAT	60
37	State Institute of Hotel Management	HYDERABAD	60
38	State Institute of Hotel Management	INDORE	60
39	State Institute of Hotel Management	TIRUPATI	60
40	State Institute of Hotel Management	YAMUNA NAGAR	100
41	Ashoka Institute of Hotel Management	DELHI	60
PRIVATE INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT			
42	Chandigah College of Hotel Management	MOHALI (PUNJAB)	90
43	Chitkara School of Hospitality	RAJPURA (PUNJAB)	120
44	Deshbagat Institute of Hotel Management	MANDI GOBINDGRH(PUNJAB)	100
45	K C College Institute of Hotel Management	NAWANSHAHR (PUNJAB)	60
46	Institute of Hotel Management	MEERUT	120
47	Orinetal Schoool of Hotel Management	CALICUT	120
48	Ranjita Institute of Hotel Management	BHUBANESWAR	120
49	Shrishakti College of Hotel Management	HYDERABAD	120
50	SRM Institute of Hotel Management	CHENNAI	120
51	Munnar Catering College	KERALA	60
52	Gurunanak Institute of Hotel Management	KOLKATA	60
53	C T Institute of Hotel Management	JALANDHAR (PUNJAB)	60
54	Rayat & Bahra Institute of Hotel Management	MOHALI (PUNJAB)	60
55	St. Solider Institute of Hotel Management	JALANDHAR (PUNJAB)	50
56	VELs College of Hotel Management	CHENNAI	90
TOTAL			**8124**

संपर्क :– होटल प्रबंधन में कैरियर के अवसर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nchmct.org अथवा www.nhcm.nic.in अथवा www.nhcm.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

हम वो है जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते है। शब्द गौण हैं, विचार रहते है वो ही दूर तक यात्रा करते है।

We are what our thoughts have made us; so take care about what you think. Words are secondary. Thoughts live; they travel far.

- स्वामी विवेकानंद

17. स्पेशल क्लास रेल्वे एप्रेन्टीस परीक्षा

''स्पेशल क्लास रेल्वे एप्रेन्टीस'' उक्ति उन चुनिंदा लोगो के लिए लागू होता है जो प्रतिवर्ष भारत के संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इसी नाम से ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा के माध्यम से इस पाठ्यक्रम हेतु चयनित होते हैं। भारतीय रेल्वे के जमालपुर (मुंगेर जिला बिहार) में अव्यस्थित देश के सर्वाधिक पुराने तकनीकी संस्थानों में एक इडियन रेल्वे इंस्टीट्यूट में संचालित मैकनिकल इंजीनियरिंग के चार वर्षीय इंजीनियरिंग स्नातक पाठ्यक्रम मं प्रवेश हेतु यह परीक्षा आयोजित की जाती है।

मूलतः ब्रिटिश शासन द्वारा 1927 में इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य रेल्वे हेतु सर्वोत्कृष्ट प्रतिभाओं की आकर्षित कर उन्हें तकनीकी दृष्टि से दक्षता प्रदान कर रेल्वें में नियोजित करना था। स्वाधीनता उपरांत यह कार्य भारतीय संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा द्वारा किया जा रहा है। यह परीक्षा रायपुर सहित देशभर के लगभग 30 शहरों में आयोजित की जाती है।

यह परीक्षा चयन के प्रतिशत दृष्टि से सर्वाधिक कठिन परीक्षाओं में से एक है। जहां विज्ञापित रिक्त स्थानों की संख्या प्रतिवर्ष 42 होती है जबकि आवेदक अभ्यार्थियों की संख्या लगभग 3 से 4 लाख तक होती है।

SCRA में चयनित अभ्यर्थियों को मेकनिकल इंजीनियरिंग में B.Tech डिग्री बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी मेसरा (रांची) द्वारा प्रदान किया जाता है। इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता यह है कि चयनित प्रत्येक अभ्यर्थी को भारतीय रेल्वें द्वारा चयन तिथि से रू. 9100+ अन्य मंहगाई भत्ते के रूप में छात्रवृत्ति प्रदान किया जाता हैं एवं पाठ्यक्रम की पूर्णता पर भारतीय रेल्वें में IRSME (Indian Railway Service Mechanical Engineer) कैडर में 100% नियुक्ति का अवसर प्रदान किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :– आवेदक को प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में बारहवीं परीक्षा गणित अनिवार्य विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके अतिरिक्त बारहवीं कक्षा में भौतिकी अथवा रसायन अनिवार्य विषय होना चाहिए।

आयुसीमा :– आवेदक की आयु परीक्षा में सम्मिलित होने वाले वर्ष के प्रथम जनवरी को 17 से 21 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्चतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट की पात्रता होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– इस परीक्षा हेतु आवेदन ऑनलाईन ही करना होता है। आवेदक UPSC के वेबसाईट www.upsconline.nic.in पर आवेदन कर सकते है। ऑफलाईन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाते है।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा तीन स्तर पर होती है।

1. लिखित परीक्षा – 600 अंक
2. व्यक्तित्व परीक्षा (साक्षात्कार) – 200 अंक
3. रेल्वे द्वारा निर्धारित शारीरिक मापदंड की जांच

लिखित परीक्षा बहुविकल्पीय प्रकृति की होती है जिनमें केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के बारहवीं स्तर के पाठ्यक्रम पर प्रश्न पूछे जाते है यह परीक्षा निम्न प्रश्न पत्रों पर आधारित होती है :–

प्रश्न पत्र	**कुल अंक**	**समय**	**प्रश्न पत्र के विषय**
1.	200	2 घंटे	सामान्य योग्यता जिसमें अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान एवं मानसिक योग्यता के प्रश्न शामिल होते हैं
2.	200	2 घंटे	भौतिकी एवं रसायन
3.	200	2 घंटे	गणित

लिखित परीक्षा में प्रश्न सिर्फ अंग्रेजी में होते है तथा गलत उत्तर पर नकारात्मक मूल्यांकन (Negative Marking) किया जाता है।

लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार में आमंत्रित किया जाता है जिसमें 200 अंक निर्धारित होते है। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंको के आधार पर सफल घोषित किये गये अभ्यर्थियों को रेल्वें द्वारा निर्धारित शारीरिक दक्षता (मानदंडो) की पूर्ति हेतु चिकित्सकीय जांच से गुजरना अनिवार्य होता है।

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण तिथियाँ :– SCRA परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक छात्रों की यह सलाह दी जाती है कि वे प्रतिवर्ष यू.पी.एस.सी द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं संबंधी वार्षिक कैलेडर का अवश्य अध्ययन कर लेवें। इस कैलेडर द्वारा उन्हें वर्ष भर यू.पी.एस.सी द्वारा ली जाने परीक्षा की अधिसूचना तिथि, फार्म भरने की अंतिम तिथि एवं परीक्षा की तिथि की सूचना कई माह पूर्व ही मिल जाती है।

संपर्क :– स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.upsc.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

यदि किसी दिन आपके सामने कोई समस्या न आए तो आप सुनिश्चित हो सकते है कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।

In a day, when you don't come across any problems – you can be sure that you are travelling in a wrong path.

- स्वामी विवेकानंद

18. राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में प्रवेश परीक्षा (National Institute of Fashion Technology)

कलात्मक अभिरुचि, मौलिक डिजाइन, तथा वस्त्र एवं वस्तुओं के डिजाइन इत्यादि में नवीनतम सोच रखने वाले युवाओं को कैरियर प्रदान करने वाली शिक्षण संस्थानों की एक श्रृंखला राष्ट्रीय फैशन टेक्नॉलोजी संस्थान **(National Institute of Fashion Technology)** के **निफ्ट (NIFT)** रुप में भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित है। सन् 1986 से स्थापित यह संस्थान वस्त्र एवं वस्तुओं के डिजाइन, मैनेजमेंट एवं नूतन तकनीकी आविष्कारों के आधुनिकतम पहलुओं को शिक्षण व्यवस्था में सम्मिलित कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फैशन तकनीक को स्थापित करने का वृहद कार्य कर रहीं हैं।

भारतीय संसद के वर्ष 2006 के अधिनियम द्वारा इन शिक्षण संस्थानों को स्वायत्ता प्रदान करते हुए इन्हें पाठ्यक्रम निर्धारण के साथ डिग्री प्रदान करने हेतु अधिकृत किया गया है।

वर्तमान में भारत में NIFT के अंतर्गत 16 शिक्षण संस्थान स्थापित हैं जो क्रमशः नईदिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलुरु, गांधीनगर, भोपाल, पटना, भुवनेश्वर, जोधपुर, रायबरेली, शिलांग, कुन्नुर, कांगड़ा एवं श्रीनगर में स्थापित हैं।

प्रवेश हेतु शैक्षणिक अर्हता :– बैचलर ऑफ डिजाइन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदक 12वीं उत्तीर्ण हो जो कला/विज्ञान/वाणिज्य सहित में से किसी भी स्ट्रीम में हो सकता है, केवल बारहवीं फाइन आर्टस के आवेदक पात्र नहीं है। बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु वही आवेदक पात्र हैं, जिन्होंने 12वीं कक्षा भौतिक,रसायन एवं गणित के साथ उत्तीर्ण किया हो।

आयुसीमा :– आवेदन किये जाने वाले वर्ष के प्रथम अक्टुबर को अधिकतम 23 वर्ष आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को अधिकतम आयुसीमा में नियमानुसार छूट की पात्रता होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदक को निफ्ट की वेबसाईट www.nift.ac.in में ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

परीक्षा की योजना :– संस्थान के स्नातक पाठ्यक्रम क्रमशः बैचलर ऑफ डिजाइन एवं बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी में प्रवेश हेतु एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है।

(a) बैचलर ऑफ डिजाइन में प्रवेश हेतु निम्न तीन प्रकार की परीक्षा होती है :–

(1) Creative ability Test (CAT)

(2) General ability Test (GAT)

(3) Situation Test

CAT :– यह परीक्षा इस प्रवेश परीक्षा का मुख्य आधार है, जिसमें सर्वाधित 50 प्रतिशत का अधिभार दिया जाता है। इस परीक्षा में आवेदक के क्रियात्मक एवं कलात्मक अवबोध की परीक्षा ली जाती है जिसमें आवेदक को विभिन्न

प्रकार के पोस्टर, बैनर, कम्पनियों के प्रतीक चिन्ह (LOGO) को पुनः डिजाइन करने का कार्य दिया जा सकता है साथ ही विभिन्न परिस्थितियों के अनुरुप चित्र/ड्राइंग बनाने का कार्य सम्मिलित होता है।

GAT :– यह परीक्षा निम्न खण्डों में होती है इस परीक्षा के अंकों का 30 प्रतिशत अधिभार प्रावीण्यता सूची तैयार करने में होता है।

क्रमांक	प्रश्न के विषय	प्रश्नों की संख्या	समय
1	संख्यात्मक योग्यता परीक्षा	25	2 घण्टा
2	सम्प्रेषण योग्यता परीक्षा	35	
3	अंग्रेजी भाषा की समझ	30	
4	मानसिक योग्यता	30	
5	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक धटनायें	30	
	कुल	**150**	

सम्प्रेषण योग्यता परीक्षा में अंग्रेजी भाषा के पर्यायवाची, समनार्थी, विपरार्थी, मुहावरे, वाक्याशों के सुधार संबंधी प्रश्न शामिल होते हैं। जबकि अंग्रेजी भाषा के समझ के प्रश्न, प्रश्न पत्र में दिये गये गद्यांश से पूछे जाते हैं। संख्यात्मक योग्यता के प्रश्न पत्र में सामान्य अंकगणित के प्रश्न शामिल रहते हैं।

(iii) Situation Test (पारिस्थितिक परीक्षा) :– उपर्युक्त दोनों परीक्षाओं (CAT एवं GAT) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदकों की अंतिम परीक्षा Situation Test परीक्षा है, इस परीक्षा में विभिन्न उपलब्ध सामग्रियों के अधिकतम् बेहतरीन उपयोग द्वारा 3D मॉडल का निर्माण करने का कार्य दिया जाता है। परीक्षा द्वारा आवेदक के परिस्थिति अनुरुप कलात्मक वस्तुओं के निर्माण की on spot प्रायोगिक जांच की जाती है। इस परीक्षा के अंकों की प्रावीण्यता सूचि तैयार करने में 20 प्रतिशत अधिभार दिया जाता है।

(b) बैचलर ऑफ फैशन टेक्नॉलाजी में प्रवेश हेतु निम्न प्रकार से प्रवेश परीक्षा ली जाती है :–

क्रमांक	प्रश्न के विषय	प्रश्नों की संख्या	समय
1	संख्यात्मक योग्यता परीक्षा	30	3 घण्टा
2	सम्प्रेषण योग्यता परीक्षा	45	
3	अंग्रेजी भाषा की समझ	25	
4	मानसिक योग्यता एवं केस स्टडी परीक्षा	25	
5	सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक धटनायें	25	
	कुल	**150**	

संपर्क :– निफ्ट के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nift.ac.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जो तुम सोचते हो वो हो जाओगे, यदि तुम खुद को कमजोर सोचते हो तुम कमजोर हो जाओगे, अगर खुद को ताकतवर सोचते हो, तुम ताकतवर हो जाओगे।

Whatever you think that you will be, If you think yourself weak, you will be; if you think yourself strong, you will be.

- स्वामी विवेकानंद

19. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एण्ड रिसर्च में प्रवेश परीक्षा
(INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE EDUCATION & RESEARCH) (IISER)

मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की मूल अभिधारणा एवं उद्देश्य के साथ भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2006 में 5 उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। बैंगलोर स्थित विश्व प्रसिद्व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc Banglore) की तर्ज में स्थापित यह सात संस्थान पूर्णरूपेण मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण एवं अनुसंधान को समर्पित है। यह सात संस्थान कोलकाता, पूना, मोहाली (चंडीगढ़), भोपाल, तिरूपति, बेरहमपुर एवं तिरूअनंतपुरम में स्थापित किये गये। प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष प्रो. सी.एन.आर. राव के सिफारिश से स्थापित यह संस्थान वर्ष 2006 से कार्यरत है।

<u>प्रवेश प्रक्रिया :–</u> इन संस्थानो में संचालित इंटीग्रेटेड BS–MS (बैचलर ऑफ साइंस एवं मास्टर ऑफ साइंस का 5 वर्षीय) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश की प्रक्रिया निम्नानुसार 3 तरीकों से पूर्ण की जाती हैः–

1. **<u>किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) के माध्यम से :–</u>**

इसमें उन आवेदकों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जिन्होंने भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के माध्यम से एवं IISc Banglore द्वारा आयोजित किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना के किसी भी अंग में सफलता पायी हो जैसे (a) कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान के विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SA परीक्षा अथवा (b) कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत विज्ञान विषयों के विद्यार्थियों हेतु आयोजित SX परीक्षा अथवा (c) प्रथम वर्ष B.Sc. में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आयोजित SB परीक्षाओं में से किसी एक से सफल विद्यार्थी इन संस्थानों में प्रवेश हेतु पात्र है।

2. **<u>आई.आई.टी जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा के माध्यम से :–</u>**

इस चैनल के द्वारा उन विद्याार्थियों को इन संस्थानों में प्रवेश दिया जाता है जो जे.ई.ई. (एडवान्स) परीक्षा में सफल होकर इन संस्थानों में बेसिक साईंस में अध्ययन के इच्छुक है।

3. **<u>राज्य अथवा केन्द्रीय शिक्षा मण्डलों की बोर्ड परीक्षा के सफल विद्यार्थियों द्वारा :–</u>**

इस चैनल के द्वारा उन विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु योग्य माना जाता है जो अपने–अपने राज्य की बोर्ड परीक्षा अथवा केन्द्रीय मा0शि0मण्डल की परीक्षा में प्रथम 1% (एक प्रतिशत) में स्थान प्राप्त करने में सफल रहे हो, फलस्वरूप जिन्हें भारत सरकार के साइंस एवं टेक्नालॉजी विभाग के INPIRE योजनान्तर्गत (Scholarship for Higher Education) प्रावीण्यता के आधार पर चुना गया हो।

उपर्युक्त उल्लेखित तीनों चैनलो के माध्यम से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में से राज्य अथवा केन्द्रीय शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षा के सफल विद्यार्थियों का पृथक से एप्टीट्यूड टेस्ट परीक्षा IISER द्वारा लिया जाता है जिसमें सफल विद्यार्थी का चयन इन संस्थानों में प्रवेश के लिए किया जाता है। KVPY एवं IIT JEE (Advance) के विद्यार्थियों का प्रवेश उनका इन परीक्षाओं में रैंक के आधार पर होता है।

<u>महत्वपूर्ण तिथियाँ :–</u> आवेदकों की सलाह दी जाती है कि प्रतिवर्ष इन संस्थानों में प्रवेश हेतु तिथियों की जानकारी IISER की वेबसाइट www.IISER.admission.in से प्राप्त कर लेवें।

क्रं.	विवरण	(KVPY) के चैनल द्वारा	I.T.I. JEE (Advance) चैनल से	राज्य / केन्द्रीय बोर्ड परीक्षा चैनल से
1.	ऑनलाईन आवेदन तिथि	जून प्रथम सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह	जून द्वितीय सप्ताह
2.	काउन्सिलिंग / एप्टीट्यूड टेस्ट	जुलाई माह	जुलाई माह	जुलाई

<u>IISER में अध्ययनरत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति :</u>

इन संस्थानों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र हेतु छात्रवृत्ति का प्रावधान है जो उन्हें INSPIRE योजना के (Scholar ship for Higher Education) अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है या KVPY योजना के अन्तर्गत प्राप्त हो सकता है। यह छात्रवृत्ति 5000 प्रतिमाह की शिष्यवृत्ति एवं 20000 रू. के समर कोर्स फीस सहित कुल 80000 रूपये प्रतिवर्ष की दर से दी जाती है। जो सम्पूर्ण 5 वर्ष के BS–MS कोर्स हेतु दी जाती है।

<u>IISER में सीटों की संख्या एवं परीक्षा शुल्क :–</u>

<u>IISER</u> की कुल 5 संस्थानों के अन्तर्गत वर्तमान में 950 सीटें BS–MS कोर्स हेतु उपलब्ध है जिसमें क्रमशः 25–25% की पूर्ति KVPY और JEE (Advance) चैनल के माध्यम से की जाती हे जबकि शेष 50% सीटों की पूर्ति राज्य एवं केन्द्रीय बोर्ड के प्रथम 01% विद्यार्थियों से टेस्ट के माध्यम से की जाती है।

यहां उल्लेखित किया जाना उचित होगा कि वर्ष 2016 हेतु छत्तीसगढ़ बोर्ड के प्रथम 1% के लिए 82.8% अंक निर्धारित था। अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्त आवेदक हेतु 5% की छूट थी जबकि SC/ST आवेदकों के बोर्ड के अंको का प्रतिशत हमेशा 55% ही निर्धारित होता है। सीबीएसई के लिए 1% स्थान बारहवीं में 94.60 था।

इन संस्थानों में प्रवेश हेतु आवेदन शुल्क सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग हेतु रू. 600 निर्धारित है जबकि काउन्सिलिंग शुल्क 1200 रू. निर्धारित है। SC/ST हेतु शुल्क की राशि उपर्युक्त राशियों की आधी है।

<u>IISER के एप्टीट्यूड टेस्ट संबंधी जानकारी :–</u>

उक्त संस्थानों में प्रवेश हेतु तीन घंटे की एप्टीट्यूड परीक्षा ली जाती है जिसमें भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीव विज्ञान के कुल 60 प्रश्न होते है जिसमें प्रत्येक विषय के 15 प्रश्न सम्मिलित है। इस बहुविकल्पीय परीक्षा में सही उत्तर पर +3 अंक एवं गलत उत्तर पर–1 अंक प्रदान किये जाते है। परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र IISER के वेबसाइट www.iiser.ac.in पर उपलब्ध है।

National Institute of Science Education & Research में प्रवेश :–

उपर्युक्त वर्णित IISER के अलावा मूलभूत विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन हेतु अन्य अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस एजूकेशन एवं रिसर्च है। यह संस्थान भुवनेश्वर में स्थित है। इसके अतिरिक्त मुम्बई विश्वविद्यालय में स्थित भारतीय परमाणु उर्जा आयोग की सहायता से स्थापित सेन्टर ऑफ इक्सीलेंस फॉर बेसिक साइंस भी इसी NISER के साथ इसी श्रेणी में रखे जा सकते है। जहां IISER के 7 संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन आते हैं वही NISER के उपर्युक्त दोनों संस्थान परमाणु उर्जा विभाग के अन्तर्गत संचालित है।

NISER में प्रवेश की प्रक्रिया :– NISER में प्रवेश हेतु एक प्रवेश परीक्षा NEST (National Entrance Screening Test) के माध्यम से की जाती है। इस परीक्षा में 5 भाग होते है जिनमें प्रथम खंड समस्त आवेदकों के लिए अनिवार्य होता है जिसमें सामान्य वैज्ञानिक समझ (Genral Science Awarences& Abitude) की जांच करने संबंधी प्रश्न होते है। खंड 2 से 5 तक भौतिकी, रसायन, गणित एवं जीव विज्ञान के प्रश्नों के अलग–अलग खंड होते हैं। आवेदक को इन चार खंडो में से किसी तीन खंड के उत्तर देने होते है। प्रश्नों कि एक से सही उत्तर हो सकते है जिसमें सत्यता के पैमाने के आधार पर अधिभार देते हुए मार्किंग की जाती है। गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक दिया जाता है। इस परीक्षा के विगत वर्षों के प्रश्न पत्र एवं मॉडल प्रश्न पत्र संस्थान के वेबसाइट www.nestexam.in पर देखे जा सकते हैं।

NEST हेतु पात्रता :– इस प्रवेश परीक्षा हेतु बारहवीं विज्ञान में 60% अंको के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा वर्ग हेतु यह प्रतिशत 55% निर्धारित है।

इस प्रवेश परीक्षा में आयुसीमा अधिकतम 20 वर्ष है जबकि अजा/अजजा हेतु 5 वर्ष की छूट उपलब्ध है।

NISER में सीटो की संख्या :– NISER के भुवनेश्वर सेंटर में 100 सीटे उपलब्ध है। जबकि मुम्बई विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस विभाग में 25 सीट इंट्रीग्रेटेड डैब कोर्स हेतु उपलब्ध है।

कब आवेदन करें :– इस प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन फरवरी–मार्च सामान्यतः निर्धारित होती है जबकि इसकी प्रवेश परीक्षा मई की अंतिम सप्ताह में आयोजित होती है।

प्रवेश परीक्षा के सेंटर :– रायपुर सहित देश के 45 सेंटर निर्धारित है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है एवं इससे संबंधित वेबसाइट www.nestexam.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

मस्तिष्क की शक्तियाँ सूर्य की किरणों के समान होती है, जब वो केन्द्रित होती है तो चमक उठती है।

The powers of the mind are like the rays of the sun when they are concentrated thev illumine.

20. सी.ए. (C.A.) हेतु प्रवेश परीक्षा

कैरियर के रुप में चाटर्ड एकाउन्टैन्सी देश के सबसे प्रतिष्ठित कैरियर विकल्पों में से एक है। इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के समान ही इसमें कैरियर बनाना भी युवाओं का सपना रहता है क्योंकि चाटर्ड एकाउन्टैन्ट कैरियर में प्रतिष्ठा के साथ–साथ आकर्षक आय भी प्राप्त होती है। यह एक ऐसा कैरियर है जिसमें व्यक्ति वेतन भोगी के रुप में नौकरी कर सकता है अथवा स्वयं स्वतंत्र रुप से कार्य कर सकता है। देश में वर्तमान में प्रैक्टिसिंग सीए की संख्या लगभग दो लाख है, जबकि एक अध्ययन के अनुसार आर्थिक रुप से निरंतर प्रगतिशील भारत में वर्तमान में लगभग 5 लाख सीए प्रोफेशनल की आवश्यकता है, अतः आने वाले कई वर्षो में सीए प्रोफेशन में व्यापक रोजगार के अवसर उपलब्ध है।

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान **(Institute of Chartered Accountants of India (ICAI))** की स्थापना भारतीय संविधान सभा द्वारा चाटर्ड एकाउन्टैन्ट एक्ट के माध्यम से 1 जुलाई 1949 को की गई, भारतीय संसद से अधिनियमित यह संस्था देश में वित्तीय ऑडिट एवं एकाउन्टेन्सी के मानकों के निर्धारण, नियमन एवं नियंत्रण संबंधी सर्वोच्च संस्था है। संस्था अपने आदर्श परिकथन "**या ऐषु सुप्तेषु जागृति**" को सदैव साकार करने का लक्ष्य के साथ कार्यरत है। यह संस्था ही देश में सीए के कोर्स के लिए नियंत्रक संस्था है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। पांच क्षेत्रीय कार्यालय भी क्रमशः उत्तर क्षेत्र (नई दिल्ली), दक्षिण क्षेत्र (चेन्नई) पूर्व क्षेत्र (कोलकाता) पश्चिम क्षेत्र (मुम्बई) एवं मध्य क्षेत्र (कानपुर) में कार्यरत है।

1 जुलाई 2017 से लागू किये गये नये नियमों के तहत चाटर्ड एकाउन्टैन्ट बनने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूर्ण होती है :–

1.. **एन्ट्री लेवल प्रवेश परीक्षा** : इस प्रवेश परीक्षा का नाम सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION) है।**

2. **प्रथम लेवल सैद्धांतिक अध्ययन** : इस इंटरमिडियेट स्तर को सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** कोर्स कहा जाता है।

3. **द्वितीय लेवल सैद्धांतिक एवं प्रैक्टिल अध्ययन** : इस स्तर को सीए की पढ़ाई का फायनल कोर्स कहा जाता है।

चाटर्ड एकाउन्टैन्ट बनने हेतु वर्तमान में नियमों के अधीन उक्त तीनों चरणों को पूर्ण करने के लिए किसी आवेदक को निम्न प्रक्रियाओं/स्तर से गुजरना होता है –

1. सीए बनने की प्रथम सीढ़ी सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** परीक्षा उत्तीर्ण करना है। आवेदक को मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं उत्तीर्ण करने के उपरांत ही इस परीक्षा हेतु पंजीयन के लिए पात्र होता है, परन्तु सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** परीक्षा में प्रविष्ट होने से पूर्व आवेदक को कम से कम बारहवीं प्रविष्ट या उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है। आवेदक पंजीयन (Institute of Chartered Accountants of India (ICAI)) के मुख्यालय

अथवा क्षेत्रीय मुख्यालय के माध्यम से कर सकता है। सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** की परीक्षा प्रतिवर्ष दो बार क्रमशः मई एवं नवम्बर में आयोजित होती है। जो आवेदक किसी वर्ष मई माह की परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते है, उन्हें 1 दिसम्बर से पूर्व तथा नवम्बर की परीक्षा के इच्छुक आवेदक 1 जुलाई से पूर्व संस्थान से पंजीयन करवा लेना चाहिए।

सी. ए. फांउडेशन (CA FOUNDATION) परीक्षा की संरचना– इसमें कुल 4 प्रश्न पत्र होते है।

प्रश्न पत्र 1 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – एकाउंटिंग (100 अंक)

प्रश्न पत्र 2 (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – बिजनेस लॉ (60 अंक) एवं बिजनेस रिर्पोटिंग (40 अंक)

प्रश्न पत्र 3 (वर्णनात्मक प्रकार) – बिजनेस मैथमेटिक्स एवं लॉजिक्ल रीजनिंग (60 अंक) तथा सांख्यिकीय (40 अंक)

प्रश्न पत्र 4 (वर्णनात्मक प्रकार) – बिजनेस इकोनॉमिक्स (60 अंक) एवं बिजनेस एण्ड कमर्शियल ज्ञान (40 अंक)

टीप :– प्रश्न पत्र 1 और 2 में नाकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है। इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रत्येक प्रश्न पत्र में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा सभी प्रश्न पत्रों को मिला कर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

टीप :– 55 प्रतिशत अंकों के साथ बीकॉम या एमकॉम उत्तीर्ण आवेदक या दूसरे विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री वाले आवेदकों को सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION) परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होती है। वे सीधे ही सीए के द्वितीय चरण** सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE) में प्रवेश पा सकते हैं।**

2. सीए के द्वितीय चरण सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** में पंजीकृत होने से पूर्व आवेदक को बारहवीं तथा सी. ए. फांउडेशन **(CA FOUNDATION)** दोनों परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** की परीक्षा दो खण्डों में होती है आवेदक इसके दोनों खण्डों या किसी एक खण्ड में प्रविष्ट हो सकता है। इस परीक्षा में प्रविष्ट होने के लिए कम से कम नौ माह पूर्व पंजीयन करवाना आवश्यक होता है। यह परीक्षा प्रतिवर्ष दो बार माह मई एवं माह नवम्बर में आयोजित होती है। इन परीक्षाओं के लिए क्रमशः 1 सितम्बर और 1 मार्च से पूर्व पंजीयन कराना अनिवार्य होता है। इसमें पंजीयन उपरांत आवेदकों से न्यूनतम आठ महीने की सैद्धान्तिक अध्ययन की अनिवार्यता होती है।

सी. ए. इंटरमिडियेट (CA INTERMEDIATE) परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

भाग 1–पेपर 1 – एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 2 – कॉरपोरेट लॉ (60 अंक) एवं अदर लॉ (40 अंक)

पेपर 3 – कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 4 – इनकम टेक्स लॉ (60 अंक) एवं इनडायरेक्ट टेक्स लॉ (40 अंक)

भाग 2—पेपर 5 – एडवांस एकांउटिंग (100 अंक)

पेपर 6 – ऑडिटिंग एण्ड इंशोरेंस (100 अंक)

पेपर 7– एंटरप्राईज इंफारमेंशन सिस्टम (50 अंक) एवं स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट (50 अंक)

पेपर 8– वित्तीय प्रबंधन (50 अंक) एवं इकोनामिक्स फार फायनेंस (50 अंक)

कोई भी विद्यार्थी इस परीक्षा के दोनों या किसी एक भाग को उत्तीर्ण करने के बाद आर्टिकल एसीस्टेंट (Articled Assistant) के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए पंजीयन करवा सकता है। लेकिन इससे पहले उसे 4 सप्ताह का इंफारमेंशन टेक्नोलॉजी और सॉफ्ट स्किल का एकीकृत पाठ्यक्रम (ICITSS) करना होता है। इन तीन वर्षो की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को आवेदक (ICAI) द्वारा अधिकृत फर्म /प्रैक्टिसिंग सीए के अधीन में पूरी करता है। इस अवधि में वह सैद्धांतिक के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करता हैं।

3. प्रैक्टिकल आर्टिकल ट्रेनिंग को पूर्ण करने के पश्चात् अथवा अंतिम 6 माह की अवधि के पूर्व आवेदक सीए फायनल की परीक्षा में प्रविष्ट होने हेतु पात्र होता है, परन्तु इससे पूर्व आवेदक को सी. ए. इंटरमिडियेट **(CA INTERMEDIATE)** के दोनों खण्डों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीए फायनल की परीक्षा दो खण्डों में होती है जिसमें प्रत्येक खण्ड में 4 प्रश्न पत्र होते है। सीए के सभी सैद्धांतिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए प्रति प्रश्न पत्र न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक एवं एग्रीगेड रुप में 50 प्रतिशत अंकों का होना अनिवार्य है।

4. आवेदक सीए फायनल के समस्त प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर एवं (General Management & Communication Skill (GMCS) का 15 दिवसीय कोर्स पूर्ण कर (ICAI) में पूर्ण रुपेण चाटर्ड एकाउन्टैन्ट के रुप में दर्ज होता है।

इस परीक्षा संबंधी भरे फार्म प्राप्त करने एवं अध्ययन सामग्री प्राप्त करने हेतु छत्तीसगढ़ के आवेदक निम्न पते में सम्पर्क कर सकते हैं।

Central India Regional Council

The Institute of Chartered Accountants of India

ICAI BHAWAN, Post Box No. 314,

16/77B, Civil Lines, KANPUR 208 001

Phone: 05123989398, Fax: 05123011173

Email:cro@icai.org

Indore Branch of CIRC of the ICAI, 'ICAI Bhawan',

Plot No. 19 B, Scheme No. 78, Part II (Near M.P. Pollution Board) INDORE 452 010

Ph: 0731 4298198, 3254900, Fax: 0731 4298198

Email:indore@icai.org

21. कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में कैरियर

किसी भी विषय के साथ बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्जवल केरियर निर्माण में एक महत्वपूर्ण कोर्स कम्पनी सेके्टेरी का हैं। यह कोर्स अत्यंत प्रतिष्ठित कोर्स है जिसको पूर्ण करने से विद्यार्थी के रोजगार प्राप्ति की सुनिश्चत गारंटी होती है।

कम्पनी सेक्रेटरी के कोर्स को अधिनियमित एवं नियंत्रित करने का कार्य इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनीज सेक्रेटरी ऑफ इंडिया (ICSI) के द्वारा किया जाता है। यह संस्था भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है तथा क्षेत्रीय कार्यालय क्रमशः दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं दिल्ली में है। वर्तमान में भारत वर्ष में 50000 कम्पनी सेक्रेटरी प्रैक्टिसरत है जबकि 4 लाख से अधिक विद्यार्थी इस कोर्स में पंजीकृत है।

<u>कम्पनी सेक्रेटरी के कार्य / दायित्व :–</u>

1. एक कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी का इन हाऊस लीगल एक्सपर्ट है। यह किसी कम्पनी के मामलों का कम्पलायन्स अधिकारी भी होता है।
2. कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी के लिए कम्पनी कानून, कॉरपोरेट कानून, सिक्यूरिटी कानून के साथ कॉरपोरेट गर्वनेंस का विधिवत विशेषज्ञ होता है।
3. कम्पनी सेक्रेटरी किसी कम्पनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टरों के लिए प्रमुख सलाहकार (Chief Advisor) होता है जो बैठकों में बोर्ड ऑफ डायरेक्टरों की कम्पनी सबंधी कानूनी एवं नीतिगत सलाह देता है।
4. भारत सरकार के समस्त वित्तीय संस्थान एवं अन्य रेग्यूलेटरी संस्थानों में कम्पनी के मामलों की प्रस्तुति हेतु कम्पनी सेकेट्री एकमात्र अधिकृत प्रतिनिधि होता हैं।
5. किसी कम्पनी के पब्लिक इश्यू जारी करना, स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग का कार्य, अन्य कम्पनियों के अधिग्रहण संबंधी कार्य, कम्पनी का अन्य कमपनी से विलय इत्यादि समस्त कार्यो का संपादन कम्पनी सेक्रेटरी के माध्यम से संपादित होता है।

   इस प्रकार एक कम्पनी सेक्रेटरी कम्पनी मामलों में बहु आयामी कार्यो का विशेषज्ञ होता है जो टैक्सेशन, फायनान्स, एकाऊन्टिंग सहित कम्पनी मामलों के देशी एवं विदेशी कानूनों का जानकर होता हैं। स्पष्ट है विद्यार्थियों के लिए यह कैरियर अत्यंत आकर्षक है।

<u>कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में रोजगार के अवसर :–</u>

1. कम्पीन सेक्रेटरी उन समस्त कम्पनी में पदस्थ किया जाना कम्पनी कानून 1956 की धारा 383 के तहत अनिवार्य है जिस कम्पनी का शेयर केपिटल 5 करोड़ रूपये से अधिक हैं।
2. कोई भी कम्पनी जो शेयर मार्केट में आना चाहती है उन्हें अपने कम्पनी में अनिवार्य रूप से कम्पनी सेक्रेटरी को पूर्णकालिक रूप से रखना होता हैं।

3. कोई कम्पनी जो 10 लाख से 5 करोड़ के मध्य व्यवसाय करती है उनके सारे रिटर्न जो विभिन्न रेग्यूलेटरी संस्थानों को प्रस्तुत करना होता है वह केवल कम्पनी सेक्रेटरी के माध्यम से ही हो सकता हैं।

<u>कम्पनी सेक्रेटरी बनने की प्रक्रिया :–</u> कम्पनी सेक्रेटरी बनने हेतु तीन स्तरों के कोर्स पूर्ण करना होता है।

1. फाउन्डेशन कोर्स
2. एक्जीक्यूटिव कोर्स
3. प्रोफेशनल कोर्स

इन कोर्स के लिखित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कतिपय अनिवार्य प्रायोगिक कोर्स एवं ट्रेनिंग को भी पूर्ण करना अनिवार्य है। जिनके विवरण निम्न है।

1. फाउन्डेशन कोर्स :– इस कोर्स में प्रवेश हेतु योग्यता कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण होना है। इस कोर्स हेतु पंजीयन, परीक्षा देने के 9 माह पूर्व करना होता है। इस कोर्स की परीक्षा प्रतिवर्ष दो बार क्रमशः जून एवं दिसम्बर माह में होती है। फलतः इस कोर्स के लिए पंजीयन 31 मार्च तक यदि परीक्षा उसी वर्ष के दिसम्बर माह में देनी हो तथा 30 सितम्बर तक यदि परीक्षा आगामी वर्ष के जून माह में देनी हो, किया जाना अनिवार्य है।

   फाउन्डेशन कोर्स में पंजीकृत आवेदक नौ माह के अध्ययन को पूर्ण कर नियमानुसार निर्धारित तिथि में परीक्षा दे सकता है।

<u>फाउन्डेशन कोर्स के विषय :–</u> फाउन्डेशन कोर्स में 4 विषयों में परीक्षा ली जाती है जो दो मॉड्यूलों मे विभक्त होता है जो निम्न हैः–

1. बिजनेस इन्वायरमेंट एवं लॉ
2. बिजनेस मैनेजमेंट एथिक्स एवं एंटर प्रन्योरशिप
3. बिजनेस इकॉनोमिक्स
4. फंडामेंटल ऑफ एकाउन्टिग एवं ऑडिटिंग

कम्पनी सेकेट्री के पाठ्यक्रमें में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक पेपर में 40% न्यूनतम अंको के साथ 50% कुल अंक (न्यूनतम) प्राप्त करना अनिवार्य हैं।

<u>फीस विवतरण :–</u> फाउन्डेशन कोर्स हेतु 4500 रूपये का पंजीयन शुल्क निर्धारित है। जबकि रूपये 1250 का परीक्षा शुल्क निर्धारित है।

2. **<u>एक्जीक्यूटिव कोर्स (Executive Course):–</u>** फाउन्डेशन कोर्स उत्तीर्ण विद्यार्थी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। यह कोर्स किसी भी स्नातक के अतिरिक्त चाटर्ड एकाउन्टेंसी कोर्स के CA Foundation उत्तीर्ण अथवा ICWAI के फाउन्डेशन उत्तीर्ण के लिए सीधे प्रवेश की सुविधा भी उपलब्ध करवाता हैं।

<u>पंजीयन :– Executive Course हेतु पंजीयन की प्रकिया निम्न हैं:–</u>

1. दिसम्बर माह परीक्षा में इसके दोनो मॉड्यूलों में परीक्षा देने के लिए 28 फरवरी तक पंजीयन आवश्यक है।

2. दिसम्बर माह में इस कोर्स के केवल एक मॉड्यूल में परीक्षा देने हेतु 31 मई तक पंजीयन आवश्यक है।
3. जून माह में इस कोर्स के दोनों मॉड्यूलों में परीक्षा हेतु पूर्व वर्ष के 31 अगस्त तक पंजीयन अनिवार्य है
4. जून माह में इस कोर्स के एक मॉड्यूल में प्रविष्ट होने के लिए पूर्व वर्ष के 30 नवम्बर तक पंजीयन करना आवश्यक है।

पंजीयन शुल्क :– एक्जीक्यूटीव कोर्स हेतु पंजीयन शुल्क निम्न निर्धारित है।

1. कामर्स स्नातक/CA **FOUNDATION**/ ICWAI फाउन्डेशन हेतु 9000 रूपये
2. कामर्स विषय के अतिरिक्त अन्य स्नातक उत्तीर्ण हेतु 10000 रूपये
3. कम्पनी सेक्रेटरी के फाउन्डेशन कोर्स उत्तीर्ण के लिए 85000 रूपये

परीक्षा शुल्क :– रूपये 1200 प्रति मॉड्यूल परीक्षा शुल्क निर्धारित है।

Executive कोर्स का पाठ्यक्रम :–

इस कोर्स हेतु दो मॉड्यूल में 7 विषयों के पाठ्यक्रम निर्धारित है जिनमें प्रथम मॉड्यूल में 4 एवं द्वितीय मॉड्यूल में 3 पेपर निर्धारित हैं। इनमें निम्न पेपर सम्मिलित हैं :–

मॉड्यूल प्रथम :–

1. कम्पनी कानून
2. कॉस्ट मैनेजमेंट एवं एकाउन्टिंग
3. इकॉनोमिक एवं कर्मशियल कानून
4. टैक्स कानून एवं प्रैक्टिस

मॉड्यूल द्वितीय :–
1. कम्पनी एनकाउन्टिंग और ऑडिटिंग
2. कैपिटल मार्केट एवं सिम्यूरिटी कानून
3. औद्योगिक श्रमिक एवं सामान्य कानून

इन पेपरों में 40%न्यूनतम एवं सामान्य कानून इन पेपरों में 50% न्यूनतम कुल अंक प्राप्त करना उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है।

प्रोफेशनल कोर्स :– एक्जीम्यूटिव कोर्स उत्तीर्ण आवेदक इस पाठ्यक्रम के प्रोफेशनल कोर्स हेतु पात्र होते है जिसमें कुल आठ विषयों में परीक्षा ली जाती है जो चार मॉड्यूलों में विभक्त है। यह परीक्षा भी प्रतिवर्ष माह जून एवं दिसम्बर में आयोजित होती है। जिसकी परीक्षा फीस प्रति मॉड्यूल 1200 रू. निर्धारित है जबकि पंजीयन शुल्क समस्त विद्यार्थियों के लिए रू. 12000 निर्धारित है।

कम्पनी सेक्रेटरी हेतु निर्धारित अनिवार्य ट्रेनिंग :–

कम्पनी सेक्रेटरी के पाठयक्रम में समय – समय में कतिपय ट्रेनिंग निर्धारित है जो इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु अनिवार्य रूप से पूरा किया जाना आवश्यक है। जो निम्न प्रस्तुत हैः–

1. फाउन्डेशन कोर्स हेतु 30 व्याख्यानों के कुल 60 घंटे का ओरल कोचिंग।
2. एक्जीक्यूटिव कोर्स हेतु 35 व्याख्यानों वाली कुल 70 घंटे की ओरल कोचिंग।
3. प्रोफेशनल कोर्स हेतु 40 व्याख्यानों वाली कुल 80 घंटे की ओरल कोचिंग।
4. 7 दिवसों की स्टूडैंट इन्डेक्शन प्रोगाम (Student Induction Programme) STP जो किसी आवेदक को एक्जीम्यूटिव कोर्स में पंजीयन के 6 माह के भीतर लेना होता है।
5. 70 घंटे का अनिवार्य कम्प्यूटर ट्रेनिंग 8 दिवसों की एक्जीम्यूटिव डेव्हलपमेंट प्रोगाम (Executive Development Programme) EDP जो आवेदक को एक्जीम्यूटिव कोर्स पूर्ण करने एवं 15 माह के व्यावसायिक प्रशिक्षण जो करना होता है।
6. 25 घंटे का प्रोफेशनल डेव्हलपमेंट प्रोगाम (Professional Development Programme) PDP जो आवेदक को 15 माह के ट्रेनिंग के दरमियान पूर्ण करना होता हैं।

7. 15 माह की व्यवहारिक ट्रैनिंग :–

एक्जीम्यूटिव कोर्स उपरांत एवं प्रोफसनल कोर्स के दरमियान आवेदक को पंजीकृत कम्पनी सेक्र्रेटरी अथवा संस्थान के पास 15 माह की व्यवहारिक ट्रेनिंग लिया जाना आवश्यक है।

10. 15 दिनों की ट्रेनिंग :– प्रोफेसनल कोर्स उपरांत विद्यार्थी को 15 दिनों की ट्रेनिंग विशेषज्ञ ऐजेन्सी जैसे रेजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, स्टॉक एम्सेंज, सेबी, फानांशियल बैकंगि इंस्टीट्यूट में संलग्न रहकर करना होता है।

उपुर्यक्त ट्रेनिंग में कतिपय ट्रेनिंग में विद्यार्थी को पूर्व अनुभव या योग्यता के आधार पर छूट का भी प्रावधान है जो उसे कोर्स के दौरान प्राप्त हो सकती है।

उपर्युक्त उल्लेखित तीनों चरणों फाउन्डेशन एक्जीक्यूटिव एवं प्रोफेशनल तथा साथ ही निर्धारित विभिन्न ट्रेनिंग के उपरांत एक विद्यार्थी इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्ेटरी ऑफ इंडिया का एशोसिऐट मेम्बर बन सकता है। यह कोर्स की परीक्षा प्रत्येक चरण में हिन्दी में भी उपलब्ध है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी वेबसाईट www.icsi.in से प्राप्त कर सकते है।

तुम्हें अन्दर से बाहर की तरफ विकसित होना है, कोई तुम्हे पढ़ा नहीं सकता, कोई तुम्हे आध्यात्मिक नहीं बना सकता, तुम्हारी आत्मा के अलावा कोई और गुरू नहीं है।

You have to grow form the inside out. None can teach you, none can make you spiritual. There is no other teacher but your own soul.

- स्वामी विवेकानंद

21. छत्तीसगढ़ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रवेश परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन, पशु चिकित्सा एवं पशु पालन विभाग में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के द्विवर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (जो पशु चिकित्सा एवं पशु पालन से संबंधित होता है) में प्रवेश के लिये छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा परीक्षा आयोजित किया जाता है। यह प्रशिक्षण राज्य के 2 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान क्रमशः महासमुंद एवं जगदलपुर में दिया जाता है। प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले आवेदकों को पशु चिकित्सा एवं पशु पालन विभाग द्वारा विभाग में रिक्त सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के पदों पर नियमानुसार नियुक्ति प्रदान की जाती है।

आवश्यक अर्हता :—

आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से जीवविज्ञान समूह में बी0एस—सी0 परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हों तथा आवेदक के लिये छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना अनिवार्य है।

टीप :—

1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** — छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

3. **आयु सीमा** — 18 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :—

छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

आवेदन प्रक्रिया :—

अभ्यर्थी को आवेदन पत्र जिला मुख्यालयों के प्रधान/मुख्य डाकघर से प्राप्त करने होते हैं तथा निर्धारित तिथि तक ओ0एम0आर0 आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर इन्हीं डाकघरों में जमा करना होता है।

परीक्षा योजना :—

पाठ्यक्रम के अनुसार कुल 150 प्रश्नों का एक ही प्रश्न पत्र होता है। प्रश्न पत्र में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं। इन 150 प्रश्नों में 50 प्रश्न जन्तुविज्ञान से, 50 प्रश्न वनस्पति विज्ञान से तथा 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन का होता है। प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक एवं गलत उत्तर पर शुन्य अंक दिया जाता है, अर्थात् इस परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है। प्रश्न पत्र की कुल अवधि 3 घंटा होती है।

पाठ्यक्रम —

जीवविज्ञान (वनस्पति विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान) — इसके प्रश्न स्नातक स्तर के होते हैं, जिसमें कोशिका का संरचनात्मक एवं कार्यात्मक संगठन, भ्रुणिकी, पर्यावरणीय जीवविज्ञान, विष विज्ञान, माइक्रोबायोलॉजी, पादप शरीर क्रिया विज्ञान, पौधे की वृद्धि तथा परिवर्धन, श्वसन, अनुवांशिकी, पौधे तथा पर्यावरण आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

सामान्य अध्ययन — सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनायें, भारत का इतिहास, भारत का भूगोल (विशेषतः छत्तीसगढ़ के संबंध में) एवं खेलकूद से संबंधित प्रश्न होते हैं।

चयन प्रक्रिया — व्यापक द्वारा आयोजित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर अभ्यर्थी का चयन छत्तीसगढ़ शासन के आरक्षण नियमों के आधार पर किया जाता है।

प्रशिक्षण अवधि में छात्रवृत्ति एवं नियुक्ति उपरांत वेतनमान — प्रशिक्षण अवधि में अभ्यर्थियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्धारित राशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है, प्रशिक्षण उत्तीर्ण होने के उपरांत उनको सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के पद पर शासन द्वारा स्वीकृत वेतनमान रू. 5,200—20,200 एवं ग्रेड वेतन 24,00/— में नियुक्ति दी जाती है।

परीक्षा की तैयारी :—

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। जन्तुविज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान के लिए NCERT की ग्यारहवीं एवं बारहवीं की जीवविज्ञान तथा स्नातक स्तर की पुस्तकें और यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या इसकी वेबसाईट www.cgvyapam.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अपने काम में गर्व महसूस करें

एक राजा भव्य मंदिर का निर्माण करा रहे थे। मंदिर निर्माण में असंख्य मजदूर एवं कारीगर काम कर रहे थे। मंदिर निर्माण राजा का महत्वाकांक्षी योजना था। एक दिन सुबह राजा भेष बदलकर मंदिर निर्माण का कार्य देखने पहुंचे। उन्होने वहां कार्य कर रहे एक कारीगर से पूछा "आप क्या रहे हैं" ? उसने झुझलाकर जवाब दिया, हमारी किस्मत ही खराब है कि इतना पढ़ा लिखा होने के बाद भी पत्थर तोड़ने का काम करना पड़ रहा है। फिर वह बेमन से काम में लग गया। राजा ने आगे जाकर यही प्रश्न दुसरे कारीगर से पूछा। उसने अनमने ढ़ंग से जवाब दिया, "यहां मैं रोजी रोटी के लिए काम कर रहा हूँ तथा यहां काम करने से मुझे दिन भर की मजदूरी मिल जाती है।" राजा ने यही प्रश्न एक और कारीगर से पूछा तो उसने बड़े ही उत्साह से जवाब दिया, "यहां हमारे राजा एक भव्य मंदिर बनवा रहे है और मुझ खुशी है कि उसमें मैं अपना सहयोग दे रहा हूँ। छेनी चलाकर जब मैं पत्थरों को गढ़ता हूँ तो उस आवाज में मुझे मधुर संगीत सुनाई पढ़ता है और मैं आनंदित होकर काम करता हूँ।" वे तीनों एक ही काम कर रहे थे लेकिन काम के बारे में उनका नजरिया बिल्कुल अलग–अलग था जिसके कारण उनका काम की गुणवत्ता भी भिन्न–भिन्न थी। राजा तीसरे कारीगर के जवाब से बहुत प्रसन्न होते है तथा उसे अगले दिन से उस मंदिर निर्माण हेतु राज मिस्त्री नियुक्त कर देते है, जबकि पहले कारीगर को काम से हटा देते है।

हम क्या काम करते है वह तो महत्वपूर्ण है ही लेकिन उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उस काम के प्रति हमारा नजरिया क्या है। यदि हम किसी काम को समर्पित भाव से करते है तो सफलता मिलना सुनिश्चित है।

22. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य में द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिये राज्य सेवा परीक्षा नाम से एक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित किया जाता है। राज्य सेवा परीक्षा द्वारा मुख्यतः डिप्टी कलेक्टर, डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, वाणिज्य कर अधिकारी, रोजगार अधिकारी, जिला पंजीयक, श्रम अधिकारी, नायब तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, आबकारी उपनिरीक्षक, परिवहन उपनिरीक्षक, जिला सेनानी नगर सेना आदि पदों के लिये संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

- **वर्ष 2016 से आयोग द्वारा इस परीक्षा का विज्ञापन, प्रतिवर्ष संविधान दिवस (26 नवम्बर) को जारी करने तथा प्रारंभिक परीक्षा आगामी फरवरी एवं मुख्य परीक्षा मई माह में आयोजित करने का निर्णय लिया है।**

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

टीप :– 1. ऐसे अभ्यर्थी जो ऐसी किसी परीक्षा में बैठे हों या बैठेंगे, जिसमें उत्तीर्ण होने से वे आयोग की इस परीक्षा के लिये शैक्षणिक रूप से पात्र हो जायेंगे, लेकिन उनका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है, वे भी प्रारंभिक परीक्षा के लिये आवेदन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य परीक्षा के समय उन्हें यह शैक्षणिक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. शारीरिक मापदंड – डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, परिवहन उपनिरीक्षक, आबकारी उपनिरीक्षक एवं सहायक जेलर पदों के लिये आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित शारीरिक मापदंडों को पूरा करना अनिवार्य होता है।

3. नियुक्ति हेतु अनर्हता – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

(डी.एस.पी. पद हेतु आयु सीमा 21 वर्ष से 28 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार

उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ.ग. राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार)
3. साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	**प्रश्न पत्र**	**विषय**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**समय**
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाग–1 सामान्य अध्ययन	50	100	2 घंटा
		भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	50	100	
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	100	***	2 घंटा
		योग	**200**	**200**	

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है। **वर्ष 2018 में आयोजित होने वाले प्रारंभिक परीक्षा से द्वितीय प्रश्न पत्र में न्यूनतम अर्हक अंक (66 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है। इस प्रश्न–पत्र के अंक वरीयता सूची में नहीं जोड़े जायेंगे।**

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23

प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची मुख्य परीक्षा के लिये तैयार की जाती है।

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होंगे। लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	**प्रश्न पत्र**	**विषय**	**अधिकतम अंक**	**समय**
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाषा (सामान्य हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी/छत्तीसगढ़ी)	200	3 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	निबंध (1. राष्ट्रीय स्तर की समस्यायें, 2. छ. ग. राज्य की समस्यायें)	200	3 घंटा
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	इतिहास, संविधान एवं लोक प्रशासन	200	3 घंटा
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण	200	3 घंटा
5.	पंचम प्रश्न पत्र	अर्थव्यवस्था एवं भूगोल	200	3 घंटा
6.	षष्ठम प्रश्न पत्र	गणित एवं तार्किक योग्यता	200	3 घंटा
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	दर्शन एवं समाजशास्त्र	200	3 घंटा
		योग	**1400**	

टीप :– मुख्य परीक्षा के लिये भी प्रारंभिक परीक्षा की तरह न्यूनतम अर्हक अंक आवेदकों को प्राप्त करना अनिवार्य है।

साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 150 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है। तृतीय श्रेणी के पदों में छत्तीसगढ़ी बोली का ज्ञान रखने वाले आवेदकों को विशेष अंक प्रदान किये जाने का प्रावधान है।

चयन प्रक्रिया –

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर अभ्यर्थी द्वारा अग्रमान्यता पत्रक में दिये अधिमान के क्रम अनुसार पद आबंटित किये जाते हैं। अग्रमान्यता पत्रक में जिन पदों के लिये अभ्यर्थी द्वारा अधिमान नहीं दिया जाता है, उन पदों के लिये उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रारंभिक परीक्षा –

प्रथम प्रश्न पत्र – भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्शन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान) – इसमें छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, जनगणना, पर्यटन केन्द्र, कला एवं संस्कृति, अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, जनजातियॉ तथा समसामयिक घटनायें के प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

मुख्य परीक्षा – इसके पाठ्यक्रम आवेदक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in बहु उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

> **इंतजार करने वालों को चीजें मिलती तो हैं मगर ऐसी ही चीजें मिलती है जिन्हें कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।**
>
> **– अब्राहम लिंकन**

23. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों से संबंधित महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिये, छ0ग0 सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है। ग्रेडिंग पद्धति में ग्रेड–बी के साथ (7 बिन्दुओं सहित) संबंधित विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा किसी भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से समकक्ष उपाधि।

2. यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित (एस.ई.टी.) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीपः– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर या स्नातक अध्यापन हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

4. आयु सीमा – 21 वर्ष से 37 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 32 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

लिखित परीक्षा – बहूविकल्पीय एवं ऑनलाइन

लिखित परीक्षा में सिर्फ एक प्रश्न पत्र होता हैं जिसमे तीन घंटा में 150 प्रश्नो का आनलाइन उत्तर देना होता हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होता हैं। इस प्रश्न पत्र मे दो भाग होते है। पहला भाग छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान का होता है, इस भाग मे 50 प्रश्न होते है। दूसरा भाग आवेदक द्वारा चूने गए एच्छिक विषय का होता है, इस भाग में 100 प्रश्न होते है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान–

इसमें छत्तीसगढ़ राज्य के भूगोल, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, इतिहास एवं संस्कृति, खेलकूद एवं विभिन्न पुरस्कार आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

वैकल्पिक विषय – इसके प्रश्न संबंधित विषय के स्नातकोत्तर स्तर के होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। वैकल्पिक विषय के लिए संबंधित विषय के स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक होती है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन में दो ही प्रकार के लोग असफल होते है :– पहले वे, जो सोचते तो हैं, पर करते नहीं, दूसरे वे, जो करते तो हैं पर सोचते नहीं।

24. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ग्रंथपाल भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रंथपाल पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। ग्रंथपाल का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतनमान रू. 15,600–39,100 एवं ग्रेड वेतन रू. 6,000/– होता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से पुस्ताकालय विज्ञान/सूचना विज्ञान/डाक्यूमेंटेशन विज्ञान में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। ग्रेडिंग पद्धति में 55 प्रतिशत अंकों के समतुल्य ग्रेड होना चाहिये। अजा/अजजा के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है।

2. यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) या राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (एस.एल.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य पात्रता (एस.ई.टी.) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीपः– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर या स्नातक अध्यापन हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन के, लगभग 75 प्रश्न छत्तीसगढ़ से संबंधित तथा लगभग 25 प्रश्न बुद्धिमता परीक्षण का होता है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र लाइब्रेरी एवं इन्फार्मेशन साईंस से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीपः– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 5 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है, जबकि गलत उत्तर पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– प्रश्न पत्र– प्रथम – सामान्य अध्ययन –

भाग–1 सामान्य अध्ययन– इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र– लाइब्रेरी एवं इंफार्मेशन साईंस – इसके प्रश्न स्नातकोत्तर स्तर के होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं संख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए लाइब्रेरी साईंस के स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक होती है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Don’t take rest after your first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say, that your first victory was just luck.

- Dr. A.P.J.Abdul Kalam

25. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतनमान रू. 9,300–34,800 एवं ग्रेड वेतन रू. 4,300/– होता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक होना चाहिये।

टीपः– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

3. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

1. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र –यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन के लगभग 75 प्रश्न छत्तीसगढ़ से संबंधित तथा लगभग 25 प्रश्न बुद्धिमता परीक्षण का होता है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र विधि से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 75 प्रश्न भारत के संविधान एवं वृहद् अधिनियम से संबंधित होते हैं तथा लगभग 75 प्रश्न लघु अधिनियम के होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीपः– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 5 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है, जबकि गलत उत्तर पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– प्रश्न पत्र– प्रथम – सामान्य अध्ययन –

भाग–1 सामान्य अध्ययन– इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉं, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र– विधि –

भाग – 1 – भारत का संविधान एवं वृहद् अधिनियम – इसमें भारत के संविधान के साथ ही भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के प्रश्न होते हैं।

भाग – 2 लघु अधिनियम – इसमें छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, अजा एवं अजजा (अत्याचार निषेध) अधिनियम, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, छत्तीसगढ़ विशेष जनसूरक्षा अधिनियम, आयुध अधिनियम आदि सहित कुल 14 अधिनियमों से संबंधित प्रश्न होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपॅाल लॉ पब्लिकेशन एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) उपयोगी है। डी.डी.बसु का भारत का संविधान एवं प्रतियोगिता दर्पण का राज व्यवस्था का अतिरिक्तांक भी लाभदायक है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मनुष्य तीन प्रकार के होते है। निम्न श्रेणी के लोग असफलता की आशंका से कोई कार्य प्रारंभ ही नहीं करते है, मध्यम श्रेणी के लोग जोश मे आकर कार्य तो प्रारंभ कर देते है लेकिन छोटी सी भी मुश्किल आने पर अपना कार्य छोड़ देते है। उच्च श्रेणी के लोग सोच समझ कर अपना लक्ष्य निर्धारित करते है तथा एक बार लक्ष्य निर्धारित कर लेने के बाद कितने भी मुश्किल आने पर अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते है।

– राजा भर्तहरि

26. छ.ग. लोक सेवा आयोग (मुख्य नगरपालिका अधिकारी भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों के लिये मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ख एवं वर्ग–ग की नियुक्ति के लिये, छ0ग0 मुख्य नगरपालिका अधिकारी भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
2. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. या स्थानीय स्वशासन या विधि में उपाधि या पत्रोपाधि धारण करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. **प्रथम प्रश्न पत्र** – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में एक–एक अंक के कुल 100 प्रश्न होते हैं। 100 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2 घंटा होती है।

2. **द्वितीय प्रश्न पत्र** – यह प्रश्न पत्र छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय का होता है। इस प्रश्न पत्र में एक–एक अंक के कुल 100 प्रश्न होते हैं। 100 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2 घंटा होती है।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार एवं विधि, स्वशासन एवं एम.बी.ए. अभ्यर्थियों के लिये आयोग द्वारा निर्धारित अंक (अधिकतम 3 अंक) इन तीनों के कुल प्राप्तांकों के आधार पर किया जाता है। मेरिट क्रम में पहले मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ख तत्पश्चात् मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ग के लिये चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) –

इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भारतीय संस्कृति स्वरूप एवं विशेषतायें, सिन्धु घाटी की सभ्यता, 19 वीं शताब्दी के मध्य से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के इतिहास, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनायें, भारत का संविधान, छ0ग0 में स्थानीय प्रशासन, भारत की अर्थव्यवस्था, भारत का भूगोल, भारत के विकास में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका, भारतीय कृषि, खेलकूद, लोक प्रशासन, प्रशासनिक प्रक्रिया, बजट प्रक्रिया, विभिन्न अधिनियम (सूचना का अधिकार अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, छ0ग0 भूराजस्व संहिता, भारतीय दण्ड संहिता आदि) पर्यावरण प्रबंधन, आपदा प्रबंधन आदि।

द्वितीय प्रश्न पत्र (छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण

संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in बहु उपयोगी है। छत्तीसगढ़ की सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। विभिन्न अधिनियमों के संबंध में सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपॉल लॉ पब्लिकेशन एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिंदगी हमेशा परीक्षा लेती है इस बात का ध्यान रखें कि कोई परीक्षा आपकी जिंदगी न ले ले। आपका जीवन अनमोल है।

– अज्ञात

27. छ.ग. लोक सेवा आयोग
(सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ. ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) –

इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉं, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसके अंतर्गत गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों का विश्लेषण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार)–

इस प्रश्न पत्र में निम्न 6 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. शिक्षा का आधार, 2. शैक्षिक प्रशासन एवं नैतृत्व, 3, विद्यालय संगठन एवं सुधार

4. शिक्षा का गुणात्मक पक्ष एवं नवाचार, 5. शिक्षा का अधिकार, 6. शिक्षा का अधिकार

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, छत्तीसगढ़ शिक्षा संहिता एवं बी.एड. के शिक्षा से संबंधित पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा,
जो जस करहि सो तस फल चाखा।।
– तुलसीदास

28. छ0ग0 लोक सेवा आयोग
(सहायक संचालक जनसंपर्क परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक जनसंपर्क के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है। पूर्व वर्षों में सहायक संचालक जनसंपर्क का पद छत्तीसगढ़ राज्य सेवा संयुक्त परीक्षा के माध्यम से भरा जाता था, वर्ष 2014 में इसके लिये पहली बार पृथक से परीक्षा आयोजित की गई थी।

शैक्षणिक अर्हता :–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा तथा पत्रकारिता में उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा –

21 वर्ष से 40 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) –

लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 75 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र योग्यता परीक्षण से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक –

प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) –

प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) –

इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें, भारतीय दर्शन, कला, साहित्य एवं संस्कृति एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढ़ांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षण)–

इस प्रश्न पत्र में निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल,
2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,
3, निर्णय निर्माण और समस्या निवारण
4. सामान्य मानसिक योग्यता,
5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर),
6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर),
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नकारात्मक सोच : विफलता का कारण

एक आदमी सड़क के किनारे समोसे बेचा करता था। अनपढ़ होने की वजह से वह अखबार नहीं पढ़ता था, ऊंचा सुनने की वजह से रेडियो नहीं सुनता था, और आंखे कमजोर होने की वजह से टेलीविजन नहीं देखता था। इसके बावजूद वह काफी समोसे बेच लेता था उसकी बिक्री और फायदे में लगातार बढोत्तरी हो रही थी तभी कॉलेज से बीए की डिग्री हासिल कर चुका उसका बेटा पिता के हाथ बटाने के लिए चला आया। बेटे ने अपने पिता से पुछा “ पिताजी क्या आपको मालूम है कि हम लोग एक बड़ी मंदी का शिकार बनने वाले है ? पिता ने जवाब दिया मुझे नहीं मालूम लेकिन मुझे इसके बारे में बताओ। बेटे ने कहा अंतर्राष्ट्रीय परिस्थियाँ बड़ी गंभीर है, घरेलू हालत तो और भी बुरे है। हमे आने वाले बुरे हालत का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उस आदमी ने सोचा कि उसका बेटा कालेज जा चुका है, अखबार पढ़ता है इसलिए उसकी राय को हल्के ढ़ंग से नहीं लेना चाहिए। दुसरे दिन से उसने आलू की खरीद कम कर दी अपने दुकान का साईन बोर्ड नीचे उतार दिया तथा उसका जोश कम होने लगा। जल्दी ही उसके दुकान पर आने वाले ग्राहको की संख्या घटने लगी और उसकी बिक्री तेजी से घटने लगा। पिता ने अपने बेटे से कहा तुम सही कह रहे थे, हम लोग मंदी की दौर से गुजर रहे है मुझे खुशी है कि तुमने वक्त से पहले मुझे सचेत कर दिया।

यदि आप भी यह सोचते है कि वर्तमान में बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है तथा अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय कारणों से आपको रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे है तो यह आपका नकारात्मक सोच है। सकारात्मक सोचिए, रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

29. छ.ग. लोक सेवा आयोग
(माईनिंग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग इंस्पेक्टर (खनन निरीक्षक) के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान विषय लेकर विज्ञान में स्नातक उपाधि अथवा माईनिंग इंजीनियरिंग में उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

शारीरिक अर्हता –

पुरूष अभ्यर्थी की ऊंचाई 165 सेमी. या उससे अधिक तथा महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई 152 सेमी. से अधिक होना अनिवार्य है। सीने का न्यूनतम माप सामान्य स्थिति में 81 सेमी. तथा फुलाने पर 85 सेमी. होना चाहिये।

आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. **द्वितीय प्रश्न पत्र** – यह प्रश्न पत्र भू–विज्ञान से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक –

प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) –

प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) –

इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढ़ांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉं, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसके अंतर्गत गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों का विश्लेषण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (भू–विज्ञान) –

इस प्रश्न पत्र में निम्न 10 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. सामान्य भू–विज्ञान,	2. भू–आकृति विज्ञान,	3, संरचनात्मक भू–विज्ञान
4. स्तरित शैल विज्ञान,	5. खनिज विज्ञान,	6. शैलीकीय विज्ञान,
7. आर्थिक भू–विज्ञान,	8. पूर्वेक्षण एवं अन्वेषण,	9. थ्योडोलाइट सर्वेक्षण,
10, सुदूर संवेदन		

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए भू विज्ञान के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भाग्य उसने सारा दिन काम किया और सारी रात काम किया उसने खेलना छोड़ा और मौज–मस्ती छोड़ी उसने ज्ञान के ग्रंथ पढ़े और नई बातें सीखीं वह आगे बढ़ता गया पाने के लिये सफलता जरा–सी दिल में विश्वास और हिम्मत लिये वह आगे बढ़ा और जब वह सफल हुआ लोगों न उसे भाग्यशाली कहा

30. छ0ग0 लोक सेवा आयोग (माईनिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग ऑफिसर (खनि अधिकारी) के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा प्रायोगिक भू–विज्ञान में अनुप्रयुक्त भू–विज्ञान (एप्लाइड जिऑलॉजी) में एम.टेक. उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा –

21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र भू–विज्ञान से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक –

प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) –

इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसके अंतर्गत गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों का विश्लेषण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (भू–विज्ञान)–

इस प्रश्न पत्र में निम्न 13 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. Structural Geology,
2. Geomorphology & Remote Sensing,
3. Mineralogy
4. Geochemistry,
5. Stratigraphy/Tectonics,
6. Igneous Petrology,
7. Metamorthic Petrology,
8. Sedimentology,
9. Ore Geology,
10. Geochemical Exploration,
11. Geophysical Exploration,
12. Mining Geology,
13. Environment Geology

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए भू विज्ञान के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बार–बार असफल होने पर भी उत्साह ना खोना ही सफलता है।
Success consists of going from failure to failure without loss of enthuiasm.
- Winston Churchill

31. छ0ग0 लोक सेवा आयोग
(सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :– आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से इंजीनियरिंग या तकनीकी (किसी भी शाखा में) उपाधि अथवा समकक्ष उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

आवेदन प्रक्रिया :– छ.ग. लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) –

लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार एक प्रश्न पत्र होते हैं –

लिखित परीक्षा प्रथम पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन एवं योग्यता परीक्षण का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 75 प्रश्न एवं योग्यता परीक्षण के लगभग 75 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 3.00 घंटा होती है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– लिखित प्रश्न पत्र

इसके अंतर्गत भाग एक में सामान्य अध्ययन के निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

1. सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें, भारतीय दर्शन, कला, साहित्य एवं संस्कृति एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

2. छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढ़ांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियाँ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग दो में निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, 2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,

3, निर्णय निर्माण और समस्या निवारण 4. सामान्य मानसिक योग्यता, 5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर), 6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर), 7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

हिन्दी भाषा ज्ञान एवं छत्तीसगढ़ भाषा से संबंधित प्रश्न उसी भाषा में होते है, इनका अनुवाद उपलब्ध नहीं होता है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गलत विश्वास : विफलता का कारण

एक प्रयोग के दौरान एक मरीन बायोलाजिस्ट ने एक बड़े टैंक में शार्क मछली को रखा और उसके साथ कुछ छोटी मछलियां उसी टैंक में डाल दी। शार्क ने अपनी प्रकृति के अनुसार सारी छोटी मछलियों को खा लिया। इसके बाद उस बायोलाजिस्ट ने टैंक में एक बहुत ही मजबूत फाइवर ग्लास लगा दिया और टैंक के दो हिस्से कर दिये। एक हिस्से में शार्क थी और दूसरे हिस्से में उसने फिर से छोटी मछलियों को डाला। जैसे ही शार्क की नजर उन पर पड़ी वो उन्हें खाने के लिए लपकी, पर इस बार बीच में फाइवर ग्लास होने की वजह से शार्क उससे जा टकराई। एक बार टकराने के बाद भी शार्क ने हार नहीं मानी। वह कुछ मिनटों के अंतराल के बाद बार–बार उस दिशा में बढ़ती जहां मछलियां थी और टकराकर फिर वापस पलट आती थी।

शार्क जहां मेहनत कर रही थी वहीं दूसरी छोटी मछलियां आसानी से और आजाद तैर रही थी। कुछ घण्टों के बाद शार्क ने हार मान लिया। ये प्रयोग पूरे हफ्ते में कई बार किया गया। धीरे–धीरे शार्क के हमले कम होते गए और अब वह ज्यादा जोर भी नहीं लगाती थी। बार बार कोशिश करते रहने पर भी मछलियों तक नहीं पहुंच पाने से शार्क ने थककर हार मान ली और प्रयास करना छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद उस बायोलाजिस्ट ने बीच में रखा फाइवर ग्लास हटा दिया इसके बाद भी शार्क ने कभी मछलियों पर हमला नहीं किया। शार्क को पिछले कुछ हफ्तों में विश्वास हो गया था कि उन मछलियों तक नहीं पहुंच सकती है।

हम में से भी कई लोग हार और निराशा का अनुभव करने के बाद कोशिश करना छोड़ देते है। हम सोंचते हैं कि क्योंकि हम पहले कई बार हार चुके है और सफल नहीं हुए, इसलिए आगे भी सफल नहीं हो सकते है। इस प्रकार के गलत विश्वास को त्यागकर सतत् परिश्रम करने से सफलता मिलना सुनिश्चित हैं।

32. छत्तीसगढ़ सिविल जज (एण्ट्री लेवल) भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के जिला एवं खण्ड स्तरीय न्यायालयों में सिविल जज (प्रवेश स्तर) की नियुक्ति के लिये, छ.ग. सिविल जज भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. या समकक्ष उपाधि।

टीप :–

1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हता मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदक को ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रारंभिक परीक्षा – वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार (ऑनलाईन)

मुख्य परीक्षा – वर्णनात्मक प्रकार

तृतीय स्तर – साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) की होती है जिसमें आवेदक को 2 घण्टा की समयावधि में 100 प्रश्नों का उत्तर देना होता है, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्न निम्न 15 अधिनियमों/संहिताओं से पुछे जाते है –

1. भारतीय दण्ड संहिता
2. सिविल प्रक्रिया सहिंता
3. अपराधिक प्रक्रिया संहिता
4. भारतीय साक्ष्य अधिनियम
5. भारत का संविधान
6. संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम
7. संविदा अधिनियम
8. परिशिमन अधिनियम
9. आवास नियंत्रण अधिनियम
10. कोर्ट फीस अधिनियम
11. विशिष्ठ राहत अधिनियम
12. पंजीयन अधिनियम
13. छत्तीगढ़ भू राजस्व संहिता
14. द नेगोटेबल इन्स्टूमेन्ट एक्ट 1881
15. छत्तीगढ़ आबकारी अधिनियम 1915

प्रारंभिक परीक्षा स्क्रीन टेस्ट के रूप में ली जाती है तथा इसके प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार रिक्तियों की संख्या के 10 गुना आवेदकों को मुख्य परीक्षा के लिए पात्र घोषित किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक अतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है।

लिखित परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित किये गये अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। 100 अंको की वर्णनात्मक प्रकार की यह परीक्षा 3 घण्टा समयावधि की होती है। इस परीक्षा की संरचना एवं अंक विभाजन निम्नानुसार है :–

1. सिविल केस के विवादित प्रश्नों का समाधान करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
2. अपराधिक केस में आरोप तय करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
3. (अ) हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद (10 अंक)
   (ब) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवार (10 अंक)

साक्षात्कार –

लिखित परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक संवर्ग के रिक्तियों की संख्या के 3 गुना आवेदको को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार 15 अंको का होता है। साक्षात्कार में आवेदक को शामिल होना अनिवार्य होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 100) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 15) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है। चयनित आवेदकों को 2 वर्ष के लिए परिविक्षा पर नियुक्त किया जाता है। परिविक्षा अवधि में उनका कार्य संतोषजनक नहीं होने की स्थिति में उन्हें बर्खास्त किये जाने का प्रावधान है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के विधिक भाग के लिए सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपाल लॉ हाउस एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) तथा हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद के लिए व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिये, सफलता की इच्छा, असफलता के भय से अधिक होनी चाहिये।

If order to succeed, your desire for success should be greater then your fear of failure.

- Bill Cosby

33. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ वन सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा वन विभाग के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक एवं वन क्षेत्रपाल पदों पर संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, वनस्पति शास्त्र, कम्प्यूटर अनुप्रयोग/विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, वानिकी, भूविज्ञान, बागवानी, गणित, सांख्यिकीय, भौतिकीय, पशुविज्ञान, प्राणी शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ स्नातक या समकक्ष **अथवा** अभियांत्रिकी/तकनीकी की किसी भी शाखा/विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

2. जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. शारीरिक मापदण्ड (न्यूनतम)

क्रमांक	विवरण	पुरूष	महिला
1	ऊंचाई (अनु. जनजाति को छोड़कर)	163 से.मी.	150 से.मी.
2	ऊंचाई (अनु. जनजाति)	152 से.मी.	145 से.मी.
3	सीना	84 से.मी.	79 से.मी.
4	न्यूनतम सीना विस्तार	5 से.मी.	5 से.मी.
5	चार घण्टे पैदल चलना	26 कि.मी.	16 कि.मी.

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

4. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र –यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमे सामान्य ज्ञान, भाषा (हिन्दी, अंग्रजी एवं छत्तीसगढ़ी), बुद्धिमत्ता परीक्षण, विश्लेशणात्मक एवं तार्किक योग्यता से संबंधित प्रश्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र विज्ञान, प्रोद्योगिकी एवं पर्यावरण से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमे रासायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण संबंधित 12वी स्तर के प्र न होते है। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 5 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है, जबकि गलत उत्तर पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र– प्रथम – सामान्य अध्ययन –

भाग–1 सामान्य अध्ययन– इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

भाग–4 भाषा – इसमे सामान्य हिन्दी, अंग्रेजी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा के शब्दों एंव व्याकरण संबंधी प्रश्न होते है।

द्वितीय प्रश्न पत्र– विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण –

भाग – 1 – रसायन विज्ञान, भाग – 2 – भौतिक विज्ञान, भाग – 3 – जीव विज्ञान।

भाग – 4 – प्रौद्योगिकी, भाग – 5 – पर्यावरण

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से बारहवीं तक विज्ञान के पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

> **सफलता का एक ही सूत्र है, और वह यह है कि जब अन्य हिम्मत हार चुके हो तब भी आप अपने काम में डटे रहतें हैं।**
>
> **– विलियम फैदर**

34. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ राज्य अभियांत्रिकी सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग आदि के लिये सहायक अभियंता पदों पर नियुक्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

शैक्षणिक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल/यांत्रिकी/विद्युत/कृषि अभियांत्रिकी में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता** – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

3. आयु सीमा – 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छ.ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार दिसम्बर 2018 तक छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छ0ग0 लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार ONLINE)

द्वितीय स्तर — साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार तीन प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र –यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमे सामान्य ज्ञान, बुद्धिमत्ता परीक्षण, विश्लेषणात्मक एवं तार्किक योग्यता से संबंधित प्रश्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सभी शाखा के आवेदको के लिए अनिवार्य होता है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (सिविल/यांत्रिकी/विद्युत/कृषि अभियांत्रिकी) भाग–1 – यह प्रश्न पत्र संबंधित अभियांत्रिकी शाखा का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

3. तृतीय प्रश्न पत्र (सिविल/यांत्रिकी/विद्युत/कृशि अभियांत्रिकी) भाग–2 – यह प्रश्न पत्र भी संबंधित अभियांत्रिकी शाखा का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप – लिखित परीक्षा ONLINE ही होता है, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

टीपः– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 5 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है, जबकि गलत उत्तर पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषय के प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 30 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 900) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 100) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :— प्रश्न पत्र— प्रथम — सामान्य अध्ययन —

भाग—1 सामान्य अध्ययन— इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग—2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान — इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग—3 बुद्धिमता परीक्षण — इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र— यह दोनो प्रश्न पत्र संबंधित अभियांत्रिकी शाखा के स्नातक स्तर के होते है।

परीक्षा की तैयारी :— सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र के लिए संबंधित अभियांत्रिकी शाखा के स्नातक स्तर के पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :—उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिए आपको असफलता का स्वाद अवश्य चखना चाहिए ताकि आपको यह पता चल सके कि अगली बार कौन सी गलती नहीं करनी है।
— एंथनी जे. डीएंजोलो

35. संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (I.A.S.) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S), भारतीय पुलिस सेवा (I.P.S), भारतीय विदेश सेवा (I.F.S), भारतीय राजस्व सेवा (I.R.S), भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेल्वे लेखा सेवा, भारतीय लेखा परीक्षक सेवा, भारतीय रेल्वे यातायात सेवा, भारतीय सूचना सेवा, केन्द्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवा ग्रुप–ब, पुलिस सेवा ग्रुप–ब आदि के लिये संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सामान्यतः जुलाई/अगस्त माह में रायपुर, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। मुख्य परीक्षा सामान्यतः नवम्बर/दिसम्बर में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

शैक्षणिक अर्हता :–

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष डिग्री। जो उम्मीदवार स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

आयु सीमा :–

जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष 01 अगस्त को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

अवसरों की संख्या :– जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताएँ पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है। अवसरों की संख्या को वर्ष 2014 की परीक्षा से ही 2–2 बढ़ाया गया है।

आवेदन की प्रकिया :–

आवेदको ंको सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार)

3. साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	***	2 घंटा
		योग	**200**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है।

2. *** द्वितीय प्रश्न पत्र में UPSC द्वारा न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।

न्यूनतम अर्हक अंक – आवेदक को प्रत्येक प्रश्न पत्र में आयोग द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होते है। लिखित परीक्षा में दो प्रकार के प्रश्न पत्र होते हैं – 1. अर्हक प्रश्न पत्र, 2. वे प्रश्न पत्र जिनके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

1. अर्हक प्रश्न पत्र – इसमें वर्णनात्मक प्रकार के 300–300 अंक के दो प्रश्न पत्र होते हैं। पहला प्रश्न पत्र संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से आवेदक द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा का तथा दूसरा प्रश्न पत्र अंग्रेजी भाषा का। अर्हक प्रश्न पत्रों के अंक अंतिम वरीयता सूची तैयार करते समय नहीं जोड़े जाते हैं, इनमें सिर्फ आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

2. वरीयता क्रम के लिये जिन प्रश्न पत्रों को आधार बनाया जाता है, उसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	निबंध	250	3 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन (भारत का इतिहास एवं संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल)	250	3 घंटा
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन (भारत का संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	250	3 घंटा
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन (तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति, जैवविविधता, पर्यावरण सुरक्षा, आपदा प्रबंधन)	250	3 घंटा
5.	पंचम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)	250	3 घंटा
6.	षष्ठम प्रश्न पत्र	वैकल्पिक विषय प्रथम प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	वैकल्पिक विषय द्वितीय प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
		योग	**1750**	

टीप :– मुख्य परीक्षा के लिये भी प्रारंभिक परीक्षा की तरह न्यूनतम अर्हक अंक आवेदकों को प्राप्त करना अनिवार्य है।

साक्षात्कार –

मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध सामान्यतः 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 275 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

वैकल्पिक विषय – आयोग द्वारा वैकल्पिक विषयों को दो समूहों में बांटा गया है। प्रथम समूह में कुल 25 विषय यथा रसायन, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गणित आदि हैं। द्वितीय समूह में साहित्य से संबंधित 23 विषय यथा हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य आदि हैं। वही आवेदक द्वितीय समूह के किसी साहित्यिक विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में चुन सकते हैं, जिन्होंने उसे स्नातक में एक मुख्य विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1750) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 275) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम प्रश्न पत्र – (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्शन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

लिखित परीक्षा – इसके पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.upsc.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम ऑनर्स स्तर का होता है, अर्थात् स्नातक से थोड़ा अधिक तथा स्नातकोत्तर से थोड़ा कम। इंजीनियरी, मेडिकल तथा लॉ के प्रश्न पत्रों का स्तर स्नातक स्तर का होता है।

साक्षात्कार –

साक्षात्कार में आयोग उम्मीदवारों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। संविधान के लिए डी.डी. वसु, भारतीय राजनीति के लिए एम.लक्ष्मीकांत, इतिहास के लिए विपिन चन्द्र एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए तपन विश्वाल एवं फाड़िया की पुस्तकें उपयोगी है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमो की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल, अरिहन्त प्रकाशन एवं टाटा मैकग्रेथ की पुस्तकें उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा के प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप यह सोचते है कि ज्ञान पाना महंगा है तो अज्ञानी बनकर देखिए।
— डेरेक बॉक

36. भारतीय वन सेवा (IFS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय वन सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, वर्ष 2013 से सिविल सेवा परीक्षा के साथ सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा के अनुसार ही तथा लिखित परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

शैक्षणिक अर्हता :– आवेदक के पास पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान ,रसायनविज्ञान, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकीय, या प्राणिविज्ञान में से किसी एक विषय के साथ स्नातक या इंजीनियरी, वानिकी या कृषि विज्ञान की स्नातक उपाधि होनी चाहिये। जो उम्मीदवार उक्त स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मलित हो सकते है।

शारीरिक मापदण्ड :– ऊँचाई – पुरूषों के लिये 163 सेंटीमीटर महिलाओं के लिये 150 सेटीमीटर तथा सीना पुरूषों के लिये 84 सेंटीमीटर।

आयुसीमा :– जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 जुलाई को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

अवसरों की संख्या :– जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताएँ पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है।

आवेदन की प्रकिया :– आवेदको ंको सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

परीक्षा योजना :– वर्ष 2013 से भारतीय वन सेवा परीक्षा के परीक्षा योजना परिवर्तन किया गया है तथा सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के साथ ही इसके लिये भी प्रारंभिक परीक्षा आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

वर्ष 2013 से परीक्षा निम्नानुसार 3 चरणों में आयोजित की जावेगी –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) एवं
3. साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	**प्रश्न पत्र**	**विषय**	**अधिकतम अंक**	**समय**
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	***	2 घंटा
		योग	**200**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है।

2. *** द्वितीय प्रश्न पत्र में UPSC द्वारा न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।

न्यूनतम अर्हक अंक – आवेदक को प्रत्येक प्रश्न पत्र में आयोग द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

लिखित परीक्षा – वर्णनात्मक प्रकार – इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। प्रत्येक अभ्यर्थी को दो वैकल्पिक विषयों का चयन करना होता है तथा प्रत्येक वैकल्पिक विषय के 2–2 प्रश्नपत्र होते है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	300 अंक
प्रश्न पत्र–2	सामान्य ज्ञान	300 अंक
प्रश्न पत्र–3	वैकल्पिक विषयों की सूची में से चुने गये कुल दो विषय (प्रत्येक विषय के दो–दो प्रश्न पत्र)	200 अंक
प्रश्न पत्र–4		200 अंक
प्रश्न पत्र–5		200 अंक
प्रश्न पत्र–6		200 अंक

वैकल्पिक विषयों की सूची

कृषि	कृषि इंजीनियरी	वनस्पति विज्ञान
रसायन विज्ञान	वानिकी	रसायन इंजीनियरी
सिविल इंजीनियरी	भूविज्ञान	यांत्रिकी इंजीनियरी
भौतिकी	सांख्यिकीय	गणित
प्राणीविज्ञान	पशुपालन और पशुचिकित्सा विज्ञान	

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र की समयावधि 3 घण्टा होती है।
3. उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषयों को एक साथ वैकल्पिक विषय के रूप में चुनने की अनुमति नहीं है – (क) कृषि विज्ञान और कृषि इंजीनिरिंग (ख) कृषि विज्ञान और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान (ग) कृषि

विज्ञान और वानिकी (घ) रसायन विज्ञान और रसायन इंजीनियरिंग (ड.) गणित और सांख्यिकी (च) इंजीनियरिंग के विषयों में एक से अधिक विषय नहीं।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
5. वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्रों में प्रश्नों की कुल संख्या 8 होती है। सभी प्रश्नों के अंक बराबर होते है। प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो भाग होते है अर्थात् भाग (क) और भाग (ख)। प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होते है। 8 प्रश्नों में से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होते है। प्रत्येक भाग में एक प्रश्न अनिवार्य होता है। आवेदक को प्रत्येक भाग में से कम से कम 2 प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक होता है। अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्न तथा एक अन्य प्रश्न।

साक्षात्कार – ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 300 अंक का होता है।

चयन प्रक्रिया – आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1400) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 300) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :– प्रारंभिक परीक्षा –

प्रथम प्रश्न पत्र – (सामान्य अध्ययन) –

इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्शन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) –

इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

लिखित परीक्षा :– सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान या इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम। इंजीनियरी विषयों के मामले में यह स्तर बैचलर डिग्री का होता है।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निंबध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार – साक्षात्कार में आयोग उम्मीदवारों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त (दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। संविधान के लिए डी.डी. वसु, भारतीय राजनीति के लिए एम.लक्ष्मीकांत, इतिहास के लिए विपिन चन्द्र एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए तपन विश्वाल एवं फाड़िया की पुस्तकें उपयोगी है। दुरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमो की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल, अरिहन्त प्रकाशन एवं टाटा मैकग्रेथ की पुस्तकें उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है। वैकल्पिक विषयों के लिए संबंधित विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पुस्तकों का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

सकारात्मक सोच : सफलता का आधार

बाइबिल में बताई गई डेविड और गोलियथ की कहानी हम में से अधिकतर लोग जानते है। गोलियथ एक राक्षस था, उसने हर आदमी के दिल में अपनी दहशत बैठा रखी थी। एक दिन 17 साल का एक भेड़ चराने वाला लड़का अपनी भाईयों से मिलने के लिए आया। अपने भाईयों को गोलियथ से भयभीत देखकर उसने उनसे पूछा कि तुम लोग इस राक्षस से लड़ते क्यों नही हो ? उसके भाईयों ने जवाब दिया " क्या तुमने नहीं देखा कि वह कितना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता है ?" इस पर डेविड ने मुस्कुराकर कहा "बात यह नहीं है कि बड़ा होने की वजह से उसे मारा नहीं जा सकता, बल्कि हकीकत यह है कि वह इतना बड़ा है कि उस पर लगाया गया निशाना चूक ही नहीं सकता" । फिर डेविड ने उस राक्षस को गुलेल से मार डाला। राक्षस वही था लेकिन उसके बारे में डेविड का नजरिया अलग था।

यदि आप डेविड जैसे आशावादी सोच वाले व्यक्ति है तो आपका यह नजरिया कामयाबी की सीढ़ी बन सकता है।

37. भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष संयुक्त भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा, भारतीय रेल भण्डार सेवा, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, भारतीय रक्षा इंजीनियरी सेवा, भारतीय आयुध कारखाना सेवा, भारतीय आपूर्ति सेवा आदि में सिविल, यांत्रिकी, वैद्युत एवं इलेक्ट्रानिकी तथा दूरसचार इंजीनियरों का चयन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :– आवेदक के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरी की डिग्री होना चाहिए अथवा इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का वह भाग (क) और (ख) उत्तीर्ण हो या इलेक्ट्रानकी और दूरसंचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) के ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो। जो उम्मीदवार उक्त डिग्री की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मलित हो सकते है।

आयुसीमा :– जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 जनवरी को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन की प्रकिया :–

आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है।उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

परीक्षा योजना :– 1) प्रारंभिक परीक्षा – वस्तुनिष्ठ प्रकार
2) लिखित परीक्षा – वर्णनात्मक प्रकार
3) साक्षात्कार –

1. प्रारंभिक परीक्षा परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

(वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र)

क्रमांक	विषय	अवधि	पूर्णांक
1	सामान्य योग्यता परीक्षण एवं इंजीनियरिंग अभिरूचि	2 घंटा	200 अंक
2	इंजीनियरी से संबंधित शाखा का प्रश्न पत्र	3 घंटा	300 अंक
		योगः–	500 अंक

लिखित परीक्षा (परमपरागत प्रश्नपत्र)

क्रमांक	विषय	अवधि	पूर्णांक
1	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–1	3 घंटा	300 अंक
2	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–2	3 घंटा	300 अंक
		योगः–	600 अंक

इंजीनियरी के संबंधित शाखाओं की सूची

सिविल	वैद्युत
यात्रिकी	इलेक्ट्रानिकी तथा दूरसंचार

टीप :–

1. प्रारंभिक परीक्षा के सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। इन प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।
2. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
3. लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।

साक्षात्कार –

ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, प्रारंभिक परीक्षा (कुल अंक 500), लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको तथा उसके द्वारा विभिन्न पदों के लिए दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है। जिन सेवाओं और पदों का आवेदक ने उल्लेख नहीं किया है उन सेवाओं और पदो ंके लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

पाठ्यक्रम प्रारंभिक एवं लिखित परीक्षा :–

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है। इंजीनियरी के चयनित शाखा के प्रश्न पत्रों का स्तर बैचलर डिग्री का होता है।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार –

साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता/पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त (दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

परीक्षा की तैयारी – प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमो की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा के प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है। इंजीनियरिंग से संबंधित प्रश्न पत्रों के लिए बी.ई. की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

मुझे सफलता का मंत्र नहीं पता, पर सभी को खुश करने का प्रयास करना ही असफलता का मंत्र है।

I don’t know the key of success, but the key to failure is trying to please everybody.

- Bill Cosby

38. भारतीय आर्थिक सेवा (IES) एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा (ISS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय आथिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा संयुक्त परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, सामान्यतः फरवरी/मार्च माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। लिखित परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कोई परीक्षा केन्द्र नहीं है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिए निकटतम परीक्षा केन्द्र भोपाल/कटक है।

आवश्यक अर्हता :–

क्र.	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	आयुसीमा
1	भारतीय आर्थिक सेवा	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से Economics/Applied Economics/ Business Economics / Econometrics में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण	21 से 30 वर्ष (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)
2	भारतीय सांख्यिकी सेवा	किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से Statistcs/ Mathematicl Statistcs/ Applied Statistcs को एक विषय के रूप में लेकर स्नातक उपाधि **या** Statistcs/ Mathematicl Statistcs/ Applied Statistcs विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण	21 से 30 वर्ष (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)

जो उम्मीदवार उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर के उपरोक्त परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मलित हो सकते है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन की प्रकिया :– आवेदको ंको सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

परीक्षा योजना :– उपरोक्त परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाती है।

प्रथम चरण – लिखित परीक्षा (वर्णानात्मक प्रकार)

द्वितीय चरण :– साक्षात्कार

लिखित परीक्षा – वर्णनात्मक प्रकार – इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। भारतीय आर्थिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

(A) **भारतीय आर्थिक सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सामान्य अर्थशास्त्र–1	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सामान्य अर्थशास्त्र–2	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सामान्य अर्थशास्त्र–3	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–6	भारतीय अर्थशास्त्र	200 अंक	3 घंटा

(A) **भारतीय सांख्यिकी सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सांख्यिकी–1	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सांख्यिकी –2	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सांख्यिकी –3	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–6	सांख्यिकी–4	200 अंक	3 घंटा

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. आवेदकों को परीक्षा हॉल में साइन्सटिफिक (Non Programmable Type) केल्कुलेटर ले जाने की अनुमति होती है।

साक्षात्कार –

ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1000) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा :–

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान या इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निबंध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

सामान्य अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

साक्षात्कार –

साक्षात्कार में आयोग उम्मीदवारों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है। इसमें विशेष रूप से यह भी देखा जाता है कि उम्मीदवार अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के अवधारणाओं को व्यवाहारिक रूप में अनुप्रयुक्त करने में कितने सक्षम है।

परीक्षा की तैयारी :– सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र के लिए NCERT की छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें लाभदायक है। लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन के सामान्य ज्ञान की पुस्तके इस हेतु उपयोगी है। सामान्य अंग्रेजी के लिए परफेक्ट प्रकाशन एवं दिशा प्रकाशन की पुस्तकें लाभदायक है। योजना, कुरूक्षेत्र पत्रिका, द हिन्दु एवं इकोनॉमिक्स टाईम्स समाचार पत्र भी उपयोगी है। अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के लिए इससे संबंधित भारत सरकार के प्रकाशन एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोई भी लक्ष्य,
इंसान के जूनून से बड़ा नहीं।
जीता वहीं जो डरा नहीं।।

39. सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून, भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला, वायुसेना अकादमी हैदराबाद, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (पुरूष एवं महिला) के कोर्सों में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष दो बार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई एवं अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः सितम्बर तथा फरवरी माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है।

आवश्यक अर्हता :– विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून	स्नातक या समकक्ष	17–24 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला	इंजीनियरी में डिग्री	18–22 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
3.	भारतीय वायुसेना अकादमी हैदराबाद	स्नातक या समकक्ष तथा बारहवीं कक्षा भौतिक एवं गणित विषय सहित	18–23 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
4.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–25 वर्ष	पुरूष	विवाहित / अविवाहित
5.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी गैर तकनीकी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–25 वर्ष	महिला	अविवाहित

टीप :– 1. भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला में एनसीसी के 'सी' प्रमाण पत्र धारियों को अधिकतम आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट दी जाती है।

2. भारतीय सैनिक अकादमी तथा भारतीय नौसेना अकादमी में एनसीसी के 'सी' प्रमाण पत्र धारी आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिये)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 152 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 157.5 सेमी. (नौसेना के लिये 157 सेमी. तथा वायुसेना के लिये 162.5 सेमी.) **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदकों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। दूरवर्ती क्षेत्र के आवेदक ऑफलाईन पर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न कोर्सों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है। जो आवेदक भारतीय वायुसेना में प्रवेश चाहते हैं, उन्हें भारतीय वायुसेना अकादमी को अनिवार्य रूप से प्रथम वरीयता दर्शाना होता है। जो पुरूष आवेदक केवल अल्पकालिक सेवा कमीशन (सेना) के लिये आवेदन कर रहे हैं, उन्हें अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी को अंतिम वरीयता दर्शाना होता है।

टीप – महिला आवेदक सिर्फ अल्पकालिक सेवा कमीशन (SSC) के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की ही वरीयता देनी चाहिये।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चरण बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	**विषय**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	अंग्रेजी	100	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटा
3.	प्रारंभिक गणित	100	2 घंटा
	योग	**300**	

टीप :– 1. अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश के लिये उपर्युक्त में से सिर्फ प्रथम दो प्रश्न पत्र दिलाने होते हैं।

2. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है, उन्हें लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर सेवा चरण बोर्ड में बुद्धि एवं व्यक्तित्व परीक्षण के लिये भेजा जाता है।

सेवा चयन बोर्ड – बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिये 200 अंक का तथा अन्य अकादमियों के लिये 300 अंक का होता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन का तरीका :–

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके। प्रश्न पत्र स्नातक स्तर का होता है।

प्रश्न पत्र–2 सामान्य ज्ञान – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–3 प्रारंभिक गणित – इसमें सामान्य गणित के अंकगणित, बीजगणित, त्रिकोणमितिय, ज्यामिति, विस्तार कलन, सांख्यिकी आदि से संबंधित बारहवीं कक्षा के स्तर के प्रश्न होते हैं।

नियुक्ति की अवधि – अल्पकालिक सेवा कमीशन (पुरूष एवं महिला) 14 वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जाता है, अर्थात् प्रारंभ में 10 वर्ष जो 4 वर्ष की अवधि के लिये बढ़ाया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संबंध में प्रतिबंध – आवेदक का भारतीय सैनिक अकादमी/भारतीय नौसेना अकादमी/भारतीय वायुसेना अकादमी में प्रशिक्षण में अंतिम रूप से चयन होने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाती है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. महिला अभ्यर्थी सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (SSC गैर तकनीकी) के लिये ही पात्र होते हैं।

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न अकादमियों की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

परीक्षा की तैयारी :-

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। सामान्य गणित के लिए NCERT के नवमीं से बारहवीं तक के गणित की पुस्तकें तथा यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिकायें उपयोगी है। अरिहन्त प्रकाशन का साल्वड पेपर PATH FINDER एक बहुउपयोगी पुस्तक है।

संपर्क :-

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि हार की कोई संभावना न हो तो जीत का कोई अर्थ नहीं है।
If there exists no possiblility of failure, then victory is meaningless.
- Robert H. Schuller

40. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के थलसेना, नौसेना और वायुसेना स्कंधों तथा भारतीय नौसेना अकादमी कोर्स में प्रवेश के लिय प्रतिवर्ष दो बार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून एवं नवम्बर/दिसम्बर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः अगस्त/सितम्बर तथा अप्रैल/मई माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है।

आवश्यक अर्हता :– विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय रक्षा अकादमी का थल सेना स्कंध	बारहवीं या समकक्ष	16.5–19 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय रक्षा अकादमी के वायु सेना और नौसेना स्कंध तथा नौसेना अकादमी	बारहवीं कक्षा भौतिक एवं गणित विषय सहित या समकक्ष	16.5–19 वर्ष	पुरूष	अविवाहित

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिये)

1. ऊंचाई 157.5 सेमी. (वायुसेना के लिये 162.5 सेमी.)

2. सीना 81 सेमी. (फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए)

3. भार ऊंचाई के अनुरूप

4. वायुसेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग/जांघ की लंबाई तथा बैठे हुये लंबाई के स्वीकार्य माप को पूरा करना अनिवार्य है।

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च्व दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदकों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। दूरवर्ती क्षेत्र के आवेदक ऑफलाईन पर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न सेवाओं के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चरण बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	गणित	120	300	2.30 घंटा
2.	सामान्य योग्यता परीक्षण भाग क. अंग्रेजी भाग ख. सामान्य ज्ञान	 50 100	 200 400	2.30 घंटा
	योग	**270**	**900**	

टीप :– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है, उन्हें लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर सेवा चरण बोर्ड में बुद्धि एवं व्यक्तित्व परीक्षण के लिये भेजा जाता है।

सेवा चयन बोर्ड – बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। ये परीक्षण चरणबद्ध होते है। इन परीक्षणों का विवरण वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौसेना स्कंधों और भारतीय नौसेना अकादमी के उम्मीदवारों अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा वायुसेवा के उम्मीदवारों का पायलट एप्टीट्यूड परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार 900 अंक का होता है। इनमें उम्मीदवारों के व्यक्तित्व का आंकलन तीन विभिन्न आंकलनकर्ताओं नामतः साक्षात्कार अधिकारी, ग्रुप टेस्टिंग अधिकारी तथा मनोवैज्ञानिक द्वारा किया जाता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 गणित – इसमें सामान्य गणित के बीजगणित, आव्यूह तथा सारणिक, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, अवकल गणित, समाकलन गणित तथा अवकलन समीकरण, सदिश बीजगणित तथा सांख्यिकी एवं प्रायिकता आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 भाग क. अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

भाग ख. – इस भाग में भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, भारतीय इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, महात्मा गांधी के मूल उपदेश, भूगोल, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं। चूंकि सैन्य अधिकारी का काम उसके भौगोगिक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण सटीक होने दरकार रखता है, इसलिये इस भाग में लगभग दो तिहाई प्रश्न विज्ञान और भूगोल से संबंधित होते हैं।

प्रशिक्षण – तीनों सेनाओं अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिये चुने गये उम्मीदवारों को 3 वर्ष का शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे में दिया जाता है। पहले ढ़ाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान होता है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बी.एस–सी./बी.ए. डिग्री प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ/ वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

नौसेना अकादमी के लिये चयनित उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना अकादमी, झझीमाला में 4 वर्ष के अवधि के लिये शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाता है तथा पासिंग आउट पर बी.टेक. डिग्री प्रदान की जाती है।

प्रशिक्षण के बाद कैरियर – राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थलसेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी देहरादून में, नौसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला में तथा वायुसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी हैदराबाद में एक से डेढ़ वर्ष तक प्रशिक्षण लेते हैं। सफल प्रशिक्षण उपरांत इन्हें सेना में लैफ्टिनेंट या उप लैफ्टिनेंट या समकक्ष पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न सेवाओं की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। गणित के लिए NCERT के नवमीं से बारहवीं तक के गणित की पुस्तकें तथा यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए

उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिकायें उपयोगी है। अरिहन्त प्रकाशन का साल्वड पेपर PATH FINDER एक बहुउपयोगी पुस्तक है। भूगोल के लिए प्रतियोगितादर्पण का अतिरिक्तांक लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

> **जितना कठिन संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी।**
> **The harder the conflict, the more glorious the triumph.**
> **- Thomas Paine**

41. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमाण्डेंट संयुक्त भर्ती परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल तथा सशस्त्र सीमा बल) में सहायक कमाण्डेंट पदों के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः जुलाई/अगस्त माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :—

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातक अंतिम वर्ष के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आयु सीमा — 20 वर्ष से 25 वर्ष तक

टीप :— भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :— निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक मापदंडः—

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 165 सेमी. **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

शारीरिक दक्षता :—

क्र.	महिला	पुरूष
1	(क) 18 सेकेण्ड में 100 मी. की दौड़ (ख) 4 मिनट 45 सेकण्ड में 800 मी. की दौड़ (ग) तीन अवसरों में 3 मी. की लंबी कूद	(क) 16 सेकेण्ड में 100 मी. की दौड़ (ख) 3 मिनट 45 सेकण्ड में 800 मी. की दौड़ (ग) तीन अवसरों में 3.5 मी. की लंबी कूद (घ) तीन अवसरों में 4.50 मी. गोला फेंक (7. 26 किग्रा.)

टीप :— आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदको ंको सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न बलों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

टीप – महिला आवेदक सिर्फ CRPF, CISF तथा SSB के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें इन पदों के लिये ही वरीयता देनी चाहिये।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	**प्रश्न पत्र एवं उसका प्रकार**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	प्रथम प्रश्न पत्र (वस्तुनिष्ठ प्रकार)	250	2.30 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र (वर्णनात्मक प्रकार)	200	3 घंटा
	योग	**450**	

टीप :– प्रश्न पत्र–1 में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रश्न पत्र–1 के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं का द्वितीय प्रश्न पत्र का मूल्यांकन किया जाता है। जो आवेदक लिखित परीक्षा में कुल प्राप्तांकों के आधार पर अर्ह घोषित किये जाते हैं, उनका शारीरिक क्षमता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। शारीरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का ही प्रश्न पत्र–1 और प्रश्न पत्र–2 के संयुक्त प्रदर्शन (कुल 450 अंकों के प्राप्तांक) के आधार पर उन्हें साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के लिए बुलाया जाता है। शारिरिक क्षमता परीक्षण के लिए कोई अंक नहीं होता है। यह केवल अर्हक/निष्कासन प्रकृति का होता है।

साक्षात्कार :– साक्षात्कार 150 अंक का होता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में एनसीसी ''बी'' अथवा ''सी'' प्रमाण पत्रधारी आवेदकों को समुचित वेटेज दिया जाता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके आवेदकों का सहायक कमाण्डेंट पद पर चयन करता है।

पाठ्यक्रम :– प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) सामान्य विज्ञान – इसमें सामान्य विज्ञान से संबंधित प्रश्नों के साथ ही विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले नये खोजों तथा नये क्षेत्रों यथा सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नालॉजी, पर्यावरण विज्ञान आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 इस प्रश्न पत्र के दो भाग होते हैं। प्रथम भाग में आवेदक को अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में एक निबंध लिखना होता है। निबंध सामान्यतः भारत के स्वतंत्रता संग्राम/भूगोल/अर्थव्यवस्था/राजव्यवस्था/ज्वलंत समस्याओं से संबंधित होता है। यह खण्ड 80 अंक का होता है। भाग–2, 120 अंक का होता है, जिसमें आवेदक को अंग्रेजी भाषा में संक्षेपण, व्याख्या आदि के साथ ही अंग्रेजी के ऐसे प्रश्नों का उत्तर देना होता है, जो मुख्यतः गलती की पहचान, व्याकरण, वाक्य गठन, समानार्थक, विलोमार्थक, मुहावरा आदि पर आधारित होता हैं।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिलाओं के लिए पद आरक्षित होते है।

3. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

4. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र तथा पत्रिकायें और द हिन्दु समाचार पत्र उपयोगी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए स्पेक्ट्रम पब्लिकेशन एवं टाटा मैकग्रेथ हिल की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

आप कभी इतने बुजुर्ग नहीं हो सकते कि एक नया लक्ष्य निर्धारित न कर सके या एक नया सपना नहीं देख सकें।

You are never too old to set another goal or to dream a new dream.

- C. S. Lewis

42. एस.बी.आई. के सहयोगी बैंकों में संयुक्त लिपिकीय संवर्ग परीक्षा

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने सहयोगी बैंकों (स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला तथा स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर) में लिपिकीय संवर्ग में नियुक्ति हेतु संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा एवं साक्षात्कार आयोजित किया जाता है। लिखित परीक्षा बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :—

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आवेदक को अंग्रेजी में धाराप्रवाह रूप से लिखने व बोलने में सक्षम होना चाहिये।
3. आवेदक ने जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन किया है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिये। साक्षात्कार के समय कुछ प्रश्न स्थानीय भाषा में पूछे जा सकते हैं।
3. आयु सीमा — 20 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :— भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :—

एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या www.statebankofindia.com में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक का अपना वैध ई—मेल पता होना अनिवार्य है, क्योंकि बुलावा पत्र/साक्षात्कार हेतु सुचना ई—मेल से ही भेजा जाता है। **आवेदक केवल एक बैंक तथा एक राज्य के रिक्त पदों के लिये आवेदन कर सकता है तथा उसे उस राज्य विशेष के परीक्षा केन्द्र पर ही लिखित परीक्षा देना अनिवार्य होता है।** उदाहरण के लिये, यदि किसी आवेदक ने छत्तीसगढ़ में स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर के रिक्ति के लिये आवेदन किया है, तो उसे केवल छत्तीसगढ़ के ही परीक्षा केन्द्र में लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होगा। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक बैंक/राज्य के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :—

एस.बी.आई. द्वारा परीक्षा दो चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) –

प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	
	योग	**100**	**100**	

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन) – एस.बी.आई. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	50	60	2.40 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	50	50	
4.	सामान्य सचेतता (विशेष बैंकिंग के क्षेत्र में)	50	50	
	योग	**190**	**200**	

टीप :–

लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। न्यूनतम अर्हक अंक बैंक द्वारा निर्धारित किया जाता है। अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त/भूतपूर्व सैनिक वर्ग के लिये न्यूनतम अर्हक अंक सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक से 5 प्रतिशत कम होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची **राज्य/बैंक वार** तैयार की जाती है।

टीप :–

लिखित परीक्षा के संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी आवेदकों को उनके बुलावा पत्र के साथ 'अक्वेंट योरसेल्फ' पुस्तिका में दी जाती है।

चयन विधि –

लिखित परीक्षा के कुल प्राप्त अंकों के आधार पर राज्य/बैंक तथा संवर्ग वार अलग–अलग वरीयता सूची तैयार करके चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य सचेतता – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभियोग्यता – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ङ) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– लिखित परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी आवेदक अपने बुलावा पत्र के साथ संलग्न 'अक्वेंट योरसेल्फ' पुस्तिका से प्राप्त कर सकते हैं।

टीप :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बैंकों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को राज्य/बैंक के नाम का उल्लेख करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/निःशक्त/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस. अग्रवाल, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या ई–मेल एड्रेस crpd@sbi.co.in से प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज करो

रमेश नाम का एक लकड़हारा एक कंपनी में 7 साल से काम कर रहा था, पर उसे कभी तरक्की नहीं मिली। उसी कंपनी में सुरेश नाम के एक और लकड़हारे को नौकरी पर रखा गया और उसे साल भर में ही तरक्की मिल गई। रमेश ने सुरेश को 1 साल के अंदर ही तरक्की दिये जाने का विरोध किया और उस बारे में बात करने के लिये अपने बॉस के पास गया। उसके बॉस ने जवाब दिया, ''तुम अब भी उतने ही पेड़ काटते हो जितने की 7 साल पहले काटते थे। हमारी कंपनी में नतीजे देखा जाता है। अगर तुम अधिक पेड़ काटने लगे तो हमें तुम्हारा वेतन बढ़ाकर खुशी होगी। रमेश वापस लौट आया। उसके बाद वह अधिक मेहनत से और ज्यादा देर तक पेड़ काटने लगा। इसके बावजूद भी वह ज्यादा पेड़ नहीं काट सका। उसने अपनी यह परेशानी बॉस को बतायी। बॉस ने उसे सुरेश से बात करने का सुझाव दिया। उसने कहा– शायद सुरेश को कुछ मालुम है जो मैं और तुम नहीं जानते। रमेश ने सुरेश से पुछा कि वह ज्यादा पेड़ कैसे काट लेता है। सुरेश ने जवाब दिया – मैं हर पेड़ काटने के बाद 5 मिनट के लिये काम रोक देता हूं और अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज करता हूँ। उसने पूछा कि तुमने अपने कुल्हाड़ी की धार आखिरी बार कब तेज की थी ?

रमेश निरूत्तर हो गया।

कैरियर में आगे बढ़ने के लिये पिछली शिक्षा और गौरव का ज्यादा महत्व नहीं होता है। हमें अपनी ज्ञानरूपी कुल्हाड़ी की धार लगातार तेज करते रहना चाहिये।

43. एस.बी.आई. में पी.ओ. भर्ती परीक्षा

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी.ओ.) नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। एस0बी0आई0 समय–समय पर विज्ञापन जारी करता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या www.statebankofindia.com में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक का अपना वैध ई–मेल पता होना अनिवार्य है, क्योंकि बुलावा पत्र/साक्षात्कार हेतु सुचना ई–मेल से ही भेजा जाता है।

परीक्षा में शामिल होने के लिये अवसरों की संख्या – सामान्य वर्ग के आवेदक अधिकतम 4 बार, अपिव तथा सामान्य (निःशक्त) आवेदक अधिकतम 7 बार लिखित परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अजा/अजजा के आवेदक के लिये लिखित परीक्षा में शामिल होने के अवसरों का कोई बंधन नहीं है।

परीक्षा योजना :–एस.बी.आई. द्वारा परीक्षा तीन चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा(मुख्य परीक्षा)(ऑनलाईन) एवं साक्षात्कार आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन)–प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	
	योग	**100**	**100**	

चरण – 2 (ऑनलाईन) – एस.बी.आई. द्वारा प्रथम चरण में 250 अंक की लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ तथा वर्णनात्मक) आयोजित की जाती है।

भाग –1 लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, जिसकी संरचना निम्नानुसार है

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति (उच्च स्तर) एवं कम्प्यूटर ज्ञान	45	60	60 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	35	40	40 मि.
3.	सामान्य सचेतता, विपणन कार्य में दक्षता/कम्प्यूटर ज्ञान	40	40	35 मि.
4.	संख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या	35	60	45 मि.
	योग	**155**	**200**	180 मि.

टीप :– **प्रारंभिक एवं लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।**

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। न्यूनतम अर्हक अंक बैंक द्वारा संवर्गवार अलग–अलग निर्धारित किया जाता है।

भाग –2 वर्णनात्मक परीक्षा – अंग्रेजी भाषा (निबंध, पत्र लेखन, संक्षेपण, व्याख्या आदि) का 50 अंक का वर्णनात्मक परीक्षा लिया जाता है। इसकी अवधि 30 मिनट होती है। उम्मीदवारों को इस परीक्षा में जवाब पेपर/पेन प्रकार से देना होता है। वर्णनात्मक परीक्षा में भी उत्तीर्ण होने के लिये अभ्यर्थी को बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

टीप :– **वर्णनात्मक परीक्षा के उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उन्हीं आवेदकों का किया जाता है, जो लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) के प्रत्येक भाग में अर्ह घोषित किये जाते हैं।**

चरण – 2 समूह परिचर्चा (20 अंक) तथा साक्षात्कार (30 अंक) –

रिक्त पदों की संख्या के आधार पर योग्यताक्रम में उच्च स्थान करने वालों में से निश्चित संख्या (रिक्त पदों की संख्या का अधिकतम 3 गुना) के आवेदकों को साक्षात्कार एवं समूह परिचर्चा के लिये बुलाया जाता है। आवेदकों को साक्षात्कार एवं समूह परिचर्चा में बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके प्रथम चरण (कुल पूर्णांक 250 अंक) के प्राप्तांक को 75 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा द्वितीय चरण (कुल पूर्णांक 50 अंक) के प्राप्तांक को 25 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची तैयार की जाती है।

कैरियर पाथ – प्रोबेशनरी अधिकारी दो वर्षों के लिये (परिवीक्षा) पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें गहन प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा अपनी परिवीक्षा/प्रशिक्षण अवधि की समाप्ति पर उन्हें (स्क्रीनिंग) प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। पूर्व निर्धारित मानदंड पूरा करने वाले प्रोबेशनरी अधिकारियों की सेवायें स्थायी की जायेगी तथा अगली उच्चतर श्रेणी अर्थात् मध्यक्रम प्रबंधन श्रेणी स्केल–2 में रखा जायेगा, जबकि परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परंतु मध्यक्रम प्रबंधन श्रेणी स्केल–2 के लिये निर्धारित मानदंड पूरा न करने वाले अन्य अधिकारियों की सेवायें कनिष्ठ स्केल–1 में स्थायी की जायेगी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने वाले प्रोबेशनरी अधिकारियों की सेवायें समाप्त की जायेगी।

बैंक विदेश में नियुक्ति के अवसरों सहित बैंक में आगे बढ़ने के अनेक अवसर उपलब्ध कराता है और बैंक की आकर्षक पदोन्नति नीति योग्य एवं प्रतिभावन अधिकारियों को काफी कम समय में शीर्ष प्रबंधन श्रेणी तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के उच्च स्तर के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य सचेतता, विपणन कार्य में दक्षता/कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं तथा विपणन एवं कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपर्युक्त प्रयोग, आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या करने की क्षमता से संबंधित उच्च स्तर के प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – एस.बी.आई. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/निःशक्त/भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड तथा साक्षात्कार में आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी

भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। BSC पब्लिकेशन की तर्कशक्ति एवं अरिहन्त पब्लिकेशन के सॉल्वड पेपर भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी एस.बी.आई. के वेबसाईट www.sbi.co.in या ई–मेल एड्रेस crpd@sbi.co.in से प्राप्त कर सकते हैं।

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है, जितना की सीखने की इच्छा ना रखना।
Being ignorant is not so much a shame as being unwilling to learn.
- Benjamin Franklin

44. आई.बी.पी.एस. संयुक्त क्लर्क ग्रेड परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 19 बैंकों के लिये क्लर्क ग्रेड की संयुक्त लिखित परीक्षा एवं संयुक्त साक्षात्कार आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

इलाहाबाद बैंक	कार्पोरेशन बैंक	सिंडिकेट बैंक
आन्ध्रा बैंक	देना बैंक	यूको बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा	इण्डियन बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन ओवरसीज बैंक	यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	ओरिएण्टल बैंक ऑफ कामर्श	विजया बैंक
केनरा बैंक	पंजाब नेशनल बैंक	
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	पंजाब एण्ड सिंध बैंक	

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के आवेदन पत्र प्रतिवर्ष सामान्यतः अगस्त/सितम्बर माह में आमंत्रित किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा में नवम्बर/दिसम्बर तथा मुख्य परीक्षा जनवरी/फरवरी में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. कम्प्यूटर ज्ञान – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।
3. आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के शासकीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये।
4. आयु सीमा – 20 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :—

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक राज्यों के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :— आई.बी.पी.एस. द्वारा परीक्षा दो चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) एवं लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) — प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है —

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	
	योग	**100**	**100**	

टीपः— प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक मात्र में IBPS द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है —

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	50	60	45 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	35 मि.
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	50	50	45 मि.
4.	सामान्य ज्ञान (विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर के संबंध में)	50	50	35 मि.
	योग	**190**	**200**	160 मि.

टीप :— मुख्य परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को परसेन्टाइल विधि तथा रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची **राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार** तैयार की जाती है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके सिर्फ मुख्य परीक्षा (कुल पूर्णांक 200 अंक) के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग–अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

मुख्य परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ङ) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/निःशक्त/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः— 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का उल्लेख करते हुये बैंकों के नाम के संबंध में वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :—

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई—मेलएड्रेस clerk@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

Confidance and Hard-Work is the best medicine to kill the disease called failure.

It will make you a successful person.

–Dr. APJ Abdul Kalam

45. आई.बी.पी.एस. संयुक्त पी.ओ. परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 19 बैंकों के लिये पी.ओ./प्रबंधक प्रशिक्षु पदों के लिये संयुक्त लिखित परीक्षा आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

इलाहाबाद बैंक	कार्पोरेशन बैंक	सिंडिकेट बैंक
आन्ध्रा बैंक	देना बैंक	यूको बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा	इण्डियन बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन ओवरसीज बैंक	यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	ओरिएण्टल बैंक ऑफ कामर्श	विजया बैंक
केनरा बैंक	पंजाब नेशनल बैंक	
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	पंजाब एण्ड सिंध बैंक	

आई.बी.पी.एस. के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के स्कोर कार्ड के आधार पर ही निजी क्षेत्र के आई.डी.बी.आई. बैंक द्वारा भी अपने एण्ट्री लेवल ऑफिसर की नियुक्ति की जाती है।

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है। इसके लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जुलाई/अगस्त में जारी होता है। प्रारंभिक परीक्षा सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर में, मुख्य परीक्षा नवम्बर/दिसम्बर में तथा साक्षात्कार जनवरी/फरवरी में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा 60 प्रतिशत अंक (अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों के लिये 55 प्रतिशत) से उत्तीर्ण होना आवश्यक है, जो आवेदक स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा दिला चुके हो वे भी आवेदन कर सकते हैं।
2. कम्प्यूटर ज्ञान – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फर्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।
3. आयु सीमा – 20 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :-

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :- आई.बी.पी.एस. द्वारा परीक्षा तीन चरणों में क्रमशः प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन), लिखित परीक्षा (मुख्य परीक्षा) (ऑनलाईन) एवं साक्षात्कार आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा (ऑनलाईन) – प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है। यह एक स्क्रीनिंग परीक्षा है तथा इसके अंक अंतिम वरीयता सूची बनाने में नहीं जोड़े जाते हैं।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	
	योग	**100**	**100**	

टीपः- प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक मात्र में IBPS द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा (ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति एवं कम्प्यूटर ज्ञान	45	60	60 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	35	40	40 मि.
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	35	60	45 मि.
4.	सामान्य ज्ञान (विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर के संबंध में)	40	40	35 मि.
	योग	**155**	**200**	180 मि.
5.	**अंग्रेजी (पत्र लेखन एवं निबंध)**	02	25	30 मि.

टीप :— लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। जो आवेदक वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षा के प्रत्येक भाग में उत्तीर्ण घोषित किये जाते हैं, उनके ही अंग्रेजी के वर्णात्मक पेपर का मूल्यांकन किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता — आवेदक द्वारा प्रारंभिक परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता तैयार की जाती है।

साक्षात्कार — लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संयुक्त साक्षात्कार आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित किया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों 40 अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिये 35 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची — जो आवेदक चरण—1 एवं चरण—2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते है उनके लिखित परीक्षा (कुल पूर्णांक 225 अंक) के प्राप्तांक को 80 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा द्वितीय चरण (कुल पूर्णांक 100 अंक) के प्राप्तांक को 20 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग—अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :—

मुख्य परीक्षा — (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति — इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी — इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/निःशक्त/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। BSC पब्लिकेशन की तर्कशक्ति एवं अरिहन्त पब्लिकेशन के सॉल्वड पेपर भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :–आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेल एड्रेस common@ipbsorg.org से प्राप्त कर सकते हैं।

महानता कभी नहीं गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
Our greatest glory is not in never falling, but in rising every time we fall.

- Confucius

46. आई.बी.पी.एस. संयुक्त विशिष्ट अधिकारी चयन परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष निम्न 20 बैंकों के लिये विशिष्ट अधिकारी (आई.टी. अधिकारी, कृषि क्षेत्र अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, विधि अधिकारी, तकनीकी अधिकारी, एच.आर. अधिकारी, विपणन अधिकारी, सी.ए, वित्तीय कार्यकारी अधिकारी आदि) के लिये संयुक्त लिखित परीक्षा एवं संयुक्त साक्षात्कार आयोजित करता है –

बैंकों के नाम – (जिनके लिये आई.बी.पी.एस. संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है)

इलाहाबाद बैंक	कार्पोरेशन बैंक	पंजाब एण्ड सिंध बैंक
आन्ध्रा बैंक	देना बैंक	सिंडिकेट बैंक
बैंक ऑफ बड़ौदा	विजया बैंक	यूको बैंक
बैंक ऑफ इण्डिया	इण्डियन बैंक	यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	इण्डियन ओवरसीज बैंक	यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया
केनरा बैंक	ओरिएण्टल बैंक ऑफ कामर्श	आई.डी.बी.आई.
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	पंजाब नेशनल बैंक	

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इसके लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः नवम्बर/दिसम्बर में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा जनवरी/फरवरी तथा साक्षात्कार सामान्यतः मार्च/अप्रैल में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. विभिन्न पदों के लिये, पदों की प्रवृत्ति के आधार पर अलग–अलग शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है। सामान्यतः आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। राजभाषा अधिकारी के लिये हिन्दी या संस्कृत में स्नातकोत्तर, विपणन अधिकारी एवं वित्तीय कार्यकारी अधिकारी के लिये एम.बी.ए. या पी.जी.डी.बी.एम. तथा चार्टर्ड एकाउण्टेंट पद के लिये सी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विधि अधिकारी एवं वित्तीय कार्यकारी अधिकारी पद के लिये संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष तक अनुभव भी अनिवार्य होता है।

2. कम्प्यूटर ज्ञान – तकनीकी अधिकारी पद को छोड़कर अन्य सभी पदों के लिये आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।

3. **आयु सीमा** – विभिन्न पदों के लिये आयु सीमा भिन्न–भिन्न है। अधिकतर पदों के लिये आयु सीमा 20 वर्ष से 35 वर्ष तक है। वित्तीय कार्यकारी अधिकारी के लिये आयु सीमा 25 वर्ष से 35 वर्ष होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती हैं।

आवेदन प्रक्रिया :– आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक सिर्फ किसी एक ही पद के लिये आवेदन कर सकता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक पदों के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– (सिर्फ ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना **विधि अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी के लिये** निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	50	*	30 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	50	*	25 मि.
3.	सामान्य ज्ञान (विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर के संबंध में)	50	*	30 मि.
4.	विषय से संबंधित ज्ञान	50	80	35 मि.
	योग	**200**	**80**	120 मि.

टीपः– तर्कशक्ति, अंग्रेजी एवं सामान्य ज्ञान भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इनके अंक अंतिम वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।

- **आई.टी. अधिकारी, तकनीकी अधिकारी, कृषि क्षेत्र अधिकारी एच.आर. अधिकारी, विपणन अधिकारी, सी.ए, वित्तीय कार्यकारी अधिकारी के पदों लिये परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होता है –**

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	50	*	30 मि.
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	50	*	25 मि.
3.	संख्यात्मक अभिरूचि	50	*	30 मि.
4.	विषय से संबंधित ज्ञान	50	80	35 मि.
	योग	**200**	**80**	120 मि.

टीप :– 1. तर्कशक्ति अंग्रेजी एवं सामान्य ज्ञान भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इनके अंक अंतिम वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।

2 लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा लिखित परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को परसेन्टाइल विधि तथा रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची पदवार तैयार की जाती है।

साक्षात्कार – लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संयुक्त साक्षात्कार आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित किया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदकों 40 अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिये 35 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

अंतिम चयन सूची – जो आवेदक चरण–1 एवं चरण–2 दोनों परीक्षा में पात्र घोषित किये जाते हैं, उनके प्रथम चरण (कुल पूर्णांक 80 अंक) के प्राप्तांक को 80 प्रतिशत भारांश देते हुये तथा द्वितीय चरण (कुल पूर्णांक 100 अंक) के प्राप्तांक को 20 प्रतिशत भारांश देते हुये इस प्रकार कुल 100 अंक में आवेदकों के प्राप्तांक के आधार पर अंतिम वरीयता सूची राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश वार अलग–अलग तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के उल्लेखित बैंकों की वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक बैंक में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है। आवेदक जिस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में कार्य करने का इच्छुक होता है, उसे उसी राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के परीक्षा केन्द्र से लिखित परीक्षा दिलाना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) विषय से संबंधित ज्ञान – विषय से संबंधित ज्ञान पद के अनुसार स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर का होता है।

टीप :– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

टीपः— 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को पद का नाम उल्लेख करते हुये बैंकों के नाम के संबंध में वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। आवेदक सिर्फ एक ही पद के लिये आवेदन कर सकता है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। BSC पब्लिकेशन की तर्कशक्ति एवं अरिहन्त पब्लिकेशन के सॉल्वड पेपर भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :—आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई—मेल एड्रेस spl@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है।

A man is build the product of his thoughts what he thinks, he becomes .

- Mahatma Gandhi

47. आई.बी.पी.एस., क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में अधिकारी (स्केल I, II, III) तथा कार्यालय सहायकों (बहुद्‌देशीय) के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा

आई.बी.पी.एस. (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन) भारतीय बैंकिंग एसोशियेशन (आई.बी.ए) द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वायत्त संस्था है, जो प्रतिवर्ष देश के सभी राज्यों के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के लिए अधिकारी (स्केल I, II, III) तथा कार्यालय सहायकों (बहुद्‌देशीय) के लिए सयुक्त सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन करता है। अधिकारियों एवं कार्यालय सहायकों की भर्ती के लिए सामान्य परीक्षा की यह प्रणाली भारत सरकार द्वारा अनुमोदित की गई है तथा नाबार्ड द्वारा अधिसूचित की गई है और इसे प्रत्येक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अधिदेश प्राप्त है। इस संयुक्त परीक्षा के लिए विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जून/जुलाई माह में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा अगस्त/सितम्बर में तथा लिखित परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर में रायपुर, बिलासपुर और भिलाई सहित देश के विभिन्न शहरों में ऑनलाईन आयोजित की जाती है। **वर्तमान में इस परीक्षा के माध्यम से देश भर के 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अपने संस्थानों में भर्ती की कार्यवाही करते है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक भी शामिल है।**

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको में नियुक्ति के लिए IBPS सिर्फ परीक्षा संचालन एजेंसी है। अंतिम भर्ती प्रत्येक भागीदार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक द्वारा अपने स्तर पर स्वतंत्र रूप से पृथक भर्ती अधिसूचना जारी करके की जाती है, जिसमें संबंधित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपेक्षित विनिर्दिष्ट रिक्तियाँ पात्रता मापदण्ड आदि का उल्लेख होता है। IBPS द्वारा आयोजित सामान्य लिखित परीक्षा (CWE) में उत्तीर्ण घोषित आवेदक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में आवेदन कर सकते है। **जब कभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक साक्षात्कार के लिए विज्ञापन जारी करते है तो इस प्रकार के CWE उत्तीर्ण आवेदकों को आवेदन करना अनिवार्य होता है। साक्षात्कार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपने स्तर पर आयोजित किया जाता है। CWE के स्कोर सहकारी बैंको और अन्य संगठनों द्वारा भी अपने भर्ती के लिए प्रयोग किया जाता है।**

आवश्यक अर्हता :–

क्र	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	अनुभव	आयु सीमा
1	कार्यालय सहायक (बहुद्‌देशीय)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण 2. (क) स्थानीय भाषा में दक्षता (ख) वांछनीय कम्प्यूटर कौशलों का ज्ञान	–	18 से 28 वर्ष
2	अधिकारी (स्केल I)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से	–	21 से 40 वर्ष

		स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण 2. (क) स्थानीय भाषा में दक्षता (ख) वांछनीय कम्प्यूटर कौशलों का ज्ञान		
3	अधिकारी (स्केल II) सामान्य बैंकिंग	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी के तौर पर दो वर्ष का कार्यानुभव	21 से 32 वर्ष
4	अधिकारी (स्केल II) विशेषज्ञ	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित विशेषज्ञता के क्षेत्र में स्नातकोत्तर	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी के तौर पर एक वर्ष का कार्यानुभव	21 से 32 वर्ष
5	अधिकारी (स्केल III)	1. किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	बैंक/वित्तीय संस्थान मे अधिकारी के तौर पर पांच वर्ष का कार्यानुभव	21 से 28 वर्ष

टीप 1. भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

2. कम्प्यूटर ज्ञान (कार्यालय सहायक बहुद्देशीय एवं अधिकारी स्केल–I के लिए) – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है, इसके लिये आवेदक के पास कम्प्यूटर ऑपरेशन/लेंग्वेज से संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री होना चाहिये या आवेदक ने हाई स्कूल या कालेज में कम्प्यूटर/इन्फर्मेशन टेक्नालॉजी की पढ़ाई एक विषय के रूप में किया हो।

3. भाषा क्षमता (कार्यालय सहायक बहुद्देशीय एवं अधिकारी स्केल–I के लिए) – आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के क्षेत्रीय ग्रामीण बैक में साक्षात्कार के लिए आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के स्थानीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये। स्थानीय भाषा में दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आवेदक के पास निम्न में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए :– दसवीं स्तर पर स्थानीय भाषा या दसवीं स्तर पर मातृ भाषा या स्नातक स्तर पर किसी भी स्तर पर स्थानीय भाषा

अधिकारी स्केल – II एवं III के लिए कम्प्यूटर ज्ञान एवं भाषा दक्षता की शर्त लागू नहीं होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को

आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। आवेदक एक साथ कार्यालय सहायक (बहुददेशीय) और अधिकारी सवंर्ग के किसी एक स्केल (स्केल I या II या III) के लिए आवेदन कर सकता है। आवेदक को प्रत्येक आवेदित पद के लिए पृथक–पृथक आवेदन करना होता है तथा उसे उसके लिए पृथक पृथक आवेदन शुल्क का भी भुगतान करना होता है।

परीक्षा योजना :– (सिर्फ ऑनलाईन)

आई.बी.पी.एस. द्वारा लिखित परीक्षा के लिए पूरे देश के राज्यों को तीन समूहों क, ख एवं ग में विभाजित किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य अन्य हिन्दी भाषी राज्यों के साथ **''क''** श्रेणी के राज्य में शामिल है। **''क''** श्रेणी के राज्यों क लिए आयोजित होने वाली ऑनलाईन परीक्षा की योजना निम्नानुसार है –

(A) प्रारंभिक परीक्षा (सिर्फ ऑनलाईन, सिर्फ कार्यालय सहायक (बहुद्देशीय) एवं अधिकारी स्केल–I के लिए)

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	तर्कशक्ति	40	40	45 मि.
2.	संख्यात्मक/मात्रात्मक अभिरूचि	40	40	
योगः–		80	80	45 मि.

टीपः– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

(B) **मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ एवं सभी पदों के लिए)**

1. कार्यालय सहायक (बहुद्देशीय) एवं अधिकारी स्केल–I के लिए परीक्षा योजना

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	तर्कशक्ति	40	50	2 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	संख्यात्मक एवं मात्रात्मक अभिरूचि	40	50	
4.	सामान्य जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
	योग	**200**	**200**	

2. अधिकारी स्केल–II (सामान्य बैंकिंग) एवं स्केल III के लिए परीक्षा योजना

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	तर्कशक्ति	40	50	2 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	मात्रात्मक एवं डाटा इंटर प्रिटेशन	40	50	
4.	वित्तीय जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
	योग	**200**	**200**	

3. अधिकारी स्केल–II (विशेषज्ञ संवर्ग) के लिए परीक्षा योजना

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	40	40	2 घंटा 30 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	20	
3.	मात्रात्मक एवं डाटा इंटर प्रिटेशन	40	40	
4.	वित्तीय जागरूकता	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	20	
6	व्यवसायिक जानकारी	40	40	
	योग	**240**	**200**	

टीप :– **लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।**

लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – आवेदक द्वारा लिखित परीक्षा के विभिन्न भागों में अर्जित किये गये अंकों को परसेन्टाइल विधि तथा रेखीय रूपांतरण विधि से मानक रूप में तैयार किया जाता है।

प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से एक चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये यह अर्हक अंक उनके औसत अंक से तीन चौथाई मानक विचलन तक का अंक होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, **सिर्फ** उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

साक्षात्कार – लिखित परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का साक्षात्कार संबंधित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको द्वारा अपने स्तर पर लिया जाता है। साक्षात्कार हेतु उनके द्वारा पृथक से अधिसूचना जारी की जाती है।

अंतिम चयन सूची – अंतिम चयन सूची लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के प्राप्तांको के आधार पर तैयार की जाती है।

CWE स्कोर की वैधता :– IBPS द्वारा जारी किये गये CWE स्कोर उसके जारी होने के तारीख से एक वर्ष तक वैध रहता है। इस अवधि में आवेदक विभिन्न क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के लिए आवेदन कर सकता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – आई.बी.पी.एस. द्वारा अजा/अजजा/अल्पसंख्यक/निःशक्त/ भूतपूर्व सैनिक आदि के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। व्यवसायिक जानकारी के लिए योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिका एवं इकोनामिक्स टाईम्स का अध्ययन लाभदायक है।

संपर्क :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आई.बी.पी.एस. के वेबसाईट www.ibps.in या ई–मेलएड्रेस ibpsr@ipbs.in से प्राप्त कर सकते हैं।

यदि लोग आपको तय किये गये लक्ष्य पर हँस नहीं रहे है तो उसका तात्पर्य यही है कि आपका लक्ष्य बहुत छोटा है।

– अजीम प्रेमजी

48. भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी ग्रेड–बी भर्ती परीक्षा

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने 17 क्षेत्रीय कार्यालयों में अधिकारी ग्रेड–बी की नियुक्ति के लिये प्रतिवर्ष लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसके लिए विज्ञापन सामान्यतः मई/जून में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है तथा प्रथम चरण की परीक्षा जुलाई/अगस्त में रायपुर, भिलाई सहित देश के प्रमुख शहरों में ऑनलाईन आयोजित की जाती है। लिखित परीक्षा के प्रथम चरण में सफल आवेदकों के लिए द्वितीय चरण की परीक्षा सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर में आयोजित किया जाता है। द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कोई परीक्षा केन्द्र नहीं है, छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिए निकटतम परीक्षा केन्द्र नागपुर में है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से या स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा 55 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों के लिये उपरोक्त परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

अवसरों की संख्या :– सामान्य वर्ग के आवेदक अधिकतम चार बार यह परीक्षा दिला सकते है। अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों के लिए ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है, यदि उनके लिए पद आरक्षित है।

परीक्षा योजना :–

यह परीक्षा निम्न तीन चरणों मं संपन्न होती है –

1. चरण–1 (ऑनलाईन परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार)

2. चरण–2 (लिखित परीक्षा वर्णानत्मक स्वरूप)

3. चरण–3 साक्षात्कार

चरण – 1 (ऑनलाईन परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार) :–

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चरण एक की परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	60	60	120 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	30	30	
4.	सामान्य जागरूकता	80	80	
	योग	**200**	**200**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

लिखित परीक्षा चरण–1 उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता – लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में आवेदक को बैंक द्वारा अलग–अलग निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है। इस परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी सूचना हेंडआउट में दी जाती है जिसे आवेदक अपने प्रवेश पत्र के साथ भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट से डाउनलोड कर सकता है।

चरण–2 (लिखित परीक्षा वर्णानात्मक स्वरूप) लिखित परीक्षा चरण–1 में उत्तीर्ण घोषित किये गये आवेदकों के लिए चरण–2 की परीक्षा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है :–

क्र.	विषय का नाम	अधिकतम अंक	अवधि
1.	प्रश्न पत्र – 1 अंग्रेजी	100	90 मि.
2.	प्रश्न पत्र – 2 आर्थिक और सामाजिक मुद्दे	100	90 मि.
3.	प्रश्न पत्र – 3 वित्त और प्रबंधन	100	90 मि.
	योग	**300**	

चरण – 2 के प्रत्येक प्रश्न पत्र में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है । इस चरण के प्रश्न वर्णानत्मक स्वरूप के होते है तथा विगत वर्षों के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.rbi.org.in में उपलब्ध है।

चरण–3 साक्षात्कार :– लिखित परीक्षा के सिर्फ चरण–2 के तीनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार 50 अंक का होता है। साक्षात्कार में आवेदकों को न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार साक्षात्कार हिन्दी या अंग्रेजी में दे सकता है।

चयन विधि – लिखित परीक्षा चरण – 2 (300 अंक) एवं साक्षात्कार (50 अंक) के कुल प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार करके अंतिम चयन सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा चरण–2 प्रश्न पत्र – 1 :– अंग्रेजी – इस प्रश्न पत्र में अंग्रेजी में एक निबंध लिखना होता है तथा Precis writing, Comprehension **तथा** Business/Office Correspondence **से संबंधित प्रश्न होते है।**

प्रश्न पत्र – 2 :– आर्थिक एवं सामजिक मुद्दे, प्रश्न पत्र – 3 वित्त और प्रबंधन :– इन प्रश्न पत्रों का पाठ्यक्रम किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक के पाठ्यक्रम से थोड़े उच्च्व स्तर का तथा स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम से थोड़े नीचे स्तर का होता है।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अजा/अजजा/निःशक्त के आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। छत्तीसगढ़ भारतीय रिजर्व बैंक के पश्चिम जोन के अंतर्गत आता है तथा यहॉ के आवेदक भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। व्यवसायिक जानकारी के लिए योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिका एवं इकोनामिक्स टाईम्स का अध्ययन लाभदायक है। आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दे एवं वित्त और प्रबंधन के लिए भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in भारतीय रिजर्व बैंक के रिपोर्ट एवं NCERT के कक्षा नवमीं से बारहवीं तक के अर्थशास्त्र की पुस्तकें तथा प्रतियोगिता दर्पण का अर्थशास्त्र का अतिरिक्तांक लाभदायक है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

नर हो, न निराश करों मन को
कुछ काम करों, कुछ काम करों
जग में रहकर कुछ नाम करों
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहों,
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो,
कुछ तो उपयुक्त करों तन को
नर हो न निराश करों मन को।।
निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ है यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे
कुछ न तजो निज साधन को
नर हो न निराश करों मन को।।
– मैथिलीशरण गुप्त

49. भारतीय रिजर्व बैंक में सहायक भर्ती परीक्षा

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने 17 क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायकों की नियुक्ति के लिये बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई सहित देश के प्रमुख शहरों में एक ही दिन लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा के लिए आवेदन पत्र सामान्यतः जुलाई/अगस्त माह में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों के लिये यह परीक्षा सिर्फ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. कम्प्यूटर ज्ञान – आवेदक को कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम का ज्ञान होना अनिवार्य है।
3. आवेदक जिस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के लिये आवेदन कर रहा है, उसे उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के शासकीय भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है, यथा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये आवेदन करने वाले आवेदक को हिन्दी भाषा का ज्ञान होना चाहिये।
4. आयु सीमा – 18 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में अपने द्वारा चुने गये कार्यालय का नाम उल्लेखित करना अनिवार्य होता है। यदि किसी आवेदक ने एक से अधिक कार्यालय के लिये आवेदन किया है, तो उसके आवेदन निरस्त कर दिये जाते हैं।

परीक्षा योजना :– यह परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है।

प्रारंभिक परीक्षा (सिर्फ ऑनलाईन) प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाईन आयोजित किया जाता है।

परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	35	35	1 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	30	30	
3.	संख्यात्मक अभियोग्यता	35	35	
	योग	**100**	**100**	

टीप :–प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक मात्र में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। गलत उत्तर पर 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षाः—

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है —

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तकशक्ति	40	40	2 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	40	40	
3.	संख्यात्मक अभिरूचित	40	40	
4.	सामान्य ज्ञान	40	40	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	40	40	
	योग	**200**	**200**	

टीप :— मुख्य परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण होने के न्यूनतम अर्हता — मुख्य परीक्षा के प्रत्येक भाग में आवेदक को बैंक द्वारा अलग—अलग निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जो अभ्यर्थी परीक्षा के प्रत्येक भाग में यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते हैं, सिर्फ उन्हीं की कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची कार्यालय वार तैयार की जाती है।

साक्षात्कार — मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संयुक्त साक्षात्कार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित किया जाता है। साक्षात्कार 35 अंक का होता है।

चयन विधि — प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के कुल अंकों (अंक 335) के प्राप्तांक के आधार पर कार्यालय वार अलग—अलग वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा आवेदकों द्वारा अपने आवेदन पत्र में कार्यालय के उल्लेखित वरीयता के आधार पर उन्हें कम्प्यूटराईज्ड विधि से किसी एक कार्यालय में नियुक्ति आदेश प्रदान किया जाता है।

पाठ्यक्रम :—

मुख्य परीक्षा — (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति — इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी — इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि — इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान — इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

टीपः– आवेदक पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट के Information Handout से प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अजा/अजजा/निःशक्त के आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। छत्तीसगढ़ भारतीय रिजर्व बैंक के पश्चिम जोन के अंतर्गत आता है तथा यहाँ के आवेदक भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही साक्षात्कार के लिये पात्र होते हैं। प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये आवेदक को नियमानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना होना है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा विपणन कार्य में दक्षता एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के वेबसाईट www.rbi.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

आशावादी व्यक्ति प्रत्येक खतरे में अवसर देखता है जबकि निराशावादी व्यक्ति प्रत्येक अवसर में खतरा देखता है।
The Optimist sees opportunity in every danger, the pessimist sees danger in every opportunity.

- Wiston Churchill

50. साधारण बीमा निगम में सहायक प्रबंधक संयुक्त भर्ती परीक्षा

साधारण बीमा निगम द्वारा अपने मुंबई स्थित मुख्यालय एवं देश/विदेश में स्थित कार्यालयों के लिये सहायक प्रबंधक (स्केल–I) पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता एवं चेन्नई में एक साथ आयोजित किया जाता है। इस संयुक्त भर्ती परीक्षा में सामान्य सहायक प्रबंधक पद के साथ–साथ विधि विशेषज्ञ, कृषि एवं उद्यानिकी, सिविल इंजीनियर, एमबीबीएस, सी.ए. आदि के लिए विशिष्ट सहायक प्रबंधक का पदों पर नियुक्ति की कार्यवाही की जाती है।

आवश्यक अर्हता :–

सामान्य सहायक प्रबंधक एवं विशिष्ट सहायक प्रबंधक पदों के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार हैः–

क्र.	शाखा (Stream)	आवश्यक शैक्षणिक अर्हता	रिमार्क
01	सामान्य	किसी भी विषय में स्नातक	सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत एवं अ.जा./अ.ज.जा. के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।
02	विधि	एल.एल.बी./बी.एल.	
03	कृषि/उद्यानिकी	बी.एस.सी. (कृषि)/ बी.एस.सी. (उद्यानिकी)	
04	सिविल इंजीनियर	बी.ई. (सिविल)	
05	आई.टी.	बी.ई./बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस/आई.टी.)/एम.सी.ए.	
06	चार्टड एकाउंटेंट	सी.ए./आईसीडब्ल्यूडी	
07	मेडिकल	एम.बी.बी.एस.	

आयु सीमाः– 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट के बाद भी आवेदक की आयु 45 वर्ष से अधिक नही होनी चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

साधारण बीमा निगम के वेबसाईट www.gicofindia.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक सिर्फ एक शाखा (Stream) के लिए ही आवेदन कर सकता है। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है।

परीक्षा योजना :– आवेदकों का चयन के लिए परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती हैः–

1. **लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)**
2. **समूह चर्चा (जी.डी.)**
3. **साक्षात्कार**

1. लिखित परीक्षा (ऑनलाईन)

साधारण बीमा निगम द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

अ. सामान्य शाखा के आवेदकों के लिए :– (General Stream Candidate)

क्र.	भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक (वस्तुनिष्ठ)	उच्च तार्किक योग्यता	40	40	30 मिनट
2.	भाग–दो (वस्तुनिष्ठ)	तार्किक योग्यता	20	20	60 मिनट
		सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	20	20	
		कम्प्यूटर ज्ञान एवं संख्यात्मक योग्यता	20	20	
		अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	20	20	
3	भाग–तीन (विवरणात्मक)	अंग्रेजी भाषा में निबंध लेखन, सारांश लेखन एवं अनुच्छेद	03	30	60 मिनट
	योग		**123**	**150**	

ब. विशिष्ट शाखा के आवेदकों के लिए :– (Specialists Stream Candidate)

क्र.	भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक (वस्तुनिष्ठ)	संबंधित विषय का तकनीकी एवं व्यावसायिक ज्ञान	40	40	30 मिनट
2.	भाग–दो (वस्तुनिष्ठ)	तार्किक योग्यता	20	20	60 मिनट
		सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	20	20	
		कम्प्यूटर ज्ञान एवं संख्यात्मक योग्यता	20	20	
		अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	20	20	
3	भाग–तीन (विवरणात्मक)	अंग्रेजी भाषा में निबंध लेखन, सारांश लेखन एवं अनुच्छेद	03	30	60 मिनट
	योग		**123**	**150**	

टीप :– **1. लिखित परीक्षा में भाग–एक और भाग–दो में गलत उत्तर के लिये 1/4 नकारात्मक अंक दिया जाता है।**

2. अंग्रेजी विषय से संबंधित भाग–तीन का प्रश्न भी ऑनलाईन होता है। आवेदकों को निबंध, सारांश, अनुच्छेद ऑनलाईन ही टाईप करना होता है।

3. लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 60 प्रतिशत एवं अ.ज.जा/अ.जा. के आवेदकों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

साक्षात्कार एवं समूह वार्ता (जी.डी.) –

ऑनलाईन परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चुने हुये उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार एवं समूह वार्ता के लिये बुलाया जाता है, इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। समूह वार्ता 20 अंक का एवं साक्षात्कार 30 अंक का होता है। उम्मीदवारों को समूह वार्ता एवं साक्षात्कार में न्यूनतम अर्हक अंक 60 प्रतिशत (अ.ज.जा./अ.जा. के लिए 50 प्रतिशत अंक)प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन विधि –

ऑनलाईन लिखित परीक्षा, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है। नियुक्ति उपरांत उन्हें इन्शयूरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित Non-life "Licentitate Examination" को पास करना अनिवार्य होता है। चयनित आवेदकों को साधारण बीमा निगम में कम से कम चार वर्ष कार्य करने का अनुबंध पत्र भी भरना होता है।

परिलब्धियॉ, सेवा शर्ते एवं परिवीक्षा अवधि –

वेतनमान रू. 32795–1610 (14)–55335–17454 (4) – 62315 में मूलवेतन 49500 रू. /– प्रतिमाह तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

साधारण बीमा निगम के प्रभावी शर्तें चयनित आवेदकों पर लागू होते हैं तथा चयन उपरांत वे भारत एवं विदेशों में कहीं भी नियुक्त किये जा सकते है।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – साधारण बीमा निगम द्वारा अजजा/अजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों के लिये देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण ऑनलाईन दिया जाता है।

विस्तृत जानकारी :–

आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी साधारण बीमा निगम के वेबसाईट www.gicofindia.in से प्राप्त कर सकते हैं।

51. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.टी.ई.टी.)

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के धारा 23 (1) के अनुसार कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के पात्रता हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा न्यूनतम योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। इन न्यूनतम योग्यताओं में अकादमिक एवं व्यावसायिक योग्यता के साथ–साथ प्रतिभागियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण करना अनिवार्य घोषित किया गया है। इसी आधार पर सी.बी.एस.ई. द्वारा केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष दो बार जनवरी/फरवरी तथा अगस्त/सितम्बर में रायपुर सहित पूरे देश में आयोजित किया जाता है। इस परीक्षा का विज्ञापन प्रतिवर्ष सितम्बर/अक्टूबर तथा जून/जुलाई माह में रोजगार समाचार में प्रकाशित होता है।

आवश्यक अर्हता :– प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापन हेतु अलग–अलग पात्रता परीक्षा देना होता है, इन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम अर्हता निम्नानुसार है –

(अ) कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक अध्यापन हेतु – किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) **अथवा** स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो)

(ब) कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु – स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) **अथवा** न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक तथा 1 वर्षीय बी.एड.।

आवेदन प्रक्रिया :– सी.बी.एस.ई. के वेबसाईट www.cbsc.nic.in या www.ctet.nic.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के बाद सी.बी.एस.ई. आवेदक को एक पंजीयन क्रमांक तथा आवेदन की पावती ऑनलाईन देता है। इस पावती एवं पंजीयन क्रमांक को निर्धारित परीक्षा शुल्क के डिमांड ड्राफ्ट एवं अन्य सहपत्रों सहित आवेदक को रजिस्टर्ड या स्पीड पोस्ट से सी.बी.एस.ई. के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में भेजना होता है।

परीक्षा योजना :–

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं तथा इसमें गलत उत्तर देने पर नकारात्मक अंक नहीं दिये जाते हैं।

2. शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल दो प्रश्न पत्र होते हैं। प्रथम पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं, जबकि द्वितीय पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं।

टीप – निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी दोनों प्रश्न पत्र दिला सकते हैं।

प्रथम पेपर (कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) सभी भाग अनिवार्य –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी)	30	30	
4.	गणित	30	30	
5.	पर्यावरण अध्ययन	30	30	
	योग	**150**	**150**	

द्वितीय पेपर (कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी (अनिवार्य)	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी) (अनिवार्य)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी) (अनिवार्य)	30	30	
4.	विषय आधारित परीक्षा (इनमें से कोई एक)			
	4.1 विज्ञान एवं गणित विषय शिक्षक	60	60	
	4.2 सामाजिक अध्ययन विषयक शिक्षक	60	60	
	4.3 अन्य कोई विषय शिक्षक	4.1 या 4.2 में से कोई भी		
	योग	**150**	**150**	

प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम –

प्रथम पेपर कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 6 वर्ष से 11 वर्ष तक के बच्चों की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. गणित – गणित के प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है।

5. पर्यावरण अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े कक्षा बारहवीं तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

द्वितीय पेपर कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 11 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों तक की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. अन्य विषय– 4.1 विज्ञान एवं गणित – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4.2 सामाजिक अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

विशेष टीप – 1. यह परीक्षा शिक्षकों के नियुक्ति के लिये केवल अर्हता होता है, इसे शिक्षकीय पद पर नियुक्ति हेतु आदेश नहीं माना जा सकता है।

2. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत तथा अजा/अजजा/अपिव अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिये पात्रता की वैधता अधिकतम 7 वर्ष के लिये होता है।

4. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने अंक सुधार के लिये आगामी परीक्षा में पुनः शामिल हो सकता है।

5. इस परीक्षा में प्राप्त अंक शिक्षक चयन के प्रक्रिया में अधिभार के रूप में गणना में उपयोग में लाया जाता है।

6. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक भारत सरकार के सभी स्कूलों यथा केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय तिब्बतियन विद्यालय के साथ–साथ सभी केन्द्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के लिये पात्र होते हैं। अपने राज्य में राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन न करने की स्थिति में राज्य सरकारें भी अपने स्कूलों में केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अध्यापक के रूप में नियुक्ति प्रदान कर सकती हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस परीक्षा की तैयारी हेतु बाल विकास एवं पेडागॉजी प्रश्न पत्र के लिए दिशा प्रकाशन एवं शालिनी पंजाबी की पुस्तक तथा विभिन्न विषयों के लिए NCERT की पहली से दसवीं तक की पुस्तक तथा अरिहन्त प्रकाशन एवं दिशा प्रकाशन की पुस्तकें लाभकारी हो सकती है। विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट ctet@cbse.gov.in में से प्राप्त कर सकते है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक सी.बी.एस.ई. के ई–मेल एड्रेस ctet@cbse.gov.in से संपर्क कर सकते हैं या इसकी वेबसाईट www.cbsc.nic.in या www.ctet.nic.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

52. छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.जी.टी.ई.टी.)

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के धारा 23 (1) के अनुसार कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक में अध्यापक के रूप में नियुक्ति के पात्रता हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा न्यूनतम योग्यताएँ निर्धारित की गई हैं। इन न्यूनतम योग्यताओं में अकादमिक एवं व्यावसायिक योग्यता के साथ–साथ प्रतिभागियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण करना अनिवार्य घोषित किया गया है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2011 का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा जनवरी 2012 में एवं मई 2016 में किया गया था।

आवश्यक अर्हता :–

छत्तीसगढ़ राज्य में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापन हेतु अलग–अलग पात्रता परीक्षा देना होता है, इन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम अर्हता निम्नानुसार है –

(अ) कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक अध्यापन हेतु – किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) **अथवा** स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो)

(ब) कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु – स्नातक तथा प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो) **अथवा** न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक तथा 1 वर्षीय बी.एड.

आवेदन प्रक्रिया :–

अभ्यर्थी को आवेदन पत्र व्यापम के वेबसाईट www.cgvyapam.choice.in पर ऑनलाईन करना होता है। ऑफलाईन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाते है।

परीक्षा योजना :–

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं तथा इसमें गलत उत्तर देने पर नकारात्मक अंक नहीं दिये जाते हैं।

2. शिक्षक पात्रता परीक्षा में कुल दो प्रश्न पत्र होते हैं। प्रथम पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं, जबकि द्वितीय पेपर में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण घोषित किये गये अभ्यर्थी कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के अध्यापन के लिये पात्र होते हैं।

टीप – निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी दोनों प्रश्न पत्र दिला सकते हैं।

प्रथम पेपर (कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) सभी भाग अनिवार्य –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी)	30	30	
4.	गणित	30	30	
5.	पर्यावरण अध्ययन	30	30	
	योग	**150**	**150**	

द्वितीय पेपर (कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन पात्रता हेतु) –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	बाल विकास एवं पेडॉगॉजी (अनिवार्य)	30	30	2.30 घंटा
2.	भाषा–1 (हिन्दी) (अनिवार्य)	30	30	
3.	भाषा–2 (अंग्रेजी) (अनिवार्य)	30	30	
4.	विषय आधारित परीक्षा (इनमें से कोई एक)			
	4.1 विज्ञान एवं गणित विषय शिक्षक	60	60	
	4.2 सामाजिक अध्ययन विषयक शिक्षक	60	60	
	4.3 अन्य कोई विषय शिक्षक	4.1 या 4.2 में से कोई भी		
	योग	**150**	**150**	

प्रश्नपत्र की पाठ्यक्रम –

प्रथम पेपर कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 6 वर्ष से 11 वर्ष तक के बच्चों की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. गणित – गणित के प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है।

5. पर्यावरण अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा पहली से कक्षा पांचवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े कक्षा बारहवीं तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

द्वितीय पेपर कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन हेतु –

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र – इस विषय से संबंधित प्रश्न 11 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों तक की शैक्षिक मनोविज्ञान और उनके सिखने और सिखाने की प्रक्रिया आदि की जानकारी पर आधारित होता है।

2. भाषा–1 हिन्दी – इस प्रश्न के माध्यम से शिक्षकों की भाषायी क्षमता, समझ एवं संप्रेषण कौशल के साथ–साथ दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग का परीक्षण किया जाता है।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी) – अंग्रेजी भाषा के कक्षा बारहवीं तक के स्तर तक के प्रश्न होते हैं।

4. अन्य विषय– 4.1 विज्ञान एवं गणित – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4.2 सामाजिक अध्ययन – इसके प्रश्न कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है, तथापि इससे जुड़े स्नातक तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

विशेष टीप – 1. यह परीक्षा शिक्षकों के नियुक्ति के लिये केवल अर्हता होता है, इसे शिक्षकीय पद पर नियुक्ति हेतु आदेश नहीं माना जा सकता है।

2. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत तथा अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

3. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिये पात्रता की वैधता अधिकतम 7 वर्ष के लिये होता है।

4. एक बार परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने अंक सुधार के लिये आगामी परीक्षा में पुनः शामिल हो सकता है।

5. इस परीक्षा में प्राप्त अंक शिक्षक चयन के प्रक्रिया में अधिभार के रूप में गणना में उपयोग में लाया जाता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा के प्राप्तांक को 15 प्रतिशत भारांश दिया जा रहा है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस परीक्षा की तैयारी हेतु बाल विकास एवं पेडागॉजी प्रश्न पत्र के लिए दिशा प्रकाशन एवं शालिनी पंजाबी की पुस्तक तथा विभिन्न विषयों के लिए SCERT रायपुर की पहली से दसवीं तक की पुस्तक तथा अरिहन्त प्रकाशन एवं दिशा प्रकाशन की पुस्तकें लाभकारी हो सकती है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या इसकी वेबसाईट www.cgvyapam.choice.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

53. जवाहर नवोदय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा

जवाहर नवोदय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत सह–शैक्षिक, पूर्ण आवासीय, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (छठवी से बारहवीं तक) के विद्यालय है जो कि मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है। वर्तमान में देशभर में लगभग 600 जवाहर नवोदय विद्यालय है। इन विद्यालयों में सहायक आयुक्त, प्राचार्य, स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT), TGT तृतीय भाषा एवं विविध श्रेणी के शिक्षकों की भर्ती नवोदय विद्यालय समिति द्वारा की जाती है। इन पदों पर नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के 42 शहरों में आयोजित किया जाता है। प्राचार्य एवं सहायक आयुक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा सिर्फ दिल्ली में आयोजित किया जाता है। चूंकि जवाहर नवोदय विद्यालय पूर्णतः आवासीय संस्थान है इसलिए शिक्षकों को भी विद्यालय परिसर में ही उपलब्ध आवासों में रहना होता है। उन्हें सामान्य शिक्षण कार्य के अतिरिक्त आवासीय स्कूल प्रणाली से संबंधित अन्य कार्य यथा हाउस मास्टर, पाठ्यतर गतिविधियों का संचालन, विद्यार्थियों के सामान्य कल्याण कार्य आदि भी करने होते है। जवाहर नवोदय विद्यालय में सामान्य पात्रता मापदण्ड पूरा करने वाली महिलाएं भी नियुक्ति के पात्र होती है, लेकिन इनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नही होता है।

आवेदन प्रक्रियाः–

आवेदकों को नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट www.nvshq.org या www.mecbse.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदन करने का कोई अन्य तरीका या पद्धति स्वीकार नही की जाती है।

टीप :–

1. उम्मीदवारों के पास वैद्य ईमेल आईडी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा, साक्षात्कार आदि की सूचना उनके दिये हुए ईमेल आईडी पर ही दी जाती है।
2. यद्यपि उम्मीदवार यदि पात्र हो तो वे एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते है, तथापि PGT/TGT श्रेणी के अंतर्गत केवल एक विषय के लिए आवेदन कर सकते है। एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करने की स्थिति में सभी पदों के लिए अलग–अलग आवेदन शुल्क जमा करना होता है।
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/निःशक्त/महिला उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान में पूर्णतः छूट रहती है।

आवश्यक अर्हताः–

1. सहायक आयुक्तः–

1 आयु सीमाः– 45 वर्ष तक

2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से मानविकी/विज्ञान/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 5400/– ग्रेड पे वेतनमान पर न्यूनतम 5 वर्ष का कार्यानुभव।

2. प्राचार्य :–

1 आयु सीमाः– 35 से 45 वर्ष तक

2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** बी.एड **या** समकक्ष उपाधि **तथा** उप प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 4800/– ग्रेड पे वेतनमान पर न्यूनतम 12 वर्ष का कार्यानुभव।

3. स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT):–

1 आयु सीमाः– 40 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ दो वर्ष का समेकित स्नातकोत्तर एम.एस.सी. पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर उपाधि।

स्नातकोत्तर उपाधि में स्नातकोत्तर विषय निम्नानुसार होने चाहिएः–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य
03	भौतिकी	भौतिकी/इलेक्ट्रानिक्स/एप्लायड भौतिकी/न्यूक्लियर भौतिकी
04	रसायन	रसायन/बॉयो केमेस्ट्री
05	गणित	गणित/एप्लायड गणित
06	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र/एप्लाईड अर्थशास्त्र/बिजनेस अर्थशास्त्र
07	वाणिज्य	एकाउन्टेसी सहित वाणिज्य/कास्ट एकाउटिंग/फाइनेन्सियल एकाउन्टेंसी एक मुख्य विषय हो।
08	भूगोल	भूगोल
09	इतिहास	इतिहास/भारतीय प्राचीन इतिहास
10	जीव विज्ञान	वनस्पत्ति शास्त्र/प्राणीशास्त्र/लाईफ साइंस/माइक्रो बॉयोलॉजी / जेनेटिक्स/बॉयो टेक्नोलॉजी/ मालिकुलर बॉयोलॉजी/प्लांट फिजियोलॉजी में से किसी एक विषय में स्नातकोत्तर **तथा** स्नातक स्तर पर प्राणीशास्त्र एवं वनस्पतिशास्त्र विषय रहा हो।
11	आईटी	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस/आईटी में बी.ई/बी.टेक **अथवा** किसी भी ब्रांच में बी.ई/बी.टेक **तथा** कम्प्यूटर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** एम.एस.सी (सी.एस.)/ एम.सी.ए. **अथवा** बी.एस.सी. (सी.एस.)/बी.सी.ए. और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि **अथवा** DOEACC से A स्तर का प्रमाण पत्र और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि

टीपः– 1 आई.टी. विषय के आवेदकों के लिए बी.एड. की आवश्यकता नही होती है।

2 आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में शिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।

4. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) :–

1 आयु सीमाः– 35 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि।

स्नातक उपाधि में स्नातक विषय निम्नानुसार होने चाहिएः–

क्र0	**विषय**	**विषय समूह**
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
03	विज्ञान	प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
04	गणित	गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
05	सामाजिक विज्ञान	कोई दो विषय इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान। इनमें से स्नातक में एक विषय भूगोल या इतिहास होना अनिवार्य है।

टीपः–

1 **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।**

2 **आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी तथा संबंधित क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।**

3 **आवेदक को स्नातक के प्रत्येक वर्ष अलग–अलग 50–50 प्रतिशत अंक तथा कुल मिलाकर भी 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य रहता है।**

5. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (विविध शिक्षक एवं तृतीय भाषा)):–

इसके अंतर्गत संगीत, कला, पुस्तकालय अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं तृतीय भाषा (असमिया, बंगाली, बोडो, गारो, गुजराती, कन्नड़, खासी, मलयालम, मराठी, मिजो, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगु तथा उर्दु) के शिक्षकों की भर्ती की जाती है। इनके लिए आयु सीमा 35 वर्ष होती है तथा शैक्षणिक योग्यता NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ संबंधित विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि। तृतीय भाषा शिक्षकों के लिए केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पास होना अनिवार्य होता है।

आयु सीमा में छूट :– अधिकतम आयु सीमा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों को 05 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को 03 वर्ष, महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी। ये सभी छूटें समवर्ती होती है अर्थात् यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट के लिए पात्र होता है तो उसे केवल एक उच्चतम स्वीकार्य आयुसीमा में छूट प्रदान की जाती है।

चयन प्रक्रिया :–

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों, विविध शिक्षक (पुस्तकालय अध्यक्ष) और टीजीटी (तृतीय भाषा) का चयन सिर्फ लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। अन्य पदों पर चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दोनों के अंको के आधार पर होता है।

परीक्षा योजनाः–

1. **सहायक आयुक्त के पद हेतु :–**

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	तर्कशक्ति	20	20	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता	40	40	
भाग–III	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	
भाग–IV	संख्यात्मक अभिरूचि	20	20	
भाग–V	शैक्षक योजना एवं प्रशासन	60	60	
	कुल	180	180	

2. **प्राचार्य के पद हेतु :–**

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	तर्कशक्ति	20	20	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता	40	40	
भाग–III	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	
भाग–IV	संख्यात्मक अभिरूचि	20	20	
भाग–V	प्रशासनिक और वित्तीय प्रक्रिया/भारत सरकार की नियमावली	60	60	
	कुल	180	180	

3. **स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGT) प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (TGT) विविध शिक्षकों और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (तृतीय भाषा) के पदों हेतु :–**

लिखित परीक्षा में स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGT) प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (TGT) विविध शिक्षकों और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (तृतीय भाषा) हेतु निम्नानुसार अलग–अलग प्रश्नपत्र होंगे :–

प्रश्नपत्र	विषय	अंक / अवधि
सामान्य प्रश्नपत्र	PGT, TGT, विविध शिक्षकों और TGT (तृतीय भाषा) के सभी पदो के लिए समान प्रश्नपत्रः– सामान्य अंग्रेजी / हिन्दी (40:20+20), सामान्य जागरूकता (30), सामान्य बुद्धि संख्यात्मक योग्यता, संख्यात्मक योग्यता एवं तर्कशक्ति (30), शिक्षण अभिरूचि (20) और संबंधित विषय की जानकारी (80) के बारे में वस्तुनिष्ठ बहुविकल्प प्रश्नपत्र प्रकार की परीक्षा होगी। PGT के लिए प्रश्नपत्रों की कठिनता का स्तर स्नातकोत्तर स्तर का, TGT एवं अन्य के लिए स्नातक स्तर का होगा।	200 अंक / 2 घंटे 30 मिनट

विस्तृत जानकारीः–

नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट www.nvshq.org या www.mecbse.gov.in के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

54. केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती परीक्षा

केन्द्रीय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत सह–शैक्षिक प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (पहली से बारहवीं तक) के विद्यालय है जो कि मुख्य रूप से स्थानांतरणीय केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को अबाधित शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित की गयी है। केन्द्रीय विद्यालय मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में ही स्थित है। वर्तमान में देशभर में लगभग 1150 तथा विदेशों में 03 केन्द्रीय विद्यालय है। इन विद्यालयों में प्राचार्य, स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT), प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (संगीत) की भर्ती केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा की जाती है। इन पदों पर नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के 34 शहरों में आयोजित किया जाता है। प्राचार्य के पद हेतु लिखित परीक्षा केवल दिल्ली में होता है। केन्द्रीय विद्यालय में सामान्य पात्रता मापदण्ड पूरा करने वाली महिलाएं भी नियुक्ति के पात्र होती है, लेकिन इनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नही होता है।

आवेदन प्रक्रियाः–

आवेदकों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के वेबसाईट www.kvsangathan.nic.in या www.mecbsekvs.in के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करना होता है। आवेदन करने का कोई अन्य तरीका या पद्धति स्वीकार नही की जाती है।

टीपः–

1. उम्मीदवारों के पास वैद्य ईमेल आईडी होना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा, साक्षात्कार आदि की सूचना उनके दिये हुए ईमेल आईडी पर ही दी जाती है।
2. यद्यपि उम्मीदवार यदि पात्र हो तो वे एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते है, तथापि PGT/TGT श्रेणी के अंतर्गत केवल एक विषय के लिए आवेदन कर सकते है। एक से अधिक पदों के लिए आवेदन करने की स्थिति में सभी पदों के लिए अलग–अलग आवेदन शुल्क जमा करना होता है।
3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/निःशक्त/भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान में पूर्णतः छूट रहती है।

आवश्यक अर्हताः–

1. प्राचार्य :–

1 आयु सीमाः– 35 से 50 वर्ष तक

2 किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि **तथा** बी.एड **या** समकक्ष उपाधि **तथा** उप प्राचार्य के पद आसीन व्यक्ति **या** भारत सरकार के 4800/– ग्रेड पे वेतनमान पर न्यूनतम 08 वर्ष का कार्यानुभव।

2. स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT):–

1 आयु सीमा:– 40 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ दो वर्ष का समेकित स्नातकोत्तर एम.एस.सी. पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर उपाधि।

स्नातकोत्तर उपाधि में स्नातकोत्तर विषय निम्नानुसार होने चाहिए :–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य
03	भौतिकी	भौतिकी / इलेक्ट्रानिक्स / एप्लायड भौतिकी / न्यूक्लियर भौतिकी
04	रसायन	रसायन / बॉयो केमेस्ट्री
05	गणित	गणित / एप्लायड गणित
06	अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र / एप्लाईड अर्थशास्त्र / बिजनेस अर्थशास्त्र
07	वाणिज्य	एकाउन्टेसी सहित वाणिज्य / कास्ट एकाउटिंग / फाइनेन्सियल एकाउन्टेंसी एक मुख्य विषय हो।
08	भूगोल	भूगोल
09	इतिहास	इतिहास / भारतीय प्राचीन इतिहास
10	जीव विज्ञान	वनस्पत्ति शास्त्र / प्राणीशास्त्र / लाईफ साइंस / माइक्रो बॉयोलॉजी / जेनेटिक्स / बॉयो टेक्नोलॉजी / मालिकुलर बॉयोलॉजी / प्लांट फिजियोलॉजी में से किसी एक विषय में स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर पर प्राणीशास्त्र एवं वनस्पतिशाऱ्त्र विषय रहा हो।
11	कम्प्यूटर सांइस	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस / आईटी में बी.ई / बी.टेक **अथवा** किसी भी ब्रांच में बी.ई / बी.टेक **तथा** कम्प्यूटर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा **अथवा** एम.एस.सी (सी.एस.) / एम.सी.ए. **अथवा** बी.एस.सी. (सी.एस.) / बी.सी.ए. और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि **अथवा** DOEACC से A स्तर का प्रमाण पत्र और किसी भी विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि

टीप:– **1 आई.टी. विषय के आवेदकों के लिए बी.एड. की आवश्यकता नही होती है।**

2 आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में शिक्षण में प्रवीणता होनी चाहिए।

3. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) :–

1 आयु सीमा:– 35 वर्ष तक

2 NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा कॉलेज से संबंध विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ चार वर्ष का समेकित स्नातक पाठ्यक्रम **अथवा** बी.एड. के साथ निम्नलिखित विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि।

स्नातक उपाधि में स्नातक विषय निम्नानुसार होने चाहिए:–

क्र.	विषय	विषय समूह
01	अंग्रेजी	अंग्रेजी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
02	हिन्दी	हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पर एक विषय रहा हो।
03	संस्कृत	संस्कृत
04	विज्ञान	प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
05	गणित	गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के साथ स्नातक उपाधि।
06	सामाजिक विज्ञान	कोई दो विषय इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान। इनमें से स्नातक में एक विषय भूगोल या इतिहास होना अनिवार्य है।

टीप:–

1 **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।**

2 **आवेदक की हिन्दी एवं अंग्रेजी में शिक्षण की प्रवीणता होनी चाहिए।**

3 **आवेदक को स्नातक के प्रत्येक वर्ष अलग–अलग 50–50 प्रतिशत अंक तथा कुल मिलाकर भी 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य रहता है।**

4 **प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा, कला शिक्षा, इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)):–**

1. आयु सीमा :– 35 वर्ष तक
2. आवश्यक शैक्षणिक अर्हता:–

क्र.	पद	अर्हता
01	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा)	शारीरिक शिक्षा में स्नातक उपाधि या समकक्ष।
02	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला शिक्षा)	ड्राईंग एवं पेंटिग/स्कलपचर/ग्राफिक आर्ट में पाँच वर्षीय डिप्लोमा **या** समकक्ष मान्यता प्राप्त डिग्री।
03	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)	इलेक्ट्रिकल में तीन वर्षीय डिप्लोमा **या** इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रानिक्स में।

4. प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक संगीत:–

1. आयु सीमाः— 35 वर्ष तक

2. आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :—

क्र0	पद	अर्हता
01	प्राथमिक शिक्षक	1. न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण। 2. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण। 3. डी.एड. या बी.एल.एड. (बेचलर इन इलेमेन्ट्री एजुकेशन)
02	प्राथमिक शिक्षक (संगीत)	1. न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष उत्तीर्ण। 2. संगीत में स्नातक उपाधि।

आयु सीमा में छूट :— अधिकतम आयु सीमा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों को 05 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को 03 वर्ष, महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जायेगी। ये सभी छूटें समवर्ती होती है अर्थात् यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूट के लिए पात्र होता है तो उसे केवल एक उच्चतम स्वीकार्य आयुसीमा में छूट प्रदान की जाती है।

चयन प्रक्रिया :— आवेदकों का चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंकों के आधार पर होता है। इन दोनों चरणों में आवेदक को केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्राचार्य, पी.जी.टी., टी.जी.टी. एवं प्राथमिक शिक्षक के लिए लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार का वेटेज 85:15 होता है। प्राथमिक शिक्षक (संगीत) के लिए लिखित परीक्षा, निष्पादन परीक्षा एवं साक्षात्कार का वेटेज 60:25:15 होता है।

परीक्षा योजनाः—

1. प्राचार्य के पद हेतु :—

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग—I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी — प्रत्येक विषय के 10 अंक)	20	20	3 घंटा
भाग—II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, कम्प्यूटर ज्ञान, संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा। (प्रत्येक विषय के 10—10 अंक)	40	40	
भाग—III	1. शैक्षिक पद्धति 2. प्रशासकीय एवं वित्तीय नियम	30 70	30 70	
	कुल	160	160	

2 स्नातकोत्तर शिक्षक (PGT) पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, शैक्षिक शिक्षण (प्रत्येक विषय के 20–20 अंक)	60	60	
भाग–III	संबंधित विषय	100	100	
	कुल	200	200	

3 स्नातक शिक्षक (TGT) एवं प्राथमिक शिक्षक पद हेतु :–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 15–15 अंक)	30	30	02.30 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, शैक्षिक शिक्षण (प्रत्येक विषय के 40–40 अंक)	120	120	
	कुल	150	150	

5 प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT (शारीरिक एवं स्वास्थय शिक्षा, कला शिक्षा, इलेक्ट्रानिक्स गजेट्स शिक्षक)):–

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 20 अंक)	40	40	3 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, (प्रत्येक विषय के 30–30 अंक)	60	60	
भाग–III	संबंधित विषय	100	100	
	कुल	**200**	**200**	

6 **प्राथमिक शिक्षक (संगीत):–**

परीक्षा	परीक्षा की विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग–I	भाषा परीक्षण (सामान्य अंग्रजी और सामान्य हिंदी – प्रत्येक विषय के 15 अंक)	30	30	02.30 घंटा
भाग–II	सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति एवं संख्यात्मक अभिक्षमता परीक्षा, (प्रत्येक विषय के 30–30 अंक)	60	60	
भाग–III	संबंधित विषय (संगीत शास्त्र)	60	60	
	कुल	**150**	**150**	

विस्तृत जानकारी:–

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के वेबसाईट www.kvsangathan.nic.in या www.mecbsekvs.in के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

55. छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (CG SET) परीक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों और कालेजों में **कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ)** प्रदान करने तथा लेक्चररशिप की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रतिवर्ष दो बार नेट परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसी के अनुरूप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (नेट ब्यूरो) एवं छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के माध्यम से 18 विषय समूहों में छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (CGSET) का आयोजन किया जाता है। यूजीसी के वर्तमान दिशा निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के विश्वविद्यालयों/कालेजो/संस्थानों में सहायक प्राध्यापक/ग्रंथपाल/क्रीड़ा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा या राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आवश्यक अर्हता :—

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा कम से कम 55% अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। (अजजा/अजा/निःशक्त श्रेणी के आवेदकों के लिए कम से कम 50% अंक प्राप्त करना होता है)

टीप :— (1) जो आवेदक अपने स्नातकोत्तर परीक्षा (अंतिम वर्ष) में शामिल हो चुके है या शामिल होने वाले हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र होते है तथापि ऐसे आवेदको को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जाता है, उन्हें उक्त स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा सेट के परिणाम के तिथि से 1 वर्ष के अंदर न्यूनतम निर्धारित अंकों के उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(2) आवेदक उसी विषय में शामिल हो सकता है जिससे उसने स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

आवेदन प्रक्रिया :—

आवेदको को आवेदन ऑनलाईन ही करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए आवेदक www.cgset.org.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा के विषय :— छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा निम्न 18 विषय/विषय समूह में छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाता है —

1. हिन्दी	2. अंग्रेजी	3. राजनीति विज्ञान	4. अर्थशास्त्र
5. समाजशास्त्र	6. इतिहास	7. भूगोल	8. शारीरिक शिक्षा
9. भौतिकी	10. गणित	11. रसायन	12. जीवविज्ञान
13. कम्प्यूटर	14. वाणिज्य	15. विधि	16. संस्कृत
17. मनोविज्ञान	18. लाइब्रेरी एवं सूचना विज्ञान		

परीक्षा योजना :–

परीक्षा में तीन प्रश्न पत्र होते है। तीनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। इस परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है :–

क्र.	सत्र एवं प्रश्न पत्र	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
A	प्रथम सत्र एवं प्रथम प्रश्न पत्र	60 (60 प्रश्नों में से कोई भी 50 प्रश्न हल करने होते है)	100	75 मिनट
B	प्रथम सत्र एवं द्वितीय प्रश्न पत्र	50 सभी अनिवार्य	100	75 मिनट
C	द्वितीय सत्र एवं तृतीय प्रश्न पत्र	75 सभी अनिवार्य	150	150 मिनट
	योग	175	350	

प्रश्न पत्र–1 – यह प्रश्न पत्र सभी विषय के अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होता है। यह प्रश्न सामान्य प्रकृति का होता है जिसका मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थी के शिक्षण/अनुसंधान अभिरूचि का मूल्यांकन करना होता है। यह प्रमुखतः अभ्यर्थी के तर्कशक्ति योग्यता एवं सामान्य ज्ञान के जांच के लिए लिया जाता है। इसमें कुल 60 बहुविकल्पी प्रश्न होते है जिनमें से किन्हीं भी 50 प्रश्नों का उत्तर अभ्यर्थी को देना होता है।

प्रश्न पत्र 2 एवं प्रश्न पत्र 3 – ये प्रश्न पत्र अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय के होते है, दोनो प्रश्न पत्र बहुविकल्पी प्रकार का होता है।

चयन प्रक्रिया :–

चयन निम्न तीन चरणों में किया जाता है :–

चरण 1–

न्यूनतम अर्हक अंक – अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित निम्नानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्रत्येक पेपर में अलग–अलग प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क्र.	वर्ग	न्यूनतम अर्हक अंक		
		प्रश्न पत्र 1	प्रश्न पत्र 2	प्रश्न पत्र 3
1	सामान्य	40	40	75
2	अपिव	35	35	68
3	अजा/अजजा/निःशक्त	35	35	60

चरण 2 – जो आवेदक चरण–1 में सभी प्रश्न पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उनकी वर्गवार एवं विषयवार तीनों प्रश्न पत्रों (कुल अंक 350) के प्राप्तांको के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

चरण – 3 – चरण–2 के आधार पर तैयार की गई वरीयता सूची के प्रत्येक विषय एवं प्रत्येक वर्ग के मेरिट के 15% आवेदक छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण घोषित किये जाते है।

पाठ्यक्रम :–

वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर का होता है। यह पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in से डाऊनलोड किया जा सकता है। अनिवार्य प्रश्न पत्र का स्तर स्नातक के पाठ्यक्रम के अनुरूप होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति एवं साख्यात्मक योग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की किताबें लाभदायक है। विषय से संबंधित प्रश्न पत्रों के लिए स्नातकोत्तर स्तर के पुस्तकों विस्तृत एवं गहन अध्ययन आवश्यक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर या विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in या www.ugcnetonline.in या www.cgset.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सबसे अच्छा मनुष्य वह है, जो अपनी प्रगति के लिये सबसे अधिक श्रम करता है।

– सुकरात

56. यू.जी.सी. नेट (U.G.C. NET) परीक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों और कालेजों में **कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ)** प्रदान कने तथा लेक्चररशिप की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रतिवर्ष दो बार माह जून एवं माह दिसम्बर में रायपुर सहित देश के 91 चयनित विश्वविद्यालय केन्द्रों में 100 विषयों के लिए नेट परीक्षा का आयोजन किया जाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2016 से इस परीक्षा का आयोजन सी.बी.एस.ई. द्वारा किया जावेगा। इन परीक्षाओं के लिए विज्ञापन प्रतिवर्ष क्रमशः सामान्यतः अप्रैल एवं अक्टूबर माह में जारी किया जाता है। यूजीसी के वर्तमान दिशा निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालयों/कालेजो/संस्थानों में सहायक प्राध्यापकों के रूप में नियुक्ति के लिए **राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)** उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा कम से कम 55% अंको से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। (अजजा/अजा/निःशक्त श्रेणी के आवेदकों के लिए कम से कम 50% अंक प्राप्त करना होता है)

टीप :– (1) जो आवेदक अपने स्नातकोत्तर परीक्षा (अंतिम वर्ष) में शामिल हो चुके है या शामिल होने वाले हैं, वे भी परीक्षा में शामिल होने के पात्र होते है तथापि ऐसे आवेदको को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जाता है। जीआरएफ प्रदान करने/ लेक्चररशिप पात्रता के लिए उनके नामों पर तभी विचार किया जाता है जब वे नेट परीक्षा परिणाम घोषित होने के दो वर्ष के भीतर निर्धारित अंको सहित अपनी स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते है, इसमें विफल होने पर उन्हें अयोग्य माना जाता है।

(2) ऐसे पी.एच.डी. धारक आवेदक जिन्होने अपनी स्नातक की परीक्षा सितम्बर 1991 तक पूर्ण कर ली थी उन्हें नेट में शामिल होने के लिए स्नातकोत्तर के कुल अंक में 5% अंक की छूट दी जाती है।

(3) आवेदक उसी विषय में शामिल हो सकता है जिससे उसने स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

2. **आयु सीमा – (क) कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप** – 28 वर्ष से अधिक नहीं।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अन्य पिछड़ा वर्ग/निःशक्त/महिला आवेदकों को 5 वर्ष की छूट दी जाती है। एलएलएम डिग्रीधारी आवेदकों को तीन वर्ष की तथा अनुसंधान अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को 5 वर्ष की छूट दी जाती है लेकिन सभी छूटों के बावजूद अधिकतम आयु सीमा 33 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(ख) लेक्चररशिप – लेक्चररशिप पात्रता के लिए आवेदन करने हेतु कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं है।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदको को आवेदन ऑनलाईन ही करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के लिए आवेदक www.ugcnetonline. in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को अपने आवेदन में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होता है कि वे जेआरएफ और लेक्चररशिप पात्रता दोनो के लिए **या** केवल लेक्चररशिप पात्रता के लिए आवेदन कर रहे है। जो आवेदक सिर्फ लेक्चररशिप पात्रता के लिए आवेदन करते है उन्हें कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप नहीं प्रदान की जाती है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते है। दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है :–

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1	प्रथम प्रश्न पत्र	50	100	60 मिनट
2	द्वितीय प्रश्न पत्र	100	200	120 मिनट
	योग	150	300	

प्रश्न पत्र–1 – यह प्रश्न पत्र सभी विषय के अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होता है। यह प्रश्न सामान्य प्रकृति का होता है जिसका मुख्य उद्‌देश्य अभ्यर्थी के शिक्षण/अनुसंधान अभिरूचि का मुल्यांकन करना होता है। यह प्रमुखतः अभ्यर्थी के तर्कशक्ति योग्यता एवं सामान्य ज्ञान के जांच के लिए लिया जाता है। इसमें कुल 50 बहुविकल्पी प्रश्न होते है।

प्रश्न पत्र 2 – ये प्रश्न पत्र अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय के होते है, यह प्रश्न पत्र बहुविकल्पी प्रकार का होता है।

चयन प्रक्रिया :–

चयन निम्न चार चरणों में किया जाता है :–

चरण 1– न्यूनतम अर्हक अंक – अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित निम्नानुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्रत्येक पेपर में अलग–अलग प्राप्त करना अनिवार्य होता है :–

क्र.	वर्ग	न्यूनतम अर्हक अंक	
		प्रश्न पत्र 1	प्रश्न पत्र 2
1	सामान्य	40%	40%

2	अपिव अजा / अजजा / निःशक्त	35%	35%

चरण 2 – जो आवेदक चरण–1 में सभी प्रश्न पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उनकी वर्गवार एवं विषयवार दोनों प्रश्न पत्रों (कुल अंक 300) के प्राप्तांको के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

चरण – 3 – चरण–2 के आधार पर तैयार की गई वरीयता सूची के प्रत्येक विषय एवं प्रत्येक वर्ग के मेरिट के 6% आवेदक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण घोषित किये जाते है।

चरण – 4 – चरण–3 में नेट उत्तीर्ण घोषित किये गये आवेदकों में से ही उनके आवेदन में दिये गये विकल्प, आयु सीमा एवं वरीयता के आधार पर कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (जेआरएफ) प्रदान करने के लिए पृथक से वरीयता सूची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर का होता है। यह पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in से डाऊनलोड किया जा सकता है। अनिवार्य प्रश्न पत्र का स्तर स्नातक के पाठ्यक्रम के अनुरूप होता है।

विशेष :–

1. विज्ञान विषयों (जीवविज्ञान, गणित, भौतिक, रसायन, इंजीनियरिंग आदि) में कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप / लेक्चररशिप प्रदान करने के लिए अभ्यर्थियों की पात्रता के निर्धारण के लिए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।
2. कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप प्रदान करने के लिए पात्र अभ्यर्थी लेक्चररशिप के लिए पात्र होने के साथ साथ विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की फेलोशिप प्राप्त करने के पात्र होते है बशर्ते कि वे विश्वविद्यालयों / आईआईटी / संस्थानों में नियोजन प्राप्त कर सके। विश्व विद्यालय / संस्थान / आईआईटी अपने द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इनका पूर्णकालिक अनुसंधान कार्य के लिए चयन करते है। जेआरएफ के प्रस्ताव की वैधता अवधि जेआरएफ एवार्ड पत्र जारी करने की तिथि से दो वर्ष तक होती है।
3. लेक्चररशिप के लिए पात्रता हेतु परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालयों / कॉलेजो / राज्य सरकारों (जो भी स्थिति हो) में सहायक प्राध्यापकों के भर्ती के लिए निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार शासित किया जाता है। नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी जहां देश के सभी विश्वविद्यालयों में सहायक प्रध्यापकों के रूप में नियुक्त होने के लिए पात्र होते है वहीं जून 2002 के बाद से सेट (SET) उत्तीर्ण अभ्यर्थी

केवल उस राज्य के विश्वविद्यालयों में लेक्चरर के लिए पात्र होते है जिस राज्य से उन्होने सेट परीक्षा उत्तीर्ण किया है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति एवं साख्यात्मक योग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की किताबें लाभदायक है। विषय से संबंधित प्रश्न पत्रों के लिए स्नातकोत्तर स्तर के पुस्तकों विस्तृत एवं गहन अध्ययन आवश्यक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाईट www.ugc.ac.in या www.ugcnetonline.in से प्राप्त कर सकते हैं।

<u>हिम्मत न हारो</u>

जब कोई काम बिगड़ जाये,
जैसा कि कभी–कभी होगा
जब रास्ता सिर्फ चढ़ाई का ही दिखता हो
जब पैसे कम और कर्ज ज्यादा हो
जब मुस्कराहट की इच्छा आह बने,
जब चिंतायें दबा रही हों
तो सुस्ता लो, लेकिन हिम्मन न हारो
भूल–भुलैया है ये जीवन
पगडंडियॉ जिसकी हमें पार करनी हैं
कई असफल तब लौट गये
पार होते गये जो आगे बढ़ते गये
धीमी रफ्तार तो क्या
मंजिल को इक दिन पाओगे
सफलता छिपी असफलता में ही
जैसे शंका के बादल में आशा की चमक
नाप सकोगे क्या इतनी दूरी
दूर दिखती है लेकिन मुमकिन है यह नजदीक हो
डटे रहो चाहे कितनी भी मुश्किल हो
चाहे हालात जितने भी बूरे हों, लेकिन हिम्मत न हारो, डटे रहो।

57. ग्रेज्युएट एप्टेट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग–गेट (GATE)

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग हेतु गेट परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian institute of science Bangalore) के अतिरिक्त सात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) दिल्ली, बम्बई, मद्रास, खड्गपुर, कानपुर, गोवाहाटी एवं रुड़की द्वारा माह फरवरी–मार्च में भिलाई, रायपुर एव बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में ऑनलाईन किया जाता है।

GATE परीक्षा के सफल परीक्षार्थी निम्न स्थानों में इसके स्कोर कार्ड का प्रयोग कर लाभ अर्जित कर सकते हैं :–

- भारत के समस्त प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों के एम.ई / एम.टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश सहित भारत सरकार द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता की पात्रता।
- भारत सरकार के विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिशद (CSIR) के अंतर्गत स्थापित विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं में अनुसंधान हेतु कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (JRF) की पात्रता।
- भारत सरकार के विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयां (public sector units) में ग्रेज्युएट इंजीनियर के रुप में एन्ट्री लेवल अधिकारी हेतु पात्रता।
- कई प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों जैसे नेशनल यूनिवर्सटी सिंगापुर, नानयांग प्राद्योगिकी विश्वविद्यालय सिंगापुर के इंजीनियरिंग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु गेट स्कोर की मान्यता है।

पात्रता :–

गेट की प्रवेश परीक्षा हेतु निम्न आवेदक पात्र होते है :–

- इंजीनियरिंग / प्राधौगिकी / वास्तुकला के चार वर्षीय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी।
- विज्ञान / गणित / सांख्यिकी / कम्प्युटर एप्लीकेशन अथवा समकक्ष विषयों में मास्टर योग्यताधारी अथवा अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी।
- पांच वर्ष की दोहरी योग्यता कोर्स (integrated dual degree course) के चतुर्थ एवं अतिम वर्ष के अध्ययनरत् विद्यार्थी।
- भारत सरकार / ए.आई.सी.टी.ई / संघ लोकसेवा आयोग द्वारा बी.ई / बी.टेक के समकक्ष घोषित अन्य पाठ्यक्रमों जैसे ए.एम.आई.ई, ए.एम.आई.सी.ई आदि उपाधिधारी।

गेट हेतु आवेदन एवं फीस :–

इस परीक्षा का विज्ञापन सामान्यतः माह सितम्बर/अक्टूबर में प्रकाशित किया जाता है। जिसके लिए आवेदन भरने की प्रक्रिया ऑनलाइन एक माह के समयावधि में पूर्ण की जाती है। परीक्षा का आयोजन आगामी फरवरी–मार्च माह में संपादित होता है। जिसका अंतिम परिणाम माह मार्च के अंतिम सप्ताह में घोषित किया जाता है।

इस परीक्षा हेतु सामान्य एवं पिछडा वर्ग के पुरुष आवेदकों हेतु रु 1500 की फीस निर्धारित है। किसी भी वर्ग की महिला तथा अनुसूचित जाति/जनजाति एवं निःशक्त वर्ग के आवेदकों के लिए फीस की दर रु 750 निर्धारित हैं।

गेट के विषय एवं संरचना :–

वर्तमान में गेट निम्न 22 विषयों में संचालित होता है।

GATE Paper	Code	GATE Paper	Code
Aerospace Engineering	AE	Geology and Geophysics	GG
Agricultural Engineering	AG	Instrumentation Engineering	IN
Architecture and Planning	AR	Mathematics	MA
Biotechnology	BT	Mechanical Engineering	ME
Civil Engineering	CE	Mining Engineering	MN
Chemical Engineering	CH	Metallurgical Engineering	MT
Computer Science and Information Technology	CS	Physics	PH
Chemistry	CY	Production and Industrial Engineering	PI
Electronics and Communication Engineering	EC	Textile Engineering and Fiber Science	TF
Electrical Engineering	EE	Engineering Sciences	XE*
Ecology and Evolution	EY	Life Sciences	XL**

GATE Paper
इंजीनियरिंग साइंस (XE) हेतु इंजीनियरिंग मैथ्स अनिवार्य के साथ नीचे दिये गये B to G में से दो एवं लाइफ सांइस (XL) हेतु Chemistry अनिवार्य के अतिरिक्त I to M के दो विषयों का चयन आवेदक को करना आवश्यक हैं।

* Engineering Sciences (XE) Paper Sections (A and any 2 of B to G)	Code	** Life Sciences (XL) Paper Sections (H and any 2 of I to M)	Code
Engineering Mathematics (Compulsory)	A	Chemistry (Compulsory)	H
Fluid Mechanics	B	Biochemistry	I
Materials Science	C	Botany	J
Solid Mechanics	D	Microbiology	K
Thermodynamics	E	Zoology	L
Polymer Science and Engineering	F	Food Technology	M
Food Technology	G		

गेट परीक्षा की योजना एवं संरचना :–

- गेट परीक्षा वर्तमान में उपर्युक्त रुप से उल्लेखित 22 विषयों में आयोजित की जाती है। आवेदक अपनी योग्यता के अनरुप किसी एक विषय में इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है। यह पूर्णरुपेण कम्प्युटर आधारित ऑनलाईन परीक्षा होता है। परीक्षा माह फरवरी मार्च के एकान्तर सप्ताहांतों (aalternate week ends i.e Saturdays and Sundays) को दो पालियों पूर्वान्ह एवं अपरान्ह में आयोजित की जाती है।
- सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कम्प्युटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेली कम्युनिकेशन विषयों जिनमें परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होती है अतः इन विषयों में यह परीक्षा एक से अधिक से सेशनों में तथा एक से अधिक दिन में आयोजित की जाती है। शेष विषयों में यह परीक्षा केवल एक से सेशन में एक ही दिन आयोजित होती हैं।
- यह परीक्षा 3 घंटे की समयावधि की एवं 100 अंकों की होती है जिसमें कुल 65 प्रश्न सम्मिलित होते है। प्रश्न बहुविकल्पकीय उत्तरों वाले (multiple choice questions) एवं आंकिक उत्तरों वाले (numerical answer type) होते है। बहुविकल्पकीय उत्तरों वाले प्रश्नों हेतु चार दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प कम्प्युटर में दिये गये स्थान के समक्ष माउस द्वारा क्लिक करके देना होता है। आंकिक उत्तरों वाले प्रश्नों के कोई विकल्प उपलब्ध नहीं होता है, परीक्षार्थी दिये गये रफ पेपर में हल कर सही उत्तर आभासी की बोर्ड (virtual key board) के माध्यम से उचित संख्या माउस द्वारा क्लिक कर कम्प्युटर में अंकित करता है।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र में 15 अंकों के कुल 10 प्रश्न सामान्य योग्यता (General Aptitude) के होते है। जिससे आवेदक की तार्किक एवं भाषायी ज्ञान की परख की जाती है। इनमें 5 प्रश्न 1 अंकों के तथा

5 प्रश्न 2 अंकों के होते हैं। शेष 55 प्रश्नों में से 25 प्रश्न 1 अंकों के एवं 30 प्रश्न 2 अंकों के होते हैं जो विषय पर आधारित होते है जिनमें इंजीनियरिंग मैथ्स के प्रश्न भी सम्मिलित होते हैं।

- परीक्षा के प्रश्न छोटे होते है जो मुख्यतः परीक्षार्थी के याददाश्त (memory recall), समझ (Comprehension) प्रयोग एवं विश्लेषण (application and analysis) पर आधारित होते है। परीक्षार्थियों को समस्त प्रश्नों के उत्तर निर्धारित 3 घंटे की समयावधि में पूर्ण करना होता है, तत्पश्चात कम्प्युटर का विंडों स्वयमेव बंद हो जाता है।
- बहुविकल्पीय प्रश्नों के गलत उत्तर पर नकारात्मक अंक प्रदान किये जाते है जो प्रश्न के अंक का एक तिहाई होता है। परन्तु आंकिक प्रश्नों के गलत उत्तर पर कोई नकारात्मक अंक नहीं प्रदान किये जाते हैं।
- सभी प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होते है।

गेट स्कोर निर्धारण की प्रक्रियाः–

वर्ष 2013 से आवेदकों का गेट स्कोर निम्न सूत्र के माध्यम से निर्धारित किया जाता है :–

$$S = Sq + (St - Sq) \times \frac{M - Mq}{Mt - Mq}$$

यहां S = आवेदक का सामान्यीकृत गेट स्कोर

M = आवेदक द्वारा प्रश्न पत्र में अर्जित वास्तविक अंक

Mq = सामान्य श्रेणी के आवेदकों के लिए उस प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक

Mt = वरीयता क्रम के शुरू के 0.1% या 10 आवेदक (जो भी बड़ा हो) का औसत अंक

St = Mt से निर्धारित गेट स्कोर

Sq = Mq से निर्धारित गेट स्कोर

यहां Mq का मान सामान्यतः 25 अंक या A+B (में जो भी बड़ा हो) वह होता है। यहां A परीक्षा में सम्मिलित सभी आवेदकों के प्राप्तांको का औसत तथा B अंको का मानक विचलन है।

गेट का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उन सभी विद्यार्थियों की गेट स्कोर कार्ड जारी किया जाता है जिन्होने अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों के लिए उस प्रश्न पत्र में निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक से अधिक अंक प्राप्त किया हो।

गेट का परीक्षा परिणाम इसके जारी होने वाले तिथि से तीन वर्ष तक वैध रहता है।

गेट हेतु क्वालिफाइंग अंक :–

गेट हेतु क्वालिफाइंग अंक प्रतिवर्ष परिवर्तित हो सकते है, तथापि 100 अंकों के कुल में से सामान्यतः इसका निर्धारण निम्नानुसार किया जाता है :–

सामान्य वर्ग के आवेदकों के लिए :– सामान्यतः 25 अंक अथवा समस्त आवेदकों के समान्तर माध्य एवं मानक विचलनों का योग (जो भी अधिक हो) लिया जाता है जो सामान्यतः 25 से 50 अंकों के मध्य आता है।

- अन्य पिछडा वर्ग हेतु क्वालिफाइंग अंक सामान्य वर्ग के क्वालिफाइंग अंक का 90 प्रतिशत होता है।
- अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग हेतु यह अंक सामान्य जाति के क्वालिफाइंग अंक का 2/3 अर्थात 66.67 प्रतिशत होता है।

गेट के स्कोर के आधार पर प्रवेश, फेलोशिप एवं भर्ती के अवसर

- गेट के स्कोर के आधार पर आवेदक उच्च शिक्षण के भारतीय तथा कतिपय विदेशी संस्थानों में प्रवेश पा सकते हैं, जिनमें भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर (Indian institute of science Bangalore) के अतिरिक्त समस्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs), राष्ट्रीय प्राद्योगिकी संस्थानों (NITs) सहित समस्त राजकीय एवं निजी संस्थानों की एम.ई/एम.टेक/पी.एच.डी पाठ्यक्रम सम्मिलित है।
- प्रवेश हेतु आवेदकों को अपने एच्छिक संस्थान में पृथक – पृथक आवेदक करना होगा। प्रवेश की प्रक्रिया संस्थानों के नियमानुसार अलग–अलग हो सकती है जो पूर्णरुपेण गेट के अंको के आधार पर अथवा गेट के अंकों का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार तथा बी.ई के अंकों का 30 प्रतिशत अधिभार के अनुसार हो सकती है। किसी भी स्थिति में गेट के अंको का अधिभार 70 प्रतिशत से कम नहीं होता है।
- गेट के अंकों के आधार पर विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत स्थापित विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं में अनुसंधान हेतु कनिष्ठ अनुसंधान फेलोशिप (JRF) की पात्रता प्राप्त होती है। आवेदक गेट के स्कोर के आधार पर 16000 रु. के मासिक छात्रवृति एवं 20000 रु. के मासिक अनुदान की पात्रता अपने रिसर्च के दौरान पाने की पात्रता रखता है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान अपने एन्ट्री लेवल ग्रेज्युएट इंजीनियरों की भर्ती गेट अंकों के आधार पर कर रही है। गेट के अंकों को स्क्रीनींग हेतु प्रयुक्त कर इन प्रतिष्ठानों द्वारा भर्ती संबंधी अग्रिंम कार्यवाही की जाती है। वर्तमान में लगभग समस्त प्रतिष्ठित गेट स्कोर का उपयोग कर रहें है। जिनमें भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, इडियन ऑइल कारपोरेशन, एन.टी.पी.सी, नवेली लिग्नाइट कारपोरेशन, सेल, भेल, भारतीय रेल्वे (तकनीकी शाखा) आदि शामिल है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक वेबसाईट www.gate.iitg.ac.in से प्राप्त कर सकते है।

58. भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश हेतु कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT)

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर सहित देश के 20 भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIM) के लगभग 5000 सीटों एवं गैर IIM सदस्य संस्थानों के लगभग 10000 सीटों में पोस्ट ग्रेच्युट स्तर के प्रबंधन पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) का आयोजन भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा प्रतिवर्ष सामान्यतः अक्टूबर/नवंबर माह में किया जाता है। इस परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन सामान्यतः अगस्त एवं सितम्बर माह में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :– किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से उम्मीदवार को स्नातक या समकक्ष परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंको से (अजजा/अजा/निःशक्त आवेदकों के लिए 45 प्रतिशत अंक से) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी स्नातक डिग्री/सकमक्ष योग्यता परीक्षा के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है वे भी इस परीक्षा में भाग ले सकते है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थियों को IIM के वेबसाईट www.iimcat.ac.in में ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराना होता है। रजिस्ट्रेशन शुल्क सामान्य एवं अपिव के लिए 1600/– तथा अजा/अजजा/निःशक्त आवेदकों के लिए 800/– होता है। पंजीकरण के समय अभ्यर्थी को अपनी पसंद के किसी भी तीन शहर को परीक्षा केन्द्र के रूप में चुनना होता है।

परीक्षा योजना :– कॉमन एडिमिशन टेस्ट परीक्षा कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) होता है। जिसमें बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देना होता है। इस परीक्षा में एक ही प्रश्न पत्र होता है। प्रश्न पत्र के भाग एवं विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	**विवरण**	कुल प्रश्न	कुल समय
1	भाग–I Quantitative Ability	34	180 मिनट
2	भाग–II Verbal Ability and Reading Comprehension	34	
3	भाग–III Data Interpretation and Logical Reasoning	32	
	कुल	**100**	

टीप :–

1. प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हे। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिये रहते है।
2. ऋणात्मक मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक गलत उत्तर पर एक चौथाई अंक काटा जाता है।
3. प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।
4. एक उम्मीदवार CAT के दो दिनों के टेस्टिंग विण्डों (चार सत्र) के दौरान केवल एक बार भाग ले सकता है।

परीक्षा परिणाम :– परीक्षा परिणाम सामान्यतः दिसम्बर माह में जारी किया जाता है। CAT स्कोर की वैधता उसके जारी होने के दिनांक से एक वर्ष के लिए होती है।

प्रवेश प्रक्रिया :– प्रत्येक IIM एवं गैर IIM सदस्य संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण के लिए प्रक्रिया अलग अलग होती है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया में सामान्यतः लिखित क्षमता टेस्ट (WAT) समूह चर्चा (GD) और व्यक्तिगत साक्षात्कार (PI) सम्मिलित होते है। प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में IIM उम्मीदवारों के पिछले शैक्षिक प्रदर्शन, प्रासंगिक कार्य अनुभव तथा किसी अन्य प्रकार के जानकारी के आधार पर अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट कर उनके रैंकिंग तय करते है। IIM रायपुर द्वारा अपनी प्रवेश प्रक्रिया में CAT के स्कोर को 40 प्रतिशत भारांश अंक, व्यक्तित्व परीक्षण को 40 प्रतिशत भारांश अंक (लिखित परीक्षा 30 प्रतिशत एवं साक्षात्कार 10 प्रतिशत) तथा एकाडमिक प्रोफाईल में 20 प्रतिशत भारांश अंक देते हुए वरीयता सूची तैयार किया जाता है। भारत सरकार के प्रावधानों के अनुसार सभी IIM में सीटों का 15 प्रतिशत अजा, 7.50 प्रतिशत अजजा, 27 प्रतिशत अपिव तथा 3 प्रतिशत निःशक्त आवेदकों के लिए आरक्षित रहता है।

IIM एवं उनके पोस्ट ग्रेच्युट प्रोग्राम एवं वेबसाईट के पते :–

क्रमांक	IIM का नाम	पाठ्यक्रम / प्रोग्राम	वेबसाईट का पता
1	IIM अहमदाबाद	पी.जी.पी. और पी.जी.पी. – एम.बी.ए.	www.iimahd.ernet.in
2	IIM बैंगलोर	पी.जी.पी., पी.जी.पी.ई.एम. और पी.जी.पी. पी.एम.	www.iimb.ernet.in
3	IIM कलकत्ता	पी.जी.पी. एवं पी.जी.डी.एम.	www.iimcal.ac.in
4	IIM इन्दौर	पी.जी.पी., पी.जी.पी.–मुंबई, पी.जी.पी.यू. ए.ई.	www.iimdr.ac.in
5	IIM कांशीपुर	पी.जी.पी., ई.पी.जी.पी.,एम.	www.iimkashipur.ac.in
6	IIM कोशिक्कोड	पी.जी.पी.	www.iimk.ac.in
7	IIM लखनऊ	पी.जी.पी. और पी.जी.पी. – एम.बी.ए.	www.iiml.ac.in
8	IIM रायपुर	पी.जी.पी. और पी.जी.पी.डब्ल्यू.ई.	www.iimraipur.ac.in
9	IIM रांची	पी.जी.डी.एम.	www.iimranchi.ac.in
10	IIM रोहतक	पी.जी.पी.	www.iimrohtak.ac.in
11	IIM शिलांग	पी.जी.पी. और पी.जी.पी.ई.एक्स	www.iimshillong.ac.in
12	IIM तिरूचिपल्ली	पी.जी.पी. और पी.जी.पी.बी.एम.	www.iimtrichy.ac.in
13	IIM उदयपुर	पी.जी.पी.	www.iimu.ac.in
14	IIM नागपुर	पी.जी.पी.	www.iimnagpur.ac.in/
15	IIM सिरमौर	पी.जी.पी.	www.iimsirmaur.ac.in/
16	IIM अमृतसर	पी.जी.पी.	www.iimamritsar.ac.in
17	IIM बोधगया	पी.जी.पी.	www.iimbg.ac.in/
18	IIM सम्बलपुर	पी.जी.पी.	www.iimsambalpur.ac.in/
19	IIM विशाखापट्नम	पी.जी.पी.	www.iimv.ac.in/
20	IIM जम्मु	पी.जी.पी.	www.iimj.ac.in/

CAT **का पाठ्यक्रम** :– Quantitative Ability and Data Interpretation के अन्तर्गत सामान्यतः अंकगणित, बीजगणित, सांख्यिकी, त्रिकोणमिति आदि से संबंधित स्नातक स्तर के प्रश्न होते हैं। Verbal Ability and Logical Reasoning में उच्च स्तरीय तर्कशक्ति एवं अंग्रेजी भाषा के ज्ञान से संबंधित प्रश्न होते है। अंग्रेजी के प्रश्नों में Comprehension Reading के प्रश्नों के बहुलता होती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी के लिए आर.एस.अग्रवाल की पुस्तकें तथा NCERT की कक्षा 9वीं एवं 10वीं गणित की पुस्तकें बहुपायोगी है। अंग्रेजी न्यूज पेपर एवं पत्रिकाओं का लगातार अध्ययन आवश्यक है। विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं उनके सॉल्वड उत्तर के लिए आवेदक www.examrace.com का अवलोकन कर प्रश्नों के स्तर का विश्लेषण कर सकते है।

संपर्क :– इस परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक वेबसाईट www. www.iimcat.ac.in से प्राप्त कर सकते है। विभिन्न IIM में उपलब्ध सीटों एवं उनके प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में जानकारी संबंधित IIM के वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है।

एक विचार लो उस विचार को अपना जीवन बना लो। उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो, उस विचार को जीयो और बाकी सभी विचार को किनारे कर दो। यहीं सफल होने का तरीका है।

Take of one idea, make that idea your life - think of it, dream of it, leave on that idea and just leave every other idea alone. This is the way to success.

- स्वामी विवेकानंद

59. कर्मचारी चयन आयोग (मैट्रिक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारत सरकार के विभिन्न विभागों यथा केन्द्रीय मंत्रालय सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, निर्वाचन आयोग, आयकर विभाग, सी0बी0आई0, नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय आदि में डाटा एण्ट्री ऑपरेटर एवं सहायक ग्रेड–3 के पदों के लिये संयुक्त मैट्रिक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जून/जुलाई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त मैट्रिक स्तरीय, लिखित परीक्षा सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर माह में बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 27 वर्ष तक

टीप :–

भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (ऑनलाईन)

द्वितीय स्तर – लिखित परीक्षा (विवरणात्मक)

तृतीय स्तर – कम्प्यूटर कौशल परीक्षण/टाइपिंग परीक्षण (जहॉ कहीं लागू हो)

क्र.	पद का नाम	प्रथम स्तर (ऑनलाईन) (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	द्वितीय स्तर लिखित परीक्षा (विवरणात्मक)	तृतीय स्तर कौशल परीक्षा	कुल अंक
1.	डाटा एण्ट्री ऑपरेटर एवं सहायक ग्रेड–3	क. सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति 50 अंक, ख. सामान्य ज्ञान 50 अंक ग. संख्यात्मक अभिरूचि 50 अंक घ. अंग्रेजी परिज्ञान 50 अंक, **कुल प्रश्न 100, कुल अंक 200, कुल अवधि 75 मिनट**	निबंध लेखन, पत्र लेखन **कुल अंक 100, कुल अवधि 60 मिनट** **(टीपः– इस भाग में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।)**	डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद के लिये कम्प्यूटर में डाटा एण्ट्री की गति परीक्षण तथा सहायक ग्रेड–3 पद के लिये कम्प्यूटर में हिन्दी या अंग्रेजी टाइपिंग की परीक्षा ली जाती है।	300 अंक

टीप :– प्रथम स्तर में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

कौशल परीक्षण – लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को संवर्गवार कौशल परीक्षा के लिये आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय में आहुत किया जाता है। डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद के लिये कम्प्यूटर में 8,000 प्रति घंटा की–डिप्रेशन की परीक्षा ली जाती है, इसके लिये आवेदक को अंग्रेजी में 2,000–2,200 की–डिप्रेशन को 15 मिनट में टाईप करना होता है। सहायक ग्रेड–3 पद के लिये आवेदक को अपनी इच्छानुसार हिन्दी या अंग्रेजी में कम्प्यूटर में टाईप करना होता है। अंग्रेजी में टाईप की गति 35 शब्द प्रति मिनट तथा हिन्दी में टाईप की गति 30 शब्द प्रति मिनट की होना चाहिये। आवेदक को इस परीक्षा में 10 मिनट में अंग्रेजी या हिन्दी के दिये हुये पैराग्राफ को टाईप करना होता है। कौशल परीक्षण में सिर्फ उत्तीर्ण होना होता है, इसके अंक वरीयता सूची में नहीं जोड़े जाते हैं।

पाठ्यक्रम :–

प्रथम स्तर – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीप :– घटक क, ख और घ के प्रश्नों का स्तर बारहवीं कक्षा के अनुरूप तथा घटक ग के प्रश्नों के स्तर दसवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

टीप :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. लिखित परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही कौशल परीक्षा के लिये पात्र होते हैं। आयोग इन परीक्षाओं के पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. कम्प्यूटर कौशल परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, इस परीक्षण के अंक वरीयता सूची बनाते समय नहीं जोड़े जाते हैं।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को पदों एवं विभागों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस. अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। सक्सेस मिरर एवं प्रतियोगिता किरण मासिक पत्रिकायें भी लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का मतलब सिर्फ असफल होना नहीं है, बल्कि सफलता का सही अर्थ है अपने असली लक्ष्य को प्राप्त करना। इसका मतलब है पूरा युद्ध जीतना, न कि छोटी मोटी लड़ाईयाँ जीतना।

एडविन सी. ब्लिस्

60. कर्मचारी चयन आयोग
(स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा)

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारत सरकार के विभिन्न विभागों यथा केन्द्रीय मंत्रालय सेवा, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, विदेश मंत्रालय, आयकर विभाग, सी.बी.आई., नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय, डाक विभाग, रेल विभाग, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय आदि में सहायक (असिस्टेंट), निरीक्षक (इंस्पेक्टर), सांख्यिकी अन्वेषक, उच्च श्रेणी लिपिक, कर सहायक, लेखा परीक्षक (ऑडिटर), कनिष्ठ लेखाकार आदि के पदों के लिये प्रतिवर्ष संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त स्नातक स्तरीय, स्तर–1 की परीक्षा सामान्यतः अगस्त माह में तथा स्तर–2 की परीक्षा सामान्यतः नवम्बर, स्तर तीन की परीक्षा जनवरी तथा कौशल परीक्षा सामान्यतः फरवरी माह में बिलासपुर, रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सहायक लेखाधिकारी, सहायक ऑडिट अधिकारी एवं कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी पदों के लिए संबंधित/समकक्ष विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदक ही आवेदन कर सकता है।
2. आयु सीमा –

क्र.	पदों की श्रेणी	आयु सीमा
1.	आयकर निरीक्षक, निरीक्षक (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), डाक निरीक्षक, उच्च श्रेणी लिपिक, कर सहायक, कनिष्ठ लेखाकार आदि	18 वर्ष से 27 वर्ष तक
2.	केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) उपनिरीक्षक	20 वर्ष से 27 वर्ष तक
3.	कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी	26 वर्ष से अधिक नहीं

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

शारीरिक मापदंड :–

क्र.	पद का नाम	महिला	पुरूष
1.	निरीक्षक (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / परीक्षक / निवारक अधिकारी)	**लंबाई** 152 सेमी. **भार** 48 किग्रा. **पैदल चलना** 20 मिनट में 1 किमी., **सायकल चलाना** 25 मिनट में 3 किमी.	**लंबाई** 157.5 सेमी. **सीना** 81 सेमी. **पैदल चलना** 15 मिनट में 1600 मी., **सायकल चलाना** 30 मिनट में 8 किमी.
2.	सी0बी0आई0 उपनिरीक्षक	**लंबाई** 150 सेमी., दृष्टिदोष नहीं होना चाहिये।	**लंबाई** 165 सेमी., **सीना** 76 सेमी., दृष्टिदोष नहीं होना चाहिये।

आवेदन प्रक्रिया :– कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय / उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 4 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार CBT)

द्वितीय स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार CBT)

तृतीय स्तर – लिखित परीक्षा (विवरणात्मक प्रकार पेन, पेपर मोड)

चतुर्थ स्तर – कम्प्यूटर परीक्षण (जहॉ कहीं लागू हो)

क्र.	पद का नाम	स्तर–1 परीक्षा	स्तर–2 परीक्षा	स्तर–3 परीक्षा	स्तर–4 परीक्षा	कुल अंक
1	2	3	4	5	6	7
1.	सहायक निरीक्षक (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), निरीक्षक (आयकर, डाकविभाग, सी.बी.आई.), कर सहायक	क. सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति 50 अंक, ख. सामान्य ज्ञान 50 अंक ग. संख्यात्मक अभिरूचि 50 अंक घ. अंग्रेजी परिज्ञान 50 अंक, **कुल प्रश्न 100, कुल अंक 200, कुल अवधि 2 घंटा**	**प्रथम पेपर** अंकगणितिय क्षमता कुल प्रश्न 100, कुल अंक 200, कुल अवधि 2 घंटा **द्वितीय पेपर** अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान कुल प्रश्न 100, कुल अंक 200, कुल अवधि 2 घंटा **कुल अंक 400**	हिन्दी या अंग्रेजी में निबंध, पत्र एवं सारांश लेखन 100 अंक समय 60 मिनट	केन्द्रीय सचिवालय में कर सहायक के पद के लिये कम्प्यूटर प्रवीणता परीक्षण	700 अंक

2.	सहायक लेखाधिकारी एवं सहायक ऑडिट अधिकारी (CAG के अंतर्गत)	–//–	उपरोक्त प्रश्न पत्र 01 एवं 02 के साथ–साथ वित्त एवं अर्थशास्त्र का प्रश्न पत्र 03 (कुल प्रश्न 100 कुल अंक 200) **कुल अंक 600**	–//–		900 अंक
3.	कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी	–//–	प्रश्न पत्र 1 एवं 2 के साथ–साथ तथा प्रश्न पत्र 3 सांख्यिकी **कुल प्रश्न 200, कुल अंक 200, कुल अवधि 2 घंटा कुल अंक 600**	–//–	–	900 अंक

टीप :– स्तर–1 और स्तर–2 परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। प्रत्येक भाग में आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

पाठ्यक्रम :–

परीक्षा का स्तर–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीप :– घटक क, ख और घ के प्रश्नों का स्तर स्नातक के डिग्री के अनुरूप तथा घटक ग के प्रश्नों के स्तर बारहवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

परीक्षा का स्तर–2 प्रश्न पत्र 1 अंकगणित क्षमता – इसके प्रश्नों को अभ्यर्थी द्वारा संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग तथा संख्या के बोध की क्षमता की जांच के लिये तैयार किया जाता है।

प्रश्न पत्र 2 अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान – इस घटक में अभ्यर्थी के अंग्रेजी भाषा की समझ और जानकारी की जांच के लिये प्रश्न तैयार किये जाते हैं।

विशेषः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. स्तर–1 के परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदक ही स्तर–2 के परीक्षा के लिये पात्र होते हैं। आयोग इन परीक्षाओं के पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. कम्प्यूटर कौशल परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, इस परीक्षण के अंक वरीयता सूची बनाते समय नहीं जोड़े जाते हैं।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को पदों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। सक्सेस मिरर एवं प्रतियोगिता दर्पण मासिक पत्रिकायें भी लाभदायक है। NCERT की छठवीं से दसवीं कक्षा तक की सभी विषयों की पुस्तकें बहुपयोगी हैं।

संपर्क :–उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यूँ हीं नही मिलती राही को मंजिल,
एक जुनून सा दिल में जगाना होता है।
पूछा किसी ने चिड़िया से कैसे बना आशियाना,
चिड़िया बोली –
भरनी पड़ती उड़ान बार–बार,
तिनका–तिनका उठाना होता है।।

61. केन्द्रीय कार्यालयों में जूनियर इंजीनियर संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय कार्यालयों यथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD), सीमा सड़क संगठन (BRO), सेना इंजीनियरिंग सेवा (MES), केन्द्रीय जल आयोग (CWC), आदि में जूनियर इंजीनियर (सिविल, मेकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, क्वांटिटी सर्वे) आदि के लिए संयुक्त परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रायपुर, सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। ये पद भारत सरकार के सामान्य केन्द्रीय सेवा (तकनीकी) के अन्तर्गत ग्रुप–बी अराजपत्रित, गैर मंत्रालयीन संवर्ग के पद है।

आवश्यक अर्हता :–

क्रमांक	विभाग का नाम	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	आयु सीमा
1	CPWD	**जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं इलेक्ट्रीकल)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 27 वर्ष**
2	MES	**जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल)**	संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिग्री **अथवा** संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा एवं दो वर्ष का अनुभव	**18 से 30 वर्ष**
3	MES	**जूनियर इंजीनियर** (Quantity Surveying & Contract)	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 27 वर्ष**
4	BRO	**जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकनिकल, इलेक्ट्रीकल)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष तथा दो वर्ष का संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वांछनीय)**	**18 से 30 वर्ष**
5	CWC	**जूनियर इंजीनियर (सिविल एवं मैकनिक)**	**संबंधित शाखा में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष**	**18 से 32 वर्ष**

टीप :— 1. भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

2. आवेदकों के आयु की गणना विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी की स्थिति में किया जाता है तथा इस तिथि को उनके पास न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता का प्रमाण पत्र होना आवश्यक होता है।

आवेदन प्रक्रिया :—

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न विभागों एवं पदों के लिए अपना वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा योजना :—

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है —

प्रारंभिक परीक्षा — वस्तुनिष्ठ प्रश्न (कुल 200 अंक)

लिखित परीक्षा — वर्णनात्मक प्रश्न (कुल 300 अंक)

प्रारंभिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्न)

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	50	50	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	50	50	
3.	पार्ट–A सामान्य इंजीनियरिंग (Civil & Structural) **या** पार्ट–B सामान्य इंजीनियरिंग (Electrical) या पार्ट–C सामान्य इंजीनियरिंग (Mechnical)	100	100	
	योग	**200**	**200**	

लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्न) (प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों के लिए)

क्र.	विषय का नाम	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	पार्ट–A सामान्य इंजीनियरिंग (Civil & Structural) **या** पार्ट–B सामान्य इंजीनियरिंग (Electrical) **या** पार्ट–C सामान्य इंजीनियरिंग (Mechnical)	300	2 घंटा

टीप :— 1. प्रारंभिक परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

2. प्रारंभिक परीक्षा के तृतीय भाग तथा लिखित परीक्षा में आवेदक को अपने योग्यता एवं आवेदित पद के अनुसार तीनों भागों में से किसी एक भाग के प्रश्न को हल करना होता है।

3. आवेदको को सिर्फ लिखित परीक्षा के लिए अपना स्लाईड रूल, नॉन प्रोग्रामेबल केलकुलेटर, लॉगरेथियम टेबल, स्टीम टेबल आदि ले जाने की अनुमति होती है। यह अनुमति प्रारंभिक परीक्षा के लिए नहीं होती है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रारंभिक परीक्षा के प्रत्येक भाग एवं कुल भाग में वर्गवार अलग–अलग न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं आवेदकों का ही लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाता है।

चयन का तरीका :– प्रारंभिक परीक्षा और लखित परीक्षा के कुल प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सेवाओं के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके चयन की अनुसंशा करता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) इंजीनियरिंग – इसके पाठ्यक्रम लगभग डिप्लोमा स्तर का होता है।

प्रश्न पत्र–2 भाग–A ((Civil & Structural Engineering)) :– इस प्रश्न पत्र में Building Materials, Estimating, Costing and Valuation, Surveying, Soil Mechanics, Hydraulics, Irrigation Enigineering, Transportaion Engineering, Environmental Engineering, Theory of Structures, Concrete Technology, RCC Design, Steel Design आदि से सबंधित प्रश्न होते है।

भाग–B (Electrical Engineering) – इस प्रश्न पत्र में Circuit Law, Magnetic Circuit, AC Fundamentals, Measurement and measuring instruments, Electrical Machines, Sunchoronous Machines, Generation, Transmission and Distribution, Estimation and Costing, Utillization of Electrical Energy, Basic Electronics आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–C (Mechnical Engineering) – इस प्रश्न पत्र में Theory of Machines and Machine Design, Engineering Mechanics and Strength of Materials, Properties of Pure Substances, 1^{st} Law of Thermodynamics, 2^{nd} Law of Thermodynamics, Air standard cycles for IC

engines, Fluid Mechanics and Machinery, Production Engineering आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी विभागों में अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय (All India Services Liability AISL) के होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभागों एवं पदों की वरीयता उल्लेखित करना अनिवार्य होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी। इंजीनियरिंग विषय के प्रश्न पत्रों के लिए बी.ई. की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परिश्रम सौभाग्य की जननी है।
Diligence is the mother of good luck.
- Benjamin Franklin

62. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कॉंस्टेबिल संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल असम रायफल्स तथा सशस्त्र सीमा बल) में कॉंस्टेबिल (आरक्षक) के पदों के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः दिसम्बर/जनवरी माह में बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर तथा जगदलपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :-

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 23 वर्ष तक

टीप :- भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :- निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है। 10% पद भू.पू.सै. के लिए आरक्षित होते है। महिला आवेदक सिर्फ उन्हीं पदों के लिए पात्र होते है जो उनके अलग से चिन्हित किये जाते है।

शारीरिक मापदंड :- (सभी पदों के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. (अजजा के लिए 150 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 170 सेमी. (अजजा के लिए 162 सेमी.) **सीना** 80 सेमी. (अजजा के लिए 76 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :- ऊंचाई तथा सीना के संबंध में जम्मू कश्मीर एवं पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए नियमानुसार छूट दी जाती है।

शारीरिक दक्षता :-

क्र.	महिला	पुरूष
1	(क) 8.00 मिनट में 1600 मी. की दौड़	(क) 24 मिनट में 5000 मी. की दौड़

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :– कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है।

टीप :– सभी बलों में राज्यवार तथा वर्गवार आरक्षण होता है। राज्यवार आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के पास उस राज्य विशेष का मूल निवास प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। केन्द्रीय पुलिस संगठन के कर्मचारियों के बच्चे अपने मूल राज्य या अपने पालक के पदस्थापना वाले राज्य का मूल निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उस राज्य के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकते है। नक्सल प्रभावित जिलों तथा विदेशी राष्ट्रो के सीमा से लगे भारत के विभन्न राज्यों के जिलों के मूल निवासियों के लिए भी पद आरक्षित होते है।

परीक्षा योजना :– आवेदन करने वाले सभी आवेदकों का पहले शारीरिक मापदण्ड परीक्षण (PST) एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET) लिया जाता है, जो आवेदक इन परीक्षणों के लिए निर्धारित मापदण्डों को पूरा करने में सफल होते है उन्हीं की लिखित परीक्षा ली जाती है। लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार की होती है जिसकी संरचना निम्नानुसार है :–

लिखित परीक्षा

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
A	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	25	25	2 घंटा
B	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	25	25	
C	मात्रात्मक अभिरूचि	25	25	
D	अंग्रेजी **या** हिन्दी भाषा	25	25	
	योग	100	100	

टीप :– लिखित परीक्षा के भाग A,B एवं C सभी आवेदकों के लिए अनिवार्य होता है। आवेदक भाग D में अपने इच्छानुसार अंग्रेजी या हिन्दी खण्ड का चयन करके उसके प्रश्नों को हल कर सकता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा में सफल होने के लिए सामान्य वर्ग के आवेदकों को 35% अंक तथा अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 33% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जो आवेदक आयोग द्वारा

निर्धारित यह न्यूनतम अर्हक अंक अर्जित कर लेते है उनका चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का राज्यवार एवं बलवार लिखित परीक्षा के अंको के आधार पर वरीयता सूची तैयार करके चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :— लिखित परीक्षा — (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति — इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी — इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि — इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी/हिन्दी परिज्ञान — इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी/हिन्दी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीप :— प्रश्नों का स्तर 10वीं कक्षा के अनुरूप होता है।

विशेष :— 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/ अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. शारिरिक मापदण्ड परीक्षण एवं शारिरिक दक्षता परीक्षण में अर्ह घोषित किये गये आवेदक ही लिखित परीक्षा में शामिल हो सकते है।

3. इन सेवायें में महिलाओं के लिए विशेष रूप से चिन्हित पद आरक्षित होते है।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है।

संपर्क :— उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे–5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तितली महीने नहीं क्षण गिनती है और उसके पास पर्याप्त समय होता है।
The butterfly counts not months but moments and has time enough.
- Ravindranath Tagore

63. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल तथा सशस्त्र सीमा बल) में उपनिरीक्षक तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में उप निरीक्षक एवं सहायक उपनिरीक्षक के पदों के लिये संयुक्त उपनिरीक्षक चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा प्रारंभिक सामान्यतः अप्रैल/मई तथा लिखित परीक्षा द्वितीय चरण नवम्बर/दिसम्बर माह में बिलासपुर, रायपुर, अंबिकापुर तथा जगदलपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु सीमा – 20 वर्ष से 25 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिए)

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. (अजजा के लिए 154 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 170 सेमी. (अजजा के लिए 162.5 सेमी.) **सीना** 80 सेमी.(अजजा के लिए 77 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च्व दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

कर्मचारी चयन आयोग के संबंधित क्षेत्रीय/उपक्षेत्रीय कार्यालय में अभ्यर्थी द्वारा केवल एक ही आवेदन पत्र ऑनलाईन माध्यम से जमा करना होता है। ऑनलाईन आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थी http://ssconline.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को आवेदन पत्र में परीक्षा केन्द्र भी दर्शाना होता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक मापदण्ड परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण

तृतीय स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति	50	50	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य जानकारी	50	50	
3.	मात्रात्मक अभिरूचि	50	50	
4.	अंग्रेजी परिज्ञान	50	50	
	योग	**200**	**200**	

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक मापदण्ड परीक्षण एवं मेडिकल परीक्षण

शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए पुरूषों एवं महिलाओं हेतु निर्धारित मापदण्ड निम्नानुसार हैः–

पुरूषों हेतु		**महिलाओं हेतु**	
100 मी. दौड़	– 16 सेकण्ड	100 मी. दौड़	– 18 सेकण्ड
1600 मी. दौड़	– 6.5 मिनट	800 मी. दौड़	– 04 मिनट
लम्बी कूद	– 3.65 मीटर (3 मौका)	लम्बी कूद	– 2.7 मीटर (3 मौका)
ऊंची कूद	– 1.2 मीटर (3 मौका)	ऊंची कूद	– 0.9 मीटर (3 मौका)
गोला फेंक	– 4.5 मीटर (3 मौका)		–

तृतीय स्तर –लिखित परीक्षा

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान	200	200	2 घंटा

टीप :– प्रथम स्तर एवं तृतीय स्तर में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :– आयोग, प्रथम स्तर के प्रत्येक भाग एवं कुल भाग में वर्गवार अलग–अलग न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं का द्वितीय स्तर में शारीरिक क्षमता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। शारिरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का ही तृतीय स्तर में लिखित परीक्षा लिया जाता है।

चयन का तरीका :– लिखित परीक्षा के प्रथम एवं तृतीय स्तर (कुल अंक 400) के प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके चयन करता है। उपनिरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक के पदों के लिए अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में निम्नलिखित सात बाधा स्पर्धायें पास करने पर ही बल में शामिल किया जाता है :– (1) लंबवत बोर्ड के ऊपर कूदना (2) बोर्ड से कूदने पर रस्सी पकड़ना (3) टार्जन स्विंग (4) क्षैतिज बोर्ड पर कूदना (5) समानांतर रस्सी कूदना (6) मंकी क्रॉल (7) लंबवत रस्सी कूदना।

पाठ्यक्रम :–

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

प्रश्न पत्र–2 अंग्रेजी भाषा एवं परिज्ञान :– इस प्रश्न पत्र में आवेदक के अंग्रेजी भाषा की समक्ष और जानकारी की जांच के लिए ऐसे प्रश्न होते है जो मुख्यतः गलती की पहचान, व्याकरण, वाक्य गठन, समानार्थक, विलोमार्थक, मुहावरा आदि पर आधारित होता हैं।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं। अल्पसंख्यकों के लिए 4.50 प्रतिशत आरक्षण, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उपलब्ध 27 प्रतिशत आरक्षण में ही होता है।

2. प्रथम स्तर के परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदकों का ही शारिरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। आयोग प्रथम स्तर हेतु पूरे प्रश्न पत्र के लिये एवं प्रश्न पत्र के प्रत्येक खण्ड के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है।

3. सीमा सुरक्षा बल तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिलाओं के लिए पद आरक्षित होते है।

4. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते हैं, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

5. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। अरिहन्त पब्लिकेशन के सॉल्वड पेपर एवं द हिन्दू समाचार पत्र भी उपयोगी है।

संपर्क :—

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक उपनिदेशक, कर्मचारी चयन आयोग, जे—5 अनुपम नगर, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या कर्मचारी चयन आयोग के वेबसाईट http://ssc.nic.in या www.ssc.mpr.org से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सपना वह नहीं है जो नींद में आये बल्कि सपना तो वो है जिसे पूरा किये बिना नींद न आये। सफल भविष्य के लिए बंद आंखों से नहीं, खुले आंखों से सपने देखिए।

डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलॉम

64. छत्तीसगढ़ पुलिस सब–इंस्पेक्टर संयुक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस में सुबेदार, उपनिरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर भर्ती के लिये प्रतिवर्ष संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

आवश्यक अर्हता :–

1. सूबेदार, उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक विशेष शाखा तथा प्लाटून कमांडर पद हेतु आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

2. उपनिरीक्षक रेडियो पद हेतु किसी मान्यता विश्वविद्यालय/संस्था से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रानिक्स/टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्ष का डिप्लोमा या समकक्ष परीक्षा।

3. उपनिरीक्षक (अंगुल चिन्ह/विवादास्पद दस्तावेज) पद हेतु किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से गणित, भौतिक तथा रसायन के साथ स्नातक या उसके समतुल्य उपाधि।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक मापदंडः– (सभी पदों के लिए)

क्र.	**महिला**	**पुरूष**
1.	**ऊंचाई** 153 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 168 सेमी. **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :–

आवेदन पत्र छ0ग0 राज्य के समस्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में विक्रय किये जाते हैं तथा वहीं जमा भी किया जाता है। अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में यह विशेष रूप से उल्लेख करना होता है कि वह किस अनुक्रम में विभिन्न पदों पर चयन हेतु इच्छुक है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

अ. प्रथम चरण– प्रथम चरण में निम्न 3 स्तर होते हैं –

1. शारीरिक नापजोख परीक्षा – प्रथम चरण में संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवेदकों के प्रमाण पत्रों की जांच एवं शारीरिक माप का परीक्षण किया जाता है।

2. प्रारंभिक लिखित परीक्षा – शारीरिक नापजोख परीक्षा में अर्ह पाये गये आवेदकों का प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित किया जाता है। यह लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है, जिसमें दो घंटे की समय अवधि में आवेदक को 100 प्रश्न हल करने होते हैं। इस परीक्षा का पूर्णांक 300 अंक होता है तथा इसके परिणाम के आधार पर मैरिट लिस्ट तैयार करके संवर्गवार रिक्त पदों की संख्या के 15 गुना आवेदकों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है।

3. मुख्य लिखित परीक्षा – यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक दोनों प्रकार की होती है। इसकी संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	अधिकतम अंक	कुल समय	रिमार्क
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी में दक्षता	300 (हिन्दी 200 अंक एवं अंग्रेजी 100)	2 घंटा	सभी पदों हेतु
2.	सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	300	3 घंटा	सभी पदों हेतु
3.	विज्ञान (गणित, भौतिक एवं रसायन)	300	2 घंटा	केवल उपनिरीक्षक रेडियो एवं अंगुल चिन्ह/क्यू.डी.

ब. द्वितीय चरण – प्रथम चरण के मुख्य लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के मेरिट अनुसार संवर्गवार रिक्त पदों की संख्या के 5 गुना अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिये बुलाया जाता है।

शारीरिक दक्षता परीक्षा – यह परीक्षा 300 अंक का होता है। इसमें 60–60 अंक के निम्न 5 मद में टेस्ट लिया जाता है – 1. लम्बी कूद, 2. ऊंची कूद, 3. गोला फेक, 4. 100 मीटर दौड़, 5, 1500 मीटर दौड़। शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये आवेदक को कुल अंकों का 30 प्रतिशत अर्थात 90 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है, जो अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में 90 अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं, वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं।

साक्षात्कार :– साक्षात्कार 100 अंक का होता है।

बोनस अंक – निम्न विशेष योग्यता वाले आवेदकों को प्रत्येक शीर्ष में 10 अंक बोनस के रूप में दिया जाता है, लेकिन अधिकतम बोनस अंक 20 अंक होता है।

क्र.	प्रमाण पत्र	पद
1.	एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण पत्र	सभी पदों के लिये
2.	एल.एल.बी./फोरेंसिक विज्ञान/अपराध विज्ञान में उपाधि	उपनिरीक्षक पदों के लिये
3.	फोरेंसिक विज्ञान में उपाधि/पत्रोपाधि	उपनिरीक्षक अंगुल चिन्ह
4.	शारीरिक शिक्षा उपाधि/पत्रोपाधि	सुबेदार तथा प्लाटून कमांडर
5.	इलेक्ट्रानिक्स/इलेक्ट्रिकल/दूरसंचार में इंजीनियरिंग उपाधि	उपनिरीक्षक रेडियो

चयन का तरीका :– मुख्य लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण तथा बोनस अंकों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची तैयार कर संवर्गवार चयन किया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

प्रारंभिक लिखित परीक्षा – इसमें छत्तीसगढ़ के सामान्य जानकारी एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न होते हैं।

मुख्य लिखित परीक्षा – 1. हिन्दी एवं अंग्रेजी में दक्षता – इस प्रश्न पत्र में वर्णनात्मक एवं वस्तुनिष्ठ दोनों प्रकार के प्रश्न होते हैं। इसमें आवेदक को हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में निबंध लिखना होता है तथा हिन्दी–अंग्रेजी अनुवाद, भाषा ज्ञान आदि के प्रश्न होते हैं।

2. सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन – यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है, जिसमें सामान्य अध्ययन के अंतर्गत विभिन्न विषयों जैसे इतिहास, भूगोल, हिन्दी साहित्य, विज्ञान, खेल एवं समसाममियक घटनाक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं।

3. विज्ञान – इस प्रश्न पत्र में वर्णनात्मक एवं वस्तुनिष्ठ दोनों प्रकार के प्रश्न होते हैं। इसके अंतर्गत पूछे जाने वाले प्रश्न गणित, भौतिक एवं रसायन से संबंधित स्नातक स्तर के होते हैं।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट, अरिहन्त प्रकाशन एवं उपकार प्रकाशन की छत्तीसगढ वृहद संदर्भ आदि पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से दसवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है। अंग्रेजी में दक्षता के लिए अरिहन्त पब्लिकेशन एवं व्ही.के. सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें उपयोगी है। हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरदेव बाहरी, अरिहन्त प्रकाशन एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगितादर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिका का अध्ययन लाभदायक है। विज्ञान विषय की पुस्तकों के लिए स्नातक स्तर तक के कॉलेज की पुस्तकें लाभदायक है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या छ0ग0 पुलिस के वेबसाईट www.cg.police.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं तो आप कर सकते हैं। अगर आप सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते हैं तो आप नहीं कर सकते हैं। और किसी भी तरह से . . .आप सही हैं।

If you think you can –you can ! If you think you can not –you cannot! And either way …..you are right.

- Shiv Khera

65. छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग के पदों पर भर्ती के लिये प्रतिवर्ष संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

आवश्यक अर्हता :—

1. आवेदक को 10+2 प्रणाली के अंतर्गत दसवीं कक्षा की परीक्षा अथवा हायर सेकेण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा छ0ग0 या मध्य प्रदेश राज्य स्थित विद्यालय या महाविद्यालय से उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः— 1. अनुसूचित अनजाति के आठवीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदक शैक्षणिक रूप से पात्र होते हैं।

2. प्रदेश में नक्सल पीड़ित परिवार या नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों में निवासरत परिवार या बस्तर संभाग के जिलों के स्थानीय निवासियों के लिये शैक्षणिक अर्हता पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण है।

2. आयु सीमा — 18 वर्ष से 28 वर्ष तक (बस्तर संभाग के आवेदकों के लिये 18 वर्ष से 35 वर्ष तक)

टीप :— छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :— निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक अर्हता—

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 158 सेमी. (बस्तर संभाग के जिलों के लिये **ऊंचाई** सामान्यतः 153 सेमी. एवं अजजा के आवेदकों के लिये 148 सेमी.) **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 168 सेमी. (अजजा के लिये 158 सेमी.) (बस्तर संभाग के जिलों के लिये **ऊंचाई** सामान्यतः 163 सेमी. एवं अजजा के आवेदकों के लिये 150 सेमी.) **सीना** 81 सेमी. (अजजा एवं बस्तर संभाग के आवेदकों के लिये 76 सेमी.) फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :— आवेदक को निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया :—

आवेदन पत्र छ0ग0 राज्य के समस्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में विक्रय किये जाते हैं तथा वहीं जमा भी किया जाता है। अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में यह विशेष रूप से उल्लेख करना होता है कि वह किस अनुक्रम में विभिन्न पदों पर चयन हेतु इच्छुक है।

परीक्षा योजना :—

परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है —

प्रथम चरण – शारीरिक प्रवीणता टेस्ट – प्रथम चरण में संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवेदकों के प्रमाण पत्रों की जांच एवं शारीरिक माप का परीक्षण किया जाता है। शारीरिक नापजोख में योग्य पाये गये आवेदकों का विभाग द्वारा शारीरिक प्रवीणता परीक्षा लिया जाता है। यह प्रवीणता परीक्षा 100 अंक का होता है। इसमें 20–20 अंक के निम्न 5 मद में टेस्ट लिया जाता है – 1. लम्बी कूद, 2. ऊंची कूद, 3. 100 मीटर दौड़, 4. 800 मीटर दौड़, 5. पुरूषों को पीठ पर 20 किलोग्राम एवं महिलाओं को 10 किलोग्राम वजन रखकर 100 मीटर दौड़ना होता है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदक को 60 प्रतिशत तथा अजजा/अजा/अपिव आवेदकों 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है तथा सभी आइटमों में भाग लेना भी अनिवार्य होता है। उपर्युक्त पांचों आइटमों हेतु उम्मीदवारों को केवल एक ही अवसर प्रदान किया जाता है, जो अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं, वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं।

द्वितीय चरण – लिखित परीक्षा – शारीरिक प्रवीणता टेस्ट के परिणाम के आधार वर्गवार एवं जिला वार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा रिक्त पदों की संख्या के 15 गुना आवेदकों को लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है। लिखित परीक्षा कुल 100 अंकों की होती है, जिसमें आवेदक को 2 घंटे की अवधि में 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करना होता है। लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, बुद्धि क्षमता, विश्लेषण क्षमता तथा अंक गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं।

लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर संवर्गवार वरीयता सूची तैयार करके विज्ञापित पदों की संख्या के अधिकतम 5 गुना अभ्यर्थियों को दौड़ के लिये बुलाया जाता है। पुरूष अभ्यर्थियों को 15 किलोमीटर की तथा महिला अभ्यर्थियों को 8 किलोमीटर की दौड़/चाल को अधिकतम दो घंटों में पूरा करना आवश्यक होता है। दौड़ में पात्र होने पर ही वे नियुक्ति के लिये पात्र होते हैं। इसके लिये कोई अंक निर्धारित नहीं होता है।

बोनस अंक–निम्न विशेष योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को प्रत्येक मद के लिये 5 अंक बोनस अंक दी जाती है –

1. मोटर वाहन चालन का हैवी लाइसेंसधारी,
2. राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में प्रवीणता,
3. एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण पत्रधारी

टीप – विशेष योग्यता के बोनस अंक कुल मिलाकर 10 से अधिक नहीं होंगे अर्थात् दो से अधिक विशेष योग्यता होने पर भी बोनस अंक 10 ही होंगे।

चयन का तरीका :– जो अभ्यर्थी दौड़/चाल निर्धारित समयावधि में पूर्ण करते हैं, उनके शारीरिक प्रवीणता टेस्ट 100 अंक, लिखित परीक्षा अंक 100 अंक, बोनस अंक 10 के आधार पर वरीयता सूची जिलेवार एवं संवर्गवार तैयार की जाती है। नियुक्ति के पात्रता हेतु उम्मीदवार को मेडिकली फिट होना भी अनिवार्य होता है, इस हेतु मेडिकल परीक्षण भी कराया जाता है।

पाठ्यक्रम :–

लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान

टीपः– प्रश्नों का स्तर दसवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या छ0ग0 पुलिस के वेबसाईट www.cg.police.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Try Try Again

This a lesson you should heed, If at first you don't succeed,
Try, Try again, Then your courage should appear,
For if you will persevere, You will conquer, never fear,
Try, Try again, Once or twice, though you should fail,
If you would at last prevail, Try, Try again,
If we strive, this no disgrace Though we do not win the race,
What should you do in the case ?
Try, Try again, If you find your task is hard,
Time will bring you your reward, Try, Try again,
All the other folks can do, Why, with patience, should not you ?
Only keep this rule in view, Try, Try again,

- T. H. Palmer

66. छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल स्थानीय/भारत रक्षित वाहिनियों के लिए आरक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल के स्थानीय एवं भारत रक्षित वाहिनियों में आरक्षक संवर्ग के पदों पर भर्ती के लिये प्रतिवर्ष संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को स्थानीय वाहिनी हेतु 10+2 प्रणाली के अंतर्गत दसवीं कक्षा की परीक्षा अथवा हायर सेकेण्डरी अथवा समकक्ष परीक्षा छ0ग0 या मध्य प्रदेश राज्य स्थित विद्यालय या महाविद्यालय से उत्तीर्ण होना चाहिये। भारत रक्षित वाहिनी के लिए उपरोक्त परीक्षा किसी भी राज्य से उत्तीर्ण होना चाहिए।

टीपः– 1. अनुसूचित अनजाति के आठवीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदक शैक्षणिक रूप से पात्र होते हैं।

2. प्रदेश में नक्सल पीड़ित परिवार या नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों में निवासरत परिवारों के लिये शैक्षणिक अर्हता पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 28 वर्ष तक

टीप :– छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

टीप :– निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।

शारीरिक अर्हता–

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 158 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 168 सेमी. **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चश्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

निवास संबंधी अर्हता :– स्थानीय वाहिनी हेतु आवेदक छ.ग. का मूल निवासी एवं राज्य के किसी रोजगार कार्यालय में पंजीयन होना अनिवार्य है, भारत रक्षित वाहिनी के लिए किसी भी राज्य का मूल निवासी एवं किसी राज्य के रोजगार कार्यालय में पंजीयन होने पर आवेदक पात्र होता है।

आवेदन प्रक्रिया :– आवेदन पत्र छ.ग. राज्य के 16 सशस्त्र पुलिस बल के बटालियन कार्यालयों में विक्रय किये जाते हैं तथा वहीं जमा भी किया जाता है। अभ्यर्थी को आवेदन पत्र में यह विशेष रूप से उल्लेख करना होता है कि वह किस अनुक्रम में विभिन्न पदों पर चयन हेतु इच्छुक है।

मूल प्रमाण पत्रों की जांच, शारीरिक नापतौल, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं लिखित परीक्षा हेतु केन्द्र :— उपरोक्त कार्य प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई, द्वितीय वाहिनी, छसबल सकरी बिलासपुर, चौथी वाहिनी छसबल, माना रायपुर, पांचवी वाहिनी छसबल, जगदलपुर तथा दसवीं वाहिनी छसबल सरगुजा में आयोजित किया जाता है।

परीक्षा योजना :— परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है —

प्रथम चरण — प्रमाण पत्रों की छानबीन एवं शारीरिक नापजोख :— सर्वप्रथम आवेदन पत्रों की छानबीन की जाती है तथा इसमें पात्र पाये गये आवेदको का ऊपर उल्लेखित पांच छसबल कार्यालय में शारीरिक नापजोख किया जाता है। शारीरिक नापजोख में पात्र अभ्यर्थी का शारीरिक दक्षता परीक्षा लिया जाता है।

द्वितीय चरण :—

शारीरिक प्रवीणता टेस्ट — शारीरिक नापजोख में योग्य पाये गये आवेदकों का विभाग द्वारा शारीरिक प्रवीणता परीक्षा लिया जाता है। यह प्रवीणता परीक्षा 150 अंक का होता है। इसमें 50—50 अंक के निम्न 3 प्रतिस्पर्धाओं में टेस्ट लिया जाता है — 1. 400 मी. दौड़, 2. 1500 मी. दौड़, 3. पुरूषों के लिए 5 किमी. दौड़ तथा महिलाओं के लिए 03 किमी. दौड़। शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्य वर्ग के आवेदक को 50 प्रतिशत तथा अजजा/अजा/अपिव आवेदकों 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है तथा सभी आइटमों में भाग लेना भी अनिवार्य होता है। उपर्युकत तीनों आइटमों हेतु उम्मीदवारों को केवल एक ही अवसर प्रदान किया जाता है, जो अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में निर्धारित अंक प्राप्त करने में असफल होते हैं, वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं।

तृतीय चरण — लिखित परीक्षा — शारीरिक प्रवीणता टेस्ट के परिणाम के आधार वर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा रिक्त पदों की संख्या के 15 गुना आवेदकों को लिखित परीक्षा के लिये पात्र घोषित किया जाता है। लिखित परीक्षा कुल 100 अंकों की होती है, जिसमें आवेदक को 2 घंटे की अवधि में 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करना होता है। लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, बुद्धि क्षमता, विश्लेषण क्षमता तथा अंक गणित के प्रश्न पूछे जाते हैं।

बोनस अंक — (अ) निम्न विशेष योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को प्रत्येक मद के लिये 5 अंक बोनस अंक दी जाती है

1. मोटर वाहन चालन का हैवी लाइसेंसधारी,
2. राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में प्रवीणता,
3. एन.सी.सी. 'सी' प्रमाण पत्रधारी
4. शासन द्वारा प्राधिकृत संस्था से कम्प्यूटर पाठ्यक्रम डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र

टीप — विशेष योग्यता के बोनस अंक कुल मिलाकर 10 से अधिक नहीं होंगे अर्थात् दो से अधिक विशेष योग्यता होने पर भी बोनस अंक 10 ही होंगे।

(ब) विशेष पुलिस अधिकारी के पद पर न्यूनतम एक वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके आवेदकों को 20 अंक अतिरिक्त बोनस दिया जाता है।

चयन का तरीका :— शारीरिक प्रवीणता टेस्ट 150 अंक, लिखित परीक्षा अंक 100 अंक, बोनस अंक 30 के आधार पर वरीयता सूची संवर्गवार तैयार की जाती है। नियुक्ति के पात्रता हेतु उम्मीदवार को मेडिकली फिट होना भी अनिवार्य होता है, इस हेतु मेडिकल परीक्षण भी कराया जाता है।

पाठ्यक्रम :—

लिखित परीक्षा — (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति — इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी — इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि — इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान

टीपः— प्रश्नों का स्तर दसवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है।

संपर्क :—

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या छ0ग0 पुलिस के वेबसाईट www.cg.police.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

किसी एक विचार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाओं। कुविचारों का त्याग कर केवल उसी विचार के बारे में सोंचो। तुम पाओगे कि सफलता तुम्हारी कदम चुम रही है।

— स्वामी विवेकानंद

67. भारतीय थलसेना में सैनिक भर्ती परीक्षा

शारीरिक रूप से स्वथ्य एवं सुदृढ़ युवाओं की नियुक्ति भारतीय थल सेना द्वारा सैनिक के रूप में विभिन्न पदों में की जाती है। सैनिक के रूप में भर्ती सैनिक भर्ती कार्यालयों द्वारा विज्ञापन या भर्ती रैली आयोजित कर की जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के लिये प्रतिवर्ष दो बार सैनिक भर्ती रैलियों का आयोजन विभिन्न जिला मुख्यालय में किया जाता है। वर्ष 2017 में यह भर्ती रैली बिलासपुर (मई 2017) में आयोजित किया गया। आवेदकों को अपना आवेदन ऑनलाईन करना अनिवार्य होता है। यह आवेदन www. joinindianarmy.nic.in पर करना होता है। इसके लिए आवेदक को अपना ई–मेल आई.डी. बनाना अनिवार्य है।

<u>पद एवं आवश्यक शैक्षणिक, शारीरिक योग्यता</u>

पद का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	शारीरिक योग्यता		
			कद (से.मी.)	वजन (कि.ग्रा.)	सीना (से.मी.)
सैनिक सामान्य ड्यूटी	10वीं कक्षा पास (45% अंकों में उत्तीर्ण तथा प्रत्येक विषय में कम से कम 33% अंक प्राप्त किये हो) यदि प्रार्थी ने 12वीं पास की हो तो 10वीं कक्षा में उत्तीर्ण अंक ही पर्याप्त होगें।	$17\frac{1}{2}$ से 21 वर्ष	168	50	77 / 82
सैनिक लिपिक (क्लर्क / स्टोर कीपर)	12वीं या समकक्ष पास (कला, वाणिज्य या विज्ञान विषयों में) कम से कम कुल 50% अंक और प्रत्येक विषय में कम से कम 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। 10वीं या 12वीं में अंग्रेजी तथा गणित में कम से कम 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। यदि प्रार्थी स्नातक में अंग्रेजी और गणित से उत्तीर्ण हो तो 10वीं व 12वीं में प्रत्येक विषय में 40% अंक होना आवश्यक है।	$17\frac{1}{2}$ से 23 वर्ष	162	50	77 / 82
सैनिक नर्सिंग सहायक	12वीं या समकक्ष पास (अंग्रेजी, भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान विषयों से कम से कम कुल 50% अंक और प्रत्येक विषय में कम से कम 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो और यदि बॉटनी, जुलॉजी, बायोसांइस एवं अंग्रेजी विषय के साथ बी.एस.सी. उत्तीर्ण की है तो 12वीं या समकक्ष में प्रतिशत लागू नहीं है।)	$17\frac{1}{2}$ से 23 वर्ष	167	50	77 / 82
सैनिक तकनीकी ड्रेसर	12वीं या समकक्ष पास (अंग्रेजी, भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान विषयों से कम से कम कुल 50% अंक और प्रत्येक विषय में कम से कम 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो और यदि बॉटनी, जुलॉजी, बायोसांइस एवं अंग्रेजी विषय के साथ बी.एस.सी. उत्तीर्ण की है तो 12वीं या समकक्ष में प्रतिशत लागू नहीं है।)	$17\frac{1}{2}$ से 21 वर्ष	167	50	77 / 82
सैनिक तकनीकी (ड्रेसर)	12वीं अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो	$17\frac{1}{2}$ से 23 वर्ष	167	50	76 / 81

सैनिक ट्रेडमेन	आंठवी और उच्च शिक्षा प्राप्त	$17\frac{1}{2}$ से 23 वर्ष	168	48	71/81
सैनिक ट्रेडमेंन	दसवीं और उच्च शिक्षा प्राप्त	$17\frac{1}{2}$ से 23 वर्ष	168	48	71/81

योग्यता में छूट

क्र.	वर्ग	प्राप्त छूट				
		शैक्ष. योग्यता	ऊंचाई	सीना	वजन	लिखित परीक्षा
1	भूतपूर्व/सेवारत सैनिकों के पुत्र को	–	02 से.मी.	01 से.मी.	02 कि. ग्रा.	अतिरिक्त 20 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए
2	खिलाड़ियों के लिए – पिछले 2 साल में राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय/ स्कूल/ कालेज/जिला/विश्वविद्यालय /राज्य स्तरीय पहली या दूसरी श्रेणी पिछले 2 सालों में प्राप्त होने पर	–	02 से.मी.	03 से.मी.	05 कि.ग्रा.	20 अंक अंतराष्ट्रीय, 15 अंक, राष्ट्रीय, 10 अंक राज्य, 05 अंक वि.वि. या जिला स्तर पर।
3	एन.सी.सी. के ए, बी, सी प्रमाण पत्र धारक	–	–	–	–	सैनिक सामान्य ड्यूटी एवं ट्रेडमेन की लिखित परीक्षा में छूट । प्रमाण – 5 अंक ठ प्रमाण – 10 अंक ब प्रमाण – 15 अंक
4	अनुसूचित जनजाति (ST) आवेदकों हेतु ऊंचाई 162 से.मी., वजन 48 कि.ग्रा., शिक्षा 8वीं पास (सामान्य ड्यूटी, ट्रेडमेन) प्राथी के लिए। लिखित परीक्षा में प्रवेश पत्र जारी होने से पूर्व आवेदक को अपनी पसंद देना होता है कि वह किस श्रेणी (8वीं/10वीं) का लिखित पेपर देना चाहता है। 10वीं पर आधारित पेपर देता है तो सामान्य मेरिट लिस्ट में माना जावेगा, जिसके पदों की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक होती है।					
5	लिपिक पद हेतु वे अभ्यार्थी जिनके पास ओ प्लस या उससे अधिक स्तर का कम्प्यूटर प्रमाण पत्र हो जो डी.ओ.ई.ए.सी.सी. सोसायटी द्वारा जारी किया गया उसे 15 अंक लिखित परीक्षा में अतिरिक्त अंक मिलते हैं।					

चयन प्रक्रिया :– भारतीय थल सेना द्वारा आयोजित भर्ती रैली में चयन की प्रक्रिया निम्नानुसार सम्पन्न होती है –

1600 मीटर की दौड़ – इस दौड़ को पूर्ण करने हेतु अधिकतम 5 मिनट 45 सेकंड का समय निर्धारित है।

05 मिनट 30 सेकंड में दौड़ पूरी करने पर – 60 अंक

05 मिनट 31 सेकंड से 05 मिनट 45 सेकंड में – 48 अंक

06 मिनट 46 सेकंड के पश्चात् — फेल

बीम लगाना — बीम अंदर से पकड़ कर लगाया जाता है। इसके अंक निम्नानुसार है —

10 बीम लगाने पर — 40 अंक

09 बीम लगाने पर — 33 अंक

08 बीम लगाने पर — 27 अंक

07 बीम लगाने पर — 21 अंक

06 बीम लगाने पर — 16 अंक

06 बीम से कम — फेल

बीम एवं दौड़ के अतिरिक्त 09 फीट गड्डा कुदना तथा बैलेसिंग बीम पर चलना पड़ता है।

चिकित्सा जॉच :— शारीरिक परीक्षा में सफल अभ्यार्थियों का थल सेना की चिकित्सा टीम द्वारा चिकित्सा जॉच की जाती है।

लिखित परीक्षा :—

लिखित परीक्षा विभिन्न पदों के लिए निम्नानुसार होता है :—

क्र.	पद का नाम	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	न्यूनतम अर्हक अंक	समय
1.	सैनिक (सामान्य ड्यूटी)	50 (गणित—15, विज्ञान—15, सामान्य ज्ञान—20)	100	40	1 घण्टा
2.	सैनिक (ट्रेडमेन)	50 (गणित—15, विज्ञान—15, सामान्य ज्ञान—20)	100	40	1 घण्टा
3.	सैनिक(लिपिक / स्टोर कीपर)	50 (गणित—06, विज्ञान—05, सामान्य ज्ञान—05, कम्प्यूटर 09, अंग्रेजी बहुविकल्पीय एवं वर्णनात्मक दोनो प्रकार के प्रश्न)	200 (इसमें से 100 अंक अंग्रेजी का होता है, शेष 100 अंक अन्य सभी भाग के लिए होता है।	80	1 घण्टा
4.	सैनिक (तकनीकी)	50 (गणित—15, रसायन—10, भौतिक—15 सामान्य ज्ञान—10)	200	80	1 घण्टा

टीप :— 1. सैनिक (सामान्य ड्यूटी एवं ट्रेडमेन) में नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है तथा प्रत्येक गलत उत्तर पर आधा अंक (0.5) काटा जाता है।

अंतिम चयन सूची :—

सैनिक (सामान्य ड्यूटी एवं ट्रेडमेन) पद पर चयन शारीरिक परीक्षण के 100 अंक एवं लिखित परीक्षा के 100 अंक के योग 200 अंक के प्राप्तांकों के आधार पर किया जाता है।

सैनिक (तकनीकी एवं लिपिक) पद पर अंतिम चयन लिखित परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर ही किया जाता है। इसमें शारीरिक परीक्षण के अंक नहीं जोड़े जाते है।

टीप :— (1) सेना भर्ती में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिए कोई आरक्षण नहीं होता है।

(2) सेना के ये पद पुरुष आवेदकों के लिए ही होते है।

परीक्षा की तैयारी :— लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए अरिहन्त प्रकाशन, लूसेन्ट प्रकाशन की सामान्य ज्ञान, रामसिंह यादव तथा उपकार प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। ट्रेडमेन एवं जीडी के लिए SCERT रायपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तिका भी लाभदायक है।

संपर्क :—

थल सेना में भर्ती का आयोजन सेना भर्ती कार्यालयों द्वारा किया जाता है। छत्तीसगढ़ में सेना भर्ती का आयोजन सेना भर्ती कार्यालय, उदयाचल सोसायटी, भारत माता स्कूल के पीछे, टाटीबंध रायपुर द्वारा किया जाता है। अधिक जानकारी हेतु उनके दूरभाष नं. 0771—2573965 या मुख्यालय भर्ती कार्यालय (म.प्र. एवं छ.ग.) 0761—2600242 (कम्प्यूटर पूछताछ) से संपर्क कर सकते है। सेना के वेबसाईट www.indianarmy.nic.in में लागऑन कर सकते है। या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है।

संघर्ष से प्राप्त सफलता ही स्थायी होता है

जीवविज्ञान के एक अध्यापक अपने छात्रों को पढ़ा रहे थे कि सूँड़ी (caterpillar) तितली में कैसे बदल जाती है। उन्होंने छात्रों को बताया कि कुछ ही घंटों में तितली अपनी खोल से बाहर निकलने की कोशिश करेगी। उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि वे खोल से बाहर निकलने में तितली की मदद न करें। इतना कहकर वह कक्षा से बाहर चले गये।

छात्र इंतजार करते रहे। तितली खोल से बाहर निकलने के लिये संघर्ष करने लगी। एक छात्र को उस पर दया आ गई। अपने अध्यापक की सलाह न मानकर उसने खोल से बाहर निकलने में तितली की मदद करने का फैसला लिया। उसने खोल को तोड़ दिया, जिसकी वजह से तितली को बाहर निकलने के लिये और मेहनत नहीं करनी पड़ी, लेकिन बाहर निकलने के कुछ समय बाद ही तितली मर गई।

वापस लौटने पर अध्यापक को सारी घटना मालूम हुई। तब उन्होंने छात्रों को बताया कि खोल से बाहर आने के लिये तितली को जो संघर्ष करना पड़ता है, उसी की वजह से उसके पंखों को मजबूती और शक्ति मिलती है। यही प्रकृति का नियम है। तितली की मदद करके छात्र ने उसे संघर्ष करने का मौका नहीं दिया, नतिजा यह हुआ कि वह मर गई।

यही उसूल हमारी जिंदगी पर भी लागू होता है, बिना संघर्ष के प्राप्त की गई सफलता स्थायी नहीं होता है।

68. भारतीय वायुसेना में ग्रुप X एवं ग्रुप Y की भर्ती परीक्षा

भारतीय वायुसेना द्वारा ग्रुप X (तकनीकी संवर्ग) एवं ग्रुप Y (गैर तकनीकी संवर्ग) में ।पतउमद की भर्ती की जाती है। यह भर्ती देशभर में अलग–अलग स्थलों में स्थापित वायुसेना के एयरमेन भर्ती कार्यालयों द्वारा विज्ञापन जारी कर एवं भर्ती रैली आयोजित करके की जाती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश में भर्ती भोपाल (म.प्र.) में स्थित केन्द्र द्वारा की जाती है।

ग्रुप X (तकनीकी संवर्ग) में भर्ती

आयु :– 17 वर्ष से कम एवं 21 वर्ष से अधिक न हो।

शैक्षणिक योग्यता :–

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ गणित एवं भौतिकी एवं अंग्रेजी विषय के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये या मान्यता प्राप्त पॉलीटेक्निक संस्थान से मेकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रिकल, आटोमोबाईल, कम्प्यूटर विज्ञान, इंस्ट्रूमेंटेशन, सूचना प्रौद्योगिकी में तीन वर्षीय डिप्लोमा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों सहित उत्तीर्ण हो। यदि डिप्लोमा में अंग्रेजी एक विषय के रूप में नही है तो 10+2/मेट्रिक में अंग्रेजी विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए।

शारीरिक योग्यता :– ऊंचाई न्यूनतम 152.5 सेमी.

सीना – 75 सेमी., फुलाव – न्यूनतम 5 सेमी.

वजन – अनुपातिक

दृष्टि – 6/12 प्रत्येक आंख या 6/6 एक में दूसरा 6/36 चश्में सहित

चयन प्रक्रिया :– वायुसेना में चयन प्रक्रिया 4 स्तरों में पूर्ण होती है –

1. **लिखित परीक्षा** – कक्षा 12वीं के सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के आधार पर ग्रुप X हेतु 60 मिनट का वस्तुनिष्ठ प्रश्न होता है, जिसमें अंग्रेजी, भौतिकी एवं गणित विषय सम्मिलित रहते है। इसमें परीक्षा के प्रत्येक भाग अलग–अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना आवश्यक होता है।

2. **शारीरिक योग्यता परीक्षा** – लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को 7 मिनट में 1600 मीटर दौड़ पूरी करनी होती है। निर्धारित समय से पूर्व दौड़ पूरी करने पर बोनस अंक दिया जाता है। समयावधि 10 पुशअप एवं 10 सीटअप भी करना होता है।

3. **अनुकूलनशीलता परीक्षण** – शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का अनुकूलनशीलता परीक्षण–1 (AT-1, 30 मिनट का मनोविज्ञान का वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र) एवं अनुकूलनशीलता परीक्षण–2 (AT-2, समूह परिचर्चा) वायुसेना द्वारा गठित समिति द्वारा किया जाता है।

4. चिकित्सा जॉच – साक्षात्कार में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की चिकित्सा जॉच वायुसेना के चिकित्सा मानकों के आधार पर बैतुल (म.प्र.) स्थित वायुसेना के चिकित्सालय में विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाता है।

ग्रुप Y (गैर तकनीकी संवर्ग) में भर्ती

विभिन्न पदों के लिए योग्यता मापदण्ड :–

क्र.	पद का नाम	शारीरिक मापदण्ड				शैक्षणिक योग्यता	आयु सीमा
		उंचाई न्यूनतम	सीने का न्यूनतम विस्तार	दृष्टि	टांगे न्यूनतम		
1	भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)	152.5 से.मी.	5 से.मी.	बिना चश्मे के दृष्टि तीक्ष्णता 6/6	–	किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था/बोर्ड से बारहवीं या समकक्ष परीक्षा किसी भी विषय संकाय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से तथा उसमें अंग्रेजी विषय की परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।	17 वर्ष से 21 वर्ष तक
2.	भारतीय वायु सेना (पुलिस)	165 से.मी.	5 से.मी.	बिना चश्मे के दृष्टि तीक्ष्णता 6/6	–		
3.	ग्राउंड ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर	165 से.मी.	5 से.मी.	प्रत्येक आंख में तीक्ष्णता 6/12	–		
4.	ऑटो टेक्नीशियन	165 से.मी.	5 से.मी.	प्रत्येक आंख में तीक्ष्णता 6/12	99 से.मी.		

<u>चयन प्रक्रिया:–</u>

1. भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)

चयन प्रक्रिया में प्रथम दिवस प्रमाण पत्रों की जांच उपरांत आवेदकों का शारीरिक फिटनेस परीक्षा आयोजित किया जायेगा। जिसमें उन्हें 1.6 कि.मी. की दौड़ 5 मिनट 40 सेकण्ड में पूरी करनी होगी। इसके साथ ही इस पद के लिए 20 पुशअप, 20 सीटअप, 8 बीम लगाना तथा 20 उठक–बैठक पूरी करनी होती है। शारीरिक फिटनेस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले आवेदकों के लिए लिखित परीक्षा होगा जिसमें अंग्रेजी, तर्कशक्ति एवं सामान्य ज्ञान के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिसके लिए 45 मिनट का समय निर्धारित है। आवेदक को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है। लिखित परीक्षा का परिणाम उसी दिन घोषित किया जाता है।

लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों के लिए द्वितीय दिवस को अनुकूलनशीलता परीक्षण–1 (AT-1) को आयोजित किया जायेगा, जिसमें मनोवैज्ञानिक श्रेणी के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को 30 मिनट में हल करना होता है। AT-1 में उत्तीर्ण आवेदकों के लिए अनुकूलनशीलता परीक्षण–2 (AT-2) आयोजित होगा, जिसमें 8 से 10 आवेदकों के मध्य समूह परिचर्चा (Group Disscussion) होगा। इसमें आवेदकों को अपने विचार अंग्रेजी भाषा में

प्रस्तुत करना होगा। इसमें सफल आवेदकों का चिकित्सा परीक्षण वायु सेना के बैतूल (म.प्र.) स्थित चिकित्सालय में होता है।

2. भारतीय वायु सेना (पुलिस), ग्राउंड ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर, ऑटो टेक्नीशियन

चयन प्रक्रिया में प्रथम दिवस प्रमाण पत्रों की जांच उपरांत आवेदकों का लिखित परीक्षा होगा जिसमें अंग्रेजी, तर्कशक्ति एवं सामान्य ज्ञान के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे जिसके लिए 45 मिनट का समय निर्धारित है। आवेदक को लिखित परीक्षा के प्रत्येक भाग में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है। लिखित परीक्षा का परिणाम उसी दिन घोषित किया जाता है। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों का उसी दिन अनुकूलनशीलता परीक्षण–1 (AT-1) को आयोजित किया जायेगा, जिसमें मनोवैज्ञानिक श्रेणी के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को 30 मिनट में हल करना होता है।

अनुकूलनशीलता परीक्षण–1 (AT-1) में सफल आवेदकों का द्वितीय दिवस को शारीरिक फिटनेस परीक्षा आयोजित किया जायेगा, जिसमें आवेदकों को 7 मिनट के अंदर 1.6 कि.मी. की दौड़ पूरी करनी होती है। इसके साथ ही इसमें क्वालीफाई करने के लिए 10 पुशअप, 10 सीटअप तथा 20 उठक–बैठक पूरी करनी होगी। शारीरिक फिटनेस परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों का अनुकूलनशीलता परीक्षण–2 (AT-2) आयोजित होगा, जिसमें 8 से 10 आवेदकों के मध्य समूह परिचर्चा (Group Disscussion) होगा। इसमें आवेदकों को अपने विचार अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत करना होगा। इसमें सफल आवेदकों का चिकित्सा परीक्षण वायु सेना के बैतूल (म.प्र.) स्थित चिकित्सालय में होता है।

<u>वेतन एवं भत्तेः–</u>

प्रशिक्षण के दौरान रूपये 11400/– प्रतिमाह वृत्तिका। प्रशिक्षण उपरांत लगभग 24900/– रूपये प्रतिमाह परिलब्धियां जो कि बाद के वर्षो में लगभग रूपये 43900/– प्रतिमाह तक बढ़ सकती है। मुफ्त राशन, कपड़ा, आवास, चिकित्सा सुविधा, छुट्टी यात्रा रियायत, 35.00 लाख रूपये तक का समूह बीमा आदि एवं भारत सरकार द्वारा सैनिक सेवा के लिए समय–समय पर घोषित अन्य सुविधाएं।

<u>आवश्यक दस्तावेजः–</u>

1. 10 पासपोर्ट आकार के रंगीन नवीनतम फोटो।
2. 02 सफेद रंग के 26X12 सेमी साईज के लिफाफे।
3. दसवीं एवं बाहरवीं कक्षा के अंकसूची/प्रमाण पत्र।
4. एन.सी.सी. प्रमाण पत्र की मूल प्रति (यदि हो तो)।
5. प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी मूल निवास प्रमाण पत्र।
6. सभी दस्तावेजों की मूल एवं 3–3 सत्यापित फोटोकापी।
7. रबर, पेंसिल एवं पेन अनिवार्य रूप से साथ में लाये।

सावधानियॉं

1. रैली सुबह 04.00 बजे ही प्रारंभ हो जाती है अतः समय पूर्व भर्ती स्थल पर पहुॅचे। साथ में आवश्यक कपड़े, जरूरी सामान, कुछ खाने पीने का सामान, पानी अवश्य रखें।
2. मोबाईल, कैलकुलेटर वर्जित है।
3. नाखून, बाल छोटे रखें, दॉंत एवं कान की सफाई कर ही रैली में भाग लेवें।
4. वायुसेना में चयन आपकी योग्यता के आधार पर ही होगा। अतः किसी बहकावे में न आवें।

सामान्य निर्देश :–

1. भर्ती रैली में शामिल होने के लिए पहले से आवेदन पत्र भरने की आवश्यकता नही होती है। भर्ती तिथि को सुबह 5 बजे से 9 बजे तक टोकन प्राप्त कर आवेदक प्रमाण पत्रों के सत्यापन एवं लिखित परीक्षा में भाग ले सकते है।
2. भर्ती रैली में केवल अविवाहित युवक ही भाग ले सकते है।
3. लिखित परीक्षा के पाठ्यक्रम, मॉडल पेपर एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.airmenselection.gov.in से प्राप्त कर सकते है।

विस्तृत जानकारी :–

वायुसेना के बेवसाईट www.indianairforce.nic.in पर लॉगआन करें या एयरमेन भर्ती कार्यालय, राजीव गांधी परिसर, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) से दूरभाष नं. 0755–2660634 या ई मेल 15ascbhopal@gmail.com में संपर्क किया जा सकता है।

सफलता पहले से की गई तैयारी पर निर्भर है और बिना ऐसी तैयारी के असफलता निश्चित है।

Success depends upon previous preparations, and without such preparations there is sure to be failure.

- Confucius

69. भारतीय नौसेना में अल्प सेवा कमीशन आयोग की तकनीकी शाखाओं के अंतर्गत यूनिवर्सिटी एंट्री स्कीम में भर्ती

भारत सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीयता के सापेक्ष में अविवाहित भारतीय नागरिकों से भारतीय नौसेना की तकनीकी/कार्यकारी शाखा में अल्प सेवा कमीशन के यूनिवर्सिटी एंट्री स्कीम के तहत् प्रतिवर्ष जुलाई से प्रारंभ होने वाले पाठ्यक्रम के लिये भर्ती हेतु आवेदन पत्र सामान्यतः फरवरी/मार्च में आमंत्रित किये जाते हैं।

आवश्यक अर्हता :–

आवेदक निम्नलिखित में से किसी एक शाखा में, किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में पढ़ रहा हो और 6 सेमेस्टर तक कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो –

तकनीकी शाखा

क्र.	शाखा	बी.ई./बी.टेक. में स्ट्रीम	लिंग
1.	अभियांत्रिकी शाखा	1. यांत्रिकी, 2. मैरिन, 3, ऑमोटीव, 4, मेक्ट्रोनिक्स, 5. औद्योगिकी उत्पादन, 6. मैट्रालॉजी, वैकानिकी	केवल पुरूष
2.	विद्युती शाखा	1. विद्युत, 2. इलेक्ट्रानिकी, 3. दूरसंचार, 4. इंस्ट्रुमेंटेशन, 5. इंस्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल, 6. इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन 7. इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन, 8. पावरइंजीनियरिंग, 9. कंट्रोल सिस्टम इंजिनियरिंग, 10. पावर इलेक्ट्रानिक्स	केवल पुरूष
3.	नेवल आर्किटेक्चर कैडर	1. यांत्रिकी, 2. सिविल, 3. वैमानिकी/एरो स्पेस, 4. मैट्रालॉजी, 5. नेवल आर्किटेक्चर	महिला एवं पुरूष

कार्यकारी शाखा

क्र.	शाखा	बी.ई./बी.टेक. में स्ट्रीम	लिंग
1.	सामान्य सेवा (एक्ज्यूटिव)	1. यांत्रिकी, 2. मैरिन, 3. वैमानिकी, 4. उत्पादन, 5. म्प्यूटर साइंस इंजिनियरिंग, 6. सूचना तकनीकी, 7. कंट्रोल, 8. विद्युत, 9. इलेक्ट्रानिक्स, 10. दूरसंचार	केवल पुरूष
2.	संभरण कैडर	1. यांत्रिकी, 2. मैरिन, 3. वैमानिकी, 4. उत्पादन, 5. म्प्यूटर साइंस इंजिनियरिंग, 6. सूचना तकनीकी, 7. कंट्रोल, 8. विद्युत, 9. इलेक्ट्रानिक्स, 10. दूरसंचार	महिला एवं पुरूष

आयु सीमा – 19 वर्ष से 24 वर्ष तक

नोट :–

1. निम्नांकित अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र नहीं होते हैं –

अ. वैसे अभ्यर्थी जो अपने अंतिम सेमेस्टर (8वें सेमेस्टर) में हों या बी.ई./बी.टेक. डिग्री पास पास लिया है,

ब. आवेदन पत्र भरते वक्त जिनका बैकलॉग होता हैं।

2. अभ्यर्थी को भारतीय नौसेना में कमीशन के लिये डिग्री में कुल प्राप्तांक (1 से 8वें सेमेस्टर तक) कम से कम 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

3. शारीरिक मापदण्ड – अभ्यर्थी को निम्नलिखित शारीरिक मापदण्डों के अनुसार निश्चित रूप से योग्य होना चाहिये –

क. कद व भार – न्यूनतम कद – पुरूष के लिये 157 सेमी तथा महिला के लिये 152 सेमी एवं उसके अनुरूप भार

ख. दृष्टि – 1. तकनीकी शाखा – 6/24, 6/24, चश्में के साथ प्रत्येक आंख में 6/6

2. सामान्य सेवा (कार्यकारी शाखा) – 6/12, 6/12, चश्में के साथ प्रत्येक आंख में 6/6

3. संभरण कैडर (कार्यकारी शाखा) – 6/60, 6/60, चश्में के साथ प्रत्येक आंख में 6/6, 6/12, अभ्यर्थी को रतांधता/रंगाधता न हो

सेवा के नियम एवं शर्तें – चयनित उम्मीदवारों को नौसेना मुख्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से सब लेफ्टिनेंट के रैंक पर नियुक्त किया जाता है। अभ्यर्थियों को अल्प सेवा कमीशन दिया जाता है। प्रारंभ में वे परीक्षण अवधि पर होते हैं, जो सब–लेफ्टिनेंट के रैंक मिलने पर शुरू होती है और प्रशिक्षण के लिये नौसेना स्थापना पर रिपोर्ट करने की तिथि से 2 वर्ष बाद समाप्त होती है। इस अवधि के दौरान अभ्यर्थी उस रैंक का आधा मूल वेतन पाने का अधिकारी होता है, जो उसको नौसेना स्थापना में पदभार ग्रहण करने पर एकमुश्त स्टिपेंड के रूप में दिया जाता है। अल्प सेवा कमीश्न की अवधि 10 वर्ष के लिये होती है, जिसे अधिकारी की परफारमेंश/इच्छा और सेवाओं की आवश्यकताओं के आधार पर 4 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। अभ्यर्थी जो फाइनल डिग्री में कुल 60 प्रतिशत से उत्तीर्ण होने में असफल रहेंगे, उन्हें सर्विस से बिना किसी लाभ के निकाल दिया जाता है।

आवेदन प्रक्रिया :–

जो आवेदक उपरोक्त योग्यता को पूर्ण करते हैं, वे A4 आकार के कागज पर (टंकित या हस्तलिखित) निर्धारित प्रपत्र के अनुसार फार्म को पूर्ण रूप से भरकर और लिफाफे के ऊपर **''यूनिवर्सिटी एंट्री स्कीम तकनीकी शाखा/कार्यकारी शाखा तथा कालेज का नाम और जिला (शहर)–राज्य............................''** लिखकर आवेदन करें। पूर्ण रूप से भरा आवेदन अपने कालेज के स्थान के अनुसार आवेदकों को केवल साधारण डाक से भेजना होता है, ताकि आवेदन निर्धारित तिथि पहुंच जावें। स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट/कूरियर/ईमेल द्वारा भेजे गये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे। छत्तीसगढ़ के आवेदकों को अपना आवेदन पत्र फ्लैग अफसर कमांडिंग– इन–चीफ, (फार कमांड रिक्रूटिंग अफसर) हैडक्वार्टर्स, वैस्टर्न नेवल कमांड, शहीद भगत सिंह मार्ग मुम्बई –400023 पते पर भेजना होता है।

आवेदन के अंत दिये गये प्रमाण पत्र प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर करवाना अनिवार्य होता है। जो अभ्यर्थी एक से अधिक शाखा/कैडर के लिये आवेदन के पात्र हैं उन्हें भी एक ही आवेदन पत्र भरना होता है तथा आवेदन पत्र में वरीयता दर्शाना होता है। आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित सत्यापित प्रतियॉ भेजना अनिवार्य होता है –1. जन्मतिथि और शैक्षणिक योग्यता के सत्यापन हेतु दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र, 2. सभी 6 सेमेस्टरों की अंकतालिकायें।

चयन प्रक्रिया –

छंटनी किये योग्य योग्य अभ्यर्थियों को एकीकृत मुख्यालय–रक्षा मंत्रालय (नौसेना)/कमांड मुख्यालय द्वारा सुझाये गये केन्द्रों पर, अभ्यर्थी को अपने खर्चे पर कैम्पस साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। प्रारंभिक जांच परीक्षा नौसेना चयन टीम के द्वारा लिया जाता है और चयनित अभ्यर्थियों को बंगलौर अथवा भोपाल अथवा कोयम्बटूर में सेना चयन मण्डल साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है।

अ. एस.एस.बी. प्रकिया – चरण 1 में बुद्धिमता जांच, तस्वीर जांच तथा सामूहिक चर्चा जांच शामिल है। अभ्यर्थी जो चरण 1 में अनुत्तीर्ण होंगे, उनको उसी दिन घर लौटा दिया जाता है। चरण 2 में मनौवैज्ञानिक परीक्षण, सामूहिक टास्क, सामूहिक चर्चा तथा साक्षात्कार शामिल होते हैं। एस.एस.बी. साक्षात्कार के दौरान कोई भी दुर्घटना या चोट के लिये कोई भत्ता या राहत देय नहीं होता है। साक्षात्कारों की अवधि 5 दिन की होती है। जो अभ्यर्थी एस.एस.बी. में उत्तीर्ण होते हैं, उनको नजदीकी सैनिक अस्पताल में स्पेशल मेडिकल परीक्षण (लगभग 5 दिन) होता है।

ब. एस.एस.बी. द्वारा चुने तथा चिकित्सीय दृष्टि से स्वस्थ पाये गये अभ्यर्थी को अखिल भारतीय मेधा सूची के अनुसार रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये नियुक्त किया जाता है। सेवा में नियुक्ति की पुष्टि, संतोषजनक चरित्र सत्यापन और पुलिस जांच रिपोर्ट पर निर्भर करता है।

प्रशिक्षण – प्रशिक्षण प्रतिवर्ष जुलाई में नेवल अकादमी एजीमाला (केरल) में प्रारंभ होता है। यूनिवर्सिटी एंट्री स्कीम के लिये अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों को सब–लेफ्टिनेंट के रैंक में प्रवेश देकर नौसेना अमादमी एजीमाला में 20 सप्ताह के नौसेना ओरियंटेशन पाठ्यक्रम हेतु और अन्य नौसेना शिक्षण संस्थान यूनिट/पोत में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अनुशासित जीवन शैली, नेतृत्व संबंधी योग्यतायें तथा सेवाकाल में प्राप्त कार्य संबंधी योग्यतायें नौसेना से सेवानिवृत्ति के बाद दूसरा व्यवसाय धारण करने में लाभप्रद सिद्ध होती है।

वेतनमान एवं पदोन्नति – सब–लेफ्टिनेंट से कमांडर तक समयानुसार सभी सेवाशर्तों को पूरा करने पर पदोन्नति होती है। रैंक के अनुसार पे स्केल निम्नलिखित है –

रैंक	पे बैण्ड/स्केल	ग्रेड वेतन	मिलीट्री सर्विस वेतन
सब लेफ्टिनेंट	पीबी3/15600–39100	5400	6000
लेफ्टिनेंट	पीबी3/15600–39100	6100	6000
लेफ्टिनेंट कमांडर	पीबी3/15600–39100	6600	6000
कमांडर	पीबी4/37400–67000	8000	6000

(यह 6वां वेतनमान के आधार पर है)

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त भर्ती के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय नौसेना के वेबसाईट www.nausena-bharti.nic.in से प्राप्त कर सकते हैं।

छोटी–छोटी बातों से ही परिपूर्णता आती है और परिपूर्णता कोई छोटी बात नहीं है।
– शिव खेड़ा

70. एल.आई.सी. सहायक विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अपने विभिन्न जोनों के मण्डल कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले शाखाओं के लिये सहायक विकास अधिकारी पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1.आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

2. अनुभव – क. भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों को स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद का निगम में कम से कम 3 वर्ष का कार्यानुभव।

ख. भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के लिये शहरी क्षेत्र में कम से कम 5 वर्ष का तथा ग्रामीण क्षेत्र में कम से कम 4 वर्ष का कार्यानुभव।

ग. **अन्य** – बीमा क्षेत्र में कम से कम 2 वर्ष कार्य करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :– भारतीय जीवन बीमा के वेबसाईट http://www.licindia.in/careers.htm में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है। आवेदन पत्र में आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम के जोन तथा संबंधित जोन के मण्डल के नाम का उल्लेख करना अनिवार्य होता है। रिक्तियॉ मण्डलवार जारी की जाती है तथा आवेदक सिर्फ 1 मण्डल के लिये ही आवेदन कर सकता है।

परीक्षा योजना :– (ऑनलाईन) भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	प्रथम	तार्किक योग्यता	25	25	2 घंटा
2.		संख्यात्मक योग्यता	25	25	
3.	द्वितीय	सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	25	25	
4.		अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	25	25	
		योग	**100**	**100**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 विकल्प दिये जाते हैं तथा गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। जो आवेदक वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण घोषित किये जाते हैं, उन्हें ही व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है।

साक्षात्कार – ऑनलाईन परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चुने हुये उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है, इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। उम्मीदवारों को साक्षात्कार में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन विधि – ऑनलाईन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है।

परिलब्धियॉ एवं परिवीक्षा अवधि – वेतनमान रू. 11535–700 (2) 12935–825 (2) 14585–840 (17) 28865 में प्रतिमाह तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

गारण्टी बॉड– परिवीक्षार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम में नियुक्ति की तिथि से कम से कम 4 वर्षों की अवधि के लिये (परिवीक्षा अवधि सहित) सेवा करने का वचन बन्ध देना होता है, जिसे पूर्ण करने पर उसे या उसके उत्तरअधिकारियों को निगम को रू. 25,000/– की परिनिर्धारित क्षति चुकानी होती है।

ऑनलाईन परीक्षा के संबंध में सामान्य जानकारी – ऑनलाईन परीक्षा के संबंध में परीक्षा हॉल में टेस्ट एडमिनिस्ट्रेटर द्वारा विस्तृत निर्देश दिये जाते हैं, जिससे आवेदकों को ध्यानपूर्वक सुनकर अपने शंकाओं का समाधान कर लेना चाहिये। सामान्य जानकारी निम्नानुसार है –

1. एक बार परीक्षा शुरू हो जाने पर किसी भी परिस्थिति में उम्मीदवार को की–बोर्ड का कोई भी बटन क्लिक नहीं करना चाहिये, क्योंकि इससे परीक्षा लॉक हो जाती है।

2. कम्प्यूटर स्क्रिन के टॉप पर सेक्शन डिस्प्ले रहता है, सेक्शन के नाम पर क्लिक करने पर सेक्शन के प्रश्न देखे जा सकते हैं। आवेदक जो सेक्शन चाहे, वह हाईलाईट हो जाता है।

3. प्रश्न पत्र बटन क्लिक करके आवेदक सारा पेपर एक साथ देख सकता है। किसी नंबर के प्रश्न पर सीधे जाने के लिये स्क्रिन के दॉये प्रश्न प्लेट पर प्रश्न क्लिक करना होता है।

4. अपना उत्तर चुनने के लिये आवेदक को एक विकल्प बटन पर क्लिक करना होता है तथा उस उत्तर को सुरक्षित करने के लिये सेव और नेक्स्ट पर क्लिक करना होता है।

5. किसी प्रश्न के उत्तर बदलने के लिये पहले प्रश्न को सेलेक्ट करना होता है, फिर नये पर क्लिक करके उसके बाद सेव नेक्स्ट बटन को क्लिक करना होता है।

6. किसी सेक्शन के अंतिम प्रश्न पर सेव एण्ड नेक्स्ट बटन क्लिक करने के बाद आवेदक अपने आप अगले सेक्शन के पहले प्रश्न पर पहुंच जाता है।

7. स्क्रीन के ऊपर दाहिने कोने पर घड़ी लगी रहती है। यहॉ लगा काउण्ट डाउन टाईमर परीक्षा पूरी करने के लिये शेष समय को दर्शाता है। घड़ी पूरी तरह से चल जाने पर परीक्षा का समय स्वतः पूरा हो जाता है तथा कम्प्यूटर सिस्टम अपने आप बंद हो जाता है।

पाठ्यक्रम :– लिखित परीक्षा – (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अजा/अजजा के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में भोजन एवं रहने का खर्च आवेदक को उठाना होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट, अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम एवं बैंकिंग के प्रश्नों के लिए भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in मासिक पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण एवं योजना लाभदायक है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय जीवन बीमा निगम के वेबसाईट www.licindia.in/careers से प्राप्त कर सकते हैं।

अधिकतर महान लोगों ने अपनी सबसे बड़ी सफलता, अपनी सबसे बड़ी विफलता के एक कदम आगे हासिल की है।

Most great people have attained their greatest success just one step beyond their greatest failure. - Napoleon Hill

71. एल.आई.सी. सहायक प्रशासनिक अधिकारी भर्ती परीक्षा

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अपने मण्डल कार्यालयों के लिये सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में एक साथ आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यदि कोई विश्वविद्यालय अंक के जगह ग्रेड प्रदान करता है, तो अभ्यर्थी को अपने उपलब्ध किये हुये ग्रेड के समतुल्य में स्पष्ट रूप से उल्लेखित करने चाहिये तथा यह निर्धारित अंकों से अधिक होना चाहिये।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

भारतीय जीवन बीमा के वेबसाईट http://www.licindia.in/careers.htm में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किया जाता है, ऑफलाईन आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं। आवेदक के पास स्वयं का वैध ईमेल आईडी होना अनिवार्य है, क्योंकि निगम सभी पत्राचार इस ईमेल आईडी पर करता है।

परीक्षा योजना :– (ऑनलाईन)

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ऑनलाईन आयोजित की जाती है, परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	तार्किक योग्यता	30	90	2 घंटा
2.	संख्यात्मक योग्यता	30	90	
3.	सामान्य ज्ञान, समसामयिक ज्ञान	30	60	
4.	कम्प्यूटर ज्ञान	30	60	
5.	अंग्रेजी ज्ञान, व्याकरण, शब्दावली एवं भाषा बोध पर विशेष बल	40	100	
	योग	**160**	**400**	

टीप :— लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है। जो आवेदक वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षा के प्रत्येक भाग में उत्तीर्ण घोषित किये जाते हैं, उन्हें ही व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है।

साक्षात्कार —

ऑनलाईन परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर चुने हुये उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है, इसमें बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या संवर्गवार भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या की तीन गुनी होती है। उम्मीदवारों को साक्षात्कार में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा स्वविवेक से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

चयन विधि —

ऑनलाईन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन किया जाता है। चयनित उम्मीदवारों को भर्ती पूर्व चिकित्सा परीक्षा से गुजरना होता है तथा चिकित्सीय रूप से फिट पाये जाने पर ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता है।

परिलब्धियॉ, सेवा शर्ते एवं परिवीक्षा अवधि —

वेतनमान रू. 17240—840 (14)—29000—910 (4) — 32640 में मूलवेतन रू. 17240/— प्रतिमाह तथा नियमानुसार अन्य स्वीकार्य भत्ते।

भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रभावी शर्तें चयनित आवेदकों पर लागू होते हैं तथा चयन उपरांत वे भारत में कहीं भी नियुक्त किये जा सकते है।

परिवीक्षा अवधि सामान्यतः 1 वर्ष के लिये होती है तथा जिसे अधिकतम 2 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

गारण्टी बॉड—

परिवीक्षार्थी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले आवेदक को भारतीय जीवन बीमा निगम में नियुक्ति की तिथि से कम से कम 4 वर्षों की अवधि के लिये (परिवीक्षा अवधि सहित) सेवा करने का वचन बन्ध देना होता है, जिसे पूर्ण करने पर उसे या उसके उत्तरअधिकारियों को निगम को रू. 1 लाख की परिनिर्धारित क्षति चुकानी होती है।

पाठ्यक्रम :—

लिखित परीक्षा — (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति — इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी — इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के साथ मुख्यतः बैंकिंग क्षेत्र के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि — इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान — इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

(ड) कम्प्यूटर ज्ञान – इसमें कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान, ऑपरेटिंग सिस्टम, लैंग्वेज आदि के संबंध में प्रश्न होते हैं।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण – भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा अजा/अजजा के आवेदकों के लिये रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में भोजन एवं रहने का खर्च आवेदक को उठाना होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम एवं बैंकिंग के प्रश्नों के लिए भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in, मासिक पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण एवं योजना लाभदायक है।

संपर्क :– आवेदक उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी भारतीय जीवन बीमा निगम के वेबसाईट www.licindia.in/careers से प्राप्त कर सकते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा रोग "क्या कहेंगे लोग"

एक बार सोहन अपने पत्नी लता एवं बेटे मोहन तथा घोड़े के साथ कहीं जा रहे थे। वे घोड़े में सवार न होकर पैदल जा रहे थे। जब वे एक गांव में प्रवेश करते है तो उस गांव में क्रिकेट खेल रहे बच्चे उन्हे देखकर हंसते हुए कहते है कि ये कैसे नासमझ लोग है कि इतना तंदुरूस्त घोड़ा होने के बावजूद भी उसकी सवारी न करके पैदल चल रहे है। दंपत्ति को उनकी बात सही लगती है तथा वे तीनों घोड़े में बैठ जाते है। गांव में कुछ दूर आगे चलने पर चौपाल में बैठे बुजुर्ग लोग उन्हे देखकर उलाहना भरे स्वर में बोलते है कि ये कैसे निर्दयी लोग है जो एक ही घोड़े में बैठ गये है, ये तो घोड़े की जान ही ले लेगें। सोहन को उनकी बात सही लगती है तथा वह घोड़ा से उतर जाता है। कुछ दूर और आगे चलने पर गांव के पनघट में पानी भर रही महिलायें लता की तरफ देखकर बोलते है कि यह कैसी निर्लज्ज औरत है कि इसका पति पैदल चल रहा है और वो खुद आराम से घोड़े में बैठी है। लता को गांव के महिलाओं की बात सही लगती है और वह भी घोड़ा से उतर जाती है। गांव में कुछ दूर और आगे जाने पर दवाखाना में आये एक परिवार वाले उन्हे देखकर बोलते है कि ये कैसे माता पिता है जिन्होने अपने बेटे मोहन को अकेले घोड़े पर बैठा दिया है इसका तो गिरना निश्चित है तथा आज दवाखाना में एक मरीज और बढ़ने वाला है। दंपत्ति को उनकी बात भी सही लगती है और अपने बेटे को वे घोड़े से उतार लेते है। जब वो गांव से बाहर निकलते है तो वो तीनों अपने घोड़े के साथ पैदल चलते रहते है। अर्थात् जो स्थिति गांव में प्रवेश करने से पहले रहती है वहीं स्थिति गांव से बाहर निकलते समय भी होती है।

जिंदगी में आप जो करना चाहते है वो जरूर कीजिए, ये मत सोचिए कि लोग क्या कहेगे क्योंकि लोग तो तब भी कुछ कहते है जब आप कुछ नहीं करते है। यदि आप लोगो के बातों में आने लगे तो उस दंपत्ति की तरह आपको अपना हर फैसला गलत लगेगा और आप सफल नहीं हो पायेगें।

72. छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (सहायक/कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण/उत्पादन/पारेषण कंपनियों में सहायक/कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) तथा शिफ्ट केमिस्ट (प्रशिक्षु) पदों पर नियुक्ति के लिये प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

शैक्षणिक अर्हता :—

1. आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से प्राप्त निम्नानुसार योग्यता रखता हो —

क्र.	ब्रांच का नाम	सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) के आवश्यक अर्हता	कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) के आवश्यक अर्हता
1.	मेकेनिकल	मेकेनिकल या प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	मेकेनिकल या प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा
2.	इलेक्ट्रिकल	इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रिकल एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रिकल एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा
3.	इलेक्ट्रानिक्स	इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	इलेक्ट्रॉनिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्स्ट्रमेशन इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा
4.	कम्प्यूटर साईंस	कम्प्यूटर साईंस में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	कम्प्यूटर साईंस में 3 वर्षीय डिप्लोमा
5.	इंफार्मेशन टेक्नालाजी	इंफार्मेशन टेक्नालाजी में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	इंफार्मेशन टेक्नालाजी में 3 वर्षीय डिप्लोमा
6.	सिविल	सिविल में बी0ई0 या बी0टेक0 की डिग्री	सिविल में 3 वर्षीय डिप्लोमा

शिफ्ट केमिस्ट कनिष्ट (प्रशिक्षु) हेतु अर्हता — मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 65 प्रतिशत अंकों के साथ उत्त्तीर्ण होना चाहिये। अजा/अजजा के आवेदकों के लिये न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

टीप :— 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आवेदक अपने शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किसी एक ही ब्रांच के आवेदन कर सकता है। यदि अपने योग्यता के आधार पर आवेदक सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) एवं कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) दोनों पदों के लिये

आवेदन करना चाहता है, तो उसे 2 अलग–अलग आवेदन करना होता है तथा इन दोनों आवेदनों में अपना अलग–अलग ईमेल एड्रेस देना होता है।

3. कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) के लिये सिर्फ छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी ही आवेदन कर सकते हैं। सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) एवं शिफ्ट केमिस्ट (प्रशिक्षु) पद के लिये कोई भी भारतीय नागरिक आवेदन कर सकता है।

4. छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों के लिये कुल पदों का 15 प्रतिशत पद आरक्षित होता है तथा उन्हें शैक्षणिक योग्यता में छूट भी प्रदान किया जाता है।

2. आयु सीमा – अ. सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) एवं शिफ्ट केमिस्ट (प्रशिक्षु) पद के लिये 21 वर्ष से 35 वर्ष तक

ब. कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) पद के लिये 19 वर्ष से 35 वर्ष तक

टीप :– 1. छ0ग0 शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छ0ग0 राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के वेबसाईट www.cseb.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) एवं शिफ्ट केमिस्ट (प्रशिक्षु) पद के लिये –

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) –

लिखित परीक्षा में 100 अंकों का वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार का एक प्रश्न पत्र होता है। इन 100 प्रश्नों में 80 प्रश्न संबंधित विषय के तथा 20 प्रश्न सामान्य सचेतना एवं तर्कशक्ति का होता है। प्रत्येक प्रश्न में सही उत्तर पर 1 अंक प्रदान किया जाता है तथा गलत उत्तर पर एक चौथाई अंक काटा जाता है। प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होती है तथा परीक्षा ऑफलाईन होती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) –

प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्व 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 10 अंक का होता है। त्रसाक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया –

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 100) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 10) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) पद के लिये –

इसके लिये सिर्फ लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा में 100 अंकों का वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार का एक प्रश्न पत्र होता है। इन 100 प्रश्नों में 80 प्रश्न संबंधित विषय के तथा 20 प्रश्न सामान्य सचेतना एवं तर्कशक्ति का होता है। प्रत्येक प्रश्न में सही उत्तर पर 1 अंक प्रदान किया जाता है तथा गलत उत्तर पर एक चौथाई अंक काटा जाता है। प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होती है तथा परीक्षा ऑफलाईन होती है।

पाठ्यक्रम :– परीक्षा का पाठ्यक्रम निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के स्तर का होता है। सामान्य सचेतना एवं तर्कशक्ति का प्रश्न एवं बारहवीं कक्षा स्तर का प्रश्न होता है।

अनुबंध – सहायक इंजीनियर (प्रशिक्षु) एवं शिफ्ट केमिस्ट (प्रशिक्षु) पद पर चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों में 4 वर्ष तक कार्य करने तथा रू. 3 लाख का अनुबंध पत्र भरना होता है। कनिष्ठ इंजीनियर (प्रशिक्षु) पद पर चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों में 4 वर्ष तक कार्य करने तथा रू. 1.75 लाख का अनुबंध पत्र भरना होता है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन के सामान्य ज्ञान तथा तर्कशक्ति के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। विषय से सबंधित प्रश्न के लिए अभ्यर्थी बी.ई. स्तर के पुस्तकों का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छ0ग0 लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

असफलता से सफलता का सृजन कीजिये। निराशा और असफलता, सफलता के दो निश्चित आधार स्तंभ है।

Develop success from failures. Discouragement and failure are two of the surest stepping stones to success.

- Dale Carnegie

73. रेल्वे भर्ती बोर्ड (सहायक लोको पायलट भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 21 रेल्वे भर्ती बोर्डों द्वारा सहायक लोको पायलट पद पर नियुक्ति के लिये एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे भर्ती बोर्डों में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल या समकक्ष एवं SCVT/NCVT से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम पूरित अधिनियम प्रशिक्षु या निम्नलिखित 15 ट्रेडों में से किसी एक ट्रेड में आई0टी0आई0 उत्तीर्ण होना चाहिये –

1. फिटर	2. इलेक्ट्रीशियन
3. इन्स्ट्रमेन्ट मैकेनिक	4. मिलराईट/मेंटेनेंस मेकेनिक
5. मेकेनिक रेडियो एवं टीव्ही	6. इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक
7. मैकेनिक मोटर व्हीकल	8. वायरमेन
9. ट्रेक्टर मेकेनिक	10. आर्मेचर एवं क्वॉइल वाईंडर
11. मेकेनिक डीजल	12. हीट ईंजन
13. टर्नर	14. मशीनिष्ट
15. रेफ्रिजरेशन एवं एसी मेकेनिक	

अथवा

आई0टी0आई0 के स्थान पर इलेक्ट्रिकल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रानिक्स/आटोमोबाईल इंजीनियरिंग में AICTE से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा

टीप :– 1. AICTE से मान्यता प्राप्त इलेक्ट्रिकल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रानिक्स /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग में उच्च शैक्षणिक अर्हता वाले अभ्यर्थी भी पात्र होते हैं।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 30 वर्ष तक

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है।

आवेदन प्रक्रिया :–

रेल्वे भर्ती बोर्ड के संबंधित कार्यालय में आवेदन पत्र डाक के माध्यम से भेजवाना होता है। आवेदक के पास ऑनलाईन आवेदन भरने का भी विकल्प होता है। ऑनलाईन आवेदन भरने के लिये उसे संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्ड बेवसाईट में जाकर ऑनलाईन आवेदन भरना होता है तथा भरे हुये आवेदन पत्र को डाउनलोड एवं प्रिन्ट करके आवश्यक अभिलेखों सहित संबंधित भर्ती बोर्ड में डाक से भेजना होता है।

उपरोक्तानुसार ऑनलाईन आवेदन पत्र की मुद्रित प्रति निर्धारित तिथि तक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्ड में नहीं पहुॅचने पर ऑनलाईन आवेदन अमान्य हो जाता है।

टीप :– सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :– परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – अभिक्षमता परीक्षण

लिखित परीक्षा –

लिखित परीक्षा बहुविकल्पीय प्रकार का होता है, जिसमें 1.30 घंटे में आवेदकों को 120 प्रश्न हल करने होते हैं। इस प्रश्न पत्र में सामान्यतः सामान्य ज्ञान, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य हिन्दी, सामान्य गणित तथा न्यूनतम तकनीकी योग्यता के विश्लेषणात्मक, परिणामात्मक, कौशल आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं। इस प्रश्न पत्र में ऋणात्कार मूल्यांकन किया जाता है तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिये उस प्रश्न के लिये आबंटित अंक के एक तिहाई अंक काटे जाते हैं।

अभिक्षमता परीक्षण – लिखित परीक्षा में भर्ती बोर्ड द्वारा अर्ह घोषित किये गये आवेदकों को संवर्गवार अभिक्षकता परीक्षण के लिये भर्ती बोर्ड के संबंधित कार्यालय में आहूत किया जाता है।

लिखित परीक्षा एवं अभिक्षमता परीक्षण में सफल रहे अभ्यर्थियों की नियुक्ति मेडिकल परीक्षण पास करने एवं अभ्यर्थी के शैक्षणिक एवं समुदाय संबंधी प्रमाण पत्र का अंतिम सत्यापन तथा उनके चरित्र/पूर्ववृत्त का सत्यापन आदि में सफल होने के अधीन होती है।

टीपः– 1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. पुरूष उम्मीदवार जो अंतिम रूप से चयनित होते है, उनको रेल्वे इंजीनियरिंग यूनिक प्रादेशिक सेना की सक्रिय सेवा के लिये भेजा जाता है।

3. महिलायें भी इस पद के पात्र होती है तथापि उन्हें यह ध्यान रखना चाहिये कि इस पद के कार्य की प्रकृति परिश्रम मूलक है एवं उन्हें मुख्यालय से दूर रोड साईट स्टेशनों पर भी दिन अथवा रात में किसी भी समय शिफ्ट में कार्य करना पड़ सकता है।

परीक्षा की तैयारी :— परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। सामान्य हिन्दी के लिए परीक्षा मंथन एवं डॉ हरदेव बिहारी की पुस्तकें लाभदायक है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :— उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सचिव, रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrbbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफल आदमी बनने के बजाय एक महत्वपूर्ण आदमी बनने की सोचिये।
Try not to become a man of success, but rather try to become a man of value.
- Albert Einstein

74. रेल्वे भर्ती बोर्ड (ग्रुप–डी भर्ती परीक्षा)

भारत के सभी 16 रेल्वे जोनों द्वारा ग्रुप–डी के पदों (गैंगमेन/ट्रेकमेन/खलासी/हेल्पर/खलासी टीएमओ) पर नियुक्ति के लिये एक साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है तथा सभी रेल्वे जोनो में लिखित परीक्षा एक ही तिथि को आयोजित की जाती है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिये दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा यह परीक्षा आयोजित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल या समकक्ष एवं SCVT/NCVT से किसी एक ट्रेड में आई0टी0आई0 उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीप 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. आयु सीमा – 18 वर्ष से 33 वर्ष तक

टीप :–

भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सेवारत रेलवे कर्मचारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा अनारक्षित वर्ग हेतु 40 वर्ष है, आरक्षित वर्गों हेतु उच्चतम आयुसीमा में नियमानुसार छूट है।

आवेदन प्रक्रिया :–

रेल्वे जोनों के संबंधित कार्यालय में आवेदन पत्र डाक के माध्यम से भेजवाना होता है।

टीप :–

सभी रेल्वे भर्ती बोर्ड आवेदकों को प्रादेशिक भाषाओं के चयन का विकल्प देते हैं। अभ्यर्थी आवेदन करते समय इन प्रादेशिक भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन कर सकते हैं। प्रादेशिक भाषा का चयन करने की स्थिति में उन्हें उसी प्रादेशिक भाषा में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है। प्रादेशिक भाषा का चयन नहीं करने की स्थिति में हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू में मुद्रित प्रश्न पत्र दिया जाता है।

परीक्षा योजना :–

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – शारीरिक दक्षता परीक्षा

लिखित परीक्षा –

रेलवे की ग्रुप डी की परीक्षा चूंकि विभिन्न रेलवे जोनो द्वारा पृथक पृथक आयोजित की जाती है। इसलिए इनके प्रश्नों की संख्या एवं प्रश्न पत्र की अवधि में अंतर होता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा बहुविकल्पीय प्रकार का होता है, जिसमें 1.30 घंटे में आवेदकों को 100 प्रश्न हल करने होते हैं। इस प्रश्न पत्र में सामान्यतः सामान्य ज्ञान, रेलवे की सामान्य जानकारी, गणित एवं तर्कशक्ति आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं। इस प्रश्न पत्र में ऋणात्कार मूल्यांकन किया जाता है तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिये उस प्रश्न के लिये आबंटित अंक के एक तिहाई अंक काटे जाते हैं।

न्यूनतम अर्हक अंक –

अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में 40 प्रतिशत अंक एवं अज/अजजा/अपिव वर्ग के अभ्यर्थियों को 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

द्वितीय चरण :– लिखित परीक्षा में जो उम्मीदवार अर्ह घोषित किये जाते है उन्हें संवर्गवार वरीयता के अनुसार 1:4 में शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाता है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षण किये जाते हैः–

पुरूष अभ्यर्थी – एक अवसर में 6 मिनट में 1500 मी. की दूरी तक दौड़ना।

महिला अभ्यर्थी – एक अवसर में 3 मिनट में 400 मी. की दूरी तक दौड़ना।

शारीरिक दक्षता परीक्षा सिर्फ अर्हकारी होती है। इसके अंको को वरीयता सूची तैयार करने में नहीं जोड़ा जाता है।

टीप :–

1. भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।
2. अभ्यर्थी जो अंतिम रूप से से चयनित होते है, उन्हें संबधित रेलवे जोन के अंतर्गत कहीं भी पदस्थ किया जा सकता है।
3. महिलायें भी इस पद के पात्र होती है तथापि उन्हें यह ध्यान रखना चाहिये कि इस पद के कार्य की प्रकृति परिश्रम मूलक है एवं उन्हें मुख्यालय से दूर रोड साईट स्टेशनों पर भी दिन अथवा रात में किसी भी समय शिफ्ट में कार्य करना पड़ सकता है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संबंधित रेल्वे भर्ती बोर्डों के वेबसाईट से जानकारी प्राप्त सकते हैं। छत्तीसगढ़ के आवेदक सहायक कार्मिक अधिकारी (भर्ती), रेल्वे भर्ती बोर्ड, महाप्रबंधक कार्यालय काम्प्लेक्स के बाजू, दक्षिण मध्य पूर्व रेल्वे मुख्यालय, बिलासपुर या उनके वेबसाईट www.rrcbilaspur.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सुनियोजित मेहनत : सफलता का आधार

दो मित्र सुरेश और महेश रेगिस्तान में यात्रा कर रहे थे। कुछ दूर जाने के बाद उन्हे प्यास लगने लगी। वे परेशान होकर आगे बढ़ने लगे। वहां उन्हे एक साधु की कुटिया दिखाई दी। उन्होने बेसब्री से साधु से पूछा कि हमें बड़ी जोरो से प्यास लगी है, पानी कहां मिलेगा। साधु ने कहा कि यहां से एक किलोमीटर दूर एक पोखर है वहां तुम लोगो को शुद्ध पानी मिल जायेगा। साधु की बात सुनते ही दोनो तत्काल आगे बढ़ने लगे। कुछ दूर जाने के बाद जब पानी नहीं मिला तो सुरेश पुनः साधु के पास आकर पूछा कि किस दिशा में एक किलोमीटर जाने से मुझे पानी मिलेगा। साधु ने उसे बताया कि तुम पूर्व दिशा में चले जाओ तुम्हे पानी मिल जायेगा। जब सुरेश पूर्व दिशा में एक किलोमीटर गया तो उसे पानी मिल गया। महेश भटकता रहा तथा लगभग 8–10 किमी. चलने के बाद ही उसे पानी मिल पाया। स्पष्टतः महेश ने सुरेश से अधिक मेहनत किया था लेकिन पानी पहले सुरेश को मिला, क्योकि सुरेश ने निश्चित दिशा में मेहनत किया था।

सफलता के लिए मेहनत जितना जरूरी है उससे ज्यादा जरूरी यह है कि हमारा यह मेहनत निश्चित दिशा में हो, तथा लक्ष्य हमारे आंखो से कभी ओझल न हो।

75. छ.ग. में MBA पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली CMAT परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मंत्रालय, रायपुर के अधिसूचना क्रमांक/एफ–9–32/2012/42 दिनांक 25.06.2012 के अनुसार राज्य में संचालित MBA/PGDM पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश CMAT परीक्षा के मेरिट सूची के आधार पर होगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) द्वारा CMAT परीक्षा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। CMAT परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी में आयोजित की जाती है। जिसके लिए आवेदन सामान्यतः अक्टूबर/नवम्बर में आमंत्रित किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. आयु सीमा – अधिकतम 35 वर्ष (अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त/महिला आवेदकों के लिये 38 वर्ष)

आवेदन प्रक्रिया :–

परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये आवेदकों को परीक्षा तिथि के लगभग दो माह पहले से AICTE के वेबसाईट www.aicte-cmat.in में रजिस्ट्रेशन कराना होता है। अन्य किसी भी प्रकार से आवेदन स्वीकार नहीं किये जाते हैं।

परीक्षा योजना :–

लिखित परीक्षा रायपुर सहित देश के विभिन्न शहरों में सिर्फ **ऑनलाईन** आयोजित की जाती है, परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	तर्कशक्ति	25	100	3 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान एवं व्याख्या	25	100	
3.	संख्यात्मक अभिरूचि तथा आंकड़ों का विश्लेषण	25	100	
4.	सामान्य ज्ञान	25	100	
	योग	**100**	**400**	

टीप :– परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

न्यूनतम अर्हक अंक – सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 10 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग (अजा/अजजा/अपिव/निःशक्त) को 5 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इससे कम प्राप्तांक होने पर प्रवेश की पात्रता नहीं होती है।

सीटों का आबंटन – दस्तावेजों परीक्षण केन्द्र से सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात् एक निश्चित तिथि को सभी अभ्यर्थियों का संस्था आबंटन किया जाता है। अभ्यर्थियों को उनके द्वारा दिये विकल्प का आबंटन दस्तावेज परीक्षण केन्द्र द्वारा दिये गये एप्लीकेशन कम ऑप्शन फार्म के प्रिन्ट आउट में दिये गये जानकारी के अनुसार उनके प्रवेश परीक्षा के मेरिट के आधार तथा उस वर्ग/प्रवर्ग में वह सीट उसकी बारी आने तक उपलब्ध रहने के आधार पर होता है।

आबंटन हेतु प्राथमिकता का क्रम निम्नानुसार रहता है –

1. सबसे पहले छ.ग. के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों का CMAT की मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाता है।

2. तत्पश्चात सीट रिक्त रहने पर छ.ग. के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों CAT/MAT/ XAT/JMET/ATMA के मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थानों में MBA पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों का विवरण (01 जुलाई 2017 की स्थिति में) :–

S.No.	Name of MBA Institution	Intake
1.	Institute of Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	60
2.	Bhilai Institute of Technology, Bhilai-House, Bhilai, Durg	120
3.	Central College of Engineering & Mngt, Kabir Nagar, Raipur	48
4.	Choukse Engineering College, Lal Khadan, Masturi Road, Bilaspur	60
5.	Columbia Institute of Engg. & Technology, Vill-Tekari, Raipur	45
6.	Disha Institute of Management and Technology, Nardaha, Raipur	240
7.	Dr. C.V. Raman Institute of Science & Technology, Kota, Bilaspur	60
8.	GD Rungta College of Engineering & Technology, Kurud, Bhilai	60
9.	Kruti Institute of Tech. & Engineering, Near Gyan Ganga School, Raipur	30
10.	OP Jindal Institute of Technology, Industrial Park, Punji Pathara, Raigarh	60
11.	Raipur Institute of Technology, Chhatona, Mandir Hasaud, Raipur	120
12.	Rungta College of Engineering & Techology, Kohka Road, Kurud, Bhilai	60
13.	Shri Rawatpura Sarkar Institute of Technology, Pacheda, Raipur	54
14.	Shri Sankaracharya Institute of Professional Mant. & Technology, Raipur	54
15.	Shri Sankaracharya Institute of Tech. & Management, Junwani, Bhilai	60
16.	Shri Shankaracharya Engineering College, Junwani, Bhilai	60
17.	Shri Sankaracharya Group of Institutions, Faculty of Mangt. Studies, Bhilai	180
18.	Lamxichand Institute of Technology & Management, Bilaspur	60
19.	Mats School of Mangt. Studies and Research, MATS University, Arang	120
Total		**1551**

पाठ्यक्रम :–

(क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) संख्यात्मक अभिरूचि – इसके प्रश्नों में अभ्यर्थियों के संख्याओं के उपयुक्त प्रयोग और संख्या के बोध की क्षमता के जांच के संबंध में प्रश्न होते हैं।

(घ) अंग्रेजी परिज्ञान – इसमें अभ्यर्थियों की अंग्रेजी भाषा की समझ, उसके सही प्रयोग, उसके लेखन की योग्यता एवं परिज्ञान को जांचा जाता है।

टीपः– घटक क, ख और घ के प्रश्नों का स्तर स्नातक के डिग्री के अनुरूप तथा घटक ग के प्रश्नों के स्तर बारहवीं कक्षा के अनुरूप होता है।

परीक्षा की तैयारी :–

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा अरिहन्त प्रकाशन एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। किरण प्रकाशन की पुस्तकें एवं प्रतियोगिता किरण इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिकायें लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आवेदक संचालक, तकनीकी शिक्षा, बैरन बाजार, रायपुर से संपर्क कर सकते हैं या तकनीकी शिक्षा के वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in या अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के वेबसाईट www.aicte-cmat.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इंतजार करना बंद करो, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता।
Don’t wait. The time will never be just right.
- Napoleon Hill

76. छत्तीसगढ़ में पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा आयुक्त भू–अभिलेख छत्तीसगढ़ के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. पटवारी का पद जिला स्तर का है। आवेदक जिस जिला के लिए आवेदन कर रहा है उस जिले का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र का होना अनिवार्य है। एक जिले का आवेदक दूसरे जिले में आवेदन नहीं कर सकता है। रोजगार कार्यालय का पंजीयन पूरे छत्तीसगढ़ राज्य का मान्य होता है।

2. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेण्डरी परीक्षा (12वीं) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

3. आयु सीमा – 18 वर्ष से 33 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

4 आवेदक किसी शासकीय/अर्द्धशासकीय/भारत सरकार/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्ष का कम्प्यूटर एप्लीकेशन अर्हता उत्तीर्ण हो। कम्प्यूटर एप्लीकेशन अर्हता के लिए निम्नांकित प्रमाण पत्रों को ही मान्य किया गया है :–

A. मान्यता प्राप्त आई.टी.आई से एकवर्षीय कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्राम असस्टिेन्ट (COPA) में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट।

B. मान्यता प्राप्त बोर्ड आफ टेक्नीकल एजुकेशन/राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया कम्प्यूटर साईंस/ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी/मार्डन आफिस मैनेजमेन्ट का डिप्लोमा(दो वर्ष से अन्यून)

C. वैधानिक रूप से गठित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/डीम्ड यूनिवर्सिटी/मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त कम्प्यूटर साईंस/इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर एप्लीकेशन में PGDCA अथवा स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि

D. **DOEACE SOCIETY NEW DELHI** द्वारा प्रदत्त विभिन्न डिप्लोमा

टीप :– अधिसूचित क्षेत्र के आवेदकों के लिए कम्प्यूटर अर्हता संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं होता है। अधिसूचित जिलों के जो आवेदक पटवारी पद पर चयनित होंगे उन्हे अपने चयन से एक वर्ष के अन्दर उपरोक्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही कराना होता है। कोई भी अभ्यर्थी उसी जिले के रिक्त पदों के विरूद्ध आवेदन कर सकता है, जिस जिले का वह स्थायी निवासी हो।

परीक्षा योजना :– पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार होती है –

क्र.	**विषय का नाम**	**प्रश्नों की संख्या**	**अधिकतम अंक**	**कुल समय**
1.	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	15	15	3.00 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	10	10	
3.	गणित	30	30	
4.	सामान्य ज्ञान	35	35	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	20	20	
6.	हिन्दी	10	10	
7.	सामान्य मानसिक योग्यता	15	15	
8.	सम सामयिक घटनाक्रम, खेल–कुद	15	15	
	योग	**150**	**150**	

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर जिलेवार अलग–अलग मेरिट सुची तैयार की जाती है।

परीक्षा उपरान्त प्रशिक्षण :– जो आवेदक लिखित परीक्षा के माध्यम से पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयनित होते है उन्हे एक वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में इन्हें किसी भी प्रकार का मानदेय या वेतन देय नहीं होता है। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण संपन्न करने वाले आवेदकों को जिला कलेक्टर द्वारा विभिन्न हल्कों में पटवारी के रूप में पदस्थापना प्रदान की जाती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा साख्यात्मक अभिरूची के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है। कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा संबंधित जिले की जानकारी के लिए अधीक्षक भू–अभिलेख द्वारा समय–समय पर जिले के सांख्यिकी आंकड़ों संबंधित प्रकाशित जानकारी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए आवेदक रोजगार और नियोजन का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के अधीक्षक भू अभिलेख (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जीत आपकी पक्की है

जिंदगी है तो सपने हैं,
सपने हैं तो मंजिले हैं,
मंजिले हैं तो फासले हैं,
फासले हैं तो रास्ते हैं।
रास्ते हैं तो मुश्किले हैं
मुश्किले हैं तो हौसले हैं
हौसले हैं तो विश्वास हैं
और विश्वास है तो ....
जीत आपकी पक्की है।।

77. छत्तीसगढ़ राजस्व निरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा आयुक्त भू–अभिलेख छत्तीसगढ़ के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा राजस्व निरीक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक **अथवा** 12वी कक्षा तथा मान्यता प्राप्त तकनीकी विश्वविद्यालय से सिविल इजिनीयरिंग में डिप्लोमा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों (केवल एक बाजु से बाधित या श्रवण बाधित ही पात्र) को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है।

परीक्षा योजना :– राजस्व निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	15	15	3.00 घंटा
2.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	10	10	
3.	गणित	30	30	
4.	सामान्य ज्ञान	35	35	
5.	कम्प्यूटर ज्ञान	20	20	
6.	हिन्दी	10	10	
7.	सामान्य मानसिक योग्यता	15	15	
8.	सम सामयिक घटनाक्रम, खेल–कुद	15	15	
	योग	**150**	**150**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

परीक्षा की तैयारी :– परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा साख्यात्मक अभिरूची के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है। कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा संबंधित जिले की जानकारी के लिए अधीक्षक भू–अभिलेख द्वारा समय–समय पर जिले के सांख्यिकी आंकड़ों संबंधित प्रकाशित जानकारी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए आवेदक रोजगार और नियोजन का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के अधीक्षक भू अभिलेख (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

> जीवन में कठिनाइयाँ हमें बर्बाद करने नहीं आती है, बल्कि यह हमारी छुपी हुई सामर्थ्य और शक्तियों को बाहर निकलने में हमारी मदद करती है। कठिनाइयों को यह जान लेने दो की आप उससे भी ज्यादा शक्तिशाली हो।
>
> – ए. पी. जे. अब्दूल कलाम

78. छत्तीसगढ़ खाद्य निरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन खाद्य नागरिक आपुर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग छत्तीसगढ़ के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा खाद्य निरीक्षक हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है।

परीक्षा योजना :– खाद्य निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

पाठ्यक्रम भाग – 1 –सामान्य ज्ञान (150 प्रश्न, 150 अंक)

(अ) गणित, विज्ञान, भूगोल, भारतीय इतिहास, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित जानकारी

(ब) समसामायिक घटनाएं –

भाग –2 – (50 प्रश्न, 50 अंक)

आवश्यक वस्तु अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण से संबंधित जानकारी, कम्प्यूटर ज्ञान, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, छत्तीसगढ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम।

चयन प्रकिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

परीक्षा की तैयारी :– सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा साख्यात्मक अभिरूची के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है। कम्प्यूटर ज्ञान के

लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा संबंधित जिले की जानकारी के लिए अधीक्षक भू–अभिलेख द्वारा समय–समय पर जिले के सांख्यिकी आंकड़ों संबंधित प्रकाशित जानकारी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए आवेदक रोजगार और नियोजन का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक अपने जिले के खाद्य अधिकारी (कलेक्टर कार्यालय) या जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

> **जीवन की त्रासदी यह नही है कि आप अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाये। त्रासदी तो यह है कि आपके पास पहुंचने को कोई लक्ष्य ही नहीं था ।**
>
> **– बेजामिन मेस**

79. छत्तीसगढ़ सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक संयुक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक पद हेतु संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।
3. आवेदक का छ.ग. राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं।

परीक्षा योजना :– सहायक श्रम पदाधिकारी एवं श्रम निरीक्षक हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 3 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक	छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन	80	80	**3.00 घंटा**
2.	भाग–दो	कम्प्यूटर ज्ञान	20	20	
3.	भाग–तीन	योग्यता परीक्षण	50	50	
योगः–			**150**	**150**	

टीप :– **लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।**

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

भाग–1 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढ़ांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें, भारतीय दर्शन, कला, साहित्य एवं संस्कृति एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं।

भाग–दो :– इसमें कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–तीन (योग्यता परीक्षण):–

इस प्रश्न पत्र में निम्न 8 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, 2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,

3, निर्णय निर्माण और समस्या निवारण 4. सामान्य मानसिक योग्यता, 5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर),

6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर), 7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान 8. अंग्रेजी भाषा का ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर)

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

80. छत्तीसगढ़ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. (कृषि)/बी.एस.सी. (उद्यानिकी)/ बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी/जैव प्रौद्योगिकी) में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।
3. आवेदक का छ.ग. राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं।

परीक्षा योजना :– ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 150 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 3 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है।

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :–

इसमें कृषि से संबंधित History of Agriculture, Agronomy, Water Management, Agricultural Meteorology & Crop Physiology, Entomology and Pathology and Soil Science से संबंधित स्नातक स्तर के प्रश्न होते है।

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

81. छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग के अंतर्गत संचालनालय स्थानीय निधि संपरीक्षा के निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा ज्येष्ठ संपरीक्षक एवं सहायक संपरीक्षक पद हेतु संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

अ. ज्येष्ठ संपरीक्षकः–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय कला/विज्ञान/वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी से स्नातक **अथवा** उपरोक्त विषय में द्वितीय श्रेणी अधिस्नातक **या** विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

ब. सहायक संपरीक्षकः–

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय कला/विज्ञान/वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

तथा उपरोक्त दोनों पदों हेतुः–

2. आवेदक को छ.ग. का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है।
3. आवेदक का छ.ग. राज्य के किसी भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
4. ज्येष्ठ संपरीक्षक को परिवीक्षा अवधि में विभागीय अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।
5. **आयु सीमा** – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते हैं।

परीक्षा योजना :– ज्येष्ठ संपरीक्षक एवं सहायक संपरीक्षक पद हेतु चयन का आधार लिखित परीक्षा होता है। यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा अवधि 3 घण्टे की होती है। लिखित परीक्षा के उपरान्त साक्षात्कार नहीं लिया जाता है। इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	भाग–एक	सामान्य अध्ययन एवं गणित	100	100	**3.00 घंटा**
2.	भाग–दो	हिन्दी	100	100	
योगः–			**200**	**200**	

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

पाठ्यक्रम :– इसमें सामान्य ज्ञान, बुद्धि क्षमता, विश्लेषण क्षमता, अंक गणित एवं हिन्दी विषय के प्रश्न पुछे जाते है।

विस्तृत जानकारी :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

82 (A). छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्रलेखक, डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, स्टेनो टायपिस्ट एवं सहायक ग्रेड–3 परीक्षा हेतु आवश्यक अर्हता

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर के ज्ञापन क्रमांक एफ 9–1/2008/1–3 रायपुर, दिनांक 01.02.13 द्वारा राज्य के विभिन्न शासकीय विभागों/कार्यालयों में शीघ्रलेखक/डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/स्टेनो टायपिस्ट/सहायक ग्रेड–3 पद हेतु शैक्षणिक अर्हता निर्धारित किया गया है, जो कि विभिन्न पदों के लिये निम्नानुसार है –

शीघ्रलेखक पद हेतु आवश्यक अर्हता–

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. मान्यता प्राप्त मंडल/संस्था/शीघ्रलेखन मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से –

(क) शीघ्रलेखक (हिन्दी) के लिये – हिन्दी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

(ख) शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) के लिये – अंग्रेजी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

(ग) द्विभाषी–शीघ्रलेखक के लिये – ऊपर खण्ड (क) तथा (ख) में विनिर्दिष्ट हिन्दी तथा अंग्रेजी शीघ्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र एवं शीघ्रलेखन की 100 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)

3. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र तथा डाटा एण्ट्री की गति 10,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

अथवा

कक्षा 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्था से किसी भी विषय में त्रिवर्षीय डिप्लोमा।

2. डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्षीय डिप्लोमा तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी में डाटा एण्ट्री की गति 8,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

स्टेनो टायपिंग पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. हिन्दी शीघ्रलेखन में 60 शब्द प्रतिमिनट की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

3. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र तथा डाटा एण्ट्री की गति 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

सहायक ग्रेड–3 पद हेतु आवश्यक अर्हता –

1. मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण,

अथवा

पुरानी हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय के स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

2. मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाण पत्र

3. कम्प्यूटर में हिन्दी टायपिंग का 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रतिघंटा की गति (गति के संबंध में कौशल परीक्षा ली जायेगी)।

छ0ग0 शासन द्वारा मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर संस्था संबंधी जानकारी –

छ0ग0 शासन सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ 9–4/2005/1/3 रायपुर, दिनांक 07.06. 2007 द्वारा राज्य में शासकीय सेवाओं में नियुक्ति हेतु राज्य शासन ने निम्नलिखित संस्थाओं द्वारा जारी कम्प्यूटर विषय में परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र मान्य किया गया है –

1. मान्यता प्राप्त बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन/राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया कम्प्यूटर साइंस/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी/मॉडर्न आफिस मैनेजमेंट का डिप्लोमा (2 वर्ष से अन्यून)।

2. वैधानिक रूप से गठित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/डीम्ड युनिवर्सिटी/मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त कम्प्यूटर साइंस/इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी/कम्प्यूटर एप्लीकेशन में पी.जी. डिप्लोमा, स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि।

3. DOEACC Society New Delhi द्वारा प्रदत्त विभिन्न डिप्लोमा,

4. मान्यता प्राप्त आई.टी.आई. द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्राम असिस्टेंट व्यवसाय में प्रदत्त एक वर्षीय सर्टिफिकेट।

संपर्क :– आवेदक इस संबंध में अधिक जानकारी के लिये जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

82. (B) छत्तीसगढ़ मे शीघ्रलेखक हिन्दी/अंग्रेजी, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री आपरेटर एवं साहायक ग्रेड–3 संयक्त भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में भीघ्रलेखक संयुक्त हिन्दी/अंग्रेजी, स्टेनो टाइपिस्ट, डाटा एंट्री आपरेटर एवं साहायक ग्रेड–3 पदो पर भार्ती हेतू छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

आवश्यक अर्हता :–

1. इन पदो के लिये योग्यता चैप्टर 82 (A) में दी गई जानकारी के आधार पर होता है।

2. आयु सीमा – 21 वर्ष से 40 वर्ष तक (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 जनवरी को) अधिकतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों को 5 वर्ष तथा महिला एवं निःशक्त आवेदकों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के छूट के बावजूद आवेदक की अधिकतम आयु 45 वर्ष तक ही मान्य होती है।

आवेदन प्रक्रिया :– अभ्यर्थी को आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in में ही ऑनलाईन करना होता है। पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजे गये आवेदन पत्र मान्य नही होते है।

परीक्षा योजना :– यह संयुक्त परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाती है।

चरण 1 – संयुक्त लिखित परीक्षा, चरण 2– कौशल परीक्षा,

चरण 1 – संयुक्त लिखित परीक्षा

यह लिखित परीक्षा अधिकतम 200 अंक का होता है। इसमें 1–1 अंक के 200 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर होते हैं। सही उत्तर अंकित करने पर 1 अंक एवं गलत उत्तर अंकित करने पर 1/4 अंक काटे जाते हैं। परीक्षा की अवधि 3 घण्टा होती है।

इस लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी भाषा का ज्ञान	20	20	3.00 घंटा
2.	गणित	30	30	
3.	सामान्य अध्ययन	50	50	
4.	कम्प्यूटर ज्ञान	30	30	
5.	हिन्दी	40	40	

6.	समान्य मानसिक योग्यता	30	30	
	योग	**200**	**200**	

टीप :– लिखित परीक्षा में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 25 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

चरण 2 – कौशल परीक्षा

(क) कौशल परीक्षा –

1. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु कुल रिक्तियों के विरूद्ध 1:10 (एक अनुपात दस में) शीघ्रलेखक अंग्रेजी, हिन्दी एवं स्टेनोटाइपिस्ट पदों हेतु अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा हेतु बुलाया जाता है।
2. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु 1:5 (एक अनुपात पाँच में) डेटा एंट्री आपरेटर एवं सहायक ग्रेड – 3 पदों हेतु अभ्यर्थिया को कौशल परीक्षा हेतु बुलाया जाता है।
3. शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु अंग्रेजी शीघ्रलेखक में 100 शब्द प्रतिमिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है एवं शीघ्रलेखक (हिन्दी) पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु हिन्दी शीघ्रलेखक में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है। जिसे अनुवाद कर समय–सीमा में शुद्धता से टाईप करा होता है तथा कम्प्यूटर में 10,000 की 'डिप्रेशन की गति' होना अनिवार्य होता है।
4. स्टेनो टायपिस्ट पद के लिये आयोजित प्रायोगिक परीक्षा हेतु हिन्दी शीघ्रलेखक में 60 शब्द प्रतिमिनट की गति से डिटेक्शन दिया जाता है, जिसे अनुवाद कर समय–सीमा में शुद्धता से टाईप करना होता है तथा कम्प्यूटर में 5000 की 'डिप्रेशन की गति' होना अनिवार्य होता है।
5. डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के पद हेतु 8000 की–डिप्रेशन की गति हिन्दी–अंग्रेजी दोनों के लिये कौशल परीक्षा ली जाती है जिसमें उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है। सहायक ग्रेड–3 के पद हेतु में कम्प्यूटर टायपिंग 5000 की–डिप्रेशन की गति हिन्दी के लिये कौशल परीक्षा ली जाती है, जिसमें उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है।
6. **(ब) कौशल परीक्षा –**

1. लिखित परीक्षा में प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची से कौशल परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की सूची व्यापम की वेबसाइट Cgvyapam.choice.gov.in पर जारी की जाती है।

2. अंतिम मेरिट सूची लिखित परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर तैयार की जाती है। इस सूची में कौशल परीक्षा Qualified में घोषित किये गए अभ्यर्थी ही होते है।

3. शीघ्रलेखक (अंग्रेजी), (हिन्दी), स्टेनो टायपिस्ट ऑपरेटर तथा सहायक ग्रेड–3 पद हेतु श्रेणीवार एवं वर्गवार पृथक–पृथक मेरिट सूची व्यापम द्वारा विभागों को सौपी जाती है।

4. कौशल परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की सूची व्यापम की वेबसाइट पर ही जानकारी प्राप्त होती है। डाक के माध्यम से किसी भी अभ्यर्थी को सूचना नहीं दी जाती है।

5. व्यापम द्वारा जारी मेरिट सूची के आधार पर आवश्यक दस्तावेजों के पश्चात् चयन/नियुक्ति की कार्यवाही विभाग द्वारा की जाती है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदक द्वारा दिये गये विभागों के प्राथमिकता क्रम एवं पद के चयन के आधार पर ही लिखित परीक्षा एवं कौशल परीक्षा उपरांत दस्तावेज सही पाये जाने पर विभाग आबंटित किये जाते है। अतः विभाग द्वारा जारी विज्ञापन में आरक्षणवार पदों की स्थिति का अवलोकन करके ही ऑनलाइन आवदेन भरें। बाद में कोई सुधार नहीं किया जाता है।

चयन प्रक्रिया – छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट सुची तैयार की जाती है।

परीक्षा की तैयारी :– सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा साख्यात्मक अभिरूची के लिए आर.एस.अग्रवाल तथा सामान्य जानकारी एवं छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से आठवीं तक की सभी विषयों की पुस्तके बहुत उपयोगी है। कम्प्यूटर ज्ञान के लिए आलोक कुमार (आधारभूत कम्प्यूटर के बहुविकल्पीय प्रश्न) तथा संबंधित जिले की जानकारी के लिए अधीक्षक भू–अभिलेख द्वारा समय–समय पर जिले के सांख्यिकी आंकड़ों संबंधित प्रकाशित जानकारी उपयोगी है। समसामयिक घटनाक्रम के लिए आवेदक रोजगार और नियोजन का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :– विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों एवं अन्य जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते है तथा व्यापम के वेबसाईट cgvyapam.choice.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का द्वार............ आत्मविश्वास

एक बार एक बिज़नेसमैन, जो कल तक एक सफल उद्योगपति था, अचानक किसी परेशानी से उसका बिज़नेस डूब गया और उस पर बैंक कर कर्जा भी हो गया और अब उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। बैंक और सारे लेनदार उसे लगतार पैसे की भरपाई के लिए बोल रहे थें। अब तो उसे अपनी जिंदगी अंधेरे में नजर आ रही थी। एक बार सुबह पार्क में घूमते हुए उसे एक बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया। वो बूढ़ा उसके पास आया और उसे परेशानी का कारण पूछा।

बिजनेसमैन ने सारी परेशानी वृद्ध को बताई, बूढ़े व्यक्ति ने अपनी जेब से अपनी चेक बुक निकाली और एक चेक साइन करके उसको दिया और कहा कि इससे तुम अपना बिजनेस फिर से भुारू कर सकते हो और एक साल बाद मुझे ठीक इसी जगह इसी समय मिलना और मुझे मेरे पैसे वापस कर देना। यह कहते हुए बूढ़ा वहाँ से दूर चला गया। बिजनेसमेन ने जब अपने हाथ मे रखे चेक पर नजर डाली, तो वह हैरान रह गया, क्योंकि वो बूढ़ा कोई मामूली व्यक्ति नहीं था। उस चेक पर बफेट (एक म ाहूर अमेरिकन उद्योगपति) के साइन थे और चेक की रकम थी +5000000। उसको खुद पर यकीन नहीं हुआ कि खुद वारेन बफेट ने आकर मेरी परेशानी हल की है। फिर उसने सोचा कि ये रकम बैंक और लेनदारों को देने की बजाए वो पहले अपने बिजनेस को बचाने के लिए संघर्श करेगा और इमरजेंसी में ही उस चेक का प्रयोग करेगा।

अब तो बिना किसी डर के वह फिर से अपना बिजनेस बचाने में जुट गया क्योंकि उसे पता था कि अगर कोई परेशानी होगी तो मैं चेक की मदद से बच सकता हूँ। बस फिर क्या था उसने जी तोड़ मेहनत की और एक बार फिर से अपने बिजनेस को वापस खड़ा कर दिया। आज उस बात को एक साल पूरा हो चुका था और वह चेक भी आज तक ऐसे ही सही सलामत था।

अपना वादा पूरा करने के लिए बिजनेसमेन जब पार्क में गया तो उसे वहाँ बूढ़ा व्यक्ति दिखाई दिया। जैसे ही वह उसके पास आया, अचानक एक नर्स पीछे से आई और वृद्ध को पकड़ के ले गयी और कहा कि वह एक पागल है, जो खुद को हमेशा वारेन बफेट बताता है। यह कहकर नर्स वृद्ध को ले गयी।

जिस प्रकार छाता, बारिश को रोक तो नहीं सकता है, लेकिन हमें बारिश में खड़े होने का साहस प्रदान करता है, उसी प्रकार आत्मविश्वास विपरीत परिस्थितियों को आने से रोक तो नही सकता लेकिन उन कठिन

83. उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण

देश के सभी राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा भारतीय छात्रों को देश के साथ–साथ विदेशों में भी उच्च शिक्षा के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षा ऋण उन्हीं संस्थानों में अध्ययन के लिए उपलब्ध कराया जाता है जो शासन के मान्यता प्राप्त है तथा उस संस्थान में छात्र ने प्रवेश के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या उसे अर्हताकारी कक्षा के प्राप्तांको के आधार पर प्रवेश मिलना सुनिश्चित हो गया है। भारत में UGC/AICTE/IMC संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त कालेजों में डिग्री/डिप्लोमा कोर्स करने, IIT, IIM में अध्ययन, केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में टीचर्स ट्रेनिंग/नर्सिंग कोर्सेस के साथ–साथ पायलट प्रशिक्षण आदि के लिए शिक्षा ऋण दिया जाता है। विदेशों के ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों में व्यवसायिक/तकनीकी कोर्स के Job Oriented स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए भी शिक्षा ऋण दिया जाता है। व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं स्किल डेव्लपमेन्ट कोर्स शिक्षा ऋण के अन्तर्गत नहीं आते है। सभी बैंको के शिक्षा ऋण के नियम एवं शर्तें लगभग समान है तथापि उनके ब्याज दरों में कुछ अंतर है।

शिक्षा ऋण की सीमा, मार्जिन मनी एवं गारण्टी :– शिक्षा ऋण की सीमा सामान्यतः दो प्रकार की होती है। यदि विद्यार्थी भारत मे रहकर पढ़ाई जारी रखना चाहता है तो उसे अधिकतम 10 लाख रूपये तक जबकि विदेश में जाकर पढ़ाई करने के लिए अधिकतम 20 लाख रूपये तक शिक्षा ऋण स्वीकृत किया जाता है।

यदि किसी विद्यार्थी को चार लाख रूपये तक शिक्षा ऋण स्वीकृत किया जाता है तो उसके लिए किसी भी प्रकार की मार्जिन मनी की आवश्यकता नहीं होती है। चार लाख रूपये से अधिक की शिक्षा ऋण के लिए भारत में अध्ययन करने की स्थिति में 5% तथा विदेश में पढ़ाई करने की स्थिति में 15% मार्जिन मनी की आवश्यकता होती है। विद्यार्थी को मिलने वाली छात्रवृत्ति या अप्रेन्टिसशीप की राशि मार्जिन मनी में शामिल की जाती है।

यदि विद्यार्थी द्वारा चार लाख रूपये तक का शिक्षा ऋण लिया जाता है तो इसके लिए किसी प्रकार की गारण्टी की आवश्यकता नहीं होती है। लोन की राशि चार लाख से 7.50 लाख के बीच होने पर थर्ड पार्टी गारण्टर की आवश्यकता होती है। यदि लोन की राशि 7.50 लाख रूपये से भी अधिक है तो ऐसे में दो गारण्टर के साथ विद्यार्थी को कोई अचल संपत्ति या शेयर/डिवेन्चर/एफ.डी. आदि बतौर सिक्युरिटी रखनी पड़ती है। यदि लोन की राशि अधिक हो तो गारण्टर को अपना एड्रेस प्रूव तथा इनकम टेक्स रिटर्न की फोटो कापी देनी होती है।

शिक्षा ऋण में शामिल मद :– शिक्षा ऋण में पाठ्यक्रम के ट्यूशन फीस के साथ हॉस्टल और परीक्षा फीस भी शामिल की जाती है। इसमें प्रयोगशाला/लायब्रेरी की फीस, किताबे और कम्प्यूटर खरीदने की रकम, टू व्हीलर खरीदने की रकम (अधिकतम 50000 रूपये) भी शामिल किया जाता है। यदि विद्यार्थी किसी विदेशी विश्व विद्यालय में प्रवेश ले रहा है तो उसे आने जाने का खर्च भी लोन में दिया जाता है। शिक्षा ऋण में उस फीस को नहीं जोड़ा जाता है जो रिफण्डेबम होता है, इसका प्रबंध विद्यार्थी को खुद करना होता है।

शिक्षा ऋण की स्वीकृति एवं वितरण :– शिक्षा ऋण की स्वीकृति बैंक के सामान्यतः उस ब्राच से की जाती है जो विद्यार्थी या उसके पालकों के स्थायी/वर्तमान निवास के सबसे पास हो। शिक्षा ऋण की लोन की राशि का वितरण बैंक द्वारा सीधे संबंधित कॉलेज/संस्थान को किया जाता है। पुस्तकों/उपकरणों/वाहन से संबधित देयको का भुगतान बैंक द्वारा सीधे दुकानदार को किया जाता है। किसी भी स्थिति में विद्यार्थी या उसके पालके के नाम से चेक जारा नहीं किया जाता है।

शिक्षा ऋण की वापसी :– जब विद्यार्थी अपना कोर्स पूरा कर लेता है तो उसके एक वर्ष बाद या नौकरी लगने के 06 महिने बाद (जो भी पहले हो) उसे शिक्षा ऋण की वापसी करनी होती है। विद्यार्थी को अपना लोन पांच से सात वर्ष के अंदर चुकाना होता है। यदि विद्यार्थी के पालक चाहे तो वे ऋण वितरित होने के साथ ही रीपेमेन्ट प्रारंभ कर सकते है ऐसा करने पर बैंक उन्हे ब्याज दर में एक प्रतिशत की छूट देते है। लड़कियों के लिए ब्याज दर लड़को की तुलना में 0.50 प्रतिशत कम होती है।

बीमा की सुविधा :– होम लोन की तरह शिक्षा ऋण में भी बीमा की सुविधा उपलब्ध रहती है जिससे लोन से संबंधित कोई भी जिम्मेदारी विद्यार्थी के परिवार पर नहीं आती है।

शिक्षा ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेजः–विद्यार्थी को शिक्षा ऋण के लिए निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होता है

1. दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की अंकसूची
2. विद्यार्थी एवं पालक का एड्रेस प्रूफ
3. पालक का आय से संबंधित प्रमाण पत्र
4. जिस विश्वविद्यालय या संस्थान में आगे की पढाई करनी हो वहां से विद्यार्थी को प्राप्त ऑफर लेटर
5. संबधित विश्वविद्यालय या संस्थान के फीस का डिटेल्स
6. संबंधित विश्वविद्यालय या संस्थान के संबंध में विवरणी
7. गारण्टर का एड्रेस प्रूव एवं इनकम टेक्स रिटर्न की फोटोकापी
8. अन्य दस्तावेज जो बैंक द्वारा चाहा गया हो।

संपर्क :–शिक्षा ऋण के लिए विद्यार्थी अपने निकटस्थ बैंक के शाखा प्रबंधक से संपर्क कर सकते है।

भारतीय स्टेट बैंक से शिक्षा ऋण चाहने वाले निम्न पते पर संपर्क कर सकते है :–

Deputy General Manager (Customer Service) Customer Service Dept. State Bank of India

State Bank Bhawan 4th floor Madame Cama Road Mumbai – 400021 Fax No. (022) 22742431
e-mail address – dgm.customer@sbi.co.in

समुद्र सभी के लिए एक जैसा ही होता है कुछ लोग मोती चुनते है तो कुछ लोग मछलियाँ और कुछ लोग पैर गिला कर बाहर आ जाते है। इसी प्रकार दुनिया भी सभी के लिए एक जैसी ही होती है हमें वहीं मिलता है जिसके लिए हम प्रयास करते है।

84. छ.ग. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना

तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन रायपुर के अधिसूचना क्रमांक एफ 10–1/2012/तक. शिक्षा/42 के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यावसयिक पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक ऋण पर ब्याज अनुदान योजना हेतु **''छ.ग. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना''** प्रारंभ किया गया है।

योजना का प्रारुप

1. परिचय – राज्य के मानव संसाधन के विकास के लिए शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा के क्षेत्र में व्यय में निरंतर वृद्धि हो रही है एवं उच्च शिक्षा, विशेषकर, तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों में छात्रों पर व्यय भार भी अत्याधिक है। केन्द्र सरकार द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों (अधिकतम वार्षिक आय रु. 4.5 लाख तक) से आने वाले तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों के शिक्षार्थियों के लिए एक नई योजना संचालित की जा रही है । इस योजना के अंतर्गत इंडियन बैंकर्स एसोसियेशन द्वारा प्रायोजित शैक्षणिक ऋण योजना में मोरेटोरियम अवधि के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा शतप्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। परन्तु ऋण की मोरेटोरियम अवधि के पश्चात् किसी प्रकार का लाभ कमजोर वर्ग के छात्रों को नहीं मिल पा रहा है।

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने वाले निर्धन परिवार के शिक्षार्थियों पर बैंकों द्वारा ली जाने वाली ब्याज दर के भार को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा मोरेटोरियम अवधि के उपरांत ली जाने वाली ब्याज राशि में अनुदान की योजना बनाई गई है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2012–13 से प्रारंभ होगी।

2. योजना का उद्देश्य – शैक्षणिक ऋण में ब्याज अनुदान की योजना का उद्देश्य रुपये 2.00 लाख तक की वार्षिक आय के परिवार से आने वाले तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों शिक्षार्थियों को मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की अवधि एवं नौकरी लगने के उपरांत एक वर्ष अथवा छः महिना जो भी पहले हो) के उपरांत नियमित भुगतान की स्थिति में ऋण राशि के ब्याज के भार में छूट प्रदान करना है। राज्य शासन की ब्याज अनुदान योजना का लाभ मोरेटोरियम अवधि के उपरांत भी शिक्षार्थियों द्वारा लिये गये ऋण पर आने वाले ब्याज भार कम करने के लिए रहेगा। मोरेटोरियम अवधि के उपरांत केवल 1 प्रतिशत की दर से ब्याज भार को शिक्षार्थियों द्वारा वहन किया जायेगा एवं बैंको द्वारा लिये जाने वाले ब्याज दर के शेष का व्यय भार को शिक्षार्थियों द्वारा वहन किया जायेगा एवं बैंकों द्वारा लिये जाने वाले ब्याज दर के शेष का व्यय भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा।

3. अर्हता –

3.1 छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिये ।

3.2 परिवार की वार्षिक आय अधिकतम 2 लाख रुपये हो ।

3.3 छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित एवं सक्षम प्राधिकारी (यथा एआईसीटीई, यूजीसी) से मान्यता प्राप्त तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों में उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश लिया हो।

3.4 ब्याज अनुदान किसी भी शिक्षार्थी को केवल एक बार प्रथम स्नातक/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अथवा प्रथम स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए दिया जायेगा।

3.5 छत्तीसगढ़ के बाहर उच्च कोटि के राष्ट्रीय स्तर के ऐसे शैक्षणिक संस्थान जिन्हें राज्य शासन द्वारा इस योजना के लाभ हेतु अधिसूचित किया गया है, में किसी तकनीकी अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो।

4. <u>आय का प्रमाण पत्र –</u> योजना का लाभ अधिकतम (सभी स्त्रोतों से) रुपये 2 लाख तक की वार्षिक आय से आने वाले शिक्षार्थियों को मिलेगा। राज्य शासन द्वारा प्राधिकृत सक्षम अधिकारी द्वारा दिया गया आय प्रमाण पत्र ही मान्य होगा।

<u>5. ऋण की अधिकतम सीमा –</u> विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठयक्रमों के लिए निर्धारित फीस के अनुसार अधिकतम 4 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर ही योजना का लाभ मिल सकेगा।

6. <u>ब्याज अनुदान की अन्य शर्तें</u> –

6.1 शिक्षार्थियों को ऋण राशि की अदायगी नियमित रुप से संबंधित बैंक द्वारा निर्धारित समान मासिक किस्तों में करना अनिवार्य है। नियमित रुप से समय पर निर्धारित मासिक किस्त नहीं चुकाने पर राज्य शासन की ब्याज अनुदान योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

6.2 योजना का लाभ उन शिक्षार्थियों को नहीं मिलेगा जो बीच में पाठ्यक्रम में शिक्षा लेना छोड़ देते हैं अथवा जिन्हें अनुशासनिक आधार पर संस्थान द्वारा संस्थान से निकाल दिया जाता है।

6.3 अपवाद की स्थिति में, केवल चिकित्सकीय आधार पर पाठ्यक्रम में निरंतरता बाधित होने पर (अधिकतम एक वर्ष तक के लिए) ब्याज अनुदान का लाभ मिल सकेगा तथा ऐसी स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया चिकित्सकीय प्रमाण पत्र जो संबंधित संस्थान को जिसमें शिक्षार्थी अध्ययनरत है, मान्य हो।

7. <u>योजना का क्रियान्वयन –</u> राज्य शासन द्वारा वहन की जाने वाली ब्याज भार की राशि की प्रतिपूर्ति, बैंकों द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर, सीधे बैंको को की जायेगी।

8. <u>संपर्क –</u> इस योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिये संचालक, तकनीकी शिक्षा, इन्द्रावती भवन नया रायपुर से संपर्क कर सकते हैं तथा इनके वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

असफलता अचानक होने वाली प्रलयंकारी घटना नहीं है। आप रातों रात असफल नहीं होते। दरअसल असफलता प्रतिदिन दोहरायें जाने वाली, कुछ गलतियों की परिणति है। असफलता एवं सफलता में अंतर मात्र उतना ही है जितना किसी काम को लगभग ठीक करने एवं पुरी तरह ठीक करने में है।

– एडवर्ड सिमन्स

85. छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम, 2013

तेरहवीं पंचवर्षीय योजना के समाप्ति तक (वर्ष 2022 तक) राज्य के 1 करोड़ 25 लाख जनसंख्या को Certified Skilled Technicians के रूप में तैयार करने तथा छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के कौशल उन्नयन एवं उनके रोजगारपरकता में वृद्धि करके आत्मनिर्भर बनाने के लिए **''छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम 2013'' दिनांक 17 सितम्बर 2013 से लागू हो गया है।** युवाओं को कौशल विकास का अधिकार प्रदान करने वाला छत्तीसगढ़ देश का प्रथम राज्य है।

इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार हैं :–

1. छत्तीसगढ़ राज्य में निवासरत् प्रत्येक युवा, जिसकी आयु आवेदन प्रस्तुति के तिथि को 14 वर्ष से 45 वर्ष के मध्य हो, उसे कौशल विकास का अधिकार प्राप्त है।

2. कौशल विकास के अधिकार के प्रयोग के लिए कोई भी युवा, जिला कौशल विकास प्राधिकरण को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकता है। आवेदक से आवेदन प्राप्ति की तारीख से अधिकतम् 90 दिनों के कालावधि में उसे प्रशिक्षण के संबंध में सूचित किया जावेगा।

3. आवेदक को प्रशिक्षण सामान्यतः उसके विकासखण्ड में ही उपलब्ध कराया जावेगा। यदि किन्ही कारणों से विकासखंड या जिले के बाहर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है तो प्रशिक्षण अवधि में उसे आवास की सुविधा प्रदाय की जावेगी।

4. यदि किसी व्यवसाय में प्रशिक्षण प्रारंभ करने के लिये निश्चित संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, तो वहॉ जिला कौशल विकास प्राधिकरण आवेदक को अन्य व्यवसाय में आवेदन करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

5. युवा, एक से अधिक व्यवसाय में कौशल विकास के लिये आवेदन कर सकता है। इन युवाओं को एक से अधिक व्यवसाय में प्रशिक्षण तभी उपलब्ध कराया जावेगा जब जिला कौशल विकास प्राधिकरण या राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा उस समय तक प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण कर लिया गया हो।

6. प्रत्येक युवा के कौशल प्रशिक्षण के संतोषजनक पूर्णतः के बाद, तृतीय पक्ष मूल्यांकनकर्ता द्वारा परीक्षा लिया जावेगा तथा परीक्षा में सफल घोषित होने वाले युवाओं को राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया जावेगा।

7. उन्हीं युवाओं को कौशल विकास अधिकार अधिनियम का लाभ प्राप्त होगा जो जिला कौशल विकास प्राधिकरण को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करते हैं। जो आवेदक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता (VTP) को सीधे आवेदन करता है वह राज्य कौशल विकास प्राधिकरण से प्रमाणीकरण का पात्र तो होगा लेकिन उसे अधिनियम के अधिकार प्राप्त नहीं होंगे।

8.   कौशल विकास अधिनियम के गतिविधियों के पर्यवेक्षण तथा दिशा–निर्देश के लिये माननीय मुख्यमंत्री जी, छ0ग0 शासन की अध्यक्षता में एक गर्विनल काउंसिल है। गर्विनल काउंसिल द्वारा बनाई गई नीतियों के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तर पर मुख्य सचिव, छ0ग0 शासन की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति तथा जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है।

9.   कौशल विकास हेतु आवेदन करने वाला आवेदक जिला कौशल विकास प्राधिकरण के किसी निर्णय, आदेश या कार्यवाही से व्यथित होने पर उसके विरूद्ध 30 दिनों के अंदर सक्षम अधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

10.   राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रारंभिक रुप से 51 व्यवसायों के 346 MES पाठ्यक्रम को अधिसूचित किया गया है। पाठ्यक्रम अनुसार न्यूनतम् शैक्षणिक योग्यता निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक योग्यता निम्नानुसार है :–

क्र.	व्यवसाय का नाम	व्यवसाय का कोड	कुल MES कोर्स की संख्या	न्यूनतम योग्यता
1.	इन्फॉरमेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नालॉजी	ICT	33	आठवीं / दसवीं
2.	ऑटोमोटिव रिपेयर	AUR	15	पांचवीं / आठवीं
3.	बैंकिंग एण्ड अकाउंटिंग	BAN	01	आठवीं
4.	ब्यूटी कल्चर एण्ड हेयर ड्रेसिंग	BEA	09	आठवीं / दसवीं
5.	इलेक्ट्रिकल	ELE	11	पांचवीं / आठवीं
6.	कलेक्ट्रॉनिक्स	ELC	10	आठवीं
7.	फैब्रिकेशन	FAB	11	आठवीं
8.	गारमेंट मेकिंग	GAR	18	पांचवीं / आठवीं / दसवीं
9.	फैशन डिजाइन	FAD	07	सातवीं / दसवीं / बारहवीं
10.	जेम एण्ड ज्वेलरी	GEM	03	आठवीं / दसवीं
11.	हॉस्पिटैलिटी	HOS	30	पांचवीं / आठवीं / दसवीं
12.	खादी	KHA	03	पांचवीं / आठवीं
13.	मेडिकल एण्ड नर्सिंग	MED	15	आठवीं / दसवीं
14.	प्रिंटिंग	PRI	05	आठवीं / दसवीं
15.	प्रोडक्शन एण्ड मेन्युफैक्चरिंग	MAN	07	आठवीं / दसवीं
16.	रेफ्रिजरेशन एण्ड एण्र कंडिशनिंग	REF	05	पांचवीं / आठवीं
17.	रिटेल	RET	04	दसवीं
18.	टॉय–मेकिंग	TOY	04	पांचवीं
19.	पेंट	PAI	05	पांचवीं
20.	कंस्ट्रक्शन	CON	10	पांचवीं / आठवीं / बारहवीं
21.	सिक्योरिटी	SEC	10	आठवीं

22.	वुडवर्क	WOO	02	पांचवीं
23.	मीडिया	MDA	05	आठवीं / दसवीं
24.	फूड प्रोसेसिंग एण्ड प्रिजर्वेशन	FOO	05	पांचवीं / आठवीं / दसवीं
25.	एग्रिकल्चर	AGR	29	पांचवीं / सातवीं / आठवीं
26.	ट्रेवल एण्ड टूरिज्म	TRV	04	दसवीं
27.	सॉफ्ट स्किल्स	SS	04	पांचवीं / सातवीं / आठवीं / दसवीं
28.	कूरियर एण्ड लॉजिस्टिक्स	COL	02	आठवीं
29.	इन्श्योरेंस	INS	04	दसवीं / स्नातक
30.	जूट सेक्टर	JUT	06	पांचवीं
31.	जूट डाइवर्सिफाइड प्रोडक्ट्स सेक्टर	JTD	02	पांचवीं
32.	फिशरीज एण्ड एलाईड सेक्टर	FHS	06	पांचवीं / आठवीं
33.	फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग	FRS	02	दसवीं
34.	बिजनेश एण्ड कॉमर्श	BSC	08	स्नातक
35.	मैटेरियल मैनेजमेंट	MAM	04	आठवीं / बारहवीं
36.	हैंडमेड पेपर एण्ड पेपर पोडक्ट्स	PAP	02	पांचवीं
37.	इन्डस्ट्रियल इलेक्ट्रिकल	IEL	01	आठवीं
38.	टेक्सटाईल्स – वीविंग	WVG	06	सातवीं
39.	टेक्सटाईलस – सिल्क	SLK	03	पांचवीं / सातवीं
40.	सेरिकल्चर	SER	06	पांचवीं
41.	पोल्ट्री (ब्रॉलर फार्मिंग)	PLT	04	पांचवीं
42.	एनिमल हजबेंड्री एण्ड मीट प्रोसेसिंग	ANH	04	पांचवीं / आठवीं
43.	एपिकल्चर	APC	04	पांचवीं
44.	रेनवॉटर हार्वेस्टिंग	RWH	02	सातवीं
45.	बैम्बू फैब्रिकेशन	BMB	03	पांचवीं
46.	रीन्युएबल एनर्जी	RNE	04	आठवीं
47.	होम डेकर – आर्ट ज्वेलरी	JEW	02	पांचवीं
48.	होम डेकर – आर्ट मेहंदी	MEH	02	पांचवीं
49.	टेलीकॉम	TLC	01	दसवीं
50.	अलाईड हैल्थकेयर	AHC	02	आठवीं
51.	फास्ट मूविंग कन्ज्यूमर गुड (एफ एम सी जी)	FMG	01	बरहवीं
कुल			**346**	

इस अधिनियम के संबंध में अधिक जानकारी सहायक संचालक CSSDA / जिला रोजगार अधिकारी तथा वेबसाईट www.cssda.in से प्राप्त कर सकते हैं।

> **आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्मसंयम, केवल यही तीन चीजें जीवन को परम शक्ति सम्पन्न बना देते हैं।**
>
> **– टेनीसन**

86. अब घर बैठे करा सकते है रोजगार पंजीयन

रोजगार चाहने वाले शिक्षित युवा 01 जनवरी 2011 से घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से रोजगार पंजीयन एवं नवीनीकरण का कार्य करा सकते है।

ऑनलाईन रोजगार पंजीयन के लिए आवेदक www.cg.employment.gov.in साईड लॉगआन करें, इसमें रोजगार पंजीयन की प्रक्रिया बताई गई है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदक इस पेज में ऑनलाईन रोजगार सेवा को क्लिक करें, इससे छत्तीसगढ़ एम्प्लायमेंट सर्विस का पेज खुलता है। इस पेज में Candidate Registration को क्लिक करने पर रोजगार सेवा का प्रारंभिक पेज खुलता है, जिसमें राज्य एवं जिला का नाम सलेक्ट करने पर रोजगार पंजीयन का फार्म खुलता है। इस फार्म में आवेदक को अपने बारे में जानकारी यथा नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, जाति प्रमाण पत्र का क्रमांक, पत्र व्यवहार का पता आदि ऑनलाईन भरना होता है। इन जानकारियों को भरने के बाद आवेदक को रोजगार पंजीयन क्रमांक, यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त हो जाता है। रोजगार पंजीयन क्रमांक के पेज को NEXT करके आवेदक को अपने सम्पूर्ण शैक्षणिक योग्यता, अनुभव आदि के संबंध में जानकारी भरना होता है।

ऑनलाईन रोजगार सेवा युवाओं के लिए बहुत ही उपयोगी है क्योकि इसके माध्यम से वे कहीं से भी पंजीयन करा सकते है, उच्चतर शैक्षणिक योग्यता जुड़वाने तथा नवीनीकरण का कार्य स्वयं कर सकते है। इस सेवा से नया पंजीयन कराने वाले आवेदकों को पंजीयन दिनांक से 15 दिनों के अंदर अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन रोजगार कार्यालय से कराना अनिवार्य होता है।

मात्र प्रतिभा के बूते आप लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते है, बिना लगातार परिश्रम के प्रतिभा आपको अंधों में काना राजा तो बना सकती है लेकिन श्रेष्ठों में श्रेष्ठतर कभी नहीं।।

Talent alone is not suffice to achieve goal, Without 'perseverance', your 'talent' can keep you above the blind, But you will never be the best among the elite.

87. निःशक्तजनों के लिए छत्तीसगढ़ शासन की योजनाएं एवं शासकीय नियुक्तियों में आरक्षण प्रावधान

1. क्षितिज– अपार संभावनाएँ (निःशक्तलजनों को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन राशि प्रदान योजना)

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा ज्ञापन क्रमांक एफ 3–15/2016, नया रायपुर दिनांक 03.11.2016 द्वारा माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एवं उच्च शिक्षा में नियमित अध्ययनरत् निःशक्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु **''क्षितिज– अपार संभावनाऍं''** योजना प्रारंभ की गई है। उच्च शिक्षा में प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के इस योजना के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार है :–

1. **<u>हितग्राहियों की पात्रता :–</u>**

1. छत्तीसगढ़ का निवासी हो।
2. निःशक्तता 40 प्रतिशत या उससे अधिक हो।
3. जिला अंतर्गत माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में निःशक्तजनों की श्रेणी में सर्वाधिक अंक प्राप्त किया हो।

अथवा

4. आई.टी.आई./पालीटेक्निक/स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में) नियमित विद्यार्थी/**अथवा**
5. चिकित्सा/तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत् नियमित विद्यार्थी।

2. मिलने वाले लाभ :–

1. जिले में माध्यमिक परीक्षा (दसवीं) एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा (बारहवीं) में सर्वाधिक अंक पाने वाले निःशक्त छात्र तथा छात्रा को राशि क्रमशः रूपये 2000/– एवं रूपये 5000/– एकमुश्त।
2. आई.टी.आई./पालीटेक्निक/स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को राशि 6000/– रूपये प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि।
3. चिकित्सा/तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्ययनरत् विद्यार्थियों को राशि 12000/– रूपये प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि।

3. **<u>आवेदन की प्रक्रिया :–</u>**

1. माध्यमिक परीक्षा एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले निःशक्त व्यक्तियों को पृथक से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।
2. आई.टी.आई. पालीटेक्निक स्नातक एवं स्नातकोत्तर (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान), चिकित्सा, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में नियमित अध्ययन कर रहें विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि हेतु ऑनलाइन आवेदन www.sw.cg.gov.in में करना होता है।

3. निःशक्तजनों को निवास प्रमाण पत्र एवं जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी निःशक्तता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

4. **विस्तृत जानकारी :–**

योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग के वेबसाइट www.sw.cg.gov.in से या पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय या उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (निःशक्तजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

2. क्षितिज– अपार संभावनाएँ (निःशक्त व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि योजना)

छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा ज्ञापन क्रमांक एफ 3–15/2016, नया रायपुर दिनांक 03.11.2016 द्वारा निःशक्त मेधावी व्यक्तियों को, सिविल सेवा के क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु **''सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना''** योजना प्रारंभ की गई है। प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के इस योजना के प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार है :–

1. योजना हेतु पात्रता :–

1. 40 प्रतिशत या उससे अधिक के निःशक्तजन।
2. आवेदक छत्तीसगढ़ का निवासी हो।
3. संघ/छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण अभ्यर्थी।

2. मिलने वाले लाभ :–

1. प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर राशि रूपये 20,000/– एकमुश्त।
2. मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर राशि रूपये 30,000/– एकमुश्त।
3. संघ/छत्तीसगढ़ लोक सेवा में चयन होने पर राशि रूपये 50,000/– एकमुश्त।

3. आवेदन की प्रक्रिया :–

1. संघ लोक सेवा आयोग/छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रारंभिक परिणाम घोषित होने के उपरांत आयोग द्वारा जारी परिणाम के आधार पर आवेदन करने पर सहायता राशि दी जावेगी।
2. ऑनलाइन आवेदन www.sw.cg.gov.in में उपलब्ध है।
3. आवेदक को निवास प्रमाण पत्र एवं जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी निःशक्तता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

4. विस्तृत जानकारी :–

योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग के वेबसाइट www.sw.cg.gov.in से या पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के जिला कार्यालय या उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (निःशक्तजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

3. निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995 के अनुसार छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवा में नियुक्ति हेतु निःशक्ताजनों के लिए प्रावधान

छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर के ज्ञापन क्रमांक एफ 20–4/2014/आ.प्र./1–3 नया रायपुर दिनांक 27.09.2014 एवं 17.11.2014 द्वारा राज्य शासन के अधीन सीधी भर्ती के पदों में निःशक्तजनों के नियोजन के लिए निम्न प्रावधान किये गये हैं–

1. आरक्षण का प्रतिशत

राज्य के अधीन समस्त कार्यालयों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के सीधी भर्ती से भरे जाने वाले पदों का 6 प्रतिशत पद निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित होगी, जिसमें से 2–2 प्रतिशत रिक्तियां– (अ) दृष्टि बाधित अथवा कम दृष्टि (ब) अस्थि बाधित अथवा प्रगस्तिष्क अंगघात (स) श्रवण बाधित से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए, उपयुक्त चिन्हाकिंत किए गये पदों में आरक्षित होगी।

यदि कोई प्रशासकीय विभाग, निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षण के इस प्रावधान से अपने किसी प्रतिष्ठान को अंशतः अथवा पूर्णतया मुक्त रखना आवश्यक समझे तो उसे उसका औचित्य दर्शाते हुए प्रस्ताव समाज कल्याण विभाग को भिजवाना अनिवार्य होगा।

2. आरक्षण के लिए निःशक्तता का प्रतिशत

केवल ऐसे व्यक्ति सेवाओं/पदों में आरक्षण के लिए पात्र होगें, जो कम–से–कम 40 प्रतिशत संगत निःशक्तता से ग्रस्त हों। जो व्यक्ति आरक्षण का लाभ उठाना चाहता हो उसे निर्धारित प्रारूप में सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया निःशक्तता प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

3. निःशक्तता प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी

निःशक्तता प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए, राज्य सरकार द्वारा निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) नियम, 1997 यथा संशोधित दिनांक 29.05.2012 के अनुरूप सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी होगा। नियम, 1997 के क्रियान्वयन हेतु राज्य सरकार मेडिकल बोर्ड का गठन कर सकती है जिसमें कम से कम तीन सदस्यों में कम से कम एक सदस्य, अस्थि बाधित निःशक्तता/दृष्टि बाधित अथवा कम दृष्टि की निःशक्तता/श्रवण बाधित निःशक्तता, जैसा भी मामला हो, का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्र विशेष का विशेषज्ञ होना

चाहिए। सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी/मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी उक्त प्रमाण–पत्र में स्थायी अथवा अस्थायी शब्द को पेन से चिकित्सक द्वारा स्वयं लिखा जाना अनिवार्य होगा।

4. अधिकतम आयु सीमा में छूट

(अ) निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए अधिकतम आयु–सीमा में वहीं छूट देय होगी जो राज्य शासन द्वारा सेवा के समस्त संवर्गो में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के लागू हो। वर्तमान में यह छूट 10 वर्ष हैं।

(ब) आयु सीमा में उक्त छूट लागू रहेगी भले ही पद आरक्षित हो अथवा नहीं बशर्ते कि पद, निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त माना गया हो।

5. उपयुक्तता के मानदंडों में छूट

यदि निःशक्तता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित सभी रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानदंडों के आधार पर इस श्रेणी के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होते तो इनके लिए आरक्षित शेष रिक्तियों को भरने के लिए मानदंडों को शिथिल कर इस श्रेणी के उम्मीदवारों का चयन किया जा सकता है बशर्ते कि वे ऐसे पद अथवा पदों के लिए अनुपयुक्त न हों। सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ–9/1/89/1, आ.प्र. दिनांक 9/7/1991 के अनुसार इन्हें परीक्षा या साक्षात्कार में न्यूनतम आर्हक अंकों में 10 प्रतिशत अंक छूट का प्रावधान है।

निःशक्तजनों के नियोजन के संबंध में शासन के प्रावधान, रिक्तियों एवं अन्य जानकारी उपसंचालक रोजगार, विशेष रोजगार कार्यालय (निःशक्तजनों के नियोजन हेतु) रायपुर से प्राप्त कर सकते हैं।

88. आपकी सफलता आपके हाथ
(सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के सूत्र)

(यह लेख जिला रायपुर के वर्तमान कलेक्टर श्री ओमप्रकाश चौधरी ने वर्ष 2005 में UPSC की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद लिखा था। इस लेख में प्रस्तुत उदाहरण वर्ष 2004 एवं 2005 के है। यह लेख उन्होने युवाओं के विशेष आग्रह पर, इस मार्गदर्शिका के लिए उपलब्ध कराया है)

• ओमप्रकाश चौधरी

''आपकी सफलता आपके हाथ''

(कृपया निबन्ध प्रश्नपत्र लिखने से पहले......)

निबन्ध प्रश्नपत्र की तैयारी क्यों?

दोस्तों! मुझसे अनेक बार प्रश्न पूछे गए कि

→ ''आप CSE [Civil Services Exam] सिविल सेवा परीक्षा, में परिश्रम और भाग्य का कितना प्रतिशत योगदान मानते हैं?''

→ इस प्रश्न का आज भी मेरा उत्तर है :***''एक स्तर में आने तक सिविल सेवा 100 फीसदी परिश्रम का मामला है, और इस स्तर' में आने के बाद यह 100 फीसदी भाग्य का मामला रह जाता है।''***

क्योंकि उस विशेष स्तर में आने के बाद सफलता और असफलता के बीच की विभाजन रेखा बहुत पतली रह जाती है। तैयारी के उस विशेष स्तर में इस देश के हजारों युवा हैं जिनमें से 300–400 का इस सूची में उन हजारों में से कोई भी अंदर हो सकता है, कोई भी बाहर रह सकता है।

आइए अब CSE-2004 में <u>सामान्य वर्ग (General Catagory)</u> के लिए एक विश्लेषण करें:–

(a)	अंतिम चयन का Cut off mark :	1202 अंक
(b)	अंतिम IAS सुभंजन दास (66 रैंक) का स्कोर :	1270 अंक
(c)	इसी तरह IPS अंकज शर्मा (156 रैंक) का स्कोर :	1232 अंक

अर्थात्

→ असपफलता और IPS के बीच की दूरी = (c) - (a)
= 1232 – 1202
= 30 अंक

→ असपफलता और IAS के बीच की दूरी = (b) - (a)

= 1270 – 1202

= 68 अंक

→ IAS और IPS के बीच की दूरी = (b) - (c)

= 1270 – 1232

= 38 अंक

आइए अब सिविल सेवा परीक्षा – 2004 से संबंधित एक और रोचक विश्लेषण करें। CSE - 2004 में बांछा निधि पाणि को 14वां स्थान मिला, वहीं आकाश देवांगन को 263वां। बांछा के कुल अंक 1327 हैं, वहीं आकाश के 1206 अंक। बांछा को निबंध प्रश्न–पत्रा में 152 अंक मिले हैं, वहीं आकाश को 78 अंक।

→ अब यदि बांछा को निबंध में आकाश के बराबर अर्थात् 78 अंक मिले होते तो

कुल अंक : 1327 – [152–78]

= 1327 – 74

= 1253

अर्थात् उनका रैंक 100 के आसपास होता।

→ वहीं यदि आकाश को निबंध में बांछा के बराबर अर्थात् 152 अंक मिले होते तो

कुल अंक : 1206 + [152–78]

= 1206 + 74

= 1280

अर्थात् उनका रैंक 50 के लगभग होता।

आप भलीभांति समझ चुके हैं कि निबंध का अकेला प्रश्नपत्रा परिणाम में कैसा नाटकीय परिवर्तन ला सकता है।

मगर सामान्यतः लोग निबंध प्रश्नपत्र को नजरअंदाज करते हैं। कई बार सुना जाता कि तैयारी का कोई विशेष प्रभाव निबंध प्रश्नपत्र पर नहीं पड़ता जो अंक आने हो परीक्षा हॉल में जाकर सीधे लिखने से ही आ जाता है।

दोस्तों! मैं भी स्वीकार करता हूँ कि यहाँ अनिश्चितता (uncertanity) है, लेकिन यह अनिश्चितता केवल निबंध प्रश्नपत्र में नहीं है, बल्कि पूरी सिविल सेवा परीक्षा में है, हर प्रश्नपत्र में है। हाँ मौलिक विचारों के अधिक करीब होने से निबंध प्रश्नपत्रों में यह अनिश्चितता कुछ अन्य वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्रों की अपेक्षा थोड़ी अधिक है। लेकिन इसके बावजूद तैयारी और अच्छी लेखन शैली से कई लोगों के लगभग हमेशा अच्छे अंक भी आए। पूर्णचंद किशन [IAS] राजस्थान, को 2002, 2003 एवं 2004 को परीक्षा में क्रमशः 135, 155 एवं 142 अंक मिले।

पुनः बांछा का उदाहरण दूंगा। 2002, 2003 एवं 2004 की परीक्षा में उन्हें निबंध प्रश्नपत्र में क्रमशः 135, 136 एवं 152 अंक मिले। उनके रैंक क्रमशः 211st, 70th एवं 14th आए। यदि उन्हें हर वर्ष निबंध में 100 अंक मिले होते तो उनके रैंक क्रमशः असफल (out of race), 150th एवं 55th होता (लगभग)।

उनकी सपफलता में निबंध प्रश्नपत्र के महत्वपूर्ण योगदान को स्पष्टतः देखा जा सकता है।

इसलिए जिस परीक्षा में 1–1 अक का इतना अधिक महत्व है, वहाँ यदि किसी प्रश्नपत्र में 50 अंकों की बढ़त मिल जाए तो वह कितना निर्णायक सिद्ध होगी, इसका आकलन आप स्वयं कर सकते है।

किसी वैकल्पिक विषय के प्रश्न में 50 अंकों की बढ़त बनाना, अन्य शब्दों में 150 से 200 अंक तक जाना सचमुच टेढ़ी खीर है। वहीं मुझे लगता है कि निबंध प्रश्न–पत्र में 50 अंकों की बढ़त लेना अपेक्षाकृत आसान है।

क्योंकि निबंध लेखन मूलतः एक कला है जिसमें कुछ विशिष्ट कौशल के बल पर हमेशा अच्छे अंक लाए जा सकते हैं। अन्य प्रश्नपत्रों की तरह दिए गए पाठ्यक्रम के हर विषय को अलग–अलग तैयार करने की भी कोई जरूरत नहीं होती। कई विकल्पों की उपलब्ध्ता कुछ चयनित क्षेत्रों की ही तैयारी करके उसी क्षेत्र से निबंध लिखने में हमें सक्षम बना देती है।

इसलिए अब पूरी तैयारी के साथ निबंध प्रश्नपत्र की ओर हमें टूटना है और इसकी तैयारी की एक सटीक रणनीति और योजना बनाती है।

निबंध प्रश्नपत्रों का दर्शन
(Philosophy of Essay Paper)

सिविल सेवा परीक्षा में हर एक प्रश्नपत्र का कुछ विशिष्ट उद्देश्य होता है। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) हर प्रश्नपत्र के द्वारा अभ्यर्थी की कुछ विशिष्ट योग्यता को परखने का प्रयास करती है। जैसे वैकल्पिक विषयों में हमारी अकादमिक योग्यता को परखा जाता है, वहीं सामानय अध्ययन में हमारे आस–पास घटित हो रही घटनाओं के प्रति रूचि एवं जागरूकता को। वैकल्पिक विषय ज्ञान की परीक्षा है वहीं सामान्य अध्ययन प्रबंधन की।

इसी तरह बड़े प्रश्न शब्द सीमा से मुक्त रहते हैं, जबकि छोटे प्रश्न शब्द सीमाओं के दायरे में बंधे होते हैं। अर्थात् बड़े प्रश्न ज्ञान की गहराई का परीक्षण करते हैं वहीं छोटे प्रश्न ज्ञान के विस्तार की।

चूंकि निबंध प्रश्नपत्र में अत्यधिक आजादी दी गई हैः–

→ विकल्पों की भरमार दी गई है। 6 में से 1 निबंध लिखना है।

→ 1 निबंध के लिए पूरे 3 घंटे का समय दिया गया है।

→ कोई शब्द–सीमा निर्धरित नहीं की गई है।

इतनी आजादी का मतलब है कि आपको UPSC का खुला निमंत्रण है कि आप जो कर सकते हैं, करके दिखाइए। वस्तुतः जहाँ भी प्रतिबंध होगा, आप स्वयं को अभिव्यक्त करने में कठिनाई महसूस करेंगे। इसलिए निबंध

प्रश्नपत्र को प्रतिबंधों से मुक्त रखा गया है ताकि आपका मौलिक व्यक्तित्व सामने आ सके। अतः आप हमेशा ध्यान रखें कि वस्तुतः यह आपके व्यक्तित्व की परीक्षा है और यह परीक्षण अपेक्षाकृत अधिक अनुभवी व्यक्ति (50+आयु वर्ग) करेगा। एक श्रेष्ठ प्रशासक से समाज जिस तरह से व्यक्तित्व की अपेक्षा करता है वही गुण आपके निबंध में भी झलकना चाहिए। जैसेः–

→ वह संवेदनशील हो।

→ मानवीय एवं सामाजिक हित के प्रति समर्पित हो।

→ सोचने की दिशा सकारात्मक एवं रचनात्मक हो।

→ अपनी कमजोरियों के साथ–साथ अपनी शक्तियों की पहचान रखता हो।

→ वह अपने मूल्यों से समझौता किए बिना सबके साथ मिलकर चलने की क्षमता रखता हो।

→ वह भाई–भतीजावाद से मुक्त होकर सबके साथ निष्पक्ष व्यवहार करता हो। आदि

UPSC के निर्देशः–

निबंध प्रश्नपत्र में UPSC लिखित निर्देश देती है कि ''उम्मीदवार का विषयवस्तु की पकड़, चुने गए विषय के साथ उसकी प्रासंगिकता, रचनात्मक तरीके से उसके सोचने की योग्यता, विचारों को संक्षेप में युक्तिसंगत एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की तरफ परीक्षक विशेष ध्यान देंगे।''

Examiner will pay special attention to the candidate's grasp of his material. It's relevance to the specific choosen and to his ability to think constructively and to present his idea concisely, logically & effectively.

अर्थात्

(a) लिखे जाने वाले विषय पर अच्छी पकड़ हो।

(b) लेखन विषयवस्तु के साथ प्रासंगिक हो।

(c) विचार रचनात्मक हो।

(d) प्रस्तुतिकरण संक्षिप्त, युक्तिसंगत एवं प्रभावी हो।

ये UPSC द्वारा दिए जाने वाले निर्देश है। इसलिए इनकी महत्ता निर्विवाद है और इनका पालन यथासंभव अवश्य किया जाना चाहिए। मगर यह भी याद रखें कि लेखन की प्रक्रिया गणितीय गणनाओं से भिन्न है, इसलिए गणितीय सूत्रों की तरह इनका इस्तेमाल न करें। हाँ पूरी कोशिश जरूर हो कि इन पैमानों के करीब से करीब रहा जाए।

तैयारी कैसे करें? प्रविधि (Method)

UPSC के किसी भी प्रश्नपत्र की तैयारी की शुरूआत अनसॉल्वड पेपर (usolved paper) देखने के साथ करें। निबंध के लिए भी अनसॉल्वड पेपर देखने के बाद अपनी रूचि एवं पृष्ठभूमि के आधार पर निर्णय लें कि किन–किन क्षेत्रों में आप बेहतर कर सकते हैं। न्यूनतम तीन–चार क्षेत्रों का चयन कर लें।

अब आप एक नोटबुक बना लें और चुने हुए क्षेत्रों से संबंधित कोई भी अच्छा आलेख मिले तो उसे जरूर पढ़े और उस आलेख में आपको प्रभावित करने वाले विशेष तथ्यों, वाक्यों, उदाहरणों, विश्लेषणों, निष्कर्षों आदि को नोटबुक में नोट कर लें। कई चीजें शब्दशः लिखने की भी इच्छा होती है, इन तरह के विशेष वाक्यों को आप शब्दशः नोट कर सकते हैं। इसी तरह यदि आप समाचार सुन रहे हों, कोई कविता या उपन्यास पढ़ रहे हो कोई वाद–विवाद कर रहे हों, विषय विशेष से संबंधित तथ्यों को नोटबुक तक जरूर पहुँचाएं। नोटबुक में पहुँचने का अर्थ है कि आप परीक्षा में उसका उपयोग करने में समर्थ हो रहे हैं, क्योंकि आप नोटबुक में संचित सामग्री को कभी भी दुहरा सकते हैं। परीक्षा करीब होने पर यह विशेष रूप से सहायक सिद्ध होगी।

अब विशेष विषयों के लिए समय की उपलब्ध्ता के आधर पर कुछ पुस्तकों का भी अध्ययन करके उपरोक्त प्रक्रिया पुनः अपना सकते हैं। साथ ही, संबंधित विषयों में भूमिका, उपसंहार आदि को भी तैयार करके अपने नोटबुक में स्थान दे सकते हैं।

इस रणनीति के निरंतर अनुपालन से कुछ दिनों बाद आप महसूस करेंगे कि संबंधित क्षेत्र में आप अच्छी जानकारी रखने लगे हैं। आप यह भी पाएंगे कि उस क्षेत्र से संबंधित कई निबंधें में कुछ सामान्य बिन्दुओं (common points) को शामिल किया जा सकता है।

किन विषयों की तैयारी करें?

वस्तुतः आज तक आपने जहाँ कहीं जो कुछ भी पढ़ा है उसका श्रेष्ठतम तरीके से निबंध प्रश्नपत्र में उपयोग करना है। इसलिए निबंध की तैयारी करते समय विषयों का चयन करने के लिए अपनी पृष्ठभूमि को जरूर ध्यान रखें। पृष्ठभूमि के अंतर्गत शैक्षणिक पृष्ठभूमि सिविल सेवा परीक्षा में आपके वैकल्पिक विषय, या आपकी रुचि के विशेष क्षेत्र आदि सभी शामिल है।

शुरुआती दौर में आप अपनी रुचि एवं पृष्ठभूमि के अनुरुप तीन–चार क्षेत्रों का चयन करके तैयारी कर सकते हैं। कालान्तर में समय की उपलब्ध्ता के आधर पर आप अन्य क्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकते हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में पूछे जाने वाले निबंधें को हम सामान्यतः निम्न क्षेत्रों में विभाजित कर सकते हैं :–

(1) सांस्कृतिक मुद्दे

(2) धर्म, विज्ञान, वैज्ञानिक मनोवृत्ति, मूल्य, मूल्योन्मुख शिक्षा

(3) स्त्रीवाद से संबंध्ति मुद्दे

(4) लोकतंत्र, न्यायिक सक्रियतावाद आदि

(5) लोक सेवक, भ्रष्टाचार आदि

(6) वैश्वीकरण, नवसाम्राज्यवाद आदि

(7) गहन विचारात्मक दार्शनिक विषय

(8) समसामयिक विषयों से संबंधित निबंध

सामान्यतः जो अभ्यर्थी समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, साहित्य आदि से संबंधित हैं वे (1), (2), (3) आदि में बेहतर कर सकते हैं।

→ राजनीतिशास्त्रा से संबंध्ति अभ्यर्थी (4), (6) आदि क्षेत्रों में अच्छा कर सकता है।

→ लोक प्रशासन : (5) में,

→ राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल आदि के विद्यार्थी (8) में

→ क्षेत्र क्र. (7) किसी विषय विशेष का मोहताज नहीं बल्कि विशेष रुचि की दरकार रखता है। आप सभी अंततः रूचि एवं विशिष्ट योग्यता के आधार पर ही विषय का चयन करें।

परीक्षा–कक्षा में प्रवेश करने के बादः–

विषय क्या चुने?

आप परीक्षा हॉल में प्रश्नपत्र प्राप्त करके आराम से 10 मिनट में विषय का चयन करें। लाजमी है कि तैयारी किए गए क्षेत्र से निबंध आने पर उसी विषय से संबंधित निबंध लिखेंगे और अगर आपकी किस्मत अधिक खराब नहीं, तो तैयार किए गए तीन–चार क्षेत्रों में से एकाधिक निबंध मिल ही जाते हैं।

अगर तैयार क्षेत्रों में से कोई विषय नहीं पूछा गया है तो सामान्य बुद्धि (common sense) और अपनी विशेष जानकारियों के आधार पर आगे बढ़ें।

इस संदर्भ में बड़ा सवाल है कि एकाधिक निबंध की तैयारी होने पर कौन–सा निबंध चुना जाए? वस्तुतः इस प्रश्न का अधिक सामना करना पड़ता है।

इस क्रम में सबसे अहम् सवाल है कि सामान्य विषय (General Topic) का चयन किया जाए या विशिष्ट विषय (specific topic) का? अन्य शब्दों में, जिसे अधिक अभ्यर्थी लिख रहे हैं उस विषय पर लिखा जाए या

फिर जिस विषय पर इक्के–दुक्के लोग लिख रहे हों, उस विषय पर लिखा जाए।

यदि आपकी तैयारी एवं अधिकार दोनों तरह के विषयों में बराबर है तो सामानयतः विशेष विषय पर लिखना चाहिए क्योंकि यह परीक्षक को एक नए विषय का आस्वाद कराएगा और इसका लाभ आपको मिल सकता है।

लेकिन आप गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न करें अर्थात् किसी दूसरे सामान्य विषय में आपकी तैयारी अच्छी हो, तो उसे ही लिखें अर्थात् विशेष विषय के प्रति अनावश्यक अंधभक्ति से बचे।

मैं मानता हूँ कि विशेष विषय पर सामान्य गुणवत्ता का निबंध लिखने से अच्छा है कि सामान्य विषय पर विशेष गुणवत्ता से युक्त निबंध लिखा जाए। व्यावहारिक रूप से भी स्त्री, लोकतंत्र, वैश्वीकरण, संस्कृति जैसे सामान्य विषयों पर भी अनेक अभ्यर्थियों के असाधरण अंक आए हैं।

लिखने से पूर्व कितने समय तक सोचें?

सभी स्वीकार करते हैं कि उत्तरपुस्तिका में अंतिम रूप से लिखने से पूर्व, संबंधित विषय पर आराम से विचार करें, मस्तिष्क में आ रहे विचारों को रफ के रूप में उत्तरपुस्तिका में लिखते चले जाए। उसके बाद अंतिम प्रारूप बनाकर, उसके अनुसार लिखते चले जाएं।

लेकिन सवाल है कि लेखन–पूर्व की इस प्रक्रिया को कितना समय दिया जाए?
इस प्रश्न का जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग–अलग होगा और एक व्यक्ति विशेष के लिए भी संबंधित विषय में उसकी तैयारी के आधार पर भी यह समय बदल जाएगा।

कई लोगों का जवाब होता है कि एक घण्टा सोचना चाहिए फिर दो घण्टा लिखना चाहिए। इस तरह का जवाब मुझे उपयुक्त नहीं लगता।

बेहतर है कि विषय का चयन करने के बाद संबंधित विचारों को सांकेतिक रूप में रफ में लिख लिया जाए। तब फेयर में लिखना शुरू किया जाए। जहाँ तक आप स्पष्ट हैं वहाँ तक लिखें, फिर बीच में सोचने की दृष्टि से आवश्यकतानुसार रूका जा सकता है। फिर सोचे गए मुद्दे तक आगे लिखें फिर सोचने के लिए आप समय ले सकते हैं और अंत में उपसंहार को रफ में लगभग पूरा लिखकर ही फेयर में लिखें।

मेरा तात्पर्य है कि सोचने और फिर लिखनें की रणनीति से बेहतर है सोचना–लिखना, सोचना–लिखना की रणनीति।

भूमिका कैसे लिखें?

भूमिका आपके निबंध रूपी महल का प्रवेश–द्वार है। इसलिए इसी महत्ता निर्विवाद है। भूमिका में विषय के आधर तत्व को अभिव्यक्त करना चाहिए। वस्तुतः निबंध यथार्थ से आदर्श तक की यात्रा होना चाहिए। इसलिए भूमिका को यथार्थपरक होना चाहिए। भूमिका लिखने के कई तरीके हैंः–

(1) निबंध में आगे जो कुछ कहना है, उसका संकेत दे देना।

(2) जो विषय दिया गया है उससे अपेक्षाकृत बृहद् दृष्टि से शुरू करके उस विषय तक आना। (Macro→Micro : Approach)

(3) व्याख्यात्मक या सरलीकरण की रणनीति।

(4) ऐतिहासिक भूमिका।

(5) यथार्थपरक नाटकीय शुरूआत।

(भूमिकाओं की ये शैलियाँ उदाहरणों से ही स्पष्ट हो सकती है। अतः हर तरह की भूमिकाओं से संबंधित उदाहरण दिए गए हैं।)

भाषा कैसी हो?

सामान्यतः यह प्रश्न किया जाता है कि *''सहज–सरल भाषा प्रयोग किया जाए या स्तरीय–साहित्य भाषा का?''*

मेरा जवाब होगा : *''सहज या स्तरीय भाषा का प्रयोग करने के बजाय आप अपनी भाषा का प्रयोग करें।''*

दोस्तों! कौन–सी भाषा सहज है और कौन–सी स्तरीय? यह एक आत्मनिष्ठ (subjective) सवाल है। जो भाषा एक व्यक्ति के लिए सहज है, वहीं दूसरे व्यक्ति के लिए अति स्तरीय हो सकता है, और तीसरे के लिए यही भाषा सतही किस्म की हो सकती है। वस्तुतः सतही भाषा सहज भाषा, स्तरीय भाषा, जटिल भाषा आदि के निर्धरण के कोई वस्तुनिष्ठ पैमाने नहीं हो सकते। इसलिए इन सबके संबंध में अनावश्यक माथा–पच्ची के बजाय आप अपनी मौलिक भाषा का प्रयोग करें ताकि उसमें सहज प्रवाह आ सके और वह बोधगम्य हो। अनावश्यक रूप से तत्समपरक शब्दों के कृत्रिम प्रयोग से बचें। आपके वाक्य छोटे हों तो यह अच्छी बात है, मगर प्रवाहयुक्त लम्बा वाक्य हो तो भी चिंता की कोई बात नहीं। वह भी छोटे वाक्य की तरह ही प्रभावी माना जाएगा। वस्तुतः आपके वाक्य ऐसे होने चाहिए कि उस वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द आसानी से समझा जा सके मगर शब्दों के क्रम में प्रवाह से प्रभाव पैदा हो।

जैसेः– एक ही भाव को व्यक्त करने वाले दो वाक्य उन्हीं शब्दों के साथ दिए गए हैंः–

(1) पगडंडियों पर चलने वालों के लिए कोई गर्दिश और बुलंदी नहीं होती।

(2) पगडंडियों पर चलने वालों के लिए कैसी गर्दिश और कैसी बुलंदी?

केवल शब्दों के क्रम में परिवर्तन करके प्रभाव उत्पन्न किया गया है।

स्तरीयता की कोशिश में आप दो–चार पैराग्रापफ तो रटी–रटाई चीजें लिख सकते हैं, मगर उसके बाद एकाएक अपनी औकात पर आ जायेंगे और इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

हाँ! अपनी भाषा में सुधार का निरंतर प्रयास जारी रखना चाहिए लेकिन याद रखें भाषा में सुधार एक प्रक्रिया है, कोई घटना नहीं। अर्थात् अनवरत प्रयास से हमें भाषिक दृष्टि से सम्पन्न बना सकती है। इसलिए अच्छी अध्ययन सामग्रियों का लगातार अध्ययन करते रहें।

शब्द–सीमा क्या हो?

UPSC द्वारा निबंध हेतु कोई शब्द–सीमा नहीं दी गई है, अर्थात् हमें पूरी आजादी दी गई है। इसलिए निबंध की लम्बाई हम अपने हिसाब से रख सकते हैं।

विभिन्न लोगों से पूछताछ के क्रम में मैंने पाया कि लगभग 1500 शब्दों का निबंध लिखा जा सकता है।

मगर मेरी व्यक्तिगत मान्यता है कि अच्छी सामग्री जितना अधिक लिख सकें उतना ही अच्छा है। लेकिन केवल पेज भरने के लिए अनावश्यक विस्तार से बचें।

आप यह भी सुनते होंगे कि केवल 500 शब्दों का निबंध लिखा और उसे 150 अंक आए। दोस्तों! कुछ लोग कुछ विशेष विषयों में अति स्तरीय ज्ञान रखते हों ओर उन्हें कभी इस तरह का असाधरण अंक भी आया हो। मगर हम इसका सामान्यीकरण (generalization) नहीं कर सकते और केवल अति उत्साह में इस तरह का कोई दुस्साहसिक कदम नहीं उठा सकते।

अच्छी राइटिंग का महत्व :–

दोस्तों! सुंदरता दुनिया में किसे अच्छी नहीं लगती?

वस्तुतः पूरी मुख्य परीक्षा एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। हम उत्तर–पुस्तिका में जो कुछ लिखते हैं वह एक क्रिया है। उसका परीक्षक के मनोमस्तिष्क में कुछ प्रभाव पड़ेगा और उसी की प्रतिक्रिया के रूप में हमें वह अंक प्रदान करेगा।

इसलिए हमें कोशिश यह करनी है कि परीक्षक को अधिकाधिक प्रभावित कर सकें। जाहिर है तभी वह हमें अच्छे अंक देगा।

चूंकि हमें इस प्रश्नपत्र में पूरी आजादी दी गई है। चूंकि हमारे पास पर्याप्त समय रहता है तब स्वाभाविक है कि सामान्यतः सभी लोग अच्छी राइटिंग में लिखेंगे और परीक्षक महोदय हमसे भी अच्छी राइटिंग की अपेक्षा करेंगे। 10 अच्छी राइटिंग वाली उत्तर पुस्तिकाओं के बाद यदि खराब राइटिंग वाली कोई उत्तर पुस्तिका आए तो स्वाभाविक रूप से उसे इसकी कीमत कुछ न कुछ तो चुकानी ही पड़ेगी।

कई लोग यह कहते हुए भी सुने जाते हैं कि खराब राइटिंग के बावजूद X के Y पेपर में Z अंक आए। माना खराब राटिंग के बावजूद X के निबंध में 160 अंक आए। दोस्तों! हो सकता है कि X की अच्छी राइटिंग होती तो उसे 180 अंक मिले होते और आप इस परीक्षा में 1 अंक के साथ भी समझौता नहीं सकते। क्योंकि अंतिम चयन पद, कैडर सबमें 1–1 अंकों से ही अंतर पड़ता है और तब रोने का कोई औचित्य नहीं।

मेरी दृष्टि में अच्छी राइटिंग का सबसे बड़ा पैमाना उसकी पठनीयता है। साथ में वह देखने में भी सुंदर लगे तो और भी अच्छा है। आप महत्वपूर्ण वाक्यों के नीचे लाईन (underline) भी खींच सकते हैं।

हाँ दोस्तों! जिनकी hand writing खराब है, वे अधिक न घबराएं। व्यक्ति कभी पूर्ण नहीं हो सकता आप में यह अपूर्णता है, सामने वाले में कोई दूसरी अपूर्णता हो सकती है। साथ ही सिविल सेवा परीक्षा में इतना तो हरेक व्यक्ति मानता है कि प्रत्येक उत्तरपुस्तिका को न केवल पढ़ा जाता है, बल्कि कोशिश कर–करके पढ़ा जाता है और अंदर लिखी सामग्री राइटिंग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हाँ! लेकिन कड़ी प्रतिष्पर्धा के नजरिए से मैंने इसकी महत्ता पर लम्बी–चौड़ी कवायद की है और मेरी सलाह है कि आप राइटिंग को परीक्षक के पढ़ने लायक जरूर बना लें ओर इसके बाद कोई चिंता करने की जरूरत भी नहीं।

विभिन्न रंगों का प्रयोगः–

अतिरिक्त प्रभाव डालने के लिए आप अलग–अलग रंगों का प्रयोग कर सकते हैं। मगर याद रखें कि आपकी उत्तरपुस्तिका कोई रंगोली नहीं। अर्थात् भड़कीले रंगों के अत्यधिक प्रयोग से बचें। सामान्यतः तीन रंगों का प्रयोग किया जा सकता है :–

- सामान्य लेखन हेतु नीली स्याही (Blue Ink) और Underline करने के लिए काली स्याही (Black Ink)
- और हेडिंग आदि देने के लिए कोई तीसरे रंग की स्याही।

उच्चारणों (Statements) एवं पद्यों का प्रयोगः–

मौलिकता और प्रवाह के साथ किया जाने वाले कोई भी लेखन जायज है और कोई भी कृत्रिम कोशिश नाजायज। अर्थात् किसी विचार के अभिव्यक्ति के क्रम में अगर कोई कथन स्वाभाविक रूप से आ रहा है तो वह आपके निबंध का वजन (gravity) बढ़ायेगा। मगर यदि कोई कथन आप ऐसे ही याद करके चले गए हैं और अपने निबंध में उसे जबरन कहीं लिखने का प्रयास कर रहे हैं तो यह आपके निबंध पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

उच्चारणों, पद्य–पंक्तियों को विचार के प्रवाह में कैसे प्रयोग किया जाए। इसे उदाहरण द्वारा बेहतर तरीके से समझा जा सकता है। इसलिए उदाहरण आगे प्रस्तुत किए गए हैं।

उपसंहार कैसे लिखें?

उपसंहार आपके तरकश का आखिरी तीर है। इसलिए इसकी भी महत्ता निर्विवाद है। उपसंहार लिखते समय निम्न बातों का ध्यान रखेंः–

→ जिज्ञासा भूमिका का मूल बिन्दु है और इस जिज्ञासा का उपयुक्त समाधन उपसंहार के आते–आते हो जाना चाहिए।

→ विषय विशेष में विभिन्न विचारों के निचोड़ को बहुत ही कम शब्दों में व्यक्त कर देना चाहिए।

→ उपसंहार की दिशा भविष्योन्मुखी होनी चाहिए।

→ उपसंहार आशा और सपनों की भाषा होनी चाहिए।

→ उपसंहार निष्कर्ष देने की प्रक्रिया है इसलिए कोई नया मुद्दा उपसंहार में नहीं उठाना चाहिए।

(उपसंहार से संबंधित उदाहरण भी आगे दिए गए हैं)

35 सूत्र (सारांश)

→ निबंध प्रश्नपत्र आपके अंतिम परिणाम में नाटकीय परिवर्तन ला सकता है।

→ निबंध प्रश्नपत्र में हमें स्वयं को अभिव्यक्त करने की पूरी आजादी मिलती है फलतः परीक्षक की अपेक्षाएं भी अधिक होती है।

→ निबंध मूलतः आपके व्यक्तित्व की परीक्षा है।

→ स्वयं को एक जिम्मेदार प्रशासक समझकर निबंध लिखें।

→ निबंध लिखते समय मौलिकता नवीनता और सकारात्मक सोच पर विशेष बल दें।

→ सांकेतिक नोट्स बनाने की शैली निबंध प्रश्नपत्र के लिए भी काफी कारगर होती है।

→ अपनी रुचि एवं पृष्ठभूमि के अनुरूप निबंध की तैयारी के लिए कुछ विशेष क्षेत्रों का चयन कर लें।

→ परीक्षा–कक्ष में विषय का चयन सोच–समझकर करें।

→ विशिष्ट विषयों में ही निबंध लिखने की अनावश्यक अंधभक्ति से बचें।

→ सोचना फिर लिखना की रणनीति से बेहतर है ''सोचना–लिखना सोचना–लिखना'' की रणनीति।

→ लेखन समग्रतावादी (holistic) हो।

→ किसी विचारधारा के प्रति अंधभक्ति से बचें। लेफ्ट–राईट (left-right) का चक्कर छोड़कर मानव–मूल्योन्मुख दृष्टि से लिखें।

→ चिंतन युक्तिसंगत हो, अर्थात् हर विषय का तार्किक विश्लेषण करके उसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष को सामने लाया जाए तथा एक संतुलित निष्कर्ष दिया जाए।

→ जब किसी विषय के कुछ पहलुओं की तैयारी होती है तो परीक्षा में उस विषय का निबंध देखते ही हम उन पहलुओं को ही लिखना शुरू कर देते हैं, जबकि निबंध में कुछ अन्य पहलुओं के विश्लेषण की माँग होती है।

→ अर्थात् पूछे गए निबंध का वास्तविक अर्थ एवं अपेक्षाएं पहले समझें।

→ लेखन में क्रमबद्धता हो।

→ बहुआयामी समाधन प्रस्तुत करें।

→ भूमिका और उपसंहार को अंतिम रूप से उत्तरपुस्तिका में लिखने के पूर्व रफ में लगभग शब्दशः पहले लिख लें।

→ सम्पूर्ण निबंध यथार्थ से आदर्श की यात्रा होनी चाहिए।

→ इसी तरह निबंध समस्या से समाधन की भी यात्रा है।

→ भूमिका का मूल बिन्दु जिज्ञासा है और आगे जिज्ञासाओं का समाधान होते जाना चाहिए।

→ मौलिक भाषा का प्रयोग करें।

→ ऐसी भाषा हो कि लगे कि आप परीक्षक से बात कर रहे हैं।

→ मुहावरों एवं लोकोक्तियों का प्रयोग करें।

→ विराम चिन्हों का यथोचित प्रयोग करें।

→ लेखन संबंधी त्राुटियों से बचें।

→ अच्छी हैंडराइटिंग (hand writing) महत्वपूर्ण है।

→ पठनीयता अच्छी हैंडराइटिंग का पहला पैमाना है।

→ 2–3 रंगों का प्रयोग कर सकते हैं।

→ महत्वपूर्ण वाक्यों को अण्डरलाईन (underline) करें।

→ मौलिकता एवं विचारों के प्रवाह के क्रम में उदाहरणों एवं पद्य–पंक्तियों का प्रयोग करें।

→ उपसंहार में मुद्दों का निष्कर्ष होना चाहिए।

→ उपसंहार में कोई नया मुद्दा न उठाएं।

→ उपसंहार में सोच की दिखा भविष्योन्मुखी, स्वप्नशील एवं आशा से लबालब होनी चाहिए।

भूमिकाएँ

1. पहली शैली :– आगे जो कुछ कहा जाना है, उसका संकेत देते हुए भूमिका लिखना।

विषय : विज्ञान बनाम धर्म

भूमिका :– मानव और समाज के कल्याणार्थ धर्म और विज्ञान की भूमिका पूरकता एवं सहभागिता की है मगर मानव सभ्यता के इतिहास में कई बार धर्म और विज्ञान, दोनों की गलत व्याख्याएं होती रहीं। फलतः इससे अनेक बार सामाजिक निहितार्थों पर कुठारघात हुआ। इसलिए मानव सभ्यता के सम्मुख खड़े इन ज्वलंत प्रश्नों से हमें टकराना ही होगा कि –

आखिर विज्ञान है क्या? लैबोरेटरी (Laboratory : प्रयोगशाला) से बाहर की दुनिया से उनका क्या संबंध है? इसी तरह धर्म क्या है? मानवीय दृष्टि से उसके सकारात्मक एवं नकारात्मक आयाम क्या है? इतिहास में अनेकों

बार धर्म पर हमले क्यों हुए? और अंततः मानवता की कल्याण की दृष्टि से धर्म और विज्ञान के संबंध को कैसे देखा जाए? आदि–आदि।

2. दूसरी शैली – नाटकीय शुरूआत

राजनीति विज्ञान में से विज्ञान शब्द क्यों लगा है भला राजनीति और विज्ञान में भी कोई नाता हो सकता है?

हाँ! क्यों नहीं हो सकता।

नहीं! अगर ऐसा होने लगे तो कल साहित्य शब्द के साथ भी विज्ञान लगते देर न लगेगी।

यदि साहित्य में विज्ञान लग भी जाए तो आखिर दिक्कत क्या है? क्या कबीर एक वैज्ञानिक नहीं थे?

नहीं! वैज्ञानिक बनने के लिए पिफजिक्स, केमेस्ट्री पढ़ना पड़ता है। लेबोरैटरी जाना पड़ता है। जबकि कबीर तो अनपढ़ थे। लेबोरैटरी की बात तो बड़ी दूर है, स्लेट और खड़िया भी नहीं छूए थे। तो वे वैज्ञानिक कैसे हो सकते हैं।

उदाहरणों एवं पद्य–पंक्तियों के प्रयोग का उदाहरण :

(1) पिछली सदी के महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टाईन ने कहा था कि धर्म के बिना विज्ञान अधूरा है और विज्ञान के बिना धर्म। वस्तुतः धर्म और विज्ञान में आपसी सहभागिता भी है और पूरकता भी। इन्हें अलग करने या विरोधी बनाने की कोई भी कोशिश मानवीय हितों के विरोध में होगी।

(2) वस्तुतः हमारी शिक्षा पद्धति ऐसी है जहां हम विज्ञान तो पढ़ा लेते हैं, मगर वैज्ञानिक मानसिकता पैदा नहीं कर पाते। इसलिए अनेक बार बड़े–बड़े सॉफ्टवेयर स्पेशलिस्ट काम्पलेक्स प्रोग्रामिंग तो कर लेते हैं मगर बिल्ली के रास्ता काटते ही सारे दिन घर में बैठे रहते हैं। इसी तरह, बड़े–बड़े कार्डियोलॉजिस्ट दिल का परफेक्ट पड़ताल कर पाते हैं मगर दहेज माँगने से नहीं चुकते अपनी धर्मपत्नी को मारने–पीटने भी लग जाते हैं। कहा जाता है पढ़ने के साथ–साथ कढ़ना भी जरूरी है। सैकड़ों वर्ष पहले ही कबीर ने लिखा थाः

पोथी पढ़ि–पढ़ि जग मुआ, पण्डित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पण्डित होए।।

उपसंहार का उदाहरण

निबंध : वैश्वीकरण एवं भारतीय संस्कृति पर उसका प्रभाव

इकबाल ने लिखा हैः–

यूनान, मिश्र, रोमां, सब मिट गए जहाँ से
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।

वस्तुतः भारतीय संस्कृति एक सामासिक संस्कृति है अर्थात् तमाम तरह के विरोधाभासों को लेकर चलने की

क्षमता से युक्त है। इतिहास के झरोखे में झांक कर देखें तो शक आए, हुण आए कुषाण आए, ईस्लाम आया मगर इनके आगमन से भारत की मौलिक संस्कृति क्षत–विक्षत नहीं हो गई, बल्कि दीर्घकालिक रूप से और भी समृद्ध और पुष्ट होती चली गई। इतिहास के इस अनुभव के आधर पर हम कह सकते हैं कि भारतीय संस्कृति वैश्वीकरण की इस प्रक्रिया से भी अंततः समृद्ध और समुन्नत होगी। हालांकि इन वाक्यों में आशा का स्वर ही झलकता है, मगर हमें यह भी याद रखना चाहिए कि आशा पर ही आकाश टिका है।

89. भारतीय लोकतंत्र : क्या–खोया ? क्या–पाया ?

• ओमप्रकाश चौधरी

(यह निबंध, जिला रायपुर के वर्तमान कलेक्टर श्री ओमप्रकाश चौधरी ने वर्ष 2005 में UPSC की तैयारी करते समय लिखा था। इस निबंध में प्रस्तुत विचार श्री चौधरी जी के एक परीक्षार्थी के रूप में निजी विचार हैं। यह निबंध उन्होने युवाओं के विशेष आग्रह पर, इस मार्गदर्शिका के लिए उपलब्ध कराया है)

इस वर्ष हम अपनी आजादी की हीरक जयंती मनाने जा रहे है। यह वर्ष सिर्फ हमारी स्वाधीनता की 60वीं वर्षगांठ न होगी, वरन हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की भी हीरक जयंती होगी। आज से लगभग छः दशक पहले हमने एक व्यवस्था, एक समाज तथा एक जीवन पद्धति के रूप में लोकतंत्र को ग्रहण किया था, जो कहीं न कहीं ऋग्वैदिक काल से ही हमारी नसों में दौड़ रहा था। एक राष्ट्र–राज्य के लिये छः दशक का समय बहुत अधिक नही होता है, एक व्यवस्था के लिए 60 वर्ष का कालखण्ड बहुत ज्यादा नही होता है और न ही एक समेकित समाज के लिए यह समयावधि बहुत अधिक होता है, फिर भी इतना समय पर्याप्त होता है अंदर झांकने के लिए।

क्या हमारे पास ऐसी उपलब्धियॉं है कि हम हीरक जयंती का जश्न मना सके? क्या हमने गांधीजी के सामाजिक–नैतिक लोकतंत्र को पा लिया है ? क्या आर्थिक लोकतंत्र का सपना साकार हुआ है ? क्या हम समाजवादी समाज की स्थापना में सफल हो पाये हैं? भय–भूख एवं भ्रष्टाचार से मुक्त समाज का निर्माण कहां तक हो पाया है ? सपनों का भारत कितना साकारित हुआ है ?

भारतीय लोकतंत्र को यदि सफल बनाना है तो इन प्रश्नों से हमें टकराना ही होगा। सामान्य रूप से मानवीय स्वभाव असंतोष का होता है। लोगों की पहली नजर नकारात्मक तत्वों पर पड़ती है। इसलिये हमारे विश्लेषण का प्रारंभिक मुद्दा ''क्या खोया?'' पर केन्द्रित रहेगा। चाहे लोकतंत्र राजनीतिक प्रणाली के रूप में हो, आर्थिक मोर्चे पर हो या सामाजिक लोकतंत्र की दृष्टि से विफलताओं की कहानी हो।

हमने लोकतंत्र को एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में अपनाया और उसके माध्यम से सामाजिक, आर्थिक तथा नैतिक लोकतंत्र को हासिल करने का लक्ष्य बनाया। इसलिये पहला विश्लेषण राजनीतिक मोर्चे पर करते हैं। आज एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में हम स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राजनीतिक दल मुनाफाखोर कम्पनियां बन गई है। राजनीति व्यापार बन गई है, आजीविका का साधन बन गई है, जिसे कहीं कोई काम नही मिला, सेवा के नाम पर राजनीति में जुट गया।

हर बड़ा दल वंशवाद एवं व्यक्ति पूजा के सहारे ही चल रहा है। लोकतंत्र का डंका पीटने वाले राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र मृतप्राय हो चुका है। परिवारवाद को अब हक समझा जाने लगा है। जनता ने इसकी मंजूरी देकर नेताओं का हौसला बढ़ाया है। जिस गति से और जिस मात्रा में हमारे देश में नेताओं की फसल लहलहा रही है और जिस तरह से पूरे के पूरे परिवार इस खेती में लगे हुए हैं, उसे देखते हुए तो यही लगता है कि राजनीति एक पेशा ही नही एक परिवारिक पेशा बन गया है। और इस पेशे में कुशलता का प्रमाण यही है कि आपके पिता या चाचा या भाई या कोई अन्य राजनीति के कितने कुशल खिलाड़ी रहे है।

राजनीतिक दलों में अध्यक्ष का चुनाव हो या कोषाध्यक्ष की बैठकें होती है विधायकों की सभायें होती है। विचार होता है। विमर्श किया जाता है, परन्तु निर्णय के लिए हाईकमान की ओर टकटकी लगाकर देखा जाता है। हाईकमान का निर्णय पत्थर की लकीर बन जाती है। विरोध करेंगे तो अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी, निष्कासन या निलंबन होगा।

चुनाव में टिकिट उसे मिलता है जिसकी पैरवी होती है या फिर जिसके पास धन–बल होता है, या बाहुबल होता है। चुनाव जीतते ही यही लोग हैं। लोकसभा के वर्तमान प्रतिनिधियों में से छः में से एक यानि लगभग 98 का गज भर लंबा आपराधिक रिकार्ड है। 81 लोकसभा सीट वाले राज्य उत्तर प्रदेश में चार में से एक लोकसभा सदस्य को उनके आपरिाधिक रिकार्ड के बावजूद निर्वाचित किया गया है। जो यहां भी हार जाते हैं, राज्यसभा के पिछले दरवाजे से सांसद बन जाते हैं। राज्यों के स्तर पर स्थिति और भी दयनीय है। इतना ही नही मंत्री वही बनते हैं जो सबसे ज्यादा सौदेबाजी करने में समर्थ होते हैं। जो बच जाते हैं, उन्हे चुपके से कहीं लाभ का पद दे दिया जाता है, कंबल ओढ़कर घी पीने की छूट दे दी जाती है।

चाहे सांसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत का प्रश्न हो या हाल ही में लाभ के पद को लेकर उठा विवाद हो। अनेक बार हमारी राजनीतिक प्रणाली का खोखलापन उजागर हुआ है। सत्ता के लिए कभी साम्प्रदायिकता का कार्ड खेला जाता है तो कभी आरक्षण का पत्ता फेंका जाता है। यही कारण है कि आज एक आम भारतीय कहता हुआ सुना जा सकता है कि एक बार एक नाग ने एक नेता को डस लिय तब नाग तो मर गया पर नेताजी को कुछ नही हुआ। पूरे राजनीतिक परिदृश्य में एक बुद्धिजीवी, संवेदनशील तथा कर्तव्यनिष्ठ भारतीय नागरिक के लिए कहीं जगह नही दिखाई दे रही है।

लोकतंत्र के हृदयस्थल संसद और विधान मंडलों में सार्थक बहस कम और निरर्थक नारेबाजी अधिक होती है। इसी का नतीजा है, कि जैसे ही दूरदर्शन पर संसद समाचार आना शुरू होता है लोग चैनल बदल देते हैं। विपक्ष सत्ता पक्ष के हरेक काम का विरोध करते हैं और वे ऐसा सिर्फ इसलिये करते हैं क्योंकि वे विपक्ष में हैं, विरोध ही उनका एक मात्र व अंतिम धर्म है। रचनात्मक विरोध तथा सकारात्मक सहयोग का तत्व समाप्तप्राय सा हो गया है, शेष बचा रह गया है, विरोध, विरोध और सिर्फ विरोध।

लोकतंत्र में मतभेदों को अच्छा माना जाता है। मतभेद लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक ही है। किन्तु हमारी राजनीतिक प्रणाली मतभेद को पीछे छोड़कर मनभेद तक पहुंच गई है। सत्ता में आते ही विपक्षीय दल को परेशान करने के विभिन्न हथकण्डे अपनाये जाते है। लोकतंत्र में कई बार सर्वसम्मति सिर्फ उन्ही मामलों में दिखती है जहां सांसदों–विधायकों का व्यक्तिगत स्वार्थ नीहित हो।

''क्या खोया?'' के क्रम में आर्थिक आयाम पर दृष्टिपात करते हैं, क्योंकि आर्थिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र अधूरा है। यदि आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र में किसान आत्महत्या करते हों, कालाहांडी, कोरापुट और बोलांगिर में लोग भूख से मरते हो, उत्तरप्रदेश में अपने हकों की मांग करने के कारण मजदूरों को लाठी खानी पड़े, कलिंगनगर के विस्थापितों को पुलिस की गोली खानी पड़े तो व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उठना स्वाभाविक ही है। एक ओर सम्पत्ति रिपोर्ट 2005 के अनुसार देश में 7000 करोड़पति हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर योजना आयोग के आंकड़े कहते हैं कि आज भी देश की 20 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन एक अमेरिकी डॉलर भी नही कमा पाती। इसी देश में एक ओर हैदराबाद, बैंगलोर, अहमदाबाद, चंडीगढ़ की चमक–दमक है, वहीं दूसरी ओर इसी देश में डांग, बस्तर, पलामू और कालाहांडी का अंधेरा भी है। दक्षिण पश्चिम बनाम उत्तर–पूर्व का विभाजन दिन–ब–दिन चौड़ा होता जा रहा हैं।

उदारीकरण के बाद समृद्धि का नया दौर शुरू हुआ है, किन्तु यह सम्पन्नता कुछ हाथों में ही सिमट कर रह गई है। इस नवीन समृद्धि–सम्पन्नता का समान वितरण नही हो रहा है। क्षेत्रीय दृष्टि से विकास द्वीपों अर्थात् महानगरों को ही नई–नवेली समृद्धि हाथ लग रही है, वही वर्गीय दृष्टि से समाज का उच्च उपभोगतावाद वर्ग तथा शहरी वर्ग ही मौज कर रहा है।

वैश्वीकरण के इस युग में विकास के नये द्वार खुले हैं, किन्तु यह सब उन्ही को मिल रहा है जो पहले से ही शिक्षित, सम्पन्न, सशक्त व सुदृढ़ है अभी भी समाज के असक्त, अशिक्षित, विपन्न व कमजोर वर्ग के लिये वैश्वीकरण के लाभ नगण्य ही है। शेयर बाजार की उछाल हो या फैशन की नई बहार, कॉल सेंटरों की धमक होय या सॉफ्टवेयर की फुहार पत्रकारिता का प्रसार हो या मल्टीमीडिया की उंची छलांग, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की गरमाहट हो या एन.आर.आई. बनने का सौभाग्य–इन सभी क्षेत्रों की मलाई समाज का एक विशेष वर्ग ही खा रहा है।

प्रतियोगिता, आर्थिक दक्षता तथा वित्त की उत्पादकता जैसे कठोर अर्थशास्त्रीय नियमों को लागू किया जा रहा है। इसके चलते सरकारी नौकरियॉ लगातार कम की जा रही हैं, सार्वजनिक क्षेत्रों में कर्मचारियों की छटनी जारी है, सब्सिडी 'घटाई' जा रही है, पेंशन का सरकारी बोझा कम किया जा रहा है – कुल मिलाकर व्यक्ति को बाजार के हवाले किया जा रहा है।

यद्यपि ये सारे कदम आर्थिक सुधारों की दृष्टि से उचित है, किन्तु बिना सुदृढ़ सामाजिक सुरक्षातंत्र के ये सारे कदम अनुचित ही है। इस संबंध में पश्चिमी राष्ट्रों का उदाहरण दिया जाता है, किन्तु ऐसा तर्क देने वाले अर्थशास्त्री पश्चमी राष्ट्रों की पुख्ता सामाजिक सुरक्षा तंत्र तथा सामाजिक तानाबाना की अनदेखी करते हैं। हमेशा याद रखना होगा : 'अर्थ' को सुदृढ़ करने के प्रयास में समाज का सत्यानाश नही किया जा सकता है। अर्थ–साधन मात्र है, साध्य तो 'समाज' ही है।

महानगरों की चमक–धमक के पीछे एक स्याह चेहरा भी छिपा है। यह चेहरा रात के अंधेरे में प्रगट होता है, नगर की फुटपाथों पर दिखती है, बन्द दुकानो के बरामदों में दिखता है, और दिखता है रेल्वे स्टेशन और बस अड्डा में। लोग यहॉ जाड़े की सर्द रातों में पांवों से पेट ढकने की कोशिश करते नजर आते हैं। इनमें से कुछ भीख मांगने वाले हैं, कुछ रिक्शा चालक हैं, कुछ दिहाड़ी मजदूर हैं – जो दिन भर की मेहनत के बाद रात भी आंखों में ही काट देते हैं। सोडियम लाइट की स्वर्णिम रोशनी से नहाती सड़कों के किनारे ठंड से दांत किटकिटाते बच्चे और उन्हे गरमाहट देने की नाकाम कोशिश करती माताएं बताती हैं कि कुछ हिन्दुस्तान फुटपाथ पर भी आबाद है। भारत बनाम् इंडिया का विभाजन इतना गहरा शायद ही पहले कभी था। इधर डिजिटल – क्रांति (Digital Revolution) ने एक नये डिवाइड को जन्म दिया है – डिजिटल डिवाइड।

इंडिया और भारत के इस डिवाइड ने अब अनेक अन्य विसंगतियों को पैदा किया है। डिवाइड–डिवाइड के इस क्रम में एक ओर अबूझमाड़ जैसे क्षेत्र वहीं रह गये, अन्य क्षेत्र आगे निकल गये। विषमता के अनेक प्रकार उभर कर सामने आये–वर्गीय विषमता, क्षेत्रीय विषमता न जाने क्या–क्या ? यहीं कहीं से नक्सलवाद जैसे प्रवृत्तियॉ भी पनपी। जो आज भारत के सामने आतंकवाद से भी बड़ी चुनौती है। आज तो रेड कोरिडोर की बात लगातार की जा रही है। जब तक विकास का न्याय पूर्ण समतामूलक वितरण नही होगा। नक्सलवाद जैसी समस्याओं को बंदूक की नली सामने दिखाकर ही नही रोका जा सकता।

आर्थिक विफलताओं की गाथा के बाद सामाजिक विफलताओं की ओर नजर डालते हैं। महिलाओं, बच्चों, वृद्धों दलितों, पिछड़ों तथा विस्थापितों को उनका हक दिलाने में ही लोकतंत्र की सफलता नीहित है। परन्तु स्थिति वास्तव में निराशाजनक ही अधिक है। दहेज के विरूद्ध कानून है, किन्तु दहेज का दानव दिन–प्रतिदिन विकराल होता जा रहा है। बाल विवाह अवध है लेकिन समाज के बड़े तबके ने इसे अभी तक नही नकारा है। विधवा विवाह को कानूनी स्वीकृति जरूर मिली है। लेकिन सामाजिक स्वीकृति अभी तक नही। निरंतर बढ़ती भ्रूण हत्या ने नई चिन्ताएं पैदा कर दी है। महिलायें घर से बाहर निकलने लगी है, लेकिन घर के भीतर के साथ–साथ बाहर वाली

समस्यायें भी शुरू हो गई है। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से महिलाओं के विरूद्ध हिंसा का बढ़ना, उनके बढ़ते कदमों को रोक रही है। आगे बढ़ने की तमाम कहानियों के बाद आज भी पारिवारिक निर्णय में उनकी भागीदारी नगण्य ही है।

बच्चे देश के भविष्य होते हैं। उनकी सम्पूर्ण विकास में ही व्यवस्था का भविष्य छुपा होता है। किन्तु अभी भी बाल श्रम से मुक्त समाज की स्थापना महज एक सपना ही बना हुआ है। वृद्ध समाज के लिए प्रभावी सुरक्षा–तंत्र के अभाव से हम न केवल उनके गरिमामय तथा अधिकार सम्पन्न जीवन के लोकतांत्रिक अधिकार की अवहेलना कर रहे हैं बल्कि अनुभवरूपी संसाधन के संपूर्ण लाभ से वंचित भी हो रहे हैं। इसी प्रकार लगभग दो करोड़ से अधिक विकलांग लोगों को आत्मनिर्भर तथा सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान किया जाना एक लोकतांत्रिक समाज की अपेक्षा है इतना ही नही राष्ट्र–राज्य की विभिन्न नीतियों के फलस्वरूप विस्थापित लोागों का समुचित व मानवीय पुनर्वास हमारे समाज का लोकतांत्रिक कर्तव्य बनता है। लेकिन इन सभी कर्तव्यों के पालन में हम काफी असफल दिखते हैं।

लोकतंत्र का अंतिम निहितार्थ विकसित, सभ्य, सबल व सुन्दर समाज के साथ–साथ नैतिकतामूलक समाज की स्थापना होती है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था ने सबसे ज्यादा निराशाजनक प्रदर्शन नैतिकता के क्षेत्र में ही किया है। भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ी है, इसे आज आवश्यक बुराई (necessary. evil) माना जाने लगा है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमतानुसार बहती गंगा में हाथ धो रहा है। राजनीतिक भ्रष्टाचार में नित नये–नये कीर्तिमान बन रहे हैं। विभागों में घूसखोरी अधिकार शुल्क बन चुका है, इस गंदगी की प्रवाह धारा अर्श से फर्स की ओर है। आज आम जीवन में ईमानदार व्यक्ति को मूर्ख समझा जाता है। कार्यालयों में कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का मजाक उड़ाया जाता है। प्रत्येक क्षेत्र में पैरवी प्रतिभा को पछाड़ रही है। सही अर्थों में आज नैतिकता की स्थिति उस ऊपर फेंकी हुई गेंद के समान है, जो स्वाधीनता आंदोलन के समय सर्वोच्च पर थी, पर आज निरंतर नीचे गिर रही है।

अपनी तमाम सीमाओं के बाद ऐसी बात बिल्कुल नही है, कि भारतीय लोकतंत्र ने केवल खोया है। क्या पाया ? फेहरिस्त क्या खोया ? से कहीं अधिक लंबी है। इसलिए हम क्या पाया ? की ओर रूख करते हैं। इस क्रम में सर्वप्रथम राजनीतिक लोकतंत्र की उपलब्धियों का ही विश्लेषण करते हैं। पूरी तरह निराशावादी सोच रखने वालों से सवाल किया जा सकता है कि क्या भारतीय लोकतंत्र ने 14 बार लोकसभा चुनाव का महापर्व उल्लास के साथ नही मनाया है? क्या इसी भारत में बिना किसी संघर्ष के शांतिपूर्वक जनता की अदालत के आदेशानुसार सत्ता का हस्तांतरण नही हुआ है ? लाख गरीबी और निरक्षरता के बावजूद क्या लोगों ने केवल पर्ची और पेटी के बल पर परम प्रतापी राजनीतिक आकाओं को धूल धूसरित नही किया है ? जो भी तानाशाही की हद तक गया, लोगों ने क्या उसे पर्ची की ताकत नही दिखा दी ? जिसने भी जनभावना को ठेस पंहुचाई क्या उसे भारतीय मतदाता ने सत्ता से बेदखल नही कर दिया ? वास्तव में ये सब हुआ, भारतीय मतदाता की परिपक्वता व जागरूकता का लोहा

पूरी दुनिया मानती है। राजनीतिक लोकतंत्र की विफलताएं कितनी भी गिनाई जायें, हरेक व्यक्ति को स्वीकार करना ही होगा कि भारतीय राजनीतिक लोकतंत्र पूरी तरह चूका नही है, बल्कि बहुत कुछ हासिल किया है।

इस देश में कश्मीर जैसे आतंकवाद प्रभावित राज्य में लोगों ने अपने मन की सरकार बनायी। कश्मीर में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव भारतीय लोकतंत्र का उजाला पक्ष है। पूर्वोत्तर में मिजोरम के बाद गोरखा तथा बोड़ो लोगों ने हथियार फेंककर पेटी को उठाने का निर्णय लिया। यह हमारे लोकतंत्र की सफलता की नई कहानी है। इसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बिना किसी खूनी क्रांति के दलितों एवं पिछड़ों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया, पंचायत स्तर पर तृणमूल लोकतंत्र (Grassroot democracy) की नींव डाली और इसमें महिलाओं को 1/3 आरक्षण भी दिया। मतदाता की जागरूकता दिन–ब–दिन बढ़ रही है।

आज हजारों की संख्या में महिलायें चुनाव जीत रही हैं और अनेक कमियों के बावजूद महती भूमिका भी निभा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र का ही कमाल है कि निरक्षर तथा गरीब महिलायें भी ग्रामीण समाज का सकारात्मक नेतृत्व करने लगी है।

गठबंधन की राजनीति परिपक्व हो चली है, क्षेत्रीय दलों का उभार जोरों पर है, सबको साथ लेकर चलने की नीति स्वीकार्य हो चली है – क्या ये सब परिपक्व लोकतंत्र के लक्षण नही हैं? इन सबके अलावा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रेस की आजादी तथा महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों व अल्पसंख्यकों के लिये वैधानिक संस्थाओं का विकास कम उल्लेखनीय नही है। चुनाव आयोग ने जिस निष्पक्षता एवं स्वतंत्रता से कार्य किया है वह अपने आप में काबिले तारीफ है। न्यायिक प्रणाली की तमाम कमजोरियों के बावजूद उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों ने लोकहित की रक्षा के लिये जो तत्परता दिखाई, क्या वह कम है ?

हमारे पड़ोसी राष्ट्रों और अन्य विकासशील राष्ट्रों में लोकतंत्र रह–रह कर लौटता है या लुढक–लुढ़क कर चलता है। अनेक देशों में संविधान को ताश के पत्तों की तरह फेंटा जाता है या सैनिक तानाशाही के शिकंजे में कस दिया जाता है। अनेक बार चुनाव के नतीजे जादूगर के रूमाल की तरह नेताजी के जेब से निकल आते हैं। पड़ोस में ही लोकतंत्र तानाशाही के बूट तले सिसकियॉ ले रहा है। लोकतांत्रिक रूप से विफल राष्ट्रों के बीच घिरा भारतीय लोकतंत्र दिन–ब–दिन सुदृढ़ ही हुआ है।

''क्या पाया?'' के क्रम में आर्थिक लोकतंत्र के विश्लेषण की अपनी महत्ता है। दिन–ब–दिन आर्थिक कारकों का महत्व व्यवहारिक दृष्टिकोण से लगातार बढ़ता ही जा रहा है। भारत में समतामूलक समाज की स्थापना के सपने को मुंह चिढ़ाता तमाम विफलताओं के साथ एक मोहक मुस्कुराता चेहरा भी है। इन तत्वों को नकारा नही जा सकता है। कि आजादी के बाद निरपेक्ष गरीबी तथा सापेक्ष गरीबी दोनों कम हुई है। आम लोगों की आय बढ़ी है क्रय क्षमता में वृद्धि हुई है। उपभोग का स्तर सुधरा है, दो–तिहाई जनसंख्या साक्षर हो चली है, महिला साक्षरता में तीन गुनी वृद्धि हुई है। हरित क्रांति ने भूखमरी से निजात दिलाई है। अकाल अब पुरानी बात हो चुकी है, बहुरंगी

क्रांतियों से उल्लेखनीय सुधार हुआ है। महामारियों ने भारत का रूख करना छोड़ दिया है, पोलियो उन्मूलन अभियान ने अप्रतिम सफलता दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि जीवन प्रत्याशा में भी वृद्धि हुई है।

क्या यह सच नही है कि शेयर बाजार का नाम सुनते ही बिदकने वाला मध्यम वर्ग इसमें पैसा लगा रहा है। मोबाईल विलासिता से आवश्यकता की वस्तु बन गई है। कमी बृद्धु बक्सा समझा जाने वाला टी.वी गांवों तक पहुंच गया है। गांवों के किसानों के बेटा–बेटी भी डाक्टर, इंजीनियर, फैशन डिजाईनर, मॉडल, पत्रकार बनने लगे है। नीचे ओहदे से भी लोग उॅची उड़ाने भर रहे हैं।

कभी सपेरों का देश कहा जाने वाला भारत आज विश्व आर्थिक जगत का बाजीगर बनकर उभरा है। खुशहाली का नया दौर भले ही शहरी मध्यम वर्ग तक अधिक सीमित रहा हो, किन्तु इसने भारत को ऐसे बाजार में बदल दिया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनिया इसके चरणों में लेट रहीं है। शहरी युवा व्यवसायियों की नई जमात उभरी है। आम युवाओं की जेब में पहले के मुकाबले अधिक पैसा है, जेहन में पिछली पीढ़ी की तुलना में अधिक उम्मीद है, आज मंजिल को पाने के लिये वैश्विक विकल्प हैं।

गॉधी जी ने कहा था कि भारत गॉवों में बसता है। गॉवों की तस्वीर भी बदली है। पगडंडियों की जगह कच्ची सड़कें बन रही है। कच्ची सड़कों का स्थान पक्की सड़कें ले रही है। अधिकांश लोगों तक पेयजल पहुंच चुका है। पंचायत भवन, प्राथमिक स्कूल, प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र आदि के रूप में अभूतपूर्व अधोसंरचनात्मक विकास हुआ है। ई–चौपाल नई जागरण पैदा कर रही है, ग्रामीण संचार सेवक घर–घर मोबाईल से संदेश का आदान–प्रदान करा रहे हैं गॉवों के बच्चों ने गुल्ली–डंडा की जगह बैट–बाल थाम लिया है।

सामाजिक लोकतंत्र की दृष्टि से भी भारतीय उपलब्धियों को कम नही आंका जा सकता। महिलाओं के लिये चारदीवारी के भीतर कैद होने वाली बात अब पुरानी बात बनती जा रही है। 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन अधिनियम ने महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया है। अधिकांश राज्य सरकारों ने भी सरकारी नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में महिला आरक्षण का प्रावधान किया है। महिलाओं की उपलब्धियों को कोई कम करके नही आंक सकता। जब भी बोर्ड का रिजल्ट आता है, मुख्य खबर होती है :– ''छात्राओं ने छात्रों को फिर पछाड़ा'' अब महिलायें सभी क्षेत्रों में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रही हैं। चाहे प्रबंध जगत हो, मीडिया की दुनिया हो, NGO का क्षेत्र हो या फिर शासन, प्रशासन की बात हो। प्रतिभा पाटिल ने देश के 'राष्ट्रपति' पद पर आसीन होकर 'राष्ट्रपति' शब्द पर ही लिंग की दृष्टि से सवालिया निशान लगा दिया है।

किसी का बचपन हताश न हो–इसके लिये भी अनेक प्रयास किये गये हैं। 14 वर्ष के बच्चों की अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया है। कोई कुपोषण का शिकार न बने, IMR-MMR सुधार सकें, इसके लिए NRHM (National Rural Health Mission) लाया गया है। टीकाकरण की व्यापक व्यवस्था की गई है। आंगनबाड़ी केन्द्रों (AWCs) की सर्वत्र स्थापना की जा रही है। ''दो बूंद पोलियो की'' – भारत की सबसे सफल अभियानों में से एक रहा है। स्कूल में बच्चों के मध्याह्न भोजन हेतु पर्याप्त प्रबंध किये गये हैं।

इसी तरह वृद्धों के लिए निराश्रित पेंशन की बात करें या फिर अन्नपूर्णा योजना की। दलितों के संबंधित कठोर प्रावधान हो या फिर पिछड़ों के लिये आरक्षण जैसे प्रयास, कोशिशें जारी है, इन कोशिशों की अपनी सीमायें भी है। चूंकि ये सारे बिन्दु सामाजिक परिवर्तन की दीर्घकालिक प्रक्रिया से जुड़े हैं, इसलिये परिणाम त्वरित दिखाई भी नही दे सकते। फिर भी ये तो स्वीकारना ही होगा कि सामाजिक लोकतंत्र की दृष्टि से भी भारतीय व्यवस्था सकारात्मक दिशा में ही गति कर रही है।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि हमने लोकतंत्र में जितना खोया है, उससे कहीं अधिक पाया है। जो कुछ भी खोया–खोया सा प्रतीत हो रहा है, वह एक विकासशील समाज के संक्रमण से गुजरने का लक्षण है। यह बता रहा है कि दशा कुछ भी हो, दिशा सकारात्मक है, इसलिये खोने को लेकर रोने के बजाय अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कैसे हम सपनों के भारत का निर्माण कर सकें, स्वस्थ, सुंदर तथा सतत् विकासशील समाज का निर्माण कर सके।

इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है कि किसी भी व्यवस्था के सम्यक् सुधार के लिये सर्वप्रथम नागरिक स्तर पर सुधारों की जरूरत पड़ती है। सम्पूर्ण समाज में कानून के अनुपालन सभी साध्यों को प्राप्त करने का सेतु है। इसके बिना लोकतंत्र के लाभों को वास्तविक अर्थों में नही प्राप्त किया जा सकता। कानूनों का पालन डण्डे की जोर पर नही, वरन् स्वेच्छा से होना चाहिये। लोकतंत्र में अनुशासन की भी विशिष्ट महत्ता होती है। प्रायः हम दूसरों से तो अनुशासन की अपेक्षा करते हैं पर स्वयं अनुशासन से कतराते हैं। व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर अनुशासन से ही लोकतंत्र चरितार्थ हो सकता है। साथ ही लोकतंत्र में हिंसा, टकराव तथा असहिष्णुता को कोई स्थान नही होता, अधिकारों की लड़ाई वैधानिक तरीके से ही किया जाना चाहिये। यह भी स्मरणीय है कि अधिकार के साथ–साथ कर्तव्यों की भी चेतना लोकतंत्र के लिये अत्यावश्यक है। लोकतंत्र में अधिकारों एवं कर्तव्यों के बीच चोली–दामन का रिश्ता होता है।

राजनीतिक क्षेत्र में एक गहन सफाई अभियान की आवश्यकता है। यह अभियान समग्र रूप से हर स्तर पर और हर दृष्टिकोण से होना चाहिये। इसमें मतदाताओं की केन्द्रित भूमिका है। उन्हे यह सुनिश्चित करना होगा कि औपचारिक संकीर्ण आधार वाले उम्मीद्वारों को कतई मत न दें। जाति, क्षेत्र, धर्म तथा निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर योग्य, ईमानदार तथा कर्तव्यनिष्ठ उम्मीद्वारों को ही चुनें। सभी प्रकार के लालच तथा भय से मुक्त होकर मतदान करने से ही स्वच्छता लाई जा सकती है।

इस महत्वपूर्ण कार्य मे मीडिया की भी भूमिका अहम् है। जनता को जागरूक बनाने में एवं चुनाव के उम्मीद्वारों के वास्तविक चेहरे को सामने लाने में मीडिया ही सबसे सक्षम है। पिछले करीब 60 सालों मे भारत राष्ट्र ने एक गणतंत्र के रूप में अनेक प्रगतिशील आयाम स्थापित किये हैं। समाज निर्माण से लेकर देश निर्माण तक सभी उद्देश्यों का पाने में लोकतांत्रिक उपायों को ही अपनाया गया है। भारत की जनता अपनी दारूण दरिद्रता एवं निरक्षरता के बावजूद सरकारों से जवाब–तलबी करने में समर्थ हुआ है। और इसी जनता ने बार–बार अतिवादी

तत्वों को खारिज भी किया है। पर प्रगति की इस नींव में कुछ ऐसी दरारें हैं, जिन्हें हर हाल में भरना होगा। धर्म और राजनीति, जाति और राजनीति तथा अपराध और राजनीति के आपसी घालमेल को अलग करना होगा। राजनीति में चल रहे खोटे सिक्कों का प्रचलन बंद करना होगा। तथा असली सिक्कों की पहचान कर उन्हे प्रोत्साहित करना होगा।

एक आदर्श भारतीय नागरिक के लिये ''मतभेद का कर्त्तव्य'' एक मौलिक दायित्व है। परन्तु इस कर्त्तव्य को निभाने वाले ईमानदार और साहसी लोग सीमित ही है। ऐसे कर्त्तव्यों को निभाने के लिए व्यक्तिगत निजी स्वार्थों से ऊपर उठना होता है। स्वतंत्रता शब्द में तो सम्मोहकता है परन्तु उत्तरदायित्व शब्द में ऐसा कोई आकर्षण नही। स्वतंत्रता के साथ दायित्वों का अनुपालन लोकतंत्र की सफलता के लिये प्रारंभिक आवश्यकता है। स्वतंत्रता, मर्यादित स्वतंत्रता के रूप में ही उपभोग करनी चाहिए।

मूल्यपरक शिक्षा के बिना उन चार महान आर्दशों को पूरा करना असंभव है जिन पर हमारा लोकतंत्र टिका है। ये चार आदर्श है : स्वाधीनता, समानता, न्याय तथा बन्धुता। मूल्यों पर आधारित शिक्षा के अभाव में लोक जीवन से नैतिक मूल्यों का ह्रास हुआ है। तथा अनैतिक तत्वों का घुसपैठ बढ़ा है – ऐसी परिस्थिति में कोई भी लोकतंत्र सशक्त तथा स्वच्छ नही हो सकता अतः सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली में मूल्यों का समावेश किया जाना अनिवार्य है। जो व्यक्ति मूल्यात्मक शिक्षा से दूर है, वह अशिक्षित ही होता है। मूल्यात्मक शिक्षा ही वह सीढ़ी है जिस पर चलकर भारतीय लोकतंत्र मोक्ष को प्राप्त कर सकता है।

भारतीय लोकतंत्र में भ्रष्टाचार होने की बात कही जा रही है। हमें यह भी याद रखना चाहिये कि अपने लोकतंत्र शैशवावस्था में ब्रिटेन और अमेरिका को भी इस भ्रष्टाचार से गंभीरतापूर्वक दो–चार होना पड़ा था। वहां की गलियारों में भी सत्ता के दलाल खूब घूमा करते थे। आज ये व्यवस्थायें अपनी संक्रमणकालीन विसंगतियों से काफी हद तक ऊपर आ चुकी है। हम भी लगातार तीव्र गति से परिपक्वता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद भ्रष्टाचार के विरूद्ध कठोर कदम उठाना ही होगा, इस लड़ाई को जनांदोलन का रूप देना होगा। हमें एक ऐसे लोकतांत्रिक समाज का निर्माण करना है कि आखिरी छोर पर खड़ा व्यक्ति भी अपनी भागीदारी महसूस कर सके। हमें हमेशा याद रखना होगा कि GDP बढ़ने मात्र से आम व्यक्ति की समस्याएं दूर नही हो सकती है। विकास के साथ उसके परिणामों का न्यायोचित वितरण भी उतना आवश्यक है।

भारतीय लोकतंत्र के विकास की दृष्टि से त्रिस्तरीय पंचायतों का सफलतापूर्वक संचालन अत्यन्त महत्वपूर्ण चरण है। हम गांव के स्तर तक लोकतंत्र को ले जाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। अब लोकतांत्रिक मूल्यों को परिवार तथा व्यक्ति के स्तर तक ले जाना होगा, तभी लोकतंत्र एक जीवन पद्धति बन पायेगा तथा हम सतत् लोकतंत्र की ओर बढ़ सकेंगे। और यह महत्वपूर्ण कार्य सरकार नही कर सकती, बल्कि जनता के स्वयं के आगे आने से ही संभव हो सकेगा।

कई बार यह प्रश्न उठाया जाता है कि भारत में लोकतंत्र स्थिर रहेगा और क्या राष्ट्र की अखण्डता बरकरार रहेगी? दोनो प्रश्नों का उत्तर निरपेक्ष 'हॉ' है। आपातकाल के झंझावात से निकलकर तथा गठबंधन के संक्रमण काल में तपकर भारतीय लोकतंत्र स्थायित्व को पा चुका है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र सिर्फ पश्चिम की बपौती नही है, वरन भारत जैसे तीसरी दुनिया के देश में भी फल–फूल सकता है। भारत में यह जीवन पद्धति की ओर अग्रसर है। रही बात अखण्डता की तो बाहर से हमें कोई तोड़ नही सकता, अंदर से हम टूटेंगे नही क्योंकि पांच हजार वर्ष पुराना जोड़ जो है। इस जोड़ को सतत् और सुदृढ़ बनाने के लिए लोकतंत्र में और लोकतंत्र की आवश्यकता है।

90- वैश्वीकरण का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव
(Impact of Globalisation on Indian Culture)

- **ओमप्रकाश चौधरी**

(यह निबंध, जिला रायपुर के वर्तमान कलेक्टर श्री ओमप्रकाश चौधरी ने वर्ष 2005 में UPSC की तैयारी करते समय लिखा था। इस निबंध में प्रस्तुत विचार श्री चौधरी जी के एक परीक्षार्थी के रूप में निजी विचार हैं। यह निबंध उन्होने युवाओं के विशेष आग्रह पर, इस मार्गदर्शिका के लिए उपलब्ध कराया है)

आखिर सब कुछ तो बदला–बदला सा लगता है। चारों ओर भागम–भाग भरी जिंदगी है। देश में कहीं भी चले जाइए कोल्ड–ड्रिंक्स, मटर–पनीर, पीजा,–बर्गर, पाश्ता तो मिल ही जाते हैं। छोटे–छोटे शहरों में भी ब्यूटी पार्लर, पब, डिस्को और जिम सेंटर खुलने लगे हैं। हाय–हेलो, गुडमार्निंग, गुड–नाइट जैसे नए–नए सम्बोधन प्रयुक्त होने लगे हैं। वेलेनटाईन डे, फ्रेंडशिप डे, रोज डे जैसे नये–नये पर्व–त्यौहार मनाए जा रहे हैं। युवा–युवतियों की वेशभूषा भी तो काफी बदले–बदले से लगते हैं.....

आखिर यह सब क्या है?

शायद वैश्वीकरण का प्रभाव ही तो है।

वैश्वीकरण मूलतः एक आर्थिक अवधारणा है। बन्द अर्थव्यवस्था एवं खुली अर्थव्यवस्था–दो चरम आदर्शात्मक स्थितियाँ हैं। नियमों–विनियमों में लचीलापन लाकर बन्द अर्थव्यवस्था को खुली अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है, और जब उदारीकरण की इस प्रक्रिया को वैश्विक स्तर पर लगभग सभी राष्ट्र एक साथ एक व्यवस्था के तहत अपनाते हैं तो इसी प्रक्रिया को वैश्वीकरण कह दिया जाता है। एक दृष्टि से वैश्वीकरण, उदारीकरण का चरम आदर्श भी है क्योंकि वैश्वीकरण की अवस्था में किन्हीं भी दो राष्ट्रों के बीच की

राजनीतिक सीमा आर्थिक क्रियाकलापों में किसी भी तरह का का कोई अवरोध आरोपित नहीं करती है।

वैश्वीकरण अन्तर्राष्ट्रवाद की अवधरणा से भी भिन्न है क्योंकि अन्तर्राष्ट्रवाद विभिन्न राष्ट्रों के प्रति समर्पण भाव को द्योतित करने वाली मूलतः एक राजनीतिक अवधारणा है जो विश्व–बन्धुत्व का दार्शनिक–मूल्यात्मक पुट भी धारण किए हुए है। जबकि वैश्वीकरण मूलतः एक आर्थिक विचार है, जैसा कि पहले ही स्पष्ट किया गया है।

हालांकि वैश्वीकरण की प्रक्रिया मूलतः 1980 और 1990 के दशक में अपनायी गयी। फिर भी इसके जड़ों की तलाश 1960 के आसपास के उत्तर–औद्योगिक समाज में हम कर सकते हैं। वैश्विक इतिहास का यह वह दौर था जब–

→ साम्राज्यवाद समाप्त हो चुका था, फलतः बाजार का क्षैतिजिक विस्तार अवरुद्ध हो गया था।

→ वैश्विक जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आने लगी थी।

→ तकनीकी उन्नयन अपने चरम पर था।

इनमं से प्रथम दो कारक बाजार माँग में कमी लाए, वहीं तीसरे कारक ने उत्पादन में वृद्धि कर दी। फलतः बाजार की मूल समस्या उत्पादन बढ़ाने की न रहकर उत्पादित माल को खपाने की रह गई अर्थात् स्थिति औद्योगिक क्रांति के ठीक विपरीत थी।

इस विशिष्ट स्थिति में बाजार ने वैश्वीकरण की रणनीति का प्रयोग किया, ताकि बाजार का विस्तार किया जा सके। वैश्वीकरण का सांस्कृतिक मंत्र हैः उपभोक्तावाद। उपभोक्तावाद ऊपरी तौर पर तो उपभोक्ता को केन्द्रीयता प्रदान करता है मगर वास्तविक अर्थों में वह उपभोक्ता को विज्ञापन के इन्द्रजाल में फंसाता है। यह व्यक्ति की जरूरतों के विस्तार में विश्वास करने वाला विचार है। यह लिखो और फेंको के दर्शन पर आधारित है। इन्सान को जरूरतों के तिलचट्टे में तब्दील कर देने में ही इसकी सफलता आधारित है।

शास्त्रीय अर्थव्यवस्था (Classical Economy) जहाँ व्यक्ति की तीन तरह की आवश्यकताओं की बात करता हैः–

- जरूरत (Need)
- इच्छा (Desire)
- विलासिता (Luxury)

लेकिन उपभोक्तावाद विलासिता को इच्छा के रूप में और इच्छा को जरूरत के रूप में परिभाषित करता हैः

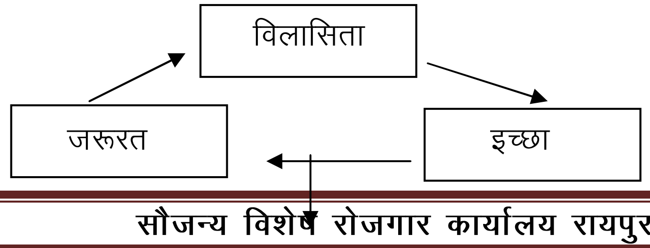

आवश्यकताओं का विस्पफोट

इन तीनों के भेद को मिटा देना उपभोक्ता रणनीति का अहम् हिस्सा है। माना इन तीनों के बीच की विभाजक रेखा अत्यन्त सूक्ष्म है। फिर भी इतना तो कहा ही जा सकता है कि सुबह की हवाखोरी कोई विलासिता नहीं, लेकिन ए.सी. (Air Condition) के नीचे सोना तो विलासिता है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया से राष्ट्रों के बीच की सीमा कमजोर पड़ी है इसे सूचना–प्रौद्योगिकी ने और भी प्रोत्साहित किया है। फलतः राष्ट्रों के बीच की दूरियाँ घटी हैं, सम्पूर्ण विश्व सिमटा है, विश्व–ग्राम (Global Village) की अवधरणा का जन्म हुआ है, सम्प्रभुता पुनःपरिभाषित हो रही है। इतनी नजदीकियों के दौर में यह स्वाभाविक ही है कि जीवन के सभी क्षेत्र अन्य राष्ट्रों से प्रभावित हों, फलतः संस्कृति भी इनसे पृथक नहीं रह सकती।

तब स्वाभाविक रूप से यह विचारणीय हो जाता है कि आखिर वैश्वीकरण ने भारतीय संस्कृति को कैसे प्रभावित किया है।

दिनकर ने कहा है– ''जीवन के विटप (वृक्ष = tree) का पुष्प ही संस्कृति है।''

अर्थात् जीवन का सबसे सुंदर एवं सार तत्व ही संस्कृति है। संस्कृति प्रकृति के संशोधन की चेतना का नाम है। संस्कृति स्मृति की नदी होती है। मानव और समाज ने अपनी विकास परम्परा के दौरान जो उदात्त मूल्य ग्रहण किए हैं, उन समस्त मूल्यों का समुच्चय ही संस्कृति है। इसीलिए भारतीय संस्कृति अतीत की स्मृति पर अत्यधिक बल देने वाली संस्कृति रही है। हम देखते हैं कि भारतीय नवजागरण के पुरोधा इतिहास की पुनर्व्याख्या कर रहे थे और इतिहास को ऊर्जा के मनोवैज्ञानिक स्रोत के रूप में प्रयुक्त कर रहे थे। अतीत की स्मृति के साथ–साथ भविष्य के प्रति सपने देखने में भी भारतीय संस्कृति आस्था रखती है। भारतीय परम्परा की अनमोल धरोहर हैः रामचरितमानस। इसमें अपने वर्तमान के अंधेरे को उल्लेखित करने के लिए गोस्वामी ने जहाँ कलियुग वर्णन किया, वहीं भविष्य के प्रति सपना देखते हुए रामराज्य की भी बात कही।

कहने का तात्पर्य सिर्फ यही है कि भारतीय संस्कृति वर्तमान के साथ–साथ अतीत और भविष्य को भी साथ लेकर चलने वाली संस्कृति रही है। मगर आज वैश्वीकरण ने केवल और केवल तात्कालिकता को ही पोषित किया है आज का मानव सिर्फ और सिर्फ आज के लिए ही जीना चाहता है। उसे न ही बीते हुए कल से कोई प्रयोजन है और न ही आने वाले कल से। अतीत की समस्त स्मृतियों से शून्य, भविष्य के सारे सपनों से रहित आज का मानव क्या अत्याधुनिक आदिमानव नहीं होता जा रहा है?

भारतीय संस्कृति संबंध–बोध की संस्कृति रही है। यहाँ माँ और बेटे के बीच वात्सल्य से ओत–प्रोत लोरी और थपकन की प्रथा रही है। परन्तु आज वैश्वीकरण के बाद यांत्रिकता में अभिवृद्धि हुई है ओर यांत्रिकता ने संबंध–बोध को क्षति पहुँचाई है। किसी ने लिखा भी है कि

मशीन की खटर पटर से,

जाग गया मेरा मुन्ना,

और रात भर नहीं सोया

क्योंकि उसने माँ की लोरियाँ नहीं सुनी थी।

लेकिन आज वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप जो उपभोक्तावादी आँधी चली है, उसके प्रभाव में माँ अपने बच्चे से यह कहती हुई सुनी जा सकती है–

''बेटे! रात में मैं और तुम्हारे पापा क्लब से लौटने में लेट हो जाएँगे। इसलिए मोहन से खाना बनवा लेना और खाना खाकर सो जाना।''

क्या उस बच्चे के बचपन को हम मौत के घाट नहीं उतार देते?

भारतीय संस्कृति प्रकृति के सान्निध्य की संस्कृति रही है। यहाँ सिन्धु घाटी सभ्यता के दौर से ही वृक्ष–पूजन, नदी–पूजन, पर्वत–पूजन की सुदीर्घ परम्परा रही है। यहाँ देवी–देवताओं के वाहन के रूप में पशु–पक्षियों की प्रतिष्ठा की गई हैं लेकिन आज 'प्रकृति–सहयोग के स्थान पर 'प्रकृति–विजय' की अवधारणा प्रबल हुई है और प्रकृति का अंधाधुंध शोषण हो रहा है। इन सबका दुष्परिणाम भीषण परिस्थितिकीय–असंतुलन के रूप में सामने आया है तथा आज पुनः 'सतत–विकास' (Sustainable-Development) की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है।

अभी कल 15 अक्टूबर 2004 को कलाम साहब के जन्म दिवस के अवसर पर एक छोटी–सी बच्ची ने उन्हें पूछा कि–

''मैं गरीब क्यों हूँ?''

एक व्यक्ति बिल गेट्स के घर में पैदा होता है, दूसरा व्यक्ति रेल पटरी के बलग की झोपड़पट्टी में– इन दो स्थितियों की व्याख्या केवल तर्क के आधार पर नहीं की जा सकती। कलाम साहब को पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहीं न कहीं आस्था का पुट होगा ही। इसलिए भारतीय संस्कृति तर्क और आस्था के समंजन पर विश्वास करती है। आध्यात्मिकता एवं भौतिकता का सम्मिलित स्वर ही भारतीय संस्कृति में दिखाई देता है। स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति के इसी बिन्दु के प्रवक्ता पात्र थे।

मगर आज वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप सिर्फ और सिर्फ भौतिकता को ही श्रय दिया जा रहा है जो निश्चित रूप से एक असंतुलन की ओर ही ले जाएगा।

वैश्वीकरण से भौतिक प्रगति को बढ़ावा मिला है, स्वास्थ्य सुविधओं का विस्तार है, इससे जीवन–प्रत्याशा (life-expectancy) भी बढ़ी, फलतः वृद्धों की संख्या भी! परन्तु दूसरी ओर इसी वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप मूल्यात्मक ह्रास भी हुआ है। फलतः संयुक्त परिवार व्यवस्था टूटी है और हमारे सम्मानीय वृद्ध आज अकेलेपन के दंश को झेलने के लिए अभिशप्त है। यही होता है जब–जब मूल्य विहीन भौतिक प्रगति होती है।

भारतीय संस्कृति परोपकार की भावना से ओत–प्रोत संस्कृति रही है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव इस संस्कृति की धड़कनों में मौजूद रहा है। परन्तु आज व्यक्ति का सरोकार सिपर्फ 'स्व' या 'अहम्' तक ही रह गया है। आत्मकेन्द्रिकता के कीड़े के रूप में आज के इंसान को परिभाषित किया जा सकता है। सर्वार्थ के गीतों की परम्परा में जब स्वार्थ का कोलाहल सुनाई पड़े तो इसे सांस्कृतिक दृष्टि से कदापि जायज नहीं ठहराया जा सकता।

भारतीय संस्कृति में चार पुरुषार्थों की बात कहीं गई हैः धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। भारतीय परम्परा अर्थ और काम को स्थान तो देती है, मगर इन्हें मर्यादित करने के लिए इनके दो किनारों पर धर्म और मोक्ष को खड़ा भी कर देती है। अर्थात् इस परम्परा में अर्थ और काम सीमाओं से मुक्त नहीं, युक्त हैं।

मगर आज का मानव काम को परम पुरुषार्थ के रूप में परिभाषित करता है तथा इसकी पूर्ति के लिए अर्थ को साधन के रूप में स्वीकार करता है। यही कारण है कि आज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नग्न और अर्द्धनग्न तस्वीरों से भरे रहते हैं। माना संतति के रूप में मानव जाति की अमरता के लिए सेक्स जीवन का अहम् हिस्सा है। मगर इंसान और जानवर में कुछ भेद भी होता है।

भारतीय संस्कृति उद्देश्य के साथ–साथ उद्देश्य पूर्ति के साधनों को भी बराबर महत्व देती है। मगर आज प्रतिस्पर्द्धा की अंधी दौड़ शुरू हो गयी है। गला काट प्रतियोगिता के इस दौर में साम, दाम, दण्ड, भेद–सभी तत्वों के प्रयोग को जायज ठहराया जा रहा है। इसी का प्रभाव हम देखते हैं कि आज किसी भ्रष्टाचारी का सामाजिक बहिष्कार नहीं होता बल्कि शादी–विवाह में ऊपरी कमाई वाले को उल्टी प्राथमिकता दी जाती है।

आज हममें संवेदनशीलता का भी निरंतर ह्रास हो रहा है। हमारे लिए हत्या, हिंसा, बलात्कार जैसी घटनाएं आम होती जा रही है। भयावह के स्थान पर इन्हें हम सामान्य के रूप में स्वीकार करने लगे हैं। आज हमारे सामने टेलीविजन में हजारों मौत की खबर निकल जाती है, मगर हम चंद मिनटों के लिए भी नहीं सोचते। किसी ने लिखा भी है–

किसी में दया नहीं,
किसी में हया नहीं,
कोई नहीं सोचता
जो सोचता है,
दुबारा नहीं सोचता।

इस तरह बाजार आधारित इस वैश्वीकरण ने भारतीय संस्कृति को अनेक तरह से आहत किया है। मगर सब कुछ अंधेरा नहीं है। सिक्के का केवल एक पहलू नहीं है। अर्थात् वैश्वीकरण ने भारतीय संस्कृति पर अनेक सकारात्मक प्रभाव भी डाले हैं।

वैश्वीकरण ने पूरी दुनिया को एक वैश्विक गाँव (global village) में तब्दील कर दिया है। पूरे विश्व में

गतिशीलता (dynamicity) को भी इसने प्रोत्साहित किया है। लोगों की आवाजाही भी अत्यधिक बढ़ गई है। भारतीय संस्कृति में अनेक ऐसे कारक मौजूद रहे हैं, जो भारत को जगद्गुरु का दर्जा दिलाते हैं। इन कारकों के प्रसार से भारत की वैश्विक सांस्कृतिक छवि को निश्चित रूप से लाभ होगा। अर्थात् वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने भारतीय संस्कृति को वैश्विक प्रसार का सुनहरा अवसर प्रदान किया है।

जाति–प्रथा भारतीय संस्कृति की दुखती रग है। अपने शुरुआत के बिन्दु पर यह सामान्य श्रम विभाजन था अर्थात् व्यक्ति की प्रतिभा एवं कौशल के आधार पर वह अपने लिए एक कार्यक्षेत्र चुन लेता था। मगर कालांतर में इसका स्वरूप जन्म आधारित हो गया। यहीं से इसने रूढ़ी या कुप्रथा का रूप धारण किया। जो व्यवस्था व्यक्ति की प्रतिभा एवं कौशल का सम्मान करने के बजाय जन्म के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा जीवन निर्धरित करती हो– उसे कहीं से मानवीय नहीं कहा जा सकता। अनेक विद्वानों की मान्यता है कि वैश्वीकरण से आर्थिक कारकों को प्रश्रय मिला है। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति ही वैश्वीकरण के बाद के समाज में उसका सामाजिक ओहदा भी तय करेगी। अन्य शब्दों में सामाजिक जाति (social caste) के स्थान पर आर्थिक वर्ग (economic class) पैदा होंगे। इसे वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव के रूप में देखा जा सकता है।

भारत में स्त्री भी रूढ़ियों का शिकार रही है। उसे भी घर की चारदीवारी के भीतर कैद कर दिया गया, पर्दा–प्रथा की बेड़ियों में जकड़ दिया गया। उसे कमनीय कहा गया–पुरुष की कामना पूर्ति का एक साधन। उसे सम्पत्ति समझा गया अर्थात् व्यक्तित्व विहीन।

वैश्वीकरण के बाद स्त्री चारदीवारी के बाहर कम से कम खुली हवा में साँस लेने लगी है। उसे घर के बाहर आजीविका के लिए स्वतंत्रातापूर्वक काम करने का अवसर मिला है। इससे उसका आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है। आर्थिक सशक्तिकरण ने सशक्तिकरण एवं स्वतंत्रता के अन्य आयामों को भी प्रभावित किया है। हालांकि यह स्वयं में चिंतनीय विषय है कि इस प्रक्रिया से स्त्री का व्यक्तित्व नहीं, देह सामने आया है।

प्रत्येक परम्परा अपने प्रारंभ के बिन्दु पर प्रासंगिकता होती है। मगर समय की धरा के साथ–साथ यह अपनी प्रासंगिकता खोने लगती है। और परम्परा रूढ़ि का रूप धारण कर लेती है और इस नकारात्मक रूप में वह समाज में बनी रहती है। उदाहरणार्थ भारतीय समाज अति धार्मिक एवं आस्थावादी समाज रहा है। इसके अनेक सकारात्मक असर भी इस समाज और संस्कृति पर पड़े हैं। लेकिन इसने धर्मभीरु एवं भाग्यवादी मानसिकता को भी जन्म दिया है। यह भाग्यवादी मानसिकता 'जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिये' के रूप में प्रतिपफलित होता है और व्यक्ति समस्याओं के निदान हेतु मानवीय कर्मठता की महत्ता को भूल जाता है। वह गुलाम है, उसे कोड़े पड़ते है, वह गरीब है, आम की गुठली के गूदे की रोटी खाता है, गूदा जहरीला निकला और वह मर भी गया। लेकिन सब पूर्व जन्म के कृत्यों का फल मान लिया जाता है। वैश्वीकरण के बाद आस्था के स्थान पर तर्क को प्रश्रय मिला है तथा तार्किक–वैज्ञानिक मानसिकता ने भाग्यवाद की तमाम जकड़नों को दूर करने में कहीं न कहीं सकारात्मक भूमिका

निभाई है।

जैसा कि पहले कहा गया है कि भारतीय संस्कृति परोपकार की संस्कृति है। यह संस्कृति भूखे को रोटी खिलाना सबसे बड़ा धर्म मानती है। मगर यदि भौतिक विकास न हो तो न तो भूखे को रोटी खिलाई जा सकती है और न ही समाज में सामंजस्य स्थापित हो सकता है। क्योंकि भूख समस्त मानवीय मूल्यों को निगल जाने की क्षमता रखता है। इसलिए नैतिकता और परोपकार का तकाजा यह भी है कि आवश्यकता पूर्ण कर सकने योग्य भौतिक विकास भी हो।

वैश्वीकरण ने भौतिक विकास को प्रोत्साहित किया है। अतः इसके उचित समंजन से भारतीय संस्कृति के आधरभूत तत्व 'सर्वार्थ' को प्रोत्साहित भी किया जा सकता है। वस्तुतः वैश्वीकरण से सभी संस्कृतियाँ एक–दूसरे के करीब आयी है। इसलिए एक संस्कृति का दूसरी संस्कृति पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है।

संस्कृति विकास दो तरीके से होता हैः

(i) स्वतः स्फूर्त विकास

(ii) वाह्य प्रभाव से विकास

दोनों तरीके से विकास होना चाहिए सांस्कृतिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा ही नहीं अनिवार्य भी है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने बाह्य प्रभाव द्वारा सांस्कृतिक विकास का अवसर उपलब्ध कराया है। मगर इस प्रक्रिया में बाजार और मीडिया की ताकत बहुत महत्वपूर्ण है। चूंकि बाजार और मीडिया की दृष्टि से पश्चिमी देश अध्कि सशक्त हैं, इसलिए पश्चिमी संस्कृति का अन्य संस्कृतियों पर प्रभाव अधिक पड़ रहा है। वास्तव में यह प्रक्रिया अब संवाद न रहकर एकालाप बन गई है डायलॉग न रहकर मोनोलॉग बन गई है। वस्तुतः वैश्वीकरण से अत्यधिक आतंकित हो जाना पूर्णतः अतार्किक हैं इस प्रक्रिया में सभी संस्कृतियों ने एक–दूसरे को प्रभावित किया हैं इसलिए पश्चिमी संस्कृति का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव की ही बात करना एक तरफा विश्लेषण ही होगा।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में जिस संस्कृति का जो कमजोर पक्ष था उस पक्ष को अन्य संस्कृतियों ने प्रभावित किया है। भौतिकता भारतीय संस्कृति का कमजोर पक्ष रहा है, इसलिए भौतिकता की दृष्टि से पश्चिमी संस्कृति ने भारतीय संस्कृति को प्रभावित किया हैं लेकिन आध्यात्मिकता पश्चिमी संस्कृति की दुखती रग है। स्पैंगलर ने 1922 की अपनी कृति 'The Decline of the West' में लिखा भी है कि प्रगति के समस्त सोपानों को तय करने के बाद भी आज का पश्चिम आध्यात्मिक रिक्तता के दंश को झेल रहा है। और इसी आध्यात्मिकता के बिन्दु पर भारतीय संस्कृति ने पश्चिमी संस्कृति पर गहरा प्रभाव डाला है। इसीलिए हम देखते हैं कि अमेरिका जैसे देश में रजनीशपुरम् नामक शहर बन जाता हैं। डॉ. विक्रम योगी विक्रम योग की स्थापना करते हैं। महेश योगी वैश्विक सरकार का गठन करते हैं। डॉ. दीपक चोपड़ा पश्चिम में जाकर भारतीय दर्शन और आयुर्वेद का प्रयोग करते हुए न केवल शरीर का बल्कि मन और आत्मा का इलाज करते फिरते हैं। हाउस ऑफ लार्ड्स में दीपावली जैसा पर्व मनाया

जाता है।

वैश्वीकरण हो, आधुनिकीकरण हो, इनके नाम पर पश्चिमी अंधानुकरण न हो। बाह्य तत्वों को ग्रहण करना चाहिए मगर इतना नहीं कि खुद की पहचान ही न बचे। परिवर्तन होना चाहिए, मगर इतना तीव्र नहीं कि परिवर्तन को आत्मसात् ही न किया जा सके। गाँधीजी ने भी कहा था कि खिड़कियाँ खुली रहें, मगर दरवाजे बंद रहे हवाएं सभी ओर से आयें, मगर आंधी किसी ओर से न आए।

इकबाल ने लिखा हैः

यूनान, मिश्र, रोमां, सब मिट गए जहाँ से
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।

वस्तुतः भारतीय संस्कृति एक सामासिक संस्कृति है। अर्थात् तमाम तरह के विरोधाभासों को साथ लेकर चलने की क्षमता से युक्त संस्कृति है। इतिहास के झरोखे में झांककर देखें तो शक आए, हूण आए, कुषाण आए, इस्लाम आया। मगर अनके आगमन से भारतीय संस्कृति किसी तरह क्षत–विक्षत नहीं हो गयी बल्कि दीर्घकालिक रूप से और भी समृद्ध होती चली गयी। इतिहास के इस अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया भी अंततः भारतीय संस्कृति को और भी समृद्ध एवं पुष्ट बनाएगा। हालांकि इन वाक्यों में आशा का स्वर ही झलकता है, लेकिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि आशा पर ही आकाश भी टिका है।